3 राजधानी
ब्लैक फंगस से दूसरी मौत

6 अभिमत
इजराइल-हमास युद्ध की विभीषिका

11 विदेश
इस्लामी नेताओं ने गाजा पर आपात बैठक की

12 कॅरियर
प्रकृति है सबसे अच्छी चिकित्सक

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 204
लखनऊ, सोमवार, 17 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
www.dailypioneer.com

कॅरियर के दौरान 10-12 वर्षों तक तनाव से जूझता रहा
स्पोर्ट्स-10

संक्रमण की दूसरी लहर काबू में: योगी

● कोरोना की तीसरी लहर से निपटने की भी पूरी तैयारियां: मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण और इससे निपटने की सरकार की रणनीति की जमीनी हकीकत परखने मेरठ, नोएडा और गाजियाबाद के दौरे पर निकले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में बिगड़े हालातों को काबू में कर लिया गया है और तीसरी लहर से मुकाबले की तैयारियां भी कर ली हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आक्सीजन उत्पादन में आत्मनिर्भर होने जा रही है। योगी ने मेरठ में कहा कि तीसरी लहर में बच्चों पर खतरे की आशंका ज्यादा है। जिसे देखते हुये प्रत्येक जिला अस्पताल और मेडिकल कालेज में एक पीडियाट्रिक आइसीयू बनाने का निर्देश दिया गया है। प्रेस ब्रीफिंग में मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र और दिल्ली के बाद देश-विदेश के विज्ञानियों का दावा था कि 25 अप्रैल से 10-15 मई के बीच उत्तर प्रदेश में रोजाना एक लाख से अधिक नए केस आएंगे लेकिन प्रधानमंत्री के दिए ट्रिपल टी यानी ट्रेस, ट्रीट एंड टेस्ट मंत्र के तहत इस आशंका को निर्मूल किया गया।

गौतमबुद्ध नगर के छपरौली गांव में पीएचसी का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोरोना के साथ ब्लैक फंगस ने भी पांव पसारने शुरू कर दिए हैं। इसके लिए विशेषज्ञों को लेकर एक क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप बनाया गया है जिसकी सलाह पर इलाज का विस्तृत प्रोटोकाल भी जारी कर दिया गया है। साथ ही सरकारी स्तर पर ब्लैक फंगस का नि:शुल्क इलाज हो, इसके निर्देश भी दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 45 से अधिक उम्र वालों को नि:शुल्क टीका लगाए जाने के साथ ही 18.44 वर्ग के लोगों के लिए भी टीकाकरण को विस्तार दिया जा रहा है। सोमवार से सभी मंडल मुख्यालय समेत 23 जिलों में टीका लगाया जाएगा ताकि कोरोना से हमारी लड़ाई और प्रभावी हो।

नोएडा में मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि नान कोविड मरीजों के लिए डेडीकेटेड चिकित्सालय संचालित किया जाए। चिकित्सकों के द्वारा टेलीकंसल्टेंसी के माध्यम से सामान्य बीमारियों के सम्बन्ध में लोगों को मेडिकल परामर्श प्रदान किया जाए। उन्होंने महिलाओं एवं बच्चों के लिए जनपद में अलग चिकित्सालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों को संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए प्रदेशव्यापी विशेष स्क्रीनिंग एवं टेस्टिंग अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निगरानी समितियों को और अधिक सक्रिय करते हुए लक्षणयुक्त व संक्रमण की मद्देनजर संदिग्ध लोगों को चिन्हित किया जाए। (शेष पेज 9)

प्रधानमंत्री ने कोरोना की स्थिति पर मुख्यमंत्री से ली जानकारी

● ताजा हालात और वैक्सीनेशन की रणनीति से हुये रूबरू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस के दूसरी लहर में बिगड़े हालात को संभालने में जुटे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से राज्य की ताजा स्थित की जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को फोन करके प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण की वर्तमान स्थिति और किये जा रहे उपायो के बारे में पूछा। इसके अलावा वैक्सीनेशन को लेकर अहम चर्चा भी की। मोदी ने रविवार को दिन में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ फोन पर वार्ता कर राज्य में कोरोना की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। पीएम मोदी ने इसके साथ ही राजस्थान, छत्तीसगढ़ और पुदुचेरी के मुख्यमंत्रियों से भी उनके राज्यों में कोरोना वायरस संक्रमण की वर्तमान स्थिति पर वार्ता की। (शेष पेज 9)

चक्रवात तौकते गुजरात की तरफ बढ़ा, आठ की मौत

राजेश कुमार। नई दिल्ली

चक्रवाती तूफान 'तौकते' के कारण रविवार को गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के अधिकांश भागों में कोविड टीकाकरण बुरी तरह प्रभावित हुआ। मौसम विभाग की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए तटीय राज्यों के अधिकांश क्षेत्रों में दो दिन तक टीके नहीं लगाए जाएंगे। सुरक्षा कारणों से हजारों लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है। अभी तक आठ लोगों की मौत की खबर है। टीकाकरण अभियान रविवार और सोमवार को महाराष्ट्र के मुंबई, पालघर, उत्तरी कोंकण, थाणे, रत्नागिरी जिलों में स्थगित किया गया है। इसके अलावा गुजरात में भी दो दिन टीकाकरण नहीं होगा। इसके आलावा केरल, गोवा, तमिलनाडु, गुजरात और कर्नाटक में भी टीकाकरण अभियान प्रभावित हुआ है।

गोवा में चक्रवात तौकते के कारण उखड़ कर कार पर गिर गया पेड़

● तूफान से गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के तटीय इलाके प्रभावित

शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार चक्रवात से आठ लोगों की (केरल में दो, गोवा में दो और कर्नाटक में चार) मौत हुई है। तटीय इलाकों में भारी वर्षा और 145 से 175 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलीं तेज हवाओं ने बिजली के खंभे उखाड़ दिए। इससे बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। निचले इलाकों में बाढ़, जलभराव हो गया। पेड़ गिर गए और बड़ी संख्या में लोगों के घरों को नुकसान पहुंचा है।

छह राज्यों में 3 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। इस कारण इन क्षेत्रों में टीकाकरण अभियान रोकना पड़ा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार तोकते ने गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप ले लिया है जो अगले 24 घंटे में गुजरात के तटीय क्षेत्र से सोमवार शाम को टकराएगा। आईएमडी के अनुसार 18 मई मंगलवार दोपहर या शाम तक तोकते चक्रवात पोरबंदर और भावनगर जिले के महुवा को पार कर जाएगा। इससे समुद्र में ज्वार के चलते तेज लहरें उठने के साथ तटीय क्षेत्रों के जलमग्न होने की संभावना है। बृहन्नमुंबई म्यूनिसपल कॉरपोरेशन (बीएमसी) ने घोषणा की थी कि आईएमडी के चक्रवात आने की घोषणा के कारण 16 व 17 मई के दौरान टीकाकरण अभियान नहीं चलाया जाएगा। (शेष पेज 9)

कोरोना मामलों में गिरावट जारी

● प्रदेश में 24837 रोगी स्वस्थ, 10682 नए केस, 311 की मौत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर से प्रदेश को निजात मिलती दिख रही है। कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी से गिरावट हुई है। हालांकि मौतों की दर में कमी उतनी तेजी से नहीं आ रही है। रविवार को पूरे प्रदेश में 10682 नए केस के बीच 311 मरीजों की मौत के मामले सामने आए हैं। राजधानी लखनऊ में 525 नए केस के बीच 20 मरीजों ने दम तोड़ दिया है।

पूरे प्रदेश में 163003 केस व लखनऊ में 11045 केस एक्टिव हैं। बीते 24 घण्टे के अंदर लखनऊ में 1944 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया तो प्रदेश भर में 24837 लोगों को डिस्चार्ज किया गया है। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रदेश में बड़ी संख्या में टेस्टिंग कार्य करते हुए टेस्टिंग क्षमता निरन्तर बढ़ायी जा रही है। गत एक दिन में कुल 2,67,420 सैम्पल की जांच की गयी है। जनपदों से से 1,11,208 सैम्पल टेस्टिंग के लिए भेजे गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कोविड 19 से ठीक होने का प्रतिशत 88.92 हो गया है। प्रदेश में अब तक कुल 4,46,95,189 सैम्पल की जांच की गयी है। अब तक 14,39,096 लोग कोविड 19 से ठीक हो चुके हैं। प्रदेश में कोरोना के कुल 1,63,003 एक्टिव मामलों में से 1,34,615 व्यक्ति होम आइसोलेशन में हैं, इसके अतिरिक्त अन्य मरीज सरकारी एवं निजी चिकित्सालयों में इलाज करा रहे है।

प्रसाद ने बताया कि सर्विलांस की कार्यवाही निरन्तर चल रही है। उन्होंने बताया कि 18 से 44 वर्ष वाले लोगों के साथ साथ 45 वर्ष से अधिक आयु वालों का वैक्सीनेशन चल रहा है। अब तक 1,16,80,212 लोगों को वैक्सीन की पहली डोज दी गई तथा पहली डोज वाले लोगों में से 32,66,076 लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज दी गई। इस प्रकार कुल 1,49,46,288 वैक्सीन की डोज लगायी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि विगत 24 घण्टों में 18 से 44 वर्ष के आयुवर्ग के 48,340 लोगों को वैक्सीन लगायी गयी है। इस आयुवर्ग में अब तक 4,14,329 लोगों को पहली डोज लग चुकी है।

भारत में 3.11 लाख नए मामले, 4,077 की मौत

नई दिल्ली। भारत में 25 दिनों के बाद एक दिन में कोविड-19 के सबसे कम 3.11 लाख मामले आए जबकि 4,077 और लोगों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या 2,70,284 पर पहुंच गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक जारी आकंड़ों के अनुसार, एक दिन में 3,11,170 मरीज संक्रमित पाए गए हैं, जिससे देश में संक्रमण के कुल मामले 2,46,84,077 पर पहुंच गए। 21 अप्रैल को 24 घंटों में संक्रमण के 2,95,041 मामले आए थे। आंकड़ों के अनुसार, कोविड-19 का उपचार करा रहे मरीजों की संख्या कम होकर 36,18,458 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 14.66 प्रतिशत है। कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर में सुधार हुआ है और यह 84.25 प्रतिशत है। इस महामारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 2,07,95,335 हो गई है जबकि मृत्यु दर 1.09 प्रतिशत दर्ज की गई।

भारत को 5.3 लाख रेमडेसिविर, 13496 ऑक्सीजन सिलेंडर विदेशी सहायता के तौर पर मिले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि वैश्विक सहायता के रूप में प्राप्त 11,058 ऑक्सीजन सांद्रक, 13,496 ऑक्सीजन सिलेंडर, 19 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र और करीब 5.3 लाख रेमडेसिविर शीशियों को 27 अप्रैल से 15 मई तक विभिन्न राज्यों या केंद्रशासित प्रदेशों को वितरित किया गया है। महामारी के प्रकोप से निपटने के भारत के प्रयासों को बढ़ाने के लिए 27 अप्रैल से विभिन्न देशों और संगठनों से अंतरराष्ट्रीय दान और कोविड-19 राहत चिकित्सा आपूर्ति और उपकरणों की सहायता मिल रही है। मंत्रालय ने कहा कि केंद्र राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उनके संसाधनों और प्रयासों को बढ़ाने के लिए वैश्विक सहायता तेजी से पहुंचा रहा है। मंत्रालय ने कहा, कुल मिलाकर 11,058 ऑक्सीजन सांद्रक, 13,496 ऑक्सीजन सिलेंडर, 19 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र, 7,365 वेंटिलेटर या बीआईपीएपी, लगभग 5.3 लाख रेमेडिसविर शीशियों को 27 अप्रैल से 15 मई तक सड़क और हवाई मार्ग से वितरित या भेजा गया है।

कोवैक्सीन कोरोना के सभी स्वरूपों पर प्रभावी: भारत बायोटेक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत बायोटेक ने रविवार को कहा कि उसका कोविड-19 टीका भारत और ब्रिटेन में मिले कोरोना वायरस के स्वरूपों के खिलाफ प्रभावी पाया गया है। एक मशहूर मेडिकल जर्नल में प्रकाशित शोध का हवाला देते हुए हैदराबाद की टीका निर्माता कंपनी भारत बायोटेक ने कहा कि कोवैक्सीन टीकाकरण भारत और ब्रिटेन में क्रमशः सामने आए बी.1.617 और बी.1.1.7 समेत कोरोना वायरस के सभी प्रमुख स्वरूपों के खिलाफ कारगर साबित हुआ है। कंपनी के मुताबिक, यह शोध राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के साथ मिलकर किया गया था। भारत बायोटेक की सह-संस्थापक एवं संयुक्त प्रबंध निदेशक सुचित्रा इला ने एक ट्वीट में कहा, कोवैक्सीन को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है, प्रकाशित हुए वैज्ञानिक शोध आंकड़े नए स्वरूपों के खिलाफ भी सुरक्षा को दर्शाते हैं। उन्होंने इस ट्वीट को प्रधानमंत्री कार्यालय, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन समेत अन्य को टैग किया है।

कोविशील्ड की दूसरी खुराक के लिए पहले से तय समय वैध रहेगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह साफ किया कि कोविशील्ड टीके की दूसरी खुराक के लिए पहले से लिया गया समय (अप्वाइंटमेंट) वैध रहेगा और यह को-विन पोर्टल पर रद्द नहीं होगा। मंत्रालय ने कहा कि को-विन पोर्टल में आवश्यक बदलाव किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप पहली खुराक लेने के बाद लाभार्थी 84 दिन से कम समय की अवधि में ऑनलाइन समय प्राप्त नहीं कर पाएगा। केंद्र ने 13 मई को कोविशील्ड टीके की पहली और दूसरी खुराक लेने के समय में अंतर बढ़ाकर 12-16 सप्ताह कर दिया था। मंत्रालय ने कहा, भारत सरकार ने इस बदलाव के संबंध में राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को सूचित किया है।

बेंगलुरु में एक युवती को कोरोनारोधी टीका लगाती चिकित्साकर्मी

कोविशील्ड टीके की दूसरी खुराक लेने के लिए 12-16 सप्ताह के अंतराल को दर्शाने के लिए को-विन पोर्टल में भी आवश्यक बदलाव किए गए हैं। उन्होंने कहा, मीडिया में आईं कुछ रपटों में दावा किया गया है कि जिन लाभार्थियों ने को-विन पोर्टल पर दूसरी खुराक के लिए 84 दिन से कम समय में अप्वाइंटमेंट लिया है, उन्हें कोविशील्ड की दूसरी खुराक दिए बिना ही टीकाकरण केंद्रों से लौटाया जा रहा है। (शेष पेज 9)

अगले तीन दिन में राज्यों को मिलेगी टीकों की 51 लाख खुराक

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के पास अब भी कोविड-19 टीके की 1.84 करोड़ से अधिक खुराक हैं तथा करीब 51 लाख खुराक शीघ्र आने वाली हैं जो अगले तीन दिनों में उन्हें दी जाएगी। उसने कहा कि केंद्र अब तक राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को टीके की 20 करोड़ (20,28,09,250) से अधिक खुराक मुफ्त दे चुका है। शनिवार शाम सात बजे के आंकड़े के हिसाब से 14 मई तक कुल उपभोग (जिसमें बर्बादी भी शामिल है) 18,43,67,772 खुराक रहा है।

बाजार

सेंसेक्स	48,691	
निफ्टी	14,696	
सोना	47,074	/10g
चांदी	70,807	/kg

क्विक न्यूज

कांग्रेस सांसद राजीव सातव का निधन

पुणे। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सदस्य राजीव सातव का कोरोना वायरस संक्रमण से उबरने के बाद स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के कारण रविवार को निधन हो गया। अस्पताल के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सातव (46) का पिछले महीने कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद पुणे के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था और वह वेंटिलेटर पर थे। जहांगीर अस्पताल की विज्ञप्ति में बताया गया कि कई अंगो के काम करना बंद करने के बाद निमोनिया से सातव का सुबह पांच बजे निधन हो गया। उनकी नौ मई को रिपोर्ट निगेटिव आई थी। कोविड-19 से उबरने के बाद गंभीर निमोनिया की चपेट में आने पर 23 अप्रैल को सातव को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

केंद्र ने राज्यों को सौंपी जिम्मेदारी, गंगा में न फेंके जाएं शव

● सम्मानजनक ढंग से हो मृतकों की विदाई और नदी भी रहे स्वच्छ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र ने रविवार को उत्तर प्रदेश एवं बिहार को निर्देश दिया कि शवों को गंगा और इसकी सहायक नदियों में फेंकने पर रोक लगाई जाए तथा उनके सुरक्षित एवं सम्मानजनक अंतिम संस्कार पर जोर दिया जाए। यह निर्देश ऐसे समय दिया गया है जब हाल में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बहुत तेजी से बढ़ने के बाद इन नदियों में अनेक शव तैरते मिले थे। केंद्र ने 15-16 मई को हुई एक समीक्षा बैठक में कहा कि हाल ही में शवों, आंशिक रूप से जले एवं क्षत-विक्षत शव प्रवाहित करने के कई मामले सामने आए हैं जो अत्यंत अनुचित एवं चिंताजनक है।

फाइल फोटो

जलशक्ति मंत्रालय ने कहा, नमामि गंगे (मिशन) राज्यों को गंगा में शवों को प्रवाहित करने पर रोक लगाने और उनके सुरक्षित निस्तारण एवं सम्मानजनक अंतिम संस्कार पर बल देने निर्देश देता है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को स्वास्थ्य विभागों के साथ मिलकर बार-बार पानी की गुणवत्ता की निगरानी करने का निर्देश दिया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को संपूर्ण निगरानी, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों का मार्गदर्शन करने एवं इस विषय में उच्चस्तरीय मूल्यांकन करने का जिम्मा सौंपा गया है। मंत्रालय ने कहा कि अंतिम संस्कार के वास्ते सहयोग को उच्च प्राथमिकता देने की जरूरत है, साथ ही सरकारी आदेशों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की जरूरत है तथा ए सारे काम अविलंब किए जाएं। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक राजीव रंजन मिश्रा द्वारा 11 मई को इस संबंध में जिलाधिकारियों को परामर्श जारी किया गया था। इसके बाद नदियों में शवों को फेंके जाने से रोकने तथा कोविड-19 के मरीजों के शवों का अंतिम संस्कार पर्यावरण दिशा-निर्देशों के अनुसार सुनिश्चित करने के लिए मुख्य सचिवों को पत्र लिखा गया। जलशक्ति मंत्रालय के सचिव पंकज कुमार की अध्यक्षता में 15 मई को हुई बैठक में इस संबंध में उत्तर प्रदेश और बिहार द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा की गई तथा आगे की कार्रवाई के बिन्दुओं पर निर्णय किया गया।

गांवों को कोरोना से बचाने के लिए केंद्र ने जारी किए दिशा-निर्देश

● बिना लक्षण वाले या हल्के लक्षण वाले मरीजों के लिए न्यूनतम 30 बिस्तर वाले कोविड देखभाल केंद्र बनाने की सलाह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ग्रामीण इलाकों में कोविड-19 के मामले बढ़ने पर केंद्र ने रविवार को इस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए नए दिशा निर्देश जारी किए हैं। सरकार ने शहरी क्षेत्रों से सटे इलाकों और ग्रामीण इलाकों में जहां घर पर पृथक वास संभव नहीं है वहां दूसरी बीमारियों से ग्रसित बिना लक्षण वाले या हल्के लक्षण वाले मरीजों के लिए न्यूनतम 30 बिस्तर वाले कोविड देखभाल केंद्र बनाने की सलाह दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उप केंद्रों या स्वास्थ्य केंद्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों समेत सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में रैपिड एंटीजन जांच (आरएटी) किट्स उपलब्ध होनी चाहिए। कोविड देखभाल केंद्र (सीसीसी) किसी संदिग्ध या संक्रमित व्यक्ति को भर्ती कर सकते हैं लेकिन उनके लिए अलग जगह और साथ ही उनके प्रवेश तथा निकासी के लिए अलग व्यवस्था होनी चाहिए।

एसओपी में कहा गया है, संदिग्ध और संक्रमित व्यक्ति को किसी भी परिस्थिति में एक साथ नहीं रखा जाना चाहिए। एसओपी के अनुसार, हर गांव में इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारी, गंभीर श्वसन संबंधी संक्रमण के मामलों पर गांव की स्वास्थ्य स्वच्छता तथा पोषण समिति की मदद से निगरानी की जानी चाहिए। बीमारी के लक्षण वाले मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) फोन पर परामर्श दे सकते हैं और अन्य बीमारी से पीड़ित या कम ऑक्सीजन स्तर वाले मरीजों को उच्च केंद्रों में भर्ती कराया जाना चाहिए। एसओपी में कहा गया है कि सीएचओ और एएनएम को रैपिड एंटीजन जांच करने में प्रशिक्षित होना चाहिए। मामले बढ़ने और मामलों की संख्या के आधार पर जितना संभव हो संपर्क में आए लोगों का पता लगाया जाए। एसओपी में कहा गया है, कोविड-19 के करीब 80-85 प्रतिशत मामले बिना लक्षण, हल्के लक्षण वाले होते हैं। इन मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत नहीं होती और इनका घर पर या कोविड देखभाल पृथकवास केंद्रों में इलाज किया जा सकता है। (शेष पेज 9)

कोरोना की चेन तोड़ने में विशेष स्वच्छता अभियान बना मददगार

● कुल 58194 ग्राम पंचायतों और 97509 राजस्व ग्रामों में 86663 कर्मियों ने साफ-सफाई सैनीटाइजेशन और फॉगिंग का कार्य किया, अभी तक अभियान दिवसों में 62611 राजस्व ग्रामों में विशेष सफाई अभियान चलाए गये

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण की जंग में योगी सरकार का विशेष स्वच्छता अभियान मील का पत्थर साबित हो रहा है। सरकार का मानना है कि गांवों में कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने में अभियान की अहम योगदान है।

गांव-गांव तक की जा रही साफ-सफाई संक्रामक रोगों का प्रसार कम कर रही है। सरकार प्रत्येक व्यक्ति की जान बचाने के लिये कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती है। इसके लिये उसने ग्रामीण इलाकों में बड़े स्तर पर स्वच्छता अभियान चला रखा है। इस तरह का अभियान चलाने वाले प्रदेशों में यूपी ने पहले स्थान पा लिया है। गौरतलब है कि कोरोना की पहली लहर के दौरान भी योगी सरकार के कोविड मैनेजमेंट की डब्ल्यूएचओ समेत देश और दुनिया में जम कर तारीफ हुई थी।

यूपी के समस्त ग्राम पंचायतों में साप्ताहिक बंदी, शनिवार और रविवार को विशेष सफाई अभियान चलाए जा रहे हैं। क्षेत्र पंचायतों में रविवार तक कुल 58194 ग्राम पंचायतों और 97509 राजस्व ग्रामों में 86663 कर्मियों ने साफ-सफाई सैनीटाइजेशन और फॉगिंग कार्य किया गया है। अभी तक अभियान दिवसों में 62611 राजस्व ग्रामों में विशेष सफाई अभियान चलाए गये हैं। सरकार के निर्देश पर कुल 32966 राजस्व ग्रामों में ब्लीचिंग पाउडर और सोडियम हाइपोक्लोराइड का छिड़काव किया गया है। कुल 14096 राजस्व ग्रामों में फॉगिंग कराई गई है।

बीमारी की चेन तोड़ने में लगी सरकार के प्रयासों से पहली बार गांवों में विशेष स्वच्छता अभियान के दौरान नालियों की सफाई, ग्राम पंचायतों में स्थापित हैण्डपम्पों के चबूतरों की मरम्मत कराई गई है। सरकार को गांवों में भी टेस्ट, ट्रेस और ट्रीट के मूलमंत्र से रोज बड़ी सफलता मिल रही है। निगरानी समितियां बीमारी को रोकने के लिये ढाल बन गई हैं। गांव-गांव में कोरोना वायरस के खात्मे के लिये तिगुनी ताकत से आर पार की लड़ाई में जुटी हैं। निगरानी समितियों के सदस्य रोज 14403 मेडिकल किटों का वितरण कर रहे हैं। अभी तक कुल 254720 मेडिकल किट का वितरण ग्रामीण क्षेत्रों में किया जा चुका है।

योगी सरकार के बीमारी को मात देने के लिये किये जा रहे प्रयासों का ही असर है कि अब प्रदेश के लोगों को समझ में आने लगा है कि कोविड 19 के संक्रमण को रोकने में स्वच्छता बेहद जरूरी है। प्रदेश में गठित 60569 निगरानी समितियों के 4 लाख सदस्य प्रतिदिन एक एक व्यक्ति के घर तक पहुंच रहे हैं। ग्राम पंचायत स्तर पर गठित समितियों के सदस्य नियमित रूप से लोगों की व्यक्तिगत स्वच्छता पर ध्यान दे रहे हैं। उनको नियमित रूप से साबुन से हाथ धोने आदि विषय में जागरूक कर रहे हैं।

चारबाग रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की स्कैनिंग करते स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी

आर्थिक पैकेज की घोषणा करे प्रदेश सरकार: शिवपाल यादव

● रेहड़ी, पटरी, खोमचा लगाने वाले व दिहाड़ी मजदूरों के लिए राज्य सरकार द्वारा घोषित एक हजार का भत्ता नाकाफी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पूर्व मंत्री एवं प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया प्रमुख शिवपाल सिंह यादव ने प्रदेश सरकार द्वारा कोविड आपदा को ध्यान में रखकर रेहड़ी, पटरी, खोमचा लगाने वाले व दीगर दिहाड़ी मजदूरों के लिए एक माह हेतु एक हजार रुपए के भत्ते को नाकाफी बताया है और इसे बढ़ाकर प्रति माह 3,000 रुपये किए जाने का आग्रह किया है। इसी क्रम में शिवपाल यादव ने इस वैश्विक आपदा से प्रभावितों के लिए एक समावेशी और लोककल्याणकारी आर्थिक पैकेज की भी मांग की है।

शिवपाल यादव ने कहा है कि लॉकडाउन से उपजी विपरीत परिस्थितियों में रोजाना कमाई कर परिवार का भरण पोषण करने वाले रेहड़ी, पटरी, ठेला, खोमचा आदि लगाने वाले पटरी दुकानदारों, दिहाड़ी मजदूरों, रिक्शा चालक, पल्लेदार सहित नाविकों, नाई, धोबी, मोची, हलवाई आदि जैसे परम्परागत कामगारों के सामने भी रोजी रोटी का भयानक संकट आ खड़ा हुआ है। ऐसे में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एक माह के लिए प्रदान किया जाने वाला 1000 रुपए का भरणपोषण भत्ता अत्याधिक कम है। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि इसे न्यूनतम तीन माह के लिए प्रति माह 3000 किया जाए। शिवपाल यादव ने आगे यह भी कहा है कि निर्मम कोरोना काल में घर वापस लौटने वाले लाखों प्रवासी मजदूर, सब्जी, फल व दुग्ध उत्पादक, मुर्गीपालक, मत्स्य पालक व लघु पशुपालक और अन्नदाता भी भयानक आर्थिक चुनौतियों से लड़ रहे हैं। आपदा से छोटे व मध्यम व्यवसायी बुरी तरह से प्रभावित हैं। उन्होने कहा कि मेरा यह भी आग्रह है कि राज्य व केंद्र सरकार इनकी परेशानियों को ध्यान में रखकर एक समावेशी और लोककल्याणकारी आर्थिक पैकेज की भी घोषणा करे।

पुलिसलाइनों में बने कोविड केयर सेन्टर दे रहे जवानों को राहत

● कुल 589 पुलिसकर्मी हुए थे संक्रमित, दो सौ से अधिक हो चुके डिस्चार्ज 322 करा रहे इलाज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना की लड़ाई में अहम भूमिका निभा रही पुलिस पर सीएम योगी का ध्यान है। उन्होंने पिछले दिनों पुलिस लाइनों में कोविड केयर सेन्टर बनाने के निर्देश दिये थे। सीएम के इन निर्देशों के बाद राज्य की 66 पुलिस लाइनों तथा 34 पीएसी वाहिनियों में कोविड केयर सेंटरों की स्थापना हो चुकी है और संक्रमितों को इलाज मिलना भी शुरू हो गया हैं।

वैश्विक महामारी में सुबह से शाम तक लोगों को कोरोना से बचाने, आंशिक कोरोना कर्फ्यू का पालन कराने और कानून व्यवस्था बनाए रखने वाले पुलिसकर्मी और पीएसी के जवानों, जीआरपी के जवान रात दिन जुटे हैं। सरकार के निर्देश पर फ्रंटलाइन पर काम करने वाले कर्मयोगियों (पुलिसकर्मी और पीएसी जवान) के इलाज के लिये पुलिस लाइनों में कुल 2993 बेड के कोविड केयर सेन्टर बनाए गये हैं जिनमें से 299 ऑक्सीजन वाले बेड हैं जबकि पीएसी वाहिनियों में जवानों को बेहतर इलाज की सुविधा देने के लिये कुल 628 बेड उपलब्ध कराए गये हैं। इनमें से 45 ऑक्सीजनयुक्त बेड हैं।

सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक कोविड केयर सेन्टर में कुल 589 पुलिसकर्मी भर्ती हुए जिनमें से 244 पुलिसकर्मी निगेटिव होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं जबकि 322 पुलिसकर्मी वर्तमान में इलाज प्राप्त कर रहे हैं। जीआरपी की ओर से 107 बेडों और प्रशिक्षण निदेशालय द्वारा 236 बेडों का कोविड केयर सेन्टर संचालित किया जा रहा है। सरकार के निर्देशों पर तत्काल दी जा रही इलाज की सुविधा से पुलिसकर्मी और पीएसी जवानों बीमारी को मात देकर स्वस्थ हो रहे हैं।

प्रदेश सरकार के निर्देश पर यूपी पुलिस की ओर से बनाए गये कोविड केयर सेंटरों के लिये पुलिस लाइन में जगह नहीं मिलने पर उनको कमिश्नरेट पुलिस लाइनों या फिर स्टेडियमों में संचालित जा रहा है । हमीरपुर, सिद्धार्थनगर व उन्नाव में पुलिस लाइन्स के बैरकों को आइसोलेशन वार्ड (कोविड केयर सेन्टर) के रूप में स्थापित किया गया है। उनको स्वास्थ्य संबंधी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश सरकार ने दिये हैं। वाराणसी ग्रामीण में पुलिस लाइन न होने के कारण कमिश्नरेट पुलिस लाइन में कोविड केयर सेन्टर संचालित किया जा रहा है। चन्दौली में चकिया राजकीय अस्पताल में, गोरखपुर में वीर बहादुर स्पोर्ट्स स्टेडियम के गर्ल्स हॉस्टल को कोविड केयर सेन्टर और श्रावस्ती में जिला अस्पताल में कोविड केयर सेन्टर चल रहा है।

यूपी के कुछ जनपदों के पुलिस विभाग ने अपने संसाधनों से अधिक संख्या में बेडों की व्यवस्था की है। इनमें गोरखपुर में 200 बेड, अलीगढ़ में 120 बेड, हरदोई में 110 बेड, गाजियाबाद में 40 ऑक्सीजनयुक्त सहित 90 बेड बढ़ाए गये हैं। बहराइच में 60 बेडए मुजफ्फरनगर में 16 ऑक्सीजनयुक्त सहित 66 बेड, लखनऊ कमिश्नरेट में 20 ऑक्सीजन वाले बेड सहित 57 बेड हो गये हैं। मेरठ में सभी 30 ऑक्सीजनयुक्त बेड, गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में 10 ऑक्सीजनयुक्त सहित 52 बेड, कानपुर कमिश्नरेट में सभी 16 ऑक्सीजनयुक्त बेड और वाराणसी कमिश्नरेट में 54 बेडों का कोविड केयर सेन्टर संचालित किया जा रहा है।

कालाबाजारी करने वालों को सबक

लखनऊ। यूपी पुलिस जहां बीमारी से बचाव के लिये सभी उपाय करने में जुटी है वहीं आपदा के समय में भी जीवनरक्षक औषधियों, ऑक्सीजन सिलेण्डरों और चिकित्सीय उपकरणों की कालाबाजारी करने वालों को सबक भी सिखा रही है। यूपी पुलिस ऐसे अपराधियों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। अब तक कुल 160 लोगों को गिरफ्तार करते हुए 1256 जीवनरक्षक इंजेक्शन, 1350 ऑक्सीजन सिलेण्डर, 18 ऑक्सीजन कन्संट्रेटर, 844 ऑक्सीमीटर 05 ऑक्सीजन रेगुलेटर, 9 ऑक्सीजन फ्लोमीटर और अन्य उपकरणों एवं वाहनों को जब्त कर कुल 62 लाख 70 हजार 710 रूपये बरामद किये हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जनपदों के कप्तानों को निर्देश दिये हैं कि ऐसे सभी अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करें जो आपदा के समय भी कालाबाजारी करने में जुटे हैं।

बिजली उपभोक्ताओं पर रेग्यूलेटरी सरचार्ज बढ़ाने का विरोध तेज

लखनऊ। यूपी में बिजली उपभोक्ताओं पर बोझ डालने के प्रयास को लेकर विद्युत उपभोक्ता परिषद ने मोर्चा खोल दिया है। विद्युत उपभोक्ता परिषद ने सोमवार को विद्युत नियामक आयोगी की होने वाली सुनवाई में पोल खोलने की चेतावनी दी है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने आयोग में याचिका दाखिल कर बिजली कम्पनियों के प्रस्ताव को असंवैधानिक करार दिया और उसे खारिज करने की मांग की। उन्होने कहा कि 2019 का टैरिफ आदेश तीन साल बाद रिवाइज्ड करने की बात करना अधिनियम 2003 का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि नियमानुसार ऐसे किसी भी आदेश पर 90 दिन के अंदर पुनर्विचार हो सकता है मगर यहाँ तीन साल बाद की टैरिफ संशोधन की बात करना पूरी तरह असंवैधानिक व हास्यास्पद है। राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने जनहित में ऑनलाइन एक याचिका विद्युत नियामक में दाखिल कर बिजली कम्पनियों के प्रस्ताव को खारिज करने की मांग की। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष नियामक आयोग चेयरमैन आरपी सिंह से बात कर अपनी याचिका उन्हें भी भेजते हुए उपभोक्ताओ के साथ न्याय करने की मांग उठाई और कहा इस कोरोना संकट में उपभोक्ताओ की बिजली दरों में रहत दिलाई जाए।

मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन प्रदेश के दस अस्पतालों में लगाएगा आक्सीजन प्लांट

● लखनऊ में दो और गौतमबुद्धनगर, कानपुरनगर, बिजनौर, अमेठी, देवरिया, इटावा, मथुरा व पीलीभीत के एक-एक अस्पताल में उपलब्ध होगी सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

देश को स्वास्थ्य समेत विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग प्रदान करने वाला बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) उत्तर प्रदेश के दस अस्पतालों में प्रेशर स्विंग एडसॉर्प्शन आक्सीजन प्लांट स्थापित करेगा। फाउंडेशन ने इसके लिए 10 अस्पतालों की सूची उत्तर प्रदेश शासन से मांगी थी, जिसके तहत लखनऊ के दो अस्पतालों और नौ अन्य जिलों के एक-एक अस्पताल में आक्सीजन प्लांट लगाये जायेंगे।

विशेष सचिव प्रांजल यादव के मुताबिक जिन अस्पतालों में पीएसए आक्सीजन प्लांट लगने हैं, उनके मुख्य चिकित्सा अधीक्षक-अधीक्षिका को पत्र भेजकर इस बारे में उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। इनमें लखनऊ के अवन्तीबाई महिला चिकित्सालय व आरएसएम हास्पिटल-साढ़ामऊ, गौतमबुद्धनगर के 300 बेड कोविड हास्पिटल, कानपुरनगर के मान्यवर कांशीराम ट्रामा सेंटर, अमेठी के डीसीएच गौरीगंज, बिजनौर के जिला चिकित्सालय, देवरिया के जिला चिकित्सालय, इटावा के जिला चिकित्सालय, मथुरा के कम्बाइंड हास्पिटल वृन्दावन और पीलीभीत के जिला चिकित्सालय में प्लांट स्थापित किये जायेंगे। विशेष सचिव की तरफ से जारी आदेश में इन अस्पतालों के अधीक्षक-अधीक्षिका को प्लांट स्थापित करने के सम्बन्ध में डॉ देवेन्द्र खंडैत डिप्टी डायरेक्टर एंड कंट्री लीड स्टेट हेल्थ सिस्टम इण्डिया, कंट्री आफिस बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन से संपर्क स्थापित करने को कहा गया है।

वैक्सीन लगवाने के नियमों में बदलाव पर रालोद ने उठाये सवाल

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनुपम मिश्रा ने केंद्र सरकार द्वारा वैक्सीन लगाने के नियमों में किए गए बदलाव पर सवाल करते हुए पूछा कि यह बदलाव किसके दबाव में आकर किए जा रहे हैं ,क्या सरकार ने मान लिया है कि वांछित टीका उपलब्ध कराने में वह विफल हो गई है और ऐसा क्यों है कि यह बदलाव सिर्फ एक टीका के साथ है, दूसरे के साथ क्यों नहीं है ऐसे समय दो टीकों के मध्य के अन्तराल को कम करने का क्या औचित्य है, जब ब्रिटेन आदि देशों के द्वारा अपने यहाँ यह अंतराल घटाया जा रहा है।

अनुपम मिश्रा ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार अपनी विफ्लताओं व नाकामियों को छिपाने के लिए पहली व दूसरी डोज़ के मध्य में 12 और 16 ह ते का अंतर कर रही है ताकि टीकों की अनुपलब्धता व स्वयं की गैर जि मेदाराना कार्यशैली पर किसी तरह पर्दा डाला जा सके। आज सरकार नाम की कोई चीज ही नहीं है। ऐसा प्रतीत ही नहीं होता है जैसे सब कुछ भगवान के भरोसे चल रहा है। सरकार द्वारा यदि यह टीकों के मध्य का अंतर बिना किसी वैज्ञानिक अध्ययन, बिना किसी वैज्ञानिक सलाह के सिर्फ नाकामियों को छुपाने के लिए किया जा रहा है तो यह एक भयानक त्रासदी के अतिरिक्त और कुछ नहीं होगा। सरकार देश की जनता के समक्ष इसकी वैधानिकता व शोध के समस्त दस्तावेज रखेंए क्योंकि यह आम जनमानस के जीवन से जुड़ा हुआ निर्णय हैं। वहीं पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अनिल दुबे ने हिसार में किसानो पर हुए लाठीचार्ज की कड़े शब्दों में निंदा की है।

सरकार की कुनीतियों के चलते अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमराई: अखिलेश

● कहा- भाजपा की नीति और नीयत में खोट, देश-प्रदेश महंगाई की मार से कराह रहा है, किसान बेहाल है

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि कोरोना संकट काल में प्रबंधन में भारी नाकामी, बड़ी तादाद में शहरों और गांवो में हो रही मौतों से व्यापक जनरोष तथा पंचायत चुनावों में सपा के मुकाबले पिछड़ जाने से खिसियायी और बिलबिलायी भाजपा सरकार जनता से बदला लेने के लिए आपदा में आपदा खड़ी करने के फार्मूले पर उतर आई है। भाजपा की नीति और नीयत में खोट के चलते ही देश-प्रदेश मंहगाई की मार से कराह रहा है, किसान बेहाल है, नौजवान बेकारी का शिकार है और इस सबसे संवेदनशून्य भाजपा सरकार ने केवल अपना घर भरने और सत्ता सुख के संसाधन जुटाने में ही चार साल बिता दिए हैं और आज भी वह इसी एजेंडा पर काम कर रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की कुनीतियों के चलते प्रदेश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। उद्योग धंधे और व्यापार ठप्प है। श्रमिक बेरोजगारी में नमक-रोटी भी नहीं जुटा पा रहे है। पेट्रोल-डीजल के दामो में लगातार होने वाली बढ़ोत्तरी से परिवहन मंहगा होने के साथ खाद्य पदार्थो का भी बाजार में अभाव हो रहा है। वस्तुत: भाजपा सरकार ने पहले ही आपदा को अवसर में बदलने का जो मंत्र पूंजी घरानों को दिया है उसका अनुसरण भाजपा सरकारें भी कर रही है। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार ने चार वर्ष में विकास की जगह सिर्फसमाजवादी सरकार के कामों पर अपने नाम का ठप्पा लगाने का ही काम किया है। हर मोर्चे पर उसकी विफलता से जनता में भारी रोष है। भाजपा नेतृत्व को भी मालूम है कि पश्चिम बंगाल की कहानी उसके साथ यूपी में भी दुहराई जाएगी, इससे वह अब प्रदेशवासियों को हर तरह से परेशान करने और मंहगाई की मार से उसकी कमर तोड़ देने का कोई अवसर कोरोना संकट से अपनी जिंदगी बचाने की जद्दोजहद से जूझ रहे लोगों को नहीं देना चाहेगी। भाजपा सरकार का यह डरावना चेहरा जनता के सामने आ चुका है जनता इसे कभी माफ नहीं करेगी।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र संजीव अग्रवाल पुत्र वधू सुनीता अग्रवाल को उनकी गैर जिम्मेदाराना आदतों वह बुरी संगति होने के कारण अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है भविष्य में इनसे कोई लेन देन रखता है तो मेरा व मेरे परिवार का किसी प्रकार का कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। सीताराम अग्रवाल पुत्र स्वर्गीय पन्ना लाल अग्रवाल सेक्टर ई ,C-19 अलीगंज लखनऊ।

ग्राम पंचायतों के निर्धन परिवारों को अंत्येष्टि के लिए मिलेंगे 5000 रुपये

● नदियों में मिल रहे शवों का संज्ञान लेकर उठाया गया कदम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण अथवा अन्य कारणों के चलते नदियों में मिल रहे शवों को संज्ञान में लेते हुए राज्य सरकार अंत्येष्टि को लेकर निर्धन परिवारों की मदद करेगी। इसके लिए सरकार की तरफ से पारंपरिक रीति रिवाज के जरिये अंतिम संस्कार के लिए 5000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। सरकार की तरफ से इस बाबत नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों के माध्यम से मदद सुनिश्चित कराने के लिए जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

अपर मुख्य सचिव पंचायती राज मनोज सिंह के स्तर से जारी आदेश के मुताबिक प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक निर्धन व निराश्रित परिवारों में मृत्यु होने पर राज्य वित्त आयोग की तरफ से 5000 दिए जाने के आदेश जारी किए गए हैं। कोविड से मृत्यु होने पर भी 5000 की आर्थिक मदद दिए जाने के आदेश जारी हुए हैं। इस दशा में निर्धन व निराश्रित परिवारों में मौत होने पर अंतिम संस्कार के लिए ग्राम पंचायत 5000 रुपये खर्च करेगी। इसलिए नव निर्वाचित ग्राम प्रधानों को निर्देश है कि जारी धनराशि का उपयोग अंतिम संस्कार पर किये जायें साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए की नदी में कोई शव प्रवाहित न हो। वही नगरीय इलाकों के लिए जारी निर्देश में कहा गया है कि अंतिम संस्कार के लिए बजट का अभाव नहीं है। इसलिए कोविड 19 अथवा पंथ परंपरा के अनुसार नदी में शव को प्रवाहित न किया जाए। पंथ परंपरा के अनुसार शव प्रवाहित करने वालों को इसके कुप्रभाव समझाएं जाए। साथ ही कोविड 19 इनके अनुसार अंत्येष्टि कराई जाए।

शिक्षा के साथ बच्चों को मिला रोशनी का अधिकार

● राष्ट्रपति के गांव परौंख सहित अनेक गांवों की जिन्दगी में हुआ उजाला, गांव में स्कूली बच्चों को सोलर लैंप मात्र 100 रुपए में हो रहा है उपलब्ध

● महिलाओं और बालिकाओं को मिल रहा सुरक्षा, सम्मान के साथ स्वावलंबन प्रदान करने वाली योजनाओं का लाभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार गांवों में पढ़ने वाले स्कूली बच्चों में शिक्षा की अलख जगाने और गांव गांव में अंधकार को मिटाकर में जुटी है। गांव में शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चों के लिये सस्ते सोलर लैम्प बनाएं हैं जो उनकी पढ़ाई में मददगार बन रहे हैं। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने सीएसआर फंड से इस अनोखी पहल को साकार कर दिखाया है। बाजारों में 500 रुपये की कीमत के मिलने वाले लैम्प को इन महिलाओं ने स्कूली बच्चों को मात्र 100 रुपये में उपलब्ध कराया है।

योगी सरकार इससे पहले 28 लाख सोलर लैम्प यूपी के 75 ब्लाक और 30 जनपदों में स्कूली बच्चों को बांट चुकी है। इनको चार हजार महिलाओं ने तैयार किया था। प्रदेश सरकार के प्रयासों से स्कूली बच्चों को अब शिक्षा के साथ रोशनी का अधिकार भी मिल रहा है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के प्रेरणा ओजस कार्यक्रम के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाएं सोलर लैम्प बनाकर आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही हैं। प्रेरणा ओजस कार्यक्रम के तहत प्रथम चरण में ब्लाक डेरापुर के ग्राम परौंख में (ग्राम सभा-परौंख राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का पैतृक गांव है) 18 समूहों के अंतर्गत चयनित कर 35 महिलाओं को सस्ती कीमत के सोलर लैम्पों के निर्माण व विक्रय के लिए प्रशिक्षण देकर एक इकाई स्थापित की गयी है। प्रेरणा ओजस कार्यक्रम के सीईओ शैलेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि समूह की महिलाओं को प्रति लैंप निर्माण का 12 रूपये तथा प्रति लैंप बिक्री का 17 रुपये दिया जाता हैए जिससे उनकी आमदनी 250-300 रुपये प्रतिदिन हो जाती है। लैम्प में खराबी आने पर रिपेयरिंग भी करती है इस लैम्प की वारंटी 28 फरवरी 2022 तक है। अभी तक 1000 सोलर लैम्पों को बना कर ब्लाक के परिषदीय स्कूलों के छात्रों को 100 रुपये प्रति लैंप के मूल्य में विक्रय किये जा चुके हैं, जिससे ग्रामीण बच्चों को पठन पाठन में सुविधा हो रही है। अभी तक इन महिला समूह इकाइयों को सोलर लैम्प विक्रय करने से एक लाख रुपये प्राप्त हो चुके हैं ।समूह की महिलाओं को आगे चलकर योजना के तहत उद्यमी बनने का भी सुनहरा मौका भी मिलेगा। प्रेरणा ओजस के सीईओ शैलेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि जब सोलर लैम्प का वितरण लक्ष्य पूरा हो जाएगा तो यही महिलाएं आगे चलकर सौर उद्यमी बनेगी। इनको ब्लाक के विभिन्न कस्बों एवं बाजारों में प्रेरणा सोलर स्मार्ट शॉप खुलवाने में आर्थिक सहायता दी जाएगी महिलाएं सोलर शॉप पर विभिन्न तरह के सोलर प्रोडक्ट लालटेन, टॉर्च, लैम्प ,सोलर पंखा, पैनल ,एलईडी बल्ब की मरम्मत व बिक्री करेंगी।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

ब्लैक फंगस से राजधानी में दूसरी मौत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● राज्य सरकार ने बचाव व इलाज को लेकर जारी की गाइडलाइन

कोरोना संक्रमण के बाद राजधानी लखनऊ में ब्लैक फंगस से एक हफ्ते में दूसरी मौत होने का मामला सामने आया है। राजधानी स्थित सिप्स अस्पताल में भर्ती एक मरीज की मौत हो गई है। इससे पूर्व अभी कुछ दिन पहले ही लोहिया संस्थान के होल्डिंग एरिया में ब्लैक फंगस से पीड़ित एक अन्य मरीज की जान जा चुकी है। वहीं सरकार ने इलाज व बचाव को लेकर गाइडलाइन जारी की है।

अस्पताल के प्रमुख डॉ. राज मिश्र के मुताबिक गोरखपुर निवासी मरीज को 14 मई को सिप्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। स्थिति गंभीर होने के चलते मरीज को वेंटीलेटर पर रखा गया और डॉक्टरों ने उसका उपचार शुरू किया लेकिन थोड़ी ही देर में मरीज की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि यह फंगस मरीज के दिमाग तक पहुंच चुका था। इससे उसे बचा पाना संभव नहीं हो पाया। उन्होंने बताया कि अब तक अस्पताल में ब्लैक फंगस की चपेट में आए छह मरीजों को इलाज किया जा चुका है। जिसमें से तीन की हालत ऑपरेशन के बाद स्थिर है। अब उन्हें घर से समय समय पर बुलाकर इलाज मुहैया कराया जा रहा है, जबकि अभी भी यहां ब्लैक फंगस के दो मरीज भर्ती हैं। बता दें कि राजधानी में अब तक ब्लैक फंगस के कुल 24 मरीज सामने आ चुके हैं। इनमें से 13 मरीजों का केजीएमयू में उपचार चल रहा है। जबकि तीन का लोहिया संस्थान में उपचार चल रहा है। वही पांच मरीज सिप्स अस्पताल में भर्ती हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण के बाद ब्लैक फंगस के सामने आ रहे केसों को देखते हुए राज्य सरकार ने बचाव एवं इलाज को लेकर गाइडलाइन जारी कर दी है। जारी गाइडलाइन के अनुसार इलाज करने के निर्देश दिए गए हैं। कोरोना से ठीक हो चुके मरीजों में राईनोसेरेबल म्यूकरमाईकोसिस (ब्लैक फंगस) खतरा बन गया है। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अमित मोहन प्रसाद की ओर से जारी दिशा निर्देशों में कहा गया है कि कोरोना रोग से ग्रसित मरीजों में उपचार के बाद राईनोसेरेबल म्यूकरमाईकोसिस पाया जा रहा है। इसके कारण ब्लैक फंगस नाम के रोग से रोगी की मृत्यु भी हो रही है। इस रोग का प्रारंभिक अवस्था में पता लगाना इसके उपचार और बेहतर परिणाम के लिए आवश्यक है। स्टेराइड का तर्कसंगत उपयोग इस रोग से बचाव का सबसे अच्छा उपाय है। साथ ही ब्लड शुगर का उचित नियंत्रण जरूरी है। गाइडलाइन में कहा गया है कि कोविड, मधुमेह के साथ कोविड रोगी जो स्टेराइड तथा टोक्लीजुमाव या अन्य इम्यूनोस्पसेट प्रयोग कर रहे हैं और उनका ब्लड शुगर नियंत्रण में नहीं है, कोविड रोगी जो पहले से इम्यूननोसपरासेंट्स प्रयोग कर रहे हैं। जिन कोविड रोगियों का अंग प्रत्यारोपण हो चुका है उनको सतर्क रहना होगा। बचाव के तरीकों में ब्लड शुगर पर पूरा नियंत्रण, स्टेरॉयड का उचित, तर्कसंगत और विवेकपूर्ण प्रयोग, आक्सीजन ट्यूबिंग का बार-बार बदला जाना और प्रयोग की गई आक्सीजन ट्यूब का दोबारा इस्तेमाल न किये जाने की बात कही गई है। कोविड मरीज को आक्सीजन देते समय उसका आर्द्रताकरण करें और आर्द्रता विलयन बार बार किया जाए। दिन में दो बार नाक को सलाइन से धोएं। जो कोविड रोगी अधिक जोखिम वाले हैं, उनकी नाक धोना और एमफोरेटिस बी से उपचार किया जाय। कोविड रोगी की पहले, तीसरे और सातवें दिन परिस्थिति की जांच की जाए। डिस्चार्ज करते समय रोगी की सघन जांच जरूरी है। इसके लक्षणों में चेहरे पर भरापन, चेहरे पर दर्द, माथे में दर्द, आंख का लालीपन, सूजन और आंख के चारों तरफ भरापन, नाक में पपड़ी जमना और खून मिला स्त्राव निकलना, नाक बंद होना, आंखों में सूजन, पलकों पर सूजन, आंखों की रोशनी जाना, एक के दो दिखना, आंखों का चलाने में दिक्कत, तालू का रंग बदलना, दांतों का ढीला होना, चेहरे और नाक का रंग बदलना, आंखों के पीछे दर्द का होना आदि है। उपचार को लेकर कहा गया है कि नेजल स्पेकुलम से नाक की प्रारंभिक जांच, नेजल एंडोस्कोपी, केओएच वेट माउंट, एंडोस्कोपी पर मिडिल तथा इन्फीरियर टरबीनेट की ब्लैकिनिंग आदि है।

बलरामपुर अस्पताल में खुलेगा 20 बेड का पोस्ट कोविड वार्ड

● नोडल अधिकारी डॉ. रोशन जैकब ने बलरामपुर और लोकबन्धु हास्पिटल का किया औचक निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड निगेटिव होने के बाद आ रही समस्याओं को लेकर इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल में 20 बेड का कोविड वार्ड स्थापित किया जाएगा। जिसमें कोविड निगेटिव लक्षणयुक्त रोगियों को भर्ती कर उनका उपचार किया जाएगा। रविवार को कोविड रोगियों की उपचार की व्यवथाओ विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के कोविड रोगियों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नोडल अधिकारी कोविड 19 लखनऊ डॉ रोशन जैकब ने बलरामपुर और लोकबन्धु हास्पिटल का औचक निरीक्षण किया। बलरामपुर चिकित्सालय के निरीक्षण में चिकित्सालय में कोविड.19 संक्रमित रोगियों के उपचार हेतु उपलब्ध व्यवस्थाओं की समीक्षा की। चिकित्सालय प्रशासन द्वारा बताया गया कि उनके पास वर्तमान में 550 जम्बो टाइप ऑक्सीजन सिलेण्डर उपलब्ध हैं जिनमें से 300 सिलेण्डर चिकित्सालय द्वारा कोविड संक्रमित रोगियों के उपचार में वर्तमान में उपयोग किये जा रहे हैं। इस पर नोडल अधिकारी द्वारा वर्तमान में कोविड संक्रमित रोगियों के उपचार हेतु उपयोग किये जा रहे 300 ऑक्सीजन सिलेण्डरों के अतिरिक्त उपलब्ध 250 सिलेण्डरों को आकस्मिकता को दृष्टिगत रखते हुए ऑक्सीजन पूर्तिकर्ता फर्म से भराकर आरक्षित रखने हेतु चिकित्सालय प्रशासन को निर्देशित किया गया। चिकित्सालय में वर्तमान में विशेषज्ञ मानव संसाधन यथा ओटी टेक्नीशियन, आईसीयू टेक्नीशियन एवं एनेस्थेटिस्ट की उपलब्धता पर चर्चा की गयी। जिस पर चिकित्सालय प्रशासन द्वारा अवगत कराया गया कि चिकित्सालय में वर्तमान में मात्र 3 ओटी टेक्नीशियन कार्यरत हैं तथा वर्तमान में एक भी आईसीयू टेक्नीशियन कार्यरत नहीं है। उक्त के अतिरिक्त यह भी बताया गया कि महानिदेशक द्वारा अन्य जनपदों हरदोई-3, उन्नाव-2 एवं बाराबंकी-3 से भेजे गये 8 एनेस्थेटिस्ट में से 4 द्वारा ही अपना योगदान दिया गया है तथा अन्य 4 द्वारा आज तक चिकित्सालय में अपनी उपस्थिति नहीं दी गयी है। जिस पर नोडल अधिकारी द्वारा चिकित्सालय प्रशासन को उक्त विशेषज्ञ मानव संसाधन की आपूर्ति किये जाने हेतु तत्काल मुख्य चिकित्साधिकारी को मांगपत्र प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया गया। नोडल अधिकारी कोविड लखनऊ द्वारा लोकबन्धू राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय के निरीक्षण में कोविड 19 संक्रमित रोगियों के उपचार हेतु उपलब्ध व्यवस्थाओं की समीक्षा की गयी। सर्वप्रथम चिकित्सालय प्रशासन द्वारा निरीक्षणकर्ता अधिकारियों को चिकित्सालय परिसर के भूतल एवं प्रथम तल पर आवास विकास द्वारा निर्मित किये जाने वाले पीडियाट्रिक आईसीयू हेतु चिन्हित स्थान का भ्रमण कराया गया तथा भ्रमण कराया गया कि चिकित्सालय परिसर में कुल 100 बेड का पीडियाट्रिक आईसीयू निर्मित किया जायेगा। चिकित्सालय प्रशासन द्वारा बताया गया कि चिकित्सालय में कोविड संक्रमित रोगियों के उपचार हेतु ऑक्सीजन की समुचित व्यवस्था है जिस पर नोडल अधिकारी द्वारा संतुष्टि व्यक्त की गयी। वर्तमान में चिकित्सालय में कुल 9 ओटी टेक्नीशियन कार्यरत हैं। वर्तमान में चिकित्सालय में कुल 6 बाल रोग विशेषज्ञ कार्यरत हैं तथा 2 बाल रोग विशेषज्ञ की आवश्यकता है। जिस पर महानिदेशक द्वारा 2 बाल रोग विशेषज्ञ की आपूर्ति उनके स्तर से किये जाने की सहमति दी गयी। इसके अतिरिक्त चिकित्सालय प्रशासन द्वारा कम से कम 6 आयुष चिकित्सकों एवं 4 स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ की आपूर्ति किये जाने हेतु भी अनुरोध किया गया जिस पर नोडल अधिकारी द्वारा 6 आयुष चिकित्सकों एवं 4 स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ की आपूर्ति किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। चिकित्सालय प्रशासन द्वारा नोडल अधिकारी एवं जिला प्रशासन से चिकित्सालय परिसर में निर्मित आशा ज्योति संस्था का भवन चिकित्सालय को हस्तान्तरण किये जाने हेतु निवेदन किया गया। उक्त के सम्बन्ध में चिकित्सालय द्वारा बताया गया कि आशा ज्योति संस्था द्वारा मल्हौर में भूमि उपलब्ध करायी जा रही है।

सराहनीय

मुसीबत झेल रहे लोगों के संकटमोचक बन रहे समाजसेवी अतुल

संवाददाता। मोहनलालगंज

कोरोना कर्फ्यू में मुसीबत झेल रहे लोगों के लिए समाजसेवी अतुल शर्मा संकटमोचक बनकर सामने आ रहे हैं। अपने फाउण्डेशन के जरिए वह तंगहाली का शिकार गरीबों को आजीविका चलाने के लिए मदद दिला रहे हैं। वहीं जरुरतमंद लोगों का इलाज न रुकने पाए इसके लिए उन्हें मुफ्त दवाएं मुहैया कराकर उनके आंसू पोंछ रहे हैं।

कोरोना काल की विपरीत परिस्थितियों ने आमजन को घुटनों पर ला दिया है। एक तो महामारी का संकट उस पर आमदनी के स्त्रोत बन्द चलने से लोग आर्थिक समस्याएं भी झेल रहे हैं। मुसीबत के दौर में अवध इण्टरनेशनल फाउण्डेशन के अतुल शर्मा ने जरुरतमंद लोगों की मदद का हाथ बढ़ाया है। फाउण्डेशन के जरिए उन्होंने अब तक आर्थिक संकट झेल रहे मोहनलालगंज तहसील के आठ दर्जन से अधिक लोगों को आजीविका चलाने के लिए सीधे उनके बैंक एकाउंट में आर्थिक मदद दी है। समाजसेवी अतुल शर्मा की मां खुद आक्सीजन सपोर्ट पर हैं ऐसे में किसी गरीब परिवार को अपनों के इलाज में परेशानी नहीं उठानी पड़े। इसके लिए शर्मा ने गरीब परिवार के बीमार लोगों को मुफ्त दवाएं मुहैया कराने की मुहिम छेड़ रखी है। फाउण्डेशन की ओर से मोहनलालगंज और लखनऊ में अब तक डेढ़ सौ परिवारों को मौसमी और असाध्य बीमारियों के साथ ही कोरोना के इलाज के लिए भी नि:शुल्क दवाएं उपलब्ध करा चुके हैं। यहां तक कि कुछ परिवारों को खुद घर जाकर भी दवाएं मुहैया करा रहे हैं।

अवध इण्टरनेशनल फाउण्डेशन की ओर से समाजसेवी अतुल शर्मा सोशल मीडिया के जरिए जरुरतमंद लोगों की समस्या जानकारी में आते ही उन्हें आर्थिक मदद दिलाने के साथ ही बीमार लोगों के परिवार को कुछ चिन्हित मेडिकल स्टोर पर पर्चा ले जाकर नि:शुल्क दवाएं प्राप्त करने की मदद दिला रहे हैं।

बच्चों में नए लक्षण दिखें तो नजरअंदाज न करें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● बाल गृहों के बच्चों को कोरोना से सुरक्षित रखने को लेकर हुआ मंथन, प्रदेश में संचालित 180 बाल गृहों में रह रहे हैं सात हजार बच्चे

एसजीपीजीआई लखनऊ की वरिष्ठ कंसलटेंट पीडियाट्रिशन डॉ पियाली भट्टाचार्य ने कहा कि इस समय बच्चों में कोई भी नए लक्षण नजर आएं तो उनको कोविड के दृष्टिकोण से देखने की जरूरत है। बच्चों में डायरिया, सर्दी, जुकाम, बुखार, खांसी, आँखे लाल होना या दर्द होना आदि कोरोना के लक्षण हो सकते हैं। डॉ भट्टाचार्य महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत प्रदेश में संचालित 175 बाल गृहों में रह रहे शून्य से 18 साल के बच्चों को कोरोना से सुरक्षित बनाने को लेकर विभागीय कोविड वर्चुअल ग्रुप के अधिकारियों और विशेषज्ञों के बीच अपनी राय साझा कर रही थीं।

पीडियाट्रिशन डॉ पियाली भट्टाचार्य ने कहा कि यदि ऐसे लक्षण नजर आते हैं तो उसे नजरंदाज कतई न करें और तत्काल चिकित्सक से परामर्श लें और जरूरत पड़े तो कोरोना की जांच कराएँ। उन्होंने कहा कि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, इसलिए उनके खाद्य पदार्थों में हरी साग,सब्जी, मौसमी फल, दूध आदि को जरूर शामिल करें ताकि शरीर में रोग से लड़ने की ताकत पैदा हो सके। निदेशक, महिला कल्याण मनोज कुमार राय ने कहा कि कोविड 19 को देखते हुए बाल गृहों में रह रहे बच्चों को विभिन्न आयु वर्ग में विभाजित कर उनके स्वास्थ्य की देखभाल की जाए। साफ-सफाई के उचित प्रबंध होने चाहिए। यदि किसी भी बच्चे में कोरोना से मिलते-जुलते लक्षण नजर आते हैं तो उनकी तत्काल जांच करायी जाए। बाल गृहों में विशेषज्ञों की राय से जरूरी दवाओं का प्रबंध होना चाहिए। बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत बनाने के लिए उनके खानपान का खास ख्याल रखा जाए। राय ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में 180 बाल गृह संचालित हो रहे हैं, जिनमें शून्य से 18 साल के करीब 7000 बच्चे रह रहे हैं। बच्चों को बेहतर माहौल प्रदान करने के साथ ही उनके स्वास्थ्य की समुचित देखभाल के लिए अधीक्षक, केयर टेकर, काउंसलर और नर्सिंग स्टाफ की तैनात है। कोरोना काल में उनकी सेहत पर अतिरिक्त ध्यान दिए जाने की जरूरत है। इस मौके पर वेबिनार में प्रदेश के सभी मंडलों के विभागीय अधिकारियों, जिलों के प्रोबेशन अधिकारियों, बाल गृहों के अधीक्षक, केयर टेकर, काउंसलर, नर्सिंग स्टाफ के अलावा मीडिया कर्मी और सेंटर फार एडवोकेसी एंड रिसर्च के प्रतिनिधि शामिल हुए।

भूख से तड़प रहे सैकड़ों बन्दरों को कराया भोजन

निगोहां। कोरोना काल के इस महा संकट में आम लोगो का जीना दुशवार हो गया है वही इस संकट में पशु पक्षी व जानवर भूख प्यास से तड़प रहे हैं। वही इस महामारी की रोकथाम के लिए राज्य सरकार आंशिक लॉक डाउन लगा रखा है। रविवार को निगोहा क्षेत्र के सुदौली में स्थित प्रसिद्ध भवरेश्वर मंदिर में भूख और प्यास से तड़प रहे सैकड़ों बन्दरो को समाजसेवियों ने भोजन कराया भवरेश्वर महादेव मंदिर में सैकड़ों की तादाद में बन्दर है पुजारियों ने बताया कि लॉक डाउन के कारण प्रत्येक सोमवार को लगने वाले मेले में पाबन्दी के चलते बन्दर लगभग 20 दिनों से भूख से तड़प रहे हैं जहाँ आज समाजसेवी दिलीप तिवारी, वीरेन्द्र तिवारी, रवि तिवारी ने अपने साथियों के साथ मंदिर प्रांगण में पहुच कर बन्दरी को भोजन कराया और लोगो से अपील की है कि वो लोग भी आये और बन्दरो को भोजन कराते रहे।

इलेक्ट्रिक सिटी बसों का ट्रायल अब अगले माह

लखनऊ। राजधानी में इलेक्ट्रिक सिटी बसों के ट्रायल की शुरुआत अगले माह होगी। कोरोना महामारी के चलते फिलहाल इसका ट्रायल टाल दिया गया है। राजधानी की तपती धूप के बीच के यात्रियों का सफर सुहाना बनाने के लिए नगरीय परिवहन निदेशालय ने राजधानी में इलेक्ट्रिक बसें चलाने का निर्णय लिया है। इसके लिए पी फोर पार्किंग में चार्जिंग प्वाइंट बनाने का काम कराया जा रहा है। वर्तमान में दर्जनों इलेक्ट्रिक बसों का संचालन हो रहा है, लेकिन करीब सौ इलेक्ट्रिक नई बसें अभी और आनी हैं। लिहाजा संचालन की शुरुआत के पहले 15 मई से इनके ट्रायल की शुरुआत होनी थी। चूंकि 24 मई तक लॉक डाउन है और कोरोना महामारी का प्रकोप अभी बना हुआ है। ऐसे में अब इन बसों का ट्रायल अगले माह से शुरू कराया जाएगा। हालांकि लखनऊ के दुबग्गा सिटी बस डिपो में चार इलेक्ट्रिक बसें आ गई हैं।

दवाई व कोविड किट सहायता अभियान को मिल रही सराहना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना के दूसरी लहर के कहर के बीच ममता चैरीटेबल ट्रस्ट ने कोरोना पीड़ितों और जरूरतमन्दों को दवाई से लेकर हर जरूरत की वस्तुएं जो कोविड को हराने में कारगर है एको पूरे लखनऊ में वितरित कर रही है। बिगत कई दिनों से चल रहे महाअभियान में शहर के कोने कोने में ट्रस्ट के कार्यकर्ता दवाई किट, मॉस्क,सेनेटाइजर, भाप लेने की मशीन तथा अन्य जरूरत की सामग्रियां जरूरतमन्दो तक निरन्तर पहुँचा रही है। इसी क्रम में पूरे लखनऊ के पुलिसकर्मियों की सुरक्षा एवं कोरोना बचाव हेतु पुलिस कमिश्नर को सहायता किट भेंट की गई। कमिश्नर डीके ठाकुर ने ममता चैरीटेबल ट्रस्ट के ऐसी सेवा को दृष्टांत बताते हुए चीफ ट्रस्टी राजीव मिश्रा सहित पूरी टीम को साधुवाद दिया। ट्रस्ट के इस अभियान की प्रतिष्ठित डॉक्टरों की तरफसे लगातार बधाइयां एवं प्रशंसा मिल रही है। चीफ ट्रस्टी एवं अध्यक्ष ममता चैरीटेबल ट्रस्ट ने ईश्वर स्वरूप सभी डॉक्टरों का आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया है। श्री मिश्र ने बताया कि आज लखनऊ के चौक, कश्मीरी मुहल्ला,ठाकुरगंज,रिक्शा कॉलोनी, चौपटिया, हरीदीन रामनगर वार्ड, लेबर कालोनी कुवंर ज्योति प्रसाद पथर कट्टा के पास एवं त्रिवेणी गंज इलाको में सहायता किट वितरित किया गयाएवही एवररेडी चौराहे पर सहायता सामग्रियों का स्टाल लगाकर आसपास के जरूरतमन्दों को सहायता पहुचाई गयी। इस अवसर पर मुन्ना मिश्रा, राम कृष्ण यादव,अनिल पांडे, विनोद दुबे, सत्यवान रावत ने विशेष योगदान दिया। अभियान को सफल बनाने में मोहित मिश्रा, नवीन मिश्रा, गौरव पांडेय, राकेश भारती सहित पूरी टीम ने अथक प्रयास किया। संरक्षक एवं संस्थापक ट्रस्टी डॉ राजेश शुक्ल ने बताया कि पूरी टीम को कोविड प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण प्रदान कर सदैव सजग, सावधान रहने के निर्देश दिए गए है।

चेकिंग के दौरान दबंगों ने दारोगा को पीटा

● मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों व अन्य सिपाहियों की मदद से चार को पकड़ा अन्य की तलाश जारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना महामारी के दौर में लोगों को संक्रमण से बचाने के लिए सआदतगंज पुलिस चेकिंग अभियान चला रही थी। इस दौरान चौपटिया तिराहे के पास बगैर मास्क आ रहे स्कूटी सवार लोगों को जब पुलिसकर्मियों ने रोका तो उन लोगों ने उन पर जानलेवा हमला बोल दिया। इस दौरान हुई धक्का मुक्की में चौकी इंचार्ज घायल हो गए। मारपीट होती देख जब स्थानीय लोग व अन्य पुलिसकर्मी ने उन्हें रोकना चाहा तो वह फरार होने की कोशिश करने लगे लेकिन लोगों ने दौड़ाकर चार आरोपियों को पकड़ लिया गया। जबकि अन्य की तलाश की जा रही है। सआदतगंज प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार यादव ने बताया कि कटरा विजन वेग चौकी प्रभारी बलराम दुबे अपने हमराही अजीत कुमार व महिला कांस्टेबल प्रीति गुंजन के साथ चौपटिया तिराहे पर कोविड.19 का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चेकिंग अभियान चला रहे थे। इस दौरान दरगाह की तरफ से स्कूटी सवार दो लोग बगैर मास्क लगाया आ रहे थे। जब चौकी इंचार्ज ने उन्हें रोकना चाहा तो वह लोग अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट करने लगे। इस दौरान उन्होंने अपने कई अन्य साथियों को भी मौके पर बुला लिया। मारपीट में चौकी इंचार्ज को काफी चोटें आ गईं। लोगों व अन्य पुलिसकर्मियों के आने पर आरोपियों ने भागने की कोशिश की। जिस पर उन्हें दौड़ा कर दबोच लिया गया।

गलियों में घूमे एडीएम, जांच अभियान और दवा वितरण का लिया जायजा

संवाददाता। निगोहां

कोरोना को मिटाने के लिए निगरानी समितियों के जरिए चल रहे घर-घर जांच अभियान की अगुवाई के लिए एडीएम प्रशासन अमरपाल सिंह रविवार को खुद निगोहां गांव पहुंचे। एसडीएम विकास सिंह और सीएचसी अधीक्षिका ज्योति कामले के साथ एडीएम ने गांव की गलियों में घूम-घूम कर आधा दर्जन घरों में अपने सामने सर्दी और बुखार आने से बीमार चल रहे ग्रामीणों की कोविड टेस्टिंग कराई। उन्होने लोगों को कोविड वैक्सीनेशन कराने के लिए प्रेरित कर मास्क और सेनीटाइजर का प्रयोग कर सामाजिक दूरी का हर सूरत में ख्याल रखने के लिए ग्रामीणों को सचेत किया। बीमार लोगों को दवा की किट वितरित कराते हुए एडीएम ने निगरानी समिति को अभियान चलाकर मामूली रुप से बीमार लोगों के कोविड टेस्ट और दवा दिलाने में किसी भी तरह की चूक नहीं करने की हिदायत दी। वहीं एडीएम के निर्देश पर शाम को मऊ गांव में कैम्प लगाकर ग्रामीणों का कोविड टेस्ट कर उन्हें दवाएं वितरित की गईं।

गांव-गांव लगेंगे स्वास्थ्य कैम्प

मोहनलालगंज में कोरोना संक्रमित मरीजों वाले सभी गांवों में अभियान चलाकर हेल्थ कैम्प आयोजित कर सभी बीमार ग्रामीणों की कोविड टेस्टिंग की जाएगी। एडीएम प्रशासन अमरपाल सिंह ने बताया जिन ग्रामीणों की टेस्टिंग की जाएगी उन्हें कैम्प में ही दवा किट भी उपलब्ध करा दी जाएगी। इसके लिए अधिक संक्रमित मरीजों वाले गांवों का रोस्टर तैयार करने को कहा गया है। एडीएम ने बताया इसके अतिरिक्त एसडीएम और सीएचसी अधीक्षिका खुद प्रतिदिन पांच गांव जाकर निगरानी समितियों के घर-घर जांच अभियान का जायजा लेंगे।

सेक्टर अधिकारी गांव जाकर करेंगे सत्यापन

न्याय पंचायतों में तैनात किए गए सेक्टर अधिकारी प्रतिदिन अपनी न्याय पंचायत में आने वाली ग्राम पंचायतों का दौरा कर निगरानी समितियों के घर-घर जांच अभियान और बीमार लोगों को दवा वितरण का सत्यापन करेंगे। रविवार को जूम एप के जरिए सेक्टर अधिकारियों की मीटिंग लेकर सीडीओ प्रभाष कुमार ने उन्हें गांवों में सफई और सेनीटाइजेशन की हकीकत भी परखने के निर्देश दिए। सीडीओ ने उन्हें निगरानी समितियों के साथ बैठक कर उन्हें एक्टिव मोड में लाने की हिदायत दी।

दस टैंकरों के साथ लखनऊ पहुंची आक्सीजन एक्सप्रेस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना महामारी से पीड़ित मरीजों के जीवन की रक्षा के लिए ऑक्सीजन की उपलब्धता सबसे जरूरी है। ऐसे में उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल द्वारा जीवनरक्षक और ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनों का लगातार संचालन किया जा रहा है। मंडल द्वारा इन विषम परिस्थितियों के बाद भी यह कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। ऑक्सीजन एक्सप्रेस के लिए ग्रीन कोरिडोर बनाए गए हैं। रविवार सुबह दो ऑक्सीजन भरे टैंकरों के साथ एक ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन का बोकारो से 32.01 मीट्रिक टन ऑक्सीजन के साथ लखनऊ पहुंची। इन दोनो टैंकरों में से एक टैंकर को शाहजहांपुर और एक टैंकर को सड़क मार्ग द्वारा झांसी में ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए रवाना किया गया। इसके साथ ही दोपहर में एक जीवनरक्षक ट्रेन आठ भरे कंटेनरों में 64 मीट्रिक टन ऑक्सीजन के साथ टाटानगर से ही लखनऊ पहुंची।

जज्बे को सलाम

आंखों से छलकते आंसू भी नहीं कम कर सके कर्तव्य निभाने का हौसला

संवाददाता। मोहनलालगंज

आंखों से छलकते आंसू भी कर्तव्य निभाने का हौसला कम नहीं कर सके हैं। आईसीयू में जिन्दगी की जंग लड़ रहे बड़े भाई की पल पल बिगड़ती हालत परिवार में सिसकियों की वजह बन रही है। फिर भी कलेजे पर पत्थर रखकर व्हाट्सएप काल के जरिए बिस्तर पर पड़े भाई और सब्र खो रहे परिवार का हौसला कायम रखने के लिए खुद के आंसू भी पीने पड़ रहे हैं। वहीं पुलिस इंस्पेक्टर के तौर पर मोहनलालगंज में आंशिक लॉकडाउन का पालन कराने की जिम्मेवारी भी बखूबी निभा रहे हैं।

मोहनलालगंज कोतवाली में इंस्पेक्टर दीनानाथ मिश्र को इन दिनों कोरोना के विरुद्ध जंग में कई किरदार निभाने पड़ रहे हैं। अर्द्धसैनिक बल से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले चुके उनके बड़े भाई कोरोना संक्रमण की चपेट में आकर बेहद बीमार हैं। निजी अस्पताल की आईसीयू में उनकी पल पल बिगड़ती हालत चिन्ताजनक बनी हुई है। दस दिन से अधिक वक्त गुजर जाने के बावजूद भी हालत में सुधार नहीं होने को लेकर परिवार का सब्र जवाब देने लगा है। लिहाजा इंस्पेक्टर खुद के आंसू छिपाकर गम्भीर हालत में भर्ती भाई और परिवार दोनों को दिन में कई बार व्हाट्सएप काल के जरिए उनमें हौसला भरकर हिम्मत बंधा रहे हैं। वहीं कोरोना संकट के दौर में विभागीय जिम्मेदारियां और आंशिक लॉकडाउन का पालन कराने के लिए फील्ड में उतरकर कर्तव्य पथ की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं। उनके साथ ड्यूटी कर रहे कोतवाली के पुलिसकर्मी भी अपने हाकिम के धैर्य और जज्बे की सराहना कर रहे हैं।

मादक पदार्थों की तस्करी करने वाला गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एसटीएफ ने चिनहट से अन्तर्राज्यीय मादक पदार्थ मैथाडोन ड्रग्स की तस्करी करने वाले दानिश सिददीकी को गिरफ्तार किया है। इस प्रकार की ड्रग्स का प्रयोग लखनऊ की नाइट पार्टियों में किया जाता है। एसटीएफ के अनुसार दानिश सिददीकी जो कि आजमगढ़ का रहने वाला है और इस समय यदुवंश हास्टल रूम नंबर 30 बरगर बीन्स अपार्टमेन्ट मल्हौर चिनहट में रहता है उसके पास से 22 ग्राम उक्त ड्रग्स बरामद हुई है।

दानिश के पास से 62 हजार रूपए, पेटीएम कार्ड, आधार कार्ड, पासपोर्ट बरामद हुआ है। दानिश को मल्हौर रेवले स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ को सूचना मिल रही थी कि कुछ समय से अन्तर्राज्यीय स्तर पर मैथाडोन ड्रग्स की तस्करी करने वाले गिरोह के सक्रिय होने की सूचनायें प्राप्त हो रही थी। यह ड्रग्स अभी तक मुम्बई, दिल्ली जैसे महानगरों में होने वाली रेव पार्टी में प्रयोग किया जा रहा था। अब यह छोटे शहरों में भी पहुँचने लगा है।

इस सम्बन्ध में एसटीएफ की विभिन्न इकाईयों को जानकारी के लिए सक्रिय किया गया। अभिूसचना संकलन के दौरान जानकारी मिली कि अवैध मादक पदार्थ का इस्तेमाल लखनऊ में बड़े पैमाने पर युवा पीढ़ी कर रही है। इस ड्रग्स के बारे में अभिसूचना संकलन की कार्यवाही की जा रही थी। इसी दौरान एसटीएफ को जानकारी मिली कि लखनऊ के एमीटी यूर्निसिटी लखनऊ के पास रहने वाला एक युवक अपनी कार से कुछ अवैध सामान लेकर आयेगा और मल्हौर रेलवे स्टेशन के पास किसी व्यक्ति को वह सामान देगा। इस सूचना को स्थानीय पुलिस से साझा करते हुये मुखबिर की निशादेही पर समय करीब 20.30 बजे उपरोक्त व्यक्ति को हिरासत में लेकर उसके पास से 22 ग्राम अवैध मादक पदार्थ मैथाडोन ड्रगस की बरामदगी हुई।

पूछताछ पर अभियुक्त ने बताया कि लगभग 6-7 माह पूर्व एक नाईट पार्टी में उसकी मुलाकात कुछ बाहर के लड़को से हुई थी जिनसे मैने ड्रग्स के सम्बन्ध में बात की। तब उन्होंने ने मुझे दिल्ली के एक व्यक्ति से सम्पर्क कराया। दिसम्बर 2020 में मैं उस व्यक्ति से सम्पर्क में आया और उससे ड्रग्स के बारे में बात की तो कई प्रकार के ड्रग्स के बारे में उसने बताया। यह ड्रग्स काफी मंहगी थी, जिस पर दानिश ने मैथाडोन ड्रगस के बारे में बात की तो उस व्यक्ति ने दानिश को बताया कि यह 20 हजार रूपए प्रति 10 ग्राम मिलेगी, आनलाईन पेमेन्ट करने पर कोरियर कर दूंगा। दिसम्बर 2020 से ही मैं उस व्यक्ति के सम्पर्क में रहकर 10-ग्राम मात्रा में मैथाडोन ड्रगस 20 हजार में लेने लगा। दानिश ने बताया कि अब तक लगभग 5 लाख से भी अधिक का मैथाडोन ड्रगस खरीद चुका हूँ। खरीदे हुए ड्रग्स को नाईट पार्टी में दानिश अपने दोस्तों के साथ इस्तेमाल करता था। दोस्तो के माध्यम से ही अन्य युवको को चार हजार प्रति एक ग्राम में दिया जाता था। गिरफ्तार अभियुक्त को थाना चिनहट लखनऊ में दाखिल कर उनके विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट 1985 में पंजीकृत कराया गया है।

डम्पर की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

लखनऊ। गोसाईंगंज कस्बे के मलौली पुलिया के पास सुल्तानपुर हाईवे पर रविवार की दोपहर एक तेज रफ्तार डम्पर ने स्कूटी सवार को कुचल दिया। जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया तथा डम्पर चालक को भी गिरफ्तार कर लिया है। इंस्पेक्टर गोसाईंगंज अमरनाथ वर्मा के अनुसार गोसाईंगंज के मोहल्ला शाहन टोला निवासी 40 वर्षीय धीरज स्कूटी से किसी काम के लिए जा रहे थे। मलौली की पुलिया के पास सुल्तानपुर हाईवे पर सड़क पार करते समय गंगागंज से लखनऊ की ओर जा रहे डम्पर ने उन्हें कुचल दिया। जिससे घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई। गोसाईंगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम को भेज दिया। पुलिस के मुताबिक डम्पर चालक पिंटू को गिरफ्तार कर लिया। मृतक के साले अजय निवासी सदरपुर करोरा की तहरीर पर डम्फर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

कठौता गांव में संदिग्ध हालत में महिला की मौत

- हत्या की आशंका, पति फरार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विभूतिखण्ड के कठौता गांव में रविवार शाम कमरे के अन्दर एक महिला संदिग्ध हालत में मृत मिली। दो दिन पहले किराये पर रहने आयी इस महिला की हत्या की आशंका जतायी जा रही है। मूल कारण जानने के लिए शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस मृतका के पति की तलाश कर रही है।

विभूतिखण्ड थानान्तर्गत कठौता गांव में भरवारा रेलवे क्रासिंग के पास श्रीकेशन सपरिवार रहते है। दो दिन पहले उनके मकान में बाराबंकी के सतरिख इलाके के जाटा बरौली गांव का निवासी बताकर कोमल 30 नामक महिला किरायेदार के रूप में आयी थी। कोमल के साथ उसका पति सनी उर्फ चन्दन भी आया था। रविवार को पूरे दिन कोमल के कमरे से कोई आवाज नहीं सुनाई दी तो मकान मालिक ने जिज्ञासावश दरवाजा खोला, जहां कोमल का शव फर्श पर पडा था। यह देख लोग हतप्रभ रह गये। कमरे का सामान इधर उधर बिखरा पडा था। इसके अतिरिक्त फर्श पर संघर्ष के निशान मिले है और पति फरार हैं जिससे महिला की हत्या की आशंका जतायी जा रही है। लोगों ने आननफानन में इसकी सूचना पुलिस को दी। प्रारम्भिक जांच पड़ताल में पता चला कि महिला मूल रूप से बाराबंकी के सतरिख इलाके की रहने वाली है। गत वर्षो उसका विवाह सनी नामक युवक के साथ हुआ था। कोमल के पति व उसके अन्य परिजनों को पुलिस ने सूचना दी है, जो पुलिस के मुताबिक कोमल के मुंह से झाग निकल रहा था। इसके अतिरिक्त उसके शरीर पर कोई जाहिरा चोट के निशान नहीं है।

फंदे से लटकता मिला युवती का शव

लखनऊ। पारा इलाके में विशेष सुरक्षा वाहिनी में तैनात कर्मी की 22 वर्षीय पुत्री ने फांसी के फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। मृतक के पास से सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। इससे मौत के कारणों की जानकारी नहीं हो सकी है। फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रविवार की सुबह करीब 10बजे के आस पास एक युवती नाम प्रज्ञा सिंह चौहान उम्र करीब 22 वर्ष पुत्री स्वर्गीय किशन पाल सिंह निवासी गोविंद नगर शुभ सिटी पारा लखनऊ ने अपने घर के अंदर कमरे में लगे पंखे में दुपट्टे का फंदा बनाकर फ ांसी लगा ली। जिसको उसके परिजनों द्वारा फंदे से उतारकर रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल ले जाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने प्रज्ञा सिंह चौहान को मृत घोषित कर दिया गया। मृतका स्नातक की छात्रा थी। मृतका की माँ रेखा विशेष सुरक्षा वाहिनी में नौकरी करती हैं। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद सही जानकारी मिल सकेगी।

ग्रामीणों ने शवों को सड़क पर रखकर किया प्रदर्शन

- बीते शनिवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से हो गई थी दो युवकों की मौत
- एसडीएम के आश्वासन पर परिजनों ने किया अन्तिम संस्कार

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों को तेज रफ्तार आ रही कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दो युवकों की मौत हो गयी। जबकि इनके अन्य एक साथी को गम्भीर चोटें आयी हैं। काकोरी पुलिस के सुस्त रवैये से नाराज ग्रामीणों ने लखनऊ हरदोई राजमार्ग पर दूसरे दिन शव रखकर परिवारीजनों को मुआवजा दिलाये जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। करीब दो घण्टे चले प्रदर्शन को एसडीएम के आश्वासन पर परिवारीजनों व प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन समाप्त किया।

मलिहाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम कनार निवासी इन्द्रजीत रावत 30 अपने पड़ोसी श्याम 25 व प्रदीप के साथ मोटरसाइकिल यूपी 32 ईएफ 4056 से लखनऊ की तरफसे आ रहे थे। शनिवार देर शाम रास्ते में ग्राम खालिसपुर के निकट मोटीनीम के निकट पीछे से तेज रफ्तार कार यूपी 32 एलडी 8017 ने टक्कर मार दी। जिससे मोटरसाइकिल पर सवार तीनों युवक सड़क पर जा गिरे। सड़क पर गिरने से इन्द्रजीत रावत व श्याम की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि इनके एक अन्य साथी प्रदीप को चोटे आयीं। सूचना पाकर मौके पर पहुंची काकोरी व मलिहाबाद पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम भेजने के साथ घायल प्रदीप को इलाज के लिये अस्पताल मे भर्ती कराया। चालक गाड़ी लेकर मौके से भागने मे सफल रहा। एक ही गांव के दो युवकों की मौत से गांव मे कोहराम मच गया। मृतक इन्द्रजीत रावत व श्याम का पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही रविवार दोपहर को शव घर पहुंचा तो परिवारीजनों सहित ग्रामीणों मे काकोरी पुलिस की कार्यशैली पर आक्रोश पैदा होने लगा। काकोरी पुलिस की कार्यशैली से गुस्साए परिवारीजनों व ग्रामीणों ने लखनऊ हरदोई राजमार्ग स्थित आम्रपाली वाटर के निकट कनार मोड़ पर दोनों के शवों को रख धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि मृतकों के परिवार को 10-10 लाख का मुआवजा, एक-एक बीघा जमीन व परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाये। मौके पर पहुंचे मलिहाबाद थाने के प्रभारी निरीक्षक चिरंजीव मोहन ने प्रदर्शनकारियों को शान्त कराने का प्रयास किया लेकिन उत्तेजित ग्रामीण नहीं माने। प्रदर्शन की सूचना पाकर काकोरी व माल की भी पुलिस मौके पर पहुंची। धरना व प्रदर्शन की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे एसडीएम अजय कुमार राय ने प्रदर्शनकारियों व परिवारीजनों को आश्वास्त कराया कि उनकी मांग पर विचार विमर्श कर उचित कार्रवाई की जायेगी। जिस पर शान्त हुये प्रदर्शनकारी एवं परिवारीजनों ने देर शाम दोनों शवों का अन्तिम संस्कार कर दिया।

हत्या के पांच दिन बाद भी पुलिस खाली हाथ इंस्पेक्टर लाइन हाजिर

लखनऊ। गोसाईंगंज के रानीखेड़ा गांव में पेन्टर रामसजीवन की हत्या हुए पांच दिन गुजर चुके हैं। पुलिस हत्यारों को तलाश नहीं पाई। पुलिस अब भी खाली हाथ है। इस हत्या की विवेचना कर रहे इंस्पेक्टर गोसाईंगंज बृजेश सिंह को लाइन हाजिर कर दिया गया। अब इस केस की जिम्मेदारी नए इंस्पेक्टर अमरनाथ वर्मा को मिली है। बीते 12 मई को रानीखेड़ा गांव के पास पेन्टर रामसजीवन का शव गांव के बाहर चल रही प्लाटिंग की सड़क पर मिला था जिसकी ईट से कूच कर हत्या की गई थी। हत्या के मामले में पुलिस ने पूछताछ के लिए मृतक की पत्नी व उसके चचेरे भाई को बुलाया था। एसीपी गोसाईंगंज स्वती चौधरी के इस हत्या के पीछे पारिवारिक मामले में हत्या होने की आशंका जाहिर की थी। हत्या के बाद पुलिस के कई लोगो से पूछताछ की लेकिन उसे कोई सुराग हाथ नही लगा। वहीं नवनियुक्त इंस्पेक्टर गोसाईंगंज अमरनाथ वर्मा ने जल्द ही खुलासे का दावा किया है।

छेड़खानी को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़े

- पुलिस ने क्रास एफआईआर दर्ज की, दोनों पक्षों से एक-एक गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नाका थाना क्षेत्र में शनिवार रात पैदल घर जा रही एक किशोरी को इलाके में रहने वाले व्यक्ति ने दबोच लिया और उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। पीड़िता ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसकी पिटाई कर दी। शोर सुनकर जब लोग एकत्रित हुए तो आरोपी की पत्नी समेत परिवार के अन्य लोग उनसे भी उलझ गए और ईंट पत्थर चलाने लगे। पुलिस ने मामले को किसी तरह शांत करवाया और दोनों पक्षों को थाने ले आए। वहां आरोपी पक्ष ने किशोरी के परिजनों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए क्रॉस एफआईआर दर्ज करवाईए जिसके बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया।

नाका के राजेन्द्र नगर में रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी (प्रिया काल्पनिक नाम) ने बताया कि शनिवार रात करीब नौ बजे वह अपने छोटे भाई के साथ महाकाल मंदिर से घर की ओर पैदल जा रही थी। इसी दौरान सुनसान गली के पास इलाके में रहने वाले अजय सोनकर ने किशोरी को पकड़ लिया और उसके साथ अश्लील हरकते करने लगा। पीड़िता ने जब विरोध जताया तो आरोपी अजय ने किशोरी व उसके भाई की पिटाई कर दी और जान से मारने की धमकी देने लगा। उधर, चीख.पुकार सुनकर पीड़िता के परिजन व आसपास के लोग वहां पहुंच गए। खुद को घिरता देख आरोपी अपनी पत्नी शालू और साली मौली के साथ मिलकर पीड़िता के परिजनों व इलाके के कुछ लोगों पर ईंट पत्थर चलाने लगे जिसके कारण वह लोग घायल हो गए। बाद में सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत करवाया और दोनों पक्षों को थाने ले आए। आरोप है कि थाने में आरोपी की पत्नी ने तहरीर देते हुए पुलिस से बताया कि बीती रात उनके पति अजय सोनकर महाकाल मंदिर के पीछे किसी काम से गया था। इसी दौरान दूसरे पक्ष की किशोरी का परिचित बाजारखाला निवासी अमित प्रजापति अपने तीन साथियों के साथ वहां आ धमका और कहने लगा कि तुम प्रिया से क्यों बात करते हो। अजय ने जब इस बात से इंकार किया तो अमित व उसके साथियों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी और ईंट पत्थर चलाना शुरू कर दिया। इंस्पेक्टर का कहना है कि इस मामले में दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर क्रास मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। दोनों पक्ष से अमित प्रजापति व अजय सोनकर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पंचायत ड्यूटी के चलते कोविड से मरने वाले शिक्षकों को पुरानी पेंशन देने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप्र प्राथमिक शिक्षक संघ ने सरकार से कोरोना संक्रमण के दौर में पंचायत चुनाव की ड्यूटी के चलते मरने वाले शिक्षकों को 2005 से पहले लागू पुरानी पेंशन देने की मांग की है। संघ का कहना है कि ड्यूटी के चलते अब तक 1600 शिक्षकों की मौत हो चुकी है। संघ के प्रांतीय अध्यक्ष डा. दिनेश चन्द्र शर्मा के मुताबिक इससे पहले तीन चरणों के चुनाव के बाद संक्रमित होकर मृत हुए 706 शिक्षकों की सूची संघ ने राज्य निर्वाचन आयोग को सौंपी थी, जिसका सत्यापन जिलाधिकारियों के माध्यम से करवाया जा रहा है। हाईकोर्ट ने भी माना है कि इन शिक्षकों कर्मचारियों के परिवारों को एक एक करोड़ रुपये का आर्थिक मुआवजा दिया जाए। इनके परिवार में जो आश्रित डीएलएड या बीएड की योग्यता रखता है उसे टीईटी से छूट देते हुए शिक्षक के पद पर तुरंत नियुक्ति दी जाए। वहीं बाकियों को लिपिक के पद पर नियुक्त दी जाए। उन्होंने इन शिक्षकों को कोरोना योद्धा घोषित करने की मांग करते हुए कहा कि इनकी ग्रेच्युटी की धनराशि भी दी जाए। वहीं कोरोना संक्रमित शिक्षकों के इलाज में खर्च हुई धनराशि की प्रतिपूर्ति भी सरकार करे।

तालाब में डूबे मासूमों के शव गांव पहुंचे, मचा कोहराम

- माल के रहने वाले एक ही परिवार के चार बच्चों की लुधियाना में तालाब में डूबकर हुई मौत

संवाददाता। माल

माल थाना क्षेत्र के गुलरहिया निवासी संजय रैदास के चार बच्चों की लुधियाना के तालाब में डूबने से मौत के चार दिन बाद रविवार कोशव गांव पहुंचे। मासूमों के शव पहुंचते ही गांव में कोहराम मच गया। पुलिस के मुताबिक रहटा पंचायत के गुलरहिया निवासी संजय परिवार सहित पंजाब के लुधियाना जनपद के मानगढ़ में रहकर मजदूरी करते थे। बीती 12 मई को उनके चार बच्चे एक अन्य बच्चे के साथ पास के तालाब पर खेल रहे थे। अचानक सभी बच्चे तालाब में नहाने पहुंच गये और डूबने लगे, शोर सुनकर एक व्यक्ति बच्चों को बचाने के लिये तालाब में उतर गया। बच्चों को बचाने के चक्कर में उस व्यक्ति की भी मौत हो गयी। बच्चों सहित छह लोगों की मौत से कोहराम मच गया।

सभी शवों का लुधियाना जिला अस्पताल में तीसरे दिन 14 मई को पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिये गये थे। परिजन शवों को लेकर रविवार सुबह गुलरहिया गांव पहुंचे तो गांव में कोहराम मच गया। मृतकों में बेटी लक्ष्मी, छोटी, इकलौता बेटा मोनू और सबसे छोटी बेटी प्रिया शामिल है। अब परिवार में एक बेटी जो सबसे बड़ी है वही बची है। परिवार ने चारों शवों का गांव में अंतिम संस्कार कर दिया। घर वालों का रो-रो कर बुरा हाल है।

बस संचालन दस दिन के लिए बंद कर वैक्सीन लगवाने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना काल में ड्यूटी करते हुए अब तक 53 रोडवेज कर्मियों की मौत हो चुकी हैं। इनमें अधिकारी, कर्मचारी के अलावा सबसे ज्यादा ड्राइवर व कंडक्टर शामिल हैं। यहीं नहीं मृत्यु की संख्या में धीरे धीरे बढ़ोत्तरी हो रही है। इसी को देखते हुए यूपी रोडवेज इंप्लाइज यूनियन ने बस संचालन को दस दिनों तक बंद कराते हुए कर्मियों को वैक्शीन लगाने की मांग सीएम से की है। यूनियन के प्रंतीय अध्यक्ष पंडित रामजी त्रिपाठी ने बताया कि बस चालक और परिचालक को सीधा संबंध यात्रियों की भीड़ से रहता है। ऐसे में कोविड को देखते हुए कर्मचारियों पर इसका सीधा प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में सबसे पहले रोडवेज कर्मियों को वैक्शीन लगवाने की सुविधा दी जाए। ताकि इस महामारी से रोडवेज कर्मियों और उनके परिवार वालों को राहत मिल सके।

सरोजनी नगर क्षेत्र के चंद्रावल गांव में जायजा लेते जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश

स्टेशन व डिपो में खड़ी बसों का होगा सैनेटाइजेशन

लखनऊ। प्रदेश में कोरोना मामलों के चलते अधिकांश रोडवेज बसों का संचालन नहीं हो रहा है। ऐसे में यह बसें डिपो या बस स्टेशनों पर खड़ी है यात्रियों की कमी को देखते हुए राज्य सड़क परिवहन निगम प्रशासन ने बसों को सैनिटाइज करने और उनमें जो भी खामियां हों उसकी मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए हैं परिवहन निगम के एमडी धीरज साहू ने प्रदेश के सभी क्षेत्रीय प्रबंधक व सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक को निर्देश दिए हैं कि कोविड.19 को देखते हुए वर्तमान समय में जो बसें सेवा में नहीं चल रही है उन बसों में सैनिटाइजेशन और मरम्मत का कार्य पूर्ण करा लिया जाए । परिवहन निगम के मुताबिक लॉकडाउन में कोरोना के बढ़ते मामले को लेकर यात्रियों का भारी संकट चल रहा है यात्री नहीं के बराबर सफर कर रहे हैं स ऐसे में रोडवेज बसें खाली दौड़ रही हैं स ऐसी हालात को देखते हुए बसों का सैनिटाइजेशन मरम्मत पर डैमेज सही कराने के निर्देश दिए गए हैं जिससे कि आगे चलकर सुचारू रूप से संचालन जब शुरू होगा तब यात्रियों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिल सके स राजधानी के आलमबाग बस डिपो चारबाग बस डिपो कैसरबाग बस डिपो अवध बस डिपो पर जो बसें खड़ी है उन्हें तेजी से सैनिटाइजेशन वह मरम्मत कार्य शुरू कराया जाएगा इसके लिए आज तैयारियां भी पूरी हो चुकी है स परिवहन निगम में यात्रियों को सुरक्षित व सुगम यात्रा कराने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है इसको देखते हुए बसों को और बेहतर किए जाने के लिए नई योजनाएं भी बनाई जा रही है। बहुत ही कम संख्या में सवारी और लॉक डाउन के चलते कई जिलों की बस सेवाओं को रद किया जा चुका है। हालांकि ट्रेनों के जरिए दूसरे प्रदेशों से आने वाले यात्रियों को जरूरत के हिसाब से बसें उपलब्ध करा कर गृह जनपद के लिए रवाना किया जा रहा है।

सीएमएस छात्रा कोविड रिलीफअम्बेस्डर इंटर्नशिप के लिए चयनित

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजेन्द्र नगर (प्रथम कैम्पस) के कक्षा 11 की प्रतिभाशाली छात्रा यामिनी मिश्रा ने अपनी सेवा भावना एवं उच्च मानवीय मूल्यों की बदौलत संयुक्त राष्ट्र संघ के स्वयंसेवक समूह में कोविड राहत राजदूत के तौर पर प्रशिक्षण हेतु चयनित होकर लखनऊ का नाम गौरवान्वित किया है, साथ ही सीएमएस द्वारा प्रदान की जा रही भौतिक, नैतिक व चारित्रिक शिक्षा पद्धति का परचम लहराया है। सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीशी गाँधी ने यामिनी के अत्यन्त उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सीएमएस के छात्र अपनी सेवा भावना, ज्ञान, परिश्रम व लगन से विश्व मानवता की सेवा सदैव अग्रणी रहे हैं, यही सी.एम.एस. की सबसे बड़ी सफलता है। हमारा सदैव यही प्रयास है कि सीएमएस का प्रत्येक छात्र विश्व नागरिक बनाकर समाज का प्रकाश बने और समाज के रचनात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाये। कोविड महामारी के इस दौर में ऐसे ही विश्व नागरिकों की आज महती आवश्यकता है। मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र वालन्टियर्स (यूएनवी) संयुक्त राष्ट्र संघ की मॉडल एजेंसी है जो स्वयंसेवा के माध्यम से दुनिया भर में शांति और विकास में योगदान करती है। इस कार्यक्रम से जुड़ने हेतु समाज सेवा व सामाजिक सहयोग की प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। शर्मा ने बताया कि सीएमएस अपने छात्रों को शुरूआत से ही सामाजिक विकास व सामाजिक जागरूकता के कार्यो में प्रतिभाग हेतु प्रोत्साहित करता है।

बंद मकान का ताला तोड़कर चोरी

लखनऊ। कृष्णानगर थाना क्षेत्र में बंद घर को चोरों ने निशान बनाते हुए हजारों रुपए की नकदी व अन्य कीमती सामान उठा ले गए। पीड़ित परिवार ने अज्ञात चोरो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। शुभम सिटी फेस 2 काशी राम कालोनी, सदरौना निवासी राहुल विश्वकर्मा ने बताया कि कुछ दिनो पूर्व उनके पिता का देहांत हो गया था। जिस कारण परिवार के साथ गांव चले गए थे । घटना की जानकारी घर वापस लौटने पर मेन गेट से अंदर जाने पर देखा कि सभी कमरो के ताले टुटे हुए थे, आलमारी के लाकर को तोड़ कर चोर चार घड़ी ,कैनन कम्पनी का कैमरा व 6000 रुपए नकदी उठा ले गए है। पुलिस पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन कर रही है।

स्वच्छता हथियारों के बगैर ही कोरोना से मोर्चा ले रहे सफाईयोद्धा

मोहनलालगंज। सफाई में कारगर हथियारों के बिना ही सफाई योद्धाओं को कोरोना के विरुद्ध जंग में उतारा जा रहा है। सफाई कर्मियों को फावड़ा और झाड़ू-पंजा तक नहीं मुहैया कराया गया है। पंचायतों में तैनात अधिकतर सफाई कर्मी संसाधनों के बगैर ही ग्रामीणों के भरोसे व्यापक सफाई अभियान चलाकर कोरोना से मोर्चा ले रहे हैं। मोहनलालगंज ब्लाक की 78 ग्राम पंचायतों में तैनात 80 सफाईकर्मियों में से अधिकतर को फावड़ा, झाड़ू,पंजा, रिक्शा-ट्राली, साबुन, हत्था, ग्लब्स, मास्क और पीपीई किट तक मुहैया नहीं कराई गई है। लिहाजा गांवों में अभियान चलाने जा रहे सफाई कर्मी ग्रामीणों के भरोसे किसी तरह फावड़ा और झाड़ू का इंतजाम कर किसी तरह व्यापक सफाई करने को मजबूर हो रहे हैं। कई बार संसाधनों के अभाव में सफाई कर्मियों को काम अधूरा ही छोड़कर लौटना पड़ रहा है। सफाई कर्मियों को आवश्यक संसाधन मुहैया कराने को लेकर पंचायतीराज निदेशालय से भी जनपद और ब्लाक के अधिकारियों को साफतौर पर निर्देश दिए जा चुके हैं।

उप्र पंचायतीराज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष रामकृष्ण वाल्मीकि ने बताया कई जगह सफाई कर्मियों को जरुरी संसाधन नहीं उपलब्ध कराए जाने की समस्याएं सामने आ रही हैं। अधिकारियों को दूरभाष के जरिए अवगत कराया गया है। इस बारे में बात करने पर जिला पंचायतराज अधिकारी निरीश चन्द्र साहू ने बताया सभी ग्राम पंचायत सचिवों से सफाईकर्मियों को आवश्यक उपकरण समेत अन्य संसाधन मुहैया कराने के लिए कहा गया है। यदि कहीं से भी इसे लेकर शिकायत मिलती है तो संबंधित सचिव का उत्तरदायित्व तय कर कार्रवाई की जाएगी।

गुमशुदा मासूम सकुशल बरामद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मड़ियांव पुलिस ने संदिग्ध हालात में लापता हुई तीन साल की मासूम को कुछ ही घंटों में तलाश कर पीड़ित परिवार की मुस्कान लौटाई है। मासूम को सकुशल पाकर पीड़ित परिवार ने पुलिस के प्रयासों की सराहना की है। इंस्पेक्टर मड़ियांव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि रविवार सुबह वट्र्सऐप मैसेज के जरिए थाना क्षेत्र के हरिओम नगर निवासी राजेश की तीन वर्षीय बेटी आरती के गुम होने की सूचना मिली।

जानकारी लेने पर पता चला कि वह सुबह करीब 8.30 बजे चार साल के बच्चे के साथ दुकान गई थी। तभी वह कहीं गायब हो गई। जिसके बाद थाने पर सभी पॉलिगॉन की मीटिंग बुलाकर बच्ची के बारे में ब्रीफ कर क्षेत्र में रवाना किया गया। फलस्वरूप मासूम को दोपहर करीब एक बजे थाना क्षेत्र से भटकते हुए सकुशल बरामद किया गया।

एलयू से पीएचडी करने को लेकर 4302 छात्रों ने दिखाई दिलचस्पी

- स्नातक में सबसे अधिक आवेदन बीकॉम के लिए मिले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय केन्द्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया के तहत सत्र 2020-21 के पीएचडी प्रवेश हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई के समाप्त होने तक 4302 आवेदन प्राप्त हुए हैं। विश्विद्यालय ने पहली बार पार्ट टाइम पीएचडी में प्रवेश हेतु आवेदन भी आमंत्रित किया था। प्रदेश के किसी अन्य विश्वविद्यायल में पार्ट टाइम पीएचडी प्रोग्राम नही है।

सबसे अधिक आवेदन रेगुलर पीएचडी पाठ्यक्रम में कॉमर्स विषय में आये हैं जबकि पार्टटाइम पीएचडी में सबसे अधिक आवेदन शिक्षा शास्त्र विषय में आये हैं। पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा जून में संभावित है। इस पाठ्यक्रम के लिए विश्विद्यालय ऑनलाइन परीक्षा की संभावना पर भी विचार कर रहा है। विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक स्नातक , परास्नातक, स्नातक प्रबंधन, परास्नातक प्रबन्धन पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन की प्रक्रिया अभी चल रही है। जिसकी अंतिम तिथि 31 मई है। कोविड लॉकडाउन के बावजूद भी स्नातक में अभी तक लगभग 16300 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं जो कि पिछले वर्ष इसी अवधि अर्थात 15 मई तक प्राप्त आवेदनों के सापेक्ष 23 फीसदी अधिक हैं । वहीं परास्नातक कार्यक्रम में 10235 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना मेंए लगभग 86 फीसदी अधिक हैं। स्नातक पाठ्यक्रमों में सबसे अधिक आवेदन बीकॉम पाठ्यक्रम में प्राप्त हुए हैं ए जबकि अभी आवेदन प्रक्रिया चल रही है। इसी प्रकार परास्नातक पाठ्यक्रमों में अभी तक प्राप्त आवेदनों में सबसे अधिक आवेदन एलएलबी विषय में प्राप्त हुए हैं। वहीं डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, प्रोफिसिएंसी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु भी आनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि 15 जून है।

कोरोना की चेन तोड़ने को हो प्रभावी कार्रवाईः मण्डलायुक्त

● निगरानी समितियों को प्रशिक्षित करने के निर्देश
●गांवो का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लेते रहें अधिकारी

समीक्षा बैठक करते मण्डलायुक्त

अम्बेडकरनगर। मंडलायुक्त अयोध्या मंडल एमपी अग्रवाल की अध्यक्षता में कोविड-19 से बचाव एवं व्यवस्था के संबंध में डीएम सैमुअल पॉल एन एवं पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से संक्रमण की रोकथाम को लेकर किए जा रहे कार्यों की जानकारी लेते हुए कोरोना की चेन ब्रेक करने के लिए प्रभावी ढंग से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। समस्त एसडीएम, खंड विकास अधिकारी एवं एमओआईसी को निर्देश देते हुए कहा कि आप सभी अपने-अपने ब्लॉक के गांव में निगरानी समितियों को देखेंगे की निगरानी समितियों द्वारा मरीजों को समय से दवा दिया जा रहा है कि नहीं।

पूछताछ के दौरान यह पाया गया कि निगरानी समितियों को प्रशिक्षण की आवश्यकता है ताकि मरीजों की अच्छे से देखभाल हो सके ।जिन निगरानी समितियों को कोविड-19 मरीजों के देखभाल के बारे में जानकारी न हो तो उनको ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण दिया जाए।

समस्त एमओआईसी प्रतिदिन गांव में जाएं। एक एम ओ आई सी प्रतिदिन कम से कम दो से 3 गांव में निगरानी समितियों द्वारा किए जा रहे कार्यों को देखेंगे। साथ ही साथ एसडीएम व खंड विकास अधिकारी को भी निर्देशित किया गया कि आप लोग भी गांव का भ्रमण करते रहें और ग्रामीणों को जागरूक करें कि कोविड-19 संक्रमण से घबराने की जरूरत नहीं है। कोविड-19 संक्रमण को देखते हुए सकारात्मक प्रचार प्रसार करें ताकि कोविड-19 संक्रमण को कम किया जा सके।होम आइसोलेशन में भर्ती मरीजों की जांच कराया जाए कि वहां पर शौचालय की व्यवस्था है कि नहीं । यदि शौचालय की व्यवस्था नहीं है तो ऐसे मरीज को चिकित्सालय में भर्ती कराया जाए। निगरानी समिति घर घर जाकर जांच के उपरांत लक्षण युक्त व्यक्तियों को जागरूक करें कि यदि आप को बुखार है तो यह दवा खाएं इससे आपका बुखार ठीक हो जाएगा। निगरानी समितियों को यह भी निर्देश देते हुए कहा कि जो भी व्यक्ति लक्षण युक्त हैं उन्हें काढ़ा पीने के लिए प्रेरित किया जाए।

पंचायत भवन का छज्जा गिरने के मामले में 43 लोगों के विरूद्ध मुकदमा

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। बीते दस मई की रात्रि में आंधी तूफान के दौरान ग्राम पूरा बक्सराय में नव निर्मित पंचायत भवन का छज्जा गिराने के विवाद में हुई मारपीट के मामले में इब्राहिमपुर पुलिस ने पूर्व प्रधान की तहरीर पर दूसरे पक्ष के विरूद्ध 43 लोगों के विरूद्ध मार पीट वल्वा तोड़फोड़ आदि की धाराओं में घटना के 6 दिन बाद नामजद मुकदमा पंजीकृत किया है। जबकि पुलिस बीते 10 मई को जीते हुए प्रधान के पति की तहरीर पर 17 लोगों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत किया था। उक्त ग्राम में आज भी चुनावी रंजिश को लेकर स्थित तनावपूर्ण बनी हुई है। निवर्तमान पूर्व प्रधान राज कुमार भट्ट ने आरोप लगाया है कि बीते दस मई की सुबह में आठ बजे गांव के स्कूल की तरफसे गुजर रहा था कि देखा जीते हुए प्रधान के पति अरुण शर्मा अपने भाइयो व समर्थकों के साथ लाठी डंडा वेलचा आदि लेकर नवनिर्मित पंचायत भवन का छज्जा गिरा रहे थे जब मैंने विरोध किया तो गाली गलौज धमकी देते हुए मारने हेतु दौड़ा लिया हल्ला गोहार पर ग्राम के अतुल कुमार,सरोज कुमार,सुरेंद्र बचाने दौड़े तो उन्हें मारा पीटा जिसमे सभी घायल हो गए मारपीट के दौरान उनलोगों ने ट्रैक्टर में तोड़ फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने राजकुमार भट्ट की तहरीर पर आधा दर्जन से अधिक धाराओं में 43 लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया है। इब्राहिमपुर पुलिस ने दोनो पक्षो के द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमों की विवेचना शुरू कर दी है।

क्विक न्यूज

कुमारगंज पुलिस ने जुआरियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

मिल्कीपुर, अयोध्या। कुमारगंज पुलिस ने जुआ खेल रहे चार जुआरियों को किया गिरफ्तार जुआरियों के पास से 1990 रुपए पुलिस ने किया जब्त। प्राप्त समाचार के अनुसार शनिवार की शाम कुमारगंज थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह को मुखबिर ने सूचना दिया कि कस्बा कुमारगंज के आलू मंडी में चार लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष ने थाने के उप निरीक्षक उमेश कुमार वर्माए उप निरीक्षक हरे कृष्णए कांस्टेबल अखिलेश कुमारए हेड कांस्टेबल विनोद कुमार आलू मण्डी पहुंचकर चारों लोगों को पकड़ लिया। पकड़े गए लोगों की जब पुलिस टीम ने तलाशी ली तो चारों लोगों के पास से 1990 रुपए नगद व ताश का 52 पत्ता बरामद किया। थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने बताया कि कमलेश पुत्र गनपत निवासी बवांए रमेश कुमार पुत्र मोहन प्रसाद निवासी शिवनाथ पुरए बाबूलाल पुत्र भगौती निवासी कस्बा कुमारगंजए सुरज तिवारी पुत्र अमरनाथ निवासी पूरे लाल पाण्डेय थाना कुमारगंज को जुआ खेलते समय पुलिस टीम ने पकड़ लिया था पकड़े गए चारों लोगों के खिलाफसंबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया।

कांग्रेस प्रकोष्ठ के संगठन मंत्री के निधन से शोक की लहर

अयोध्या। सिविल लाइन हौसला नगर निवासी उत्तर प्रदेश कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ के संगठन मंत्री, सेंट्रल बैंक के पूर्व शाखा प्रबंधक, बैंक कर्मचारी ट्रेड यूनियन नेता एस पी चौबे के आकस्मिक निधन का समाचार सुनकर हर कोई हतप्रभ रह गया।कांग्रेस प्रवक्ता मोहम्मद शरीफने बताया प्रातः अपने प्रिय नेता बेबाक शैली और निष्पक्षता से अपनी बात रखने वाले तेजतर्रार नेता के निधन की खबर सुनकर कांग्रेसजनों में शोक की लहर दौड़ गई ।उनका अंतिम संस्कार जमथरा घाट पर किया गया मुखाग्नि उनके पुत्र अभिषेक चतुर्वेदी ने दिया। पूर्व सांसद डॉ निर्मल खत्री ने श्री एस पी चौबे जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा अपने सर्विस के दौरान एवं रिटायर होने के बाद भी अजीवन श्रमिकोंएगरीबोंएबैंक कर्मचारियों के लिए पूरी प्रखरता से उनकी आवाज बुलंद करने वाले नेता को हमने खो दिया है जिसकी पूर्ति संभव नहीं है उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के प्रार्थना कर शोकाकुल स्वजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त किया।कांग्रेस नेताओं ने अपने प्रिय नेता स्वर्गीय एस पी चौबे जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर शोकाकुल परिजनों को यह साहस शक्ति प्रदान करने की कामना की।

कोविड को फैलने से रोकने के लिए मदद को तैयार

प्रयागराज। कोविड 19 को फैलने से रोकने के लिए देश की लड़ाई में मदद करने के लिए लोग घर पर रहकर काम करने के इच्छुक हैं। देश लॉकडाऊन के दूसरे चरण की ओर बढ़ रहा है। जो उपयोग की विभिन्न जरूरतों के अनुरूप तैयार किए गए हैं। ब्रॉडबैंड नेटवर्क प्रदाता एक्साईटेल ने लोगों के लिए समर्पित स्टे एट होम प्लान को शुरू करने की घोषणा की है। घर पर रहने का प्रोत्साहन देते हुए स्टे एट होम श्रेणी में तीन डेटा प्लान शुरू किए हैं। ताकि सर्वोत्तम स्ट्रीमिंग घर से सुगम कार्य अध्ययन एवं लैग फ्री गेमिंग का अनुभव प्राप्त हो। कंपनी के को फाउंडर एवं सीईओ विवेक रैना ने कहा कि इंटरनेट प्रसार की कड़ी को तोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस लड़ाई में सहयोग करने के लिए हम घर के काम करने अध्ययन करने स्ट्रीमिंग एवं गेमिंग के अनुकूल निर्मित स्टे एट होम बंडल पैक शुरू करने के लिए उत्साहित हैं।

रामा दल ट्रस्ट मुख्यालय का कैमरा हुआ गायब

अयोध्या। रामादल मुख्यालय के पश्चिमी मार्ग पर लगा सीसीटीवी कैमरा 12मई को योजनाबद्ध तरीके से गायब किये जाने की लिखित सूचना रामादल सेवा प्रमुख रितेश दास के माध्यम से नगर कोतवाली अयोध्या को दिये जाने के 4 दिन बाद भी कोई कार्यवाही न होने से अपने जीवन मूल्यों के प्रति अप्रिय घटना की आशंका को गम्भीरतापूर्वक संज्ञान में लेकर रामादल ट्रस्ट अध्यक्ष पण्डित कल्किराम अब नवमी तिथि दिन शुक्रवार 21मई को अपना तर्पण पिण्डदान कर्म करेंगे ताकि भविष्य में किसी घटना के घटित होने के बाद उनकी आत्मा को सनातन धर्म का संस्कार कराने के लिए भटकना न पड़े। रामादल अध्यक्ष ने बताया कि तीन माह पूर्व ही सतर्क रहने का सुझाव दिया गया था जिसे तब उतनी गम्भीरता से नही लिया था किन्तु सीसीटीवी कैमरा गायब होने के 24घण्टे पूर्व पश्चिमी मार्ग पर लगी लाईट गायब होने के 24घण्टे के अन्तराल मे ही कैमरे के गायब होने के बाद तीन माह पूर्व की बात ने मन को संशकित कर रखा है। अब एकमात्र यही विकल्प है कि संसार से असमय विदाई का मुहुर्त आने से पहले ही वह सब षटकर्म कर लिये जांय जिसकी आवश्यकता मृत्यपरान्त पड़ेगी ऐसी स्थित में प्रधानमन्त्री मोदीजी के निमित्त चल रहे महानुष्ठान का उत्तरदायित्व रामादल के प्रवक्ता एंव विख्यात कथावाचक श्रीहरिनारायणाचार्य जी सम्पन्न करेंगे। विदित हो कि 14 जनवरी 2014 को प्रधानमन्त्री मोदीजी के निमित्त 5 वर्षीय बगला ब्रह्मास्त्र अनुसन्धान महानुष्ठान का शुभारंभ किया गया था जिसकी पूर्णाहुति वर्ष 2019 विजयादशमी को नागेश्वरनाथ मन्दिर परिसर की यज्ञशाला में देते हुए प्रधानमन्त्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदीजी के स्वस्थ्य दीर्घायुष्य जीवन एंव राष्ट्र मन्दिर निर्माण के निमित्त किये जा रहे प्रयासों की सफलता का संकल्प लेकर विजयादशमी 2019 को ही 5 वर्षीय महानुष्ठान के द्वितीय चरण का आरम्भ किया गया है जो अनवरत चल रहा है जिसकी पूर्णाहुति वर्ष 2024 मे विजयादशमी को होनी है चल रहे महानुष्ठान में जप.पाठ.हवन के साथ.साथ प्रत्येक सोमवार को मौन रखकर मृत्युंजय महादेव जी की विशिष्ट पूजा अर्चना का कर्म निर्विघ्न किया जाता है।

ग्रामीण क्षेत्रों को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर

प्रयागराज। देश में फैली कोरोना महामारी यानी मौजूदा कोविड 19 महामारी के दौरान एक दूसरे से जुड़े रहने में मदद मिल सके। इसके लिए संचार समाधान प्रदाता भारती एयरटेल ने आज अपने नेटवर्क पर कम आय वाले लोगों के लिए विशेष लाभ की घोषणा की है। कंपनी ने पचपन मिलियन से अधिक कम आय वाले अपने लोगों को उनचास रुपये का पैक मुफ्त देगा। इस पैक में अड़तीस रुपये का टॉकटाइम और अट्ठाइस दिनों की वैधता के साथ सौ एमबी डेटा होगा। जो कि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है इसको जुड़े रहने और जरूरत पड़ने पर महत्वपूर्ण जानकारी तक पहुंच बनाने के लिए सशक्त बनाएगा। वैश्विक संचार समाधान प्रदाता है। कंपनी विश्व स्तर पर शीर्ष तीन मोबाइल ऑपरेटरों में शामिल है और इसके नेटवर्क में दो बिलियन से अधिक उपभोक्ता जुड़े हैं। डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवाएं शामिल हैं।

प्रशासन के साथ-साथ लोग खुद भी हों जिम्मेदार

अम्बेडकरनगर। जहां जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक वा स्वास्थ्य विभाग ने कोविड-19 वैश्विक महामारी जैसे जानलेवा संक्रमण से बचाने के लिए पूरे जनपद मैं लोगों को जागरूक किया जा रहा है जिससे लोग सोशल डिस्टेंसिंग बनाकर रहें और अगर बहुत आवश्यक हो तो तभी घर से मास्क जरूर लगाकर निकले, लेकिन आज जब लोगों की गतिविधि पर नजर डाली तो स्थित देखकर यह लगा कि जैसे इन लोगों के ऊपर कोरोना का कोई भय दिखाई नहीं पड़ रहा है। दुकान पर बैठकर लोग सोशल डिस्टेंसिंग और ना ही मुख पर मास्क लगा है। और दुकानों पर धड़ल्ले से चाय और समोसा उड़ाने में लगे ऐसे मैं कैसे संभव है कोरोना से बचाव प्रशासन लाख प्रयास कर ले लेकिन जब तक हर व्यक्ति अपनी खुद की जिम्मेदारी समझ कर अपना बचाव करेगा तभी कोरोना से बचाव संभव है।

ग्रामीण क्षेत्र के बाजारों में मिठाई की दुकान लेकर चाय समोसे की दुकानों पर खाने पीनी वाले व्यक्तियों द्वारा नहीं किया जा रहा है सोशल डिस्टेंसिंग का पालन और उनके मुख पर मार्क्स लगा नहीं दिखाई दे रहा इन दुकानदारों के ऊपर ना प्रशासन का कोई भय दिखाई दे रहा है और ना ही कोरोना का भय दिखाई दे रहा है। वहीं दूसरी तरफ बाजारों में सब्जी के दुकानदारों द्वारा सब्जी तो समय से लगाकर बिक्री करना शुरू कर देते हैं लेकिन उनके मुख पर मार्क्स दूर-दूर तक दिखाई नहीं साथ साथ रोड पर दो पहिया वाहन या चार पहिया वाहन धड़ल्ले से फर्राटा भर रहे है।

एनसीआर के 1500 अधिकारियों, कर्मचारियों ने दी कोरोना को मात

प्रयागराज। कोविड 19 महामारी के दौर में भी व्यक्तिगत कठिनाइयों और संकट के बावजूद भी उत्तर मध्य रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भारतीय रेल के सबसे महत्वपूर्ण रेल मार्गों पर रेल परिचालन को सुचारु और निर्बाध बनाए रखा है। यह संभव हो सका सिर्फ इसलिए कि उन्होंने अपने हौसले को बरकरार रखा। न सिर्फ कोरोना को मात दी बल्कि अपने कार्यस्थलों चाहे वो सीधे ट्रेन संचालन हो अस्पताल या कार्यालय हो हर मोर्चे पर बिना रुके काम जारी रखा है। प्रमुख मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर अरुण कुमार प्रमुख मुख्य इंजीनियर एस के मिश्रा मुख्य माल यातायात प्रबंधक पी के ओझा मुख्य यातायात योजना प्रबंधक उप महाप्रबंधक सामान्य मन्नू दूबे मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डा शिवम शर्मा अपर मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज मंडल अतुल गुप्ता एवं एडीआरएम अजीत कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी कोविड 19 के विरुद्ध जंग जीत कर वापस आ चुके हैं।

आंगनबाड़ी नहीं बांट रहे पोषाहार

● कोरोना के चलते फायदा उठा रहीं कार्यकत्रियां

मिल्कीपुर अयोध्या। कोविड.19 के बढ़ते संकट को लेकर जहां सरकार लोगों को राहत पहुंचाने में पूरी जी जान से जुटी है। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में आंगनबाड़ी कार्यकत्रिया गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के लिए बाल विकास विभाग से प्राप्त पोषाहार को डकारने में जुटी है। मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के तीनों विकासखंड हैरिंग्टनगंजए अमानीगंज और मिल्कीपुर में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के खेल निराले हैं।इसका उदाहरण मिल्कीपुर तहसील के अमानीगंज विकासखंड की आंगनबाड़ी कार्यकर्ती उषा देवी द्वारा गर्भवती व धात्री महिलाओं में पोषाहार न वितरित किए जाने का मिला है। ग्रामीणों के मुताबिक पता चला है कि मिश्रौली की आंगनबाड़ी कार्यकत्री द्वारा ग्राम पंचायत टिक्टी का प्रभार लिया गया है। जबकि मिश्रौली और ग्राम पंचायत टिकटी मे कम से कम 8 किलोमीटर की दूरी है। पोषाहार सहित अन्य आवश्यक वस्तुएं वहां के लाभार्थी को नहीं मिला पा रही है। गर्भवती एवं धात्री महिलाओं में वितरित किया जाने वाला पोषाहार दूधए घीए तेलए चने की दाल का वितरण नहीं किया जा रहा है । आंगनबाड़ी कार्यकत्री उषा देवी द्वारा बाल विकास परियोजना अधिकारी से सांठगांठ करके पोषाहार का जबरदस्त गबन किया जा रहा है। ग्रामीणों ने इस काले कारनामे की शिकायत भी ब्लॉक के अधिकारियों से की किंतु आंगनबाड़ी कार्यकत्री के प्रभाव में आकर बाल विकास परियोजना अधिकारी अमानीगंज द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं की जा सकी है। यह तो केवल वानगी भर है। यही हाल मिल्कीपुर और हैरिंगटनगंज ब्लाक क्षेत्रों के ग्राम पंचायतों में तैनात आंगनबाड़ी कर्मियों का है। उनके द्वारा भी महामारी के बीच गर्भवती एवं धात्री महिलाओं का निवाला छीने जाने का काम किया जा रहा है।

चोरों ने मंदिर के दान पात्र सहित दो गुमटियों को तोड़ हजारों का माल किया पार।

मिल्कीपुर अयोध्या।थाना कोतवाली इनायत नगर क्षेत्र के तरौली बाजार में शनिवार15/16 की रात चोरों ने बाजार स्थित हनुमान मंदिर में रखा दानपात्र का नकदी सहित बाजार में अपने परिवार की जीविकोपार्जन के लिए रखे गुमटी आशीष कुमार तथा हरिप्रसाद की गुमटियो का ताला पटरा को तोड़कर हजारों का माल पार कर दिया। इस कोरोना काल में यहां जनता संक्रामक बीमारी को लेकर परेशान है अपने घर में बाहर नहीं निकल रही है वही चोरों के हौसले बुलंद है जो भगवान को भी नहीं बख्श रहे हैं। आसपास के लोगों को भनक तक नहीं लग सकी जबकि रात में पी आर बी पुलिस 112 की गाड़ी भी दौड़ा करती है । हनुमान मंदिर की पूजा करने वाले मंदिर के संस्थापक वा पुजारी ने बताया कि शाम को पूजा आरती करने के बाद घर चला गया सुबह आने पर जब मंदिर धोने के लिए मंदिर के पास पहुंचा तो मंदिर का ताला टूटा पड़ा था। तथा दानपात्र गायब था।

पंद्रह हजार पीपीई किट और सेनिटाइजर किया गया वितरित

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

कोविड 19 की दूसरी लहर में कोविड के मामलों में हुई वृद्धि और कई राज्यों में हुई तालाबंदी के कारण लोगों और व्यवसाय पूरे भारत में प्रभावित हो रहे हैं। महामारी से लड़ने के सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों का समर्थन करने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है। वीवो ने एक्सटेंडेड प्रोडक्ट वारंटी के साथ अपने भारतीय लोगों के लिए एक और राहत भरे विकल्प की घोषणा की है। पॉलिसी सुनिश्चित करेगी कि रिप्लेसमेंट अवधि और अन्य ऑफर तीस दिनों तक बढ़ाये जाएं। जिसकी गणना उस दिन से की जाएगी जब सेवा केंद्र फिर से शुरू होंगे। यह नीति उन सभी लोगों की चिंताओं को दूर करेगी जो लॉकडाउन के कारण सेवा प्राप्त करने के लिए किसी सेवा केंद्र पर नहीं जा सकते और साथ ही यह सभी खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ताओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित करेगी।

कोविड कंट्रोल रूम में मण्डलायुक्त ने परखी हकीकत

● होम आइसोलेशन के मरीजों से फोन पर जाना हाल ●बिना आक्सीजन लेबल चेक किये दवा देने पर जताई नाराजगी

कोविड कंट्रोल रूम में जानकारी लेते मण्डलायुक्त

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

मंडलाआयुक्त एमपी अग्रवाल अयोध्या मंडल ने जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन के साथ मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में संचालित एकीकृत कोविड कमांड सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एकीकृत कोविड कमांड सेंटर से होम आइसोलेशन में भर्ती मरीजों को फोन करके उनका नियमित लिए जा रहे हालचाल का बना डिटेल रजिस्टर भी देखा।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वयं मरीज दुर्गेश से फोन करके हालचाल जाना। मरीज दुर्गेश द्वारा अवगत कराया गया कि मेरा स्वास्थ्य ठीक है दवा मिल रहा है टेंपरेचर चेक किया गया था। मुझे कोई परेशानी नहीं है। इसके उपरांत मरीज सुरेश से मंडल आयुक्त द्वारा फोन करके स्वास्थ्य के बारे में पूछा गया तो सुरेश ने अवगत कराया कि मेरे पास आरआर टीम आती है परंतु मेरा अक्सीजन का लेवल चेक नहीं किया जाता है।

टेंपरेचर के आधार पर ही दवा दे दिया जाता है जिस पर मंडलायुक्त ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि आरआरटी टीम भेजकर तत्काल मरीज का ऑक्सीजन लेवल चेक किया जाए जिससे मरीज को कोई दिक्कत न हो। निरीक्षण के दौरान मौके पर मुख्य विकास अधिकारी घनश्याम मीणा, अपर जिलाधिकारी डॉ पंकज कुमार वर्मा, सीएमओ डॉ अशोक कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ ओम प्रकाश गौतम, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एसके वर्मा तथा अन्य अधिकारी/ कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

दिल्ली की तर्ज पर प्रयागराज में भी स्थापित हो एम्सः बासुदेव यादव

प्रयागराज। सपा से विधान परिषद सदस्य और यूपी बोर्ड के पूर्व सभापति बासुदेव यादव ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर प्रयागराज में राजधानी दिल्ली की तर्ज पर एम्स स्थापित किए जाने की गुहार लगाई है। कोरोना महामारी ने प्रयागराज के जनमानस को झकझोर कर रख देने के साथ ही भयभीत भी कर दिया है। चिकित्सा का कोई समुचित प्रबन्ध और व्यवस्था न होने के कारण भी संगम नगरी में अधिक मौतें हुई हैं। प्रयागराज में एम्स की स्थापना हो जाए तो प्रयागराज सहित आसपास के बीस ज़िलों को इसका लाभ मिल सकता है।

पत्र में लिखा है कि विश्व स्तर पर प्रयागराज में कुम्भ मेले के आयोजन और धार्मिक आध्यात्मिक शैक्षणिक सांस्कृतिक नगर के रुप में विख्यात इस माटी की महत्ता है। यहां की माटी ने उच्चकोटि के राजनीतिक शिक्षाविद न्यायविद तथा प्रशासनिक अधिकारी देश सेवा में दिए हैं। प्रदेश तथा देश की सरकार यहाँ पर आयोजित होने वाले सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुम्भ में सहयोग करके अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकृष्ट करती है। कुम्भ के दौरान गंगा यमुना व अदृश्य सरस्वती के संगम की रेती पर विश्व का सबसे बड़ा शहर बसाया जाता है। इससे पूरे प्रदेश और देश को ख्याति मिलती है। बासुदेव यादव ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से अपील किया है कि प्रयागराज की महत्ता तथा आवश्यकता को देखते हुए यहाँ पर एम्स की स्थापना की जाए। प्रयाग के लोगों की भी मांग है कि यहाँ एम्स की स्थापना की जाए। सपा महानगर प्रवक्ता सैयद मो अस्करी ने बताया कि विधान परिषद सदस्य बासुदेव यादव ने पत्र में हण्डिया में ग्रामसभा की 163 एकड़ जमीन पर प्रस्ताव तैयार कर तत्कालीन कमिश्नर देवेश चतुर्वेदी तथा सीएमओ प्रयागराज के प्रस्ताव से शासन को स्वीकृति हेतु पूर्व में भेजा गया है।

बच्चों में नए लक्षण नजर आएं तो न करें नजरंदाजः डा. पियाली

● बाल गृहों के बच्चों को कोरोना से सुरक्षित रखने पर मंथन ●बाल गृहों के कर्मचारियों को बच्चों में कोरोना के लक्षणों और बचाव की दी गयी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

कोरोना संक्रमण और ब्लैक फंगस के दौर में अगर बच्चों में कोई भी नए लक्षण नजर आएं तो उसे बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें बल्कि फौरन डॉक्टर से सलाह लें। बताते चलें कि महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत प्रदेश में संचालित 180 बाल गृहों में रह रहे शून्य से 18 साल के बच्चों को कोरोना से सुरक्षित रखने को लेकर विभागीय कोविड वर्चुअल ग्रुप के अधिकारियों और विशेषज्ञों ने गहनता से विचार विमर्श किया है। बच्चों में कोरोना के लक्षणों और बचाव के तरीकों पर विषय विशेषज्ञों ने अपनी बात रखी। बाल गृहों के कर्मचारियों के क्षमतावर्धन के लिए कोविड वर्चुअल ग्रुप द्वारा आयोजित वेबिनार में बाल गृहों की व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया। सभी का यही कहना था कि बाल गृहों में साफ़सफाई बच्चों के खानपान और उनकी खास देखभाल की इस वक्त अधिक जरूरत है। वेबिनार में एसजीपीजीआई लखनऊ की वरिष्ठ कंसलटेंट पीडियाट्रिशियन डा पियाली भट्टाचार्य ने कहा कि इस समय बच्चों में कोई भी नए लक्षण नजर आएं तो उनको नजरंदाज करने की कतई जरूरत नहीं हैम बच्चों में डायरिया उल्टी दश्त सर्दी जुकाम बुखार खांसी आँखें लाल होना या सिर और शरीर में दर्द होना साँसों का तेज चलना आदि कोरोना के लक्षण हो सकते हैं। इसलिए यदि ऐसे लक्षण नजर आते हैं तो उसे नजरंदाज कतई न करें और लक्षण सामान्य हैं तो बच्चे को होम आइसोलेशन में रखें। बच्चा यदि पहले से किन्हीं बीमारियों की चपेट में रहा है और कोरोना के भी लक्षण नजर आते हैं तो उसे चिकित्सक के संपर्क में रखें। उन्होंने बाल गृह में रह रहे बच्चों का हेल्थ चार्ट बनाने पर जोर दिया। कहा कि यह चार्ट हर बाल गृह अपने पास रखें और उसको नियमित रूप से भरते रहें। उसमें बुखार पल्स रेट आक्सीजन सेचुरेशन खांसी दस्त आदि का जिक्र है। जिससे पता चलता रहेगा कि बच्चे को कब आइसोलेट करने की जरूरत है या कब अस्पताल ले जाना है। बच्चा ज्यादा रोये गुस्सा करे या गुमशुम रहे तो उस पर भी नजर रखनी है। उसके काउंसिलिंग की जरूरत है। बाल गृहों में काउंसलर की अहम भूमिका है उनके प्यार दुलार या समझाने के तरीके से ही बच्चे की बहुत सी बीमारियाँ दूर हो जाती हैं। डा पियाली ने कहा कि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। इसलिए उनके खाद्य पदार्थों में हरी साग सब्जी दाल मौसमी फल जैसे तरबूज खरबूज नींबू संतरा आदि को जरूर शामिल करें ताकि शरीर में रोग से लड़ने की ताकत पैदा हो सके। इसके अलावा हाई प्रोटीन का भी ख्याल रखें। बच्चे को पनीर मट्ठा छाछ गुड़ चना दिया जा सकता है। डा पियाली ने कहा कि जैसी की चर्चा में है कि कोरोना की तीसरी लहर भी आ सकती है जो कि बच्चों को ज्यादा प्रभावित कर सकती है। उस लिहाज से भी अभी वक्त है कि बच्चों में मास्क लगाने सोशल डिस्टेंसिंग और हैण्ड वाश की आदत डाली जाए क्योंकि तीसरी लहर सितम्बर अक्टूबर में आने की बात कही जा रही है। उन्होंने कहा कि सेनेटाइजर की जगह पर साबुन पानी से हाथ धोने पर जोर देना चाहिए। क्योंकि वह सेनेटाइजर की तुलना में ज्यादा उपयोगी है। उन्होंने कहा कि यदि तीसरी लहर आती भी है तो बच्चे इस कारण से भी ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं। क्योंकि 18 साल से ऊपर वालों का ही अभी टीकाकरण किया जा रहा है। निदेशक महिला कल्याण मनोज कुमार राय ने कहा कि कोविड 19 को देखते हुए बाल गृहों में रह रहे बच्चों को पहले से ही विभिन्न आयु वर्ग में विभाजित कर उनके स्वास्थ्य की देखभाल की जा रही है। बाल गृहों में विशेषज्ञों की राय से जरूरी दवाओं का प्रबंध किया गया है।

जान खतरे में डालकर कोरोना योद्धा के रूप में डटे हैं चिकित्सक

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। आज पूरा देश कोरोना महामारी से जंग लड़ रहा है ऐसे में पहली पंक्ति में खड़े कोरोना योद्धा में रूप में हमारे वे चिकित्सक और स्वास्थ कर्मी हैं, जो अपनी और अपने परिवार की जान को खतरे में डाल कर रातदिन एक करके कोरोना से संक्रमित लोगों को बचाने में जुटे हुए है। कोविड मरीजों के लिए जिले के सबसे बड़े सेंटर राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कालेज में बनाये गए कोविड सेंटर में यहां के प्रिंसिपल डॉ संदीप कौशिक के कुशल निर्देशन में डेढ़ सौ चिकित्सक और स्टाफनशों के अलावा इतने कर्मचारियों को साथ लेकर टीम भावना से रातदिन एक करके लोगों की जान बचाने में जुटे हुए हैं। जिसका सुखद परिणाम भी अब साफ तौर पर दिखाई पड़ने लगा है। मेडिकल कालेज में कोरोना संक्रमित मरीजों की इन कोरोना योद्धाओं के अथक प्रयास का ही परिणाम रहा कि अब तक यहां भर्ती छह सौ तिहत्तर संक्रमित व्यक्तियों में से चार सौ अस्सी लोग पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने अपने घरों को लौट चुके हैं और मौके पर 98 लोग अभी भी कोरोना से जंग लड़ रहे हैं।

प्राचार्य डॉ संदीप कौशिक ने बताया कि डॉक्टरों और स्टाफने पूरी लगन और मेहनत से रातदिन एक करते हुए लोगों का इलाज किया है, जिसका परिणाम अब यह आ रहा है कि इस जानलेवा वायरस से लोग अब ज्यादातर लोग ठीक हो जा रहे हैं। प्रदेश और देश के कई हिस्सों में दवाओं और ऑक्सीजन का अकाल पड़ा हुआ है, लेकिन इसके बावजूद इस संस्थान में न तो दवाओं, न ऑक्सीजन और न ही अन्य किसी समान की कोई कमी होने पाई है। इसके अतिरिक्त जल्द ही यहाँ सौ बेड और तैयार हो जाएगा, जिससे लोगों को और भी अधिक संख्या में भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया जाएगा। इसके शासन से डॉक्टरों और स्टाफ की भी मांग की गई है।

फिलहाल प्राचार्य डॉ संदीप यहां की चिकित्सा टीम की सराहना करते हुए उन्हें बधाई भी दे रहे हैं कि ऐसी विषम परिस्थिति में जब खुद डॉक्टर और स्टाफ संक्रमित हो जा रहे हैं, उसके बाद ठीक होकर लौटने के बाद पुनः इसी सेवा में जुट जा रहे हैं, निश्चित ही वे लोग बधाई के पात्र हैं। डॉ कौशिक ने बताया कि मेडिकल कालेज के प्रोफेसर डॉ आसिफअख्तर और उनके पिता भी संक्रमित होकर भर्ती हुए थे, लेकिन दुर्भाग्य से उनके पिता इस संक्रमण से नही बच सके उसके बाद भी संक्रमण से सही होते ही डॉ आसिफपुनः कोरोना मरीजों के इलाज में जुटे हुए हैं। इसके अलावा जो खास बात है वह यह कि न सिर्फ अम्बेडकर नगर बल्कि आसपास के अन्य आधा दर्जन जिले बस्ती, अयोध्या, सुल्तानपुर, जौनपुर व आजम गढ़ जिलों से भी काफी मरीज यहां आकर कोरोना की जांच व इलाज कराकर ठीक हो रहे हैं। यह बात सही है कि जैसी सेवाएं यहां डॉ संदीप के निर्देशन में टीम भावना के साथ सारे डॉक्टर और स्टाफके लोग दे रहे हैं, ऐसी व्यवस्था अन्य जगहों पर लोगों को मिली होती तो शायद ही कहीं ऐसा हंगामा मचता।

टीकाकरण अभियान

सुधार की आवश्यकता

कोरोनावायरस संक्रमण से जनता को बचाने के लिए हर्ड इम्युनिटी प्राप्त करना महत्वपूर्ण है, पर अभी इसमें काफी समय लगेगा और इसके पहले भारत को अपनी जनता की महामारी से सुरक्षा के लिए बहुत कुछ करना होगा। भारत में कोविड-19 टीकाकरण एक प्रकार से हवा में तैर रहा है। हालांकि, वायरस की तीसरी लहर से बचने के लिए लगभग एक अरब जनता का टीकाकरण कभी आसान काम नहीं है, पर टीकाकरण कार्यक्रम उस दिशा में तेजी से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। निश्चित नहीं है कि यह कार्यक्रम टीकाकरण की व्यापक प्रकृति की दिशा में है अथवा टीकाकरण प्रबंधन योअना में बिखराव प्रदर्शित कर रहा है। तथ्य यह है कि वैश्विक महामारी को ज्यादा से ज्यादा इस साल के अंत तक नियंत्रित करना है। वैज्ञानिकों का विश्वास है कि भारत में हर्ड इम्युनिटी प्राप्त करने के लिए जनसंख्या के कम से कम 70 प्रतिशत का टीकाकरण होना चाहिए। इसका अर्थ है कि यदि लगभग 94 करोड़ लोग वैक्सीन की दोनों खूराकें प्राप्त करें तो हर्ड इम्युनिटी मिल सकती है। इतने लोगों को दो खूराकें देने के लिए 188 करोड़ खूराकें चाहिए। यह बहुत कठिन काम है। यदि इस अनुमान से टीकाकरण को केवल एक खूराक तक सीमित कर दिया जाए कि कुछ लोगों को पूर्ण सुरक्षा न दे पाने के बजाय सबको आधी सुरक्षा देना बेहतर होगा तो भी 100 करोड़ खूराकों की जरूरत होगी। इस बारे में अनेक सवाल स्वाभाविक रूप से पैदा होते हैं। टीकों की इतनी खुराकें कहां से आएंगी? इनको प्राप्त करने में कितना

समय लगेगा? टीकाकरण प्रक्रिया पूरा करने में कितना समय लगेगा? आखिरकार यदि केवल एक खूराक दी जाती है तो देश के सामने दूसरी खूराक देने का सवाल बना रहेगा।

ध्यान रखें कि यह सब केवल 70 प्रतिशत जनसंख्या के टीकाकरण के लिए है। इसका अर्थ है कि लगभग एक तिहाई जनसंख्या बिना टीकों के रह जाएगी जिसमें ज्यादातर बच्चे होंगे जिनको अभी टीकाकरण के दायरे में लाया जाना है। सीरम इंस्टीट्यूट आफइंडिया ने कहा है कि वह जुलाई के बाद हर महीने 10 करोड़ खूराकें तैयार करने की स्थिति में होगा। अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत बायोटेक भी जुलाई के बाद प्रति माह पांच से छः करोड़ खूराकें तैयार कर सकेगा। जाइडस कैडिला व डा. रेड्डीज़ लैब प्रति माह तीन करोड़ खूराकें तैयार कर लेंगे। इससे प्रति माह खूराकों का कुल आंकड़ा अगस्त, 2021 तक 20 करोड़ प्रति माह तक पहुंच जाएगा। इस प्रकार दिसंबर तक टीकाकरण का काम पूरा करने के लिए लगभग 100 करोड़ खूराकों की अतिरिक्त जरूरत होगी। हालांकि, कुछ आधी अधूरी खबरों के अनुसार वास्तव में टीकाकरण का यह काम पूरा करने में दो से तीन साल का समय लगेगा। यदि यह मान लिया जाए कि यह लक्ष्य दिसंबर तक पूरा हो जाएगा तो 94 करोड़ जनसंख्या को एक प्रभावी खूराक या उनमें से आधे लोगों को दो खूराकें मिल जाएंगी। इसका नतीजा सबके सामने होगा। कुल मिला कर देखें तो इस प्रकार 2021 के अंत तक हर्ड इम्युनिटी प्राप्त करना लगभग असंभव होगा क्योंकि इसके लिए 188 करोड़ खूराकों की और जरूरत होगी। पांच महीनों में टीकाकरण की इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय अभियान को अभूतपूर्व, संगठित व सुव्यवस्थित बनाना होगा। लेकिन सवाल है कि क्या केन्द्र इस दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसकी योजना कहां है?

इजराइल-हमास युद्ध की विभीषिका

पूर्वी यरुशलम से अवैध फिलिस्तीनियों को निकालने के लिए तेल अवीव के ठोस प्रयास और हमास के इजराइल और यहूदियों को नष्ट करने के निरंतर प्रयास शांतिपूर्ण समाधान पर पहुंचने में सबसे बड़ी बाधा हैं।

माखन सैकिया
(लेखक अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ हैं)

गाजा एक बार फिर सुर्खियों में है। पूर्वी यरुशलम में, खून से सने सड़कें और सुलगते टायर इजरायली सुरक्षा बलों और हमास के बीच एक भीषण लड़ाई के संकेत हैं। 2014 में हुए 50-दिवसीय युद्ध के बाद से इस क्षेत्र में सबसे खराब हिंसा देखी जा रही है। आज, इज़राइल के लिए कड़वा सच यह है कि हमास, एक इस्लामी आतंकवादी समूह, संवेदनशील गाजा क्षेत्र को नियंत्रित करता है।

फ़िलिस्तीनी इज़रायली उपनिवेशवाद के अधीन रहते हैं। उनका डर यातना के अनुभव, अपमान की दैनिक लड़ाई, बुनियादी स्वतंत्रता से लगातार इनकार, जीवन की गरिमा की अनुपस्थिति, जीवन और श्रम, कारावास और अंत में अपंग और हत्या पर आधारित है। इसलिए यह बहुत स्वाभाविक है कि वहां पैदा होने वाले प्रत्येक फिलीस्तीनी में इजरायल के कब्जे के खिलाफ लड़ने की मूल प्रवृत्ति होगी। इजरायल और उसके सुरक्षा बलों के प्रति नफरत बढ़ रही है। और अगर आगे भी ऐसा ही चलता रहा तो युद्ध जैसी स्थिति रोज हो जाएगी।

महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि इजरायल क्या चाहता है? इस्राइल पूर्वी यरुशलम पर पूर्ण नियंत्रण चाहता है। वर्तमान संघर्ष शेख जर्राह के कब्जे वाले पूर्वी यरुशलम इलाके से फिलिस्तीनी परिवारों के जबरन निष्कासन के कारण उभरा है। कुछ सूत्रों का कहना है कि इन परिवारों के कब्जे वाली भूमि मूल रूप से यहूदी स्वामित्व में थी। लेकिन फिलीस्तीनी इसे यरुशलम से ज्यादा से ज्यादा फिलिस्तीनियों को विस्थापित करने की इजरायल की नीति के विस्तार के रूप में देखते हैं। अंतिम उद्देश्य शहर में बहुसंख्यक यहूदी पहचान को पुन: प्राप्त करना और बनाए रखना है। क्या फ़िलिस्तीन को कभी मनचाही आज़ाद ज़मीन मिलेगी? नहीं, कम से कम निकट भविष्य के लिए। यहां यह कहना होगा कि फिलिस्तीन के लिए संघर्ष और जेहाद जारी रहेगा। हमास जैसे इस्लामी प्रतिरोध आंदोलन, जिसका अर्थ है ताकत, इजरायल राज्य की पहचान को चुनौती देते रहेंगे। वास्तव में, हमास की वाचा जिसमें 36 लेख हैं, स्पष्ट रूप से इस बात पर प्रकाश डालता है कि समूह इस्लामी आंदोलन को कैसे आगे ले जाएगा। वाचा का अनुच्छेद 15 कहता है कि फिलिस्तीन की मुक्ति के लिए जेहाद एक व्यक्तिगत कर्तव्य है। इसमें कहा गया है, "जिस दिन दुश्मन मुस्लिम भूमि का हिस्सा हड़प लेते हैं, जेहाद हर मुसलमान का व्यक्तिगत कर्तव्य बन जाता है। यहूदियों द्वारा फ़िलिस्तीन को हड़पने के विरोध में, यह अनिवार्य है कि जेहाद का झंडा फहराया जाए।" ऐसा करने के लिए क्षेत्रीय, अरब और इस्लामी दोनों स्तरों पर जनता के बीच इस्लामी चेतना के प्रसार की आवश्यकता है। देश के दिल में जेहाद की भावना पैदा करना जरूरी है ताकि वे दुश्मनों का सामना कर सकें और लड़ाकों की कतार में शामिल हो सकें।

फिलिस्तीनियों ने दशकों से इजरायल के कब्जे और उपनिवेश का विरोध किया है। फिलीस्तीनी सड़क पर गुस्सा बढ़ गया है। लोग इस्राइल के खिलाफ विरोध का झंडा फहरा रहे हैं। उनका दावा है कि इजरायल जमीन से फिलिस्तीनी पहचान को मिटाने के लिए ठोस प्रयास कर रहा है।

अभी के लिए, तेल अवीव ने युद्धविराम के लिए किसी भी चर्चा को खारिज कर दिया है। यह आक्रामक जारी रखने की कसम खाता है। इज़राइल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपने गाजा हमलों को आगे बढ़ाने के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा, "एक स्थितिजन्य आकलन के निष्कर्ष पर, यह निर्णय लिया गया कि हमलों की ताकत और हमलों की आवृत्ति दोनों को बढ़ाया जाएगा।"

उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि "हमास और इस्लामिक जेहाद ने भुगतान किया ... और उनके जुझारूपन के लिए बहुत भारी कीमत चुकानी होगी ... उनका खून ज़ब्त है"। यह इंगित करता है कि इजरायल अपना आक्रमण जारी रखेगा। ऐसी संभावना है कि यह पश्चिम एशियाई क्षेत्र में दशक के लंबे संकट के दौरान आग में घी का काम करेगा।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता ने कहा कि वह गाजा में इस्राइली हवाई हमले और गाजा से दागे गए रॉकेटों से इस्राइली मारे जाने से बच्चों सहित बड़ी संख्या में हताहत होने से दुखी हैं। उन्होंने इजरायली सुरक्षा बलों द्वारा अधिकतम संयम बरतने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि इस्राइल द्वारा पूर्वी यरुशलम से फिलीस्तीनी परिवारों का नियोजित निष्कासन युद्ध अपराध हो सकता है। लेकिन इसने इजरायली आबादी केंद्रों की ओर रॉकेट और मोर्टार के अंधाधुंध प्रक्षेपण के लिए हमास पर भी हमला किया।

इस बीच, अमेरिका ने इस्राइल और हमास के बीच जारी तनातनी पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक अगले सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। चर्चा इस सप्ताह होनी थी, लेकिन अमेरिका कूटनीति के लिए जगह बनाने की कोशिश कर रहा है ताकि विवादित गाजा क्षेत्र में सबसे खराब स्थिति को टाला जा सके। इजरायल के प्रमुख सहयोगी अमेरिका ने कई मौकों पर पुष्टि की है कि इजरायल को अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार है क्योंकि गाजा के आतंकवादी समूहों ने उसके क्षेत्र में लगभग 1,750 रॉकेट दागे हैं। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सभी अटकलों को खारिज कर दिया है कि वाशिंगटन महत्वपूर्ण वार्ता को पूरी तरह से टारपीडो करने की कोशिश कर रहा है। राष्ट्रपति जो बिडेन ने कहा, "मैंने अब तक जो कुछ देखा है, उनमें से एक यह है कि कोई महत्वपूर्ण अतिरंजना नहीं हुई है।"

लगभग उसी समय, इजरायल गाजा में हवाई हमले कर रहा है, इमारतों को समतल कर रहा है जिससे दर्जनों लोग मारे गए हैं। बिडेन पहले ही हमास के रॉकेट हमलों के बीच इजरायल के आत्मरक्षा के अधिकार के बारे में बात कर चुके हैं, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए हैं। इस प्रकार व्हाइट हाउस ने स्पष्ट किया कि यरूशलेम सह-अस्तित्व का स्थान होना चाहिए।

27 राष्ट्रों के एक समूह यूरोपीय संघ ने भी युद्ध के लिए हमास की आलोचना करते हुए कहा कि इजरायल पर फिलिस्तीनी रॉकेट हमले पूरी तरह से अस्वीकार्य थे। और यूरोपीय संघ ने सभी पक्षों से डी-एस्केलेशन का लक्ष्य रखने और अधिक नागरिक हताहतों को रोकने का आह्वान किया। उसी समय, यूरोपीय संघ की विदेश नीति के प्रमुख जोसेफ बोरेल ने पूर्वी यरुशलम में फिलिस्तीनी परिवारों को बेदखल करने की निंदा की। उन्होंने निष्कासन को अवैध बताते हुए कहा कि यह केवल तनाव को बढ़ाने का काम करता है। ब्रिटिश प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन ने अपने विचार को प्रसारित किया कि "ब्रिटेन बढ़ती हिंसा और नागरिक हताहतों से बहुत चिंतित है और हम तनाव में तत्काल कमी देखना चाहते हैं।" अरब लीग के प्रमुख अहमद अबुल घीत ने इजरायल के हवाई हमलों को अंधाधुंध और गैर जिम्मेदाराना बताया।

हालांकि, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई, जो कि इजरायल राज्य के एक प्रसिद्ध समर्थक हैं, ने कहा, "ज़ायोनी बल की भाषा के अलावा कुछ भी नहीं समझते हैं, इसलिए फिलिस्तीनियों को अपनी शक्ति और प्रतिरोध बढ़ाना चाहिए ताकि अपराधियों को आत्मसमर्पण करने और उनके क्रूर कृत्यों को रोकने के लिए मजबूर किया जा सके।" इस बीच इस्लामिक सहयोग संगठन के 57 सदस्यीय समूह ने पूर्वी यरुशलम में बिगड़ते सुरक्षा परिदृश्य पर चिंता व्यक्त की।

अब, जैसा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयम बरतने का आह्वान किया गया है, हमास और इज़राइल दोनों को यह समझना चाहिए कि वे केवल निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहे हैं। युद्ध भूमि की समस्या का समाधान नहीं है। मौजूदा संकट दोनों पक्षों के कट्टरपंथी तत्वों को अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने का मौका दे रहा है।

सीमा पर नेतन्याहू सरकार द्वारा जमीनी सैनिकों की भारी तैनाती आने वाले दिनों में व्यापक हमले का संकेत देती है। गाजा के पास सशस्त्र बलों को ले जाने से आक्रमण और खूनी युद्ध की संभावना बढ़ जाती है। इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) इस समय सभी प्रकार की घटनाओं और तनाव को बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। बलों की ऐसी तैनाती 2014 में ही हुई थी।

जैसा कि युद्ध जारी है, वैश्विक मीडिया रिपोर्ट करता है कि हमास द्वारा दागे गए अधिकांश रॉकेट इजरायल के आयरन डोम डिफेंस सिस्टम द्वारा अवरुद्ध किए जा रहे हैं। हालांकि, बेहतर रक्षा सर्किट से गुजरने वाले कुछ रॉकेटों ने इज़राइल की ओर से कुछ ही लोगों को मार डाला। दूसरी ओर, गाजा पर अपनी वायु सेना के माध्यम से इजरायल द्वारा शुरू किए गए हमले अधिक घातक हैं, अब तक 90 से अधिक लोगों की मौत की सूचना है। आयरन डोम को चुनिंदा रूप से रॉकेट हमलों से निपटने के लिए डिज़ाइन किया गया है। और यह प्रणाली उन दुश्मन रॉकेटों को भी रोकती है जो आबादी वाले क्षेत्रों में जाते हैं। आईडीएफ का दावा है कि आयरन डोम लगभग 90 प्रतिशत प्रभावी है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि एक उच्च संभावना अवरोध दर भी आबादी वाले क्षेत्रों को नष्ट करने के हमास के प्रयासों को पूरी तरह से अप्रभावी बना सकती है। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि आयरन डोम सिस्टम अमेरिकी वित्त से तैयार किया गया था। फिलिस्तीन के लिए अपनी संप्रभु पहचान स्थापित करने के लिए निरंतर संघर्ष इजरायल के लिए एक स्थायी अड़चन बन गया है। दूसरी ओर, इजरायल ने अपनी यथास्थिति बनाए रखने और आगे विस्तार करने और पूर्वी यरुशलम से अवैध फिलिस्तीनी कब्जेदारों (तेल अवीव के अनुसार) को बेदखल करने का प्रयास इस क्षेत्र में एक और अधिक युद्ध को बढ़ावा दिया। हमास चाहता है कि यहूदी मर जाएं और इसराइल राज्य को खत्म कर दिया जाए। उनके लिए, यह इज़राइल के बारे में नहीं है, लेकिन यह अंततः यहूदियों के बारे में है।

स्वास्थ्यरक्षा नीति को प्रोत्साहन जरूरी

> "जनता में व्याप्त असमानता के कारण महामारी से पैदा हुई मुसीबतों के दौरान गरीब लोग और ज्यादा संकट में पड़ गए हैं।"

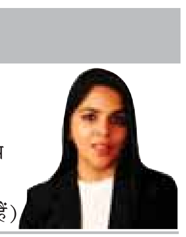

ईशानी शर्मा
(लेखिका लैंगिक न्याय एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हेतु कार्यरत हैं)

भारत में कोरोनावायरस जनित महामारी का व्यापक प्रसार होने से पहले अक्सर आर्थिक समृद्धि व स्वास्थ्यरक्षा विकास को एक दूसरे का पूरक समझा जाता था। कोविड वैश्विक महामारी के दौरान स्पष्ट प्रमाणों से यही पता चलता है कि दोनों के बीच खाई कम नहीं हुई है जिसका कारण विकृत किस्म का विकास है। होता यही आया है कि हर साल केंद्र और राज्य सरकारें अपना वार्षिक वित्त दस्तावेज रखते हुए कुछ क्षेत्रों या उनसे जुड़े क्षेत्रों को अत्यधिक प्राथमिकता देती हैं। इनमें बीमा क्षेत्र शामिल है जो हमारी चिकित्सा व स्वास्थ्यक्षेत्र नीतियों का लाभ उठाता है।

दु:ख की बात है कि स्वतंत्रता के बाद से स्वास्थ्यरक्षा विकास के लिए प्रतिशत आधारित वित्तीय आबंटन कभी कुल वित्तीय आबंटनों के दो प्रतिशत से अधिक नहीं रहा है। इसके परिणामस्वरूप कुछ क्षेत्रों में सामाजिक असमानता बढ़ी है तथा हमारी जनसंख्या के बहुसंख्य हिस्से को मूलभूत चिकित्सा आवश्यकताओं के लिए निजी अस्पतालों में भारी धनराशि खर्च करनी पड़ती है। इस असमानता से गरीब जनता की मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में जोखिम बढ़ जाती है तथा उसे समानता के आधार पर राज्य से स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल पाते हैं। बीमा कंपनियां इस स्थिति का अपनी इच्छानुसार लाभ उठाती हैं जिससे आर्थिक विकास विकृत होता है और हमारे देश के हजारों लोग अनुपयुक्त स्वास्थ्यरक्षा ढांचे का शिकार बनते हैं।

कोविड-19 महामारी ने अनचाहे ही हमारी अर्थव्यवस्था में वर्तमान ढांचागत कमियों को उजागर किया है जो मुख्यत: चिकित्सा और स्वास्थ्यरक्षा उद्योग में पाई जाती हैं। उपयुक्त ढांचे में कमी के कारण तथा सरकारी अस्पतालों में मानव संसाधनों के अत्यधिक अभाव के चलते अधिकांश स्वास्थ्यरक्षा योजनायें विफल हो रही हैं जिनमें गरीबों के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्यरक्षा हेतु निर्धारित आयुष्मान भारत योजना भी शामिल है। इनसे महामारी के समय जनता की वैध चिकित्सा मांगें पूरी नहीं हो रही हैं। एक प्रमुख अखबार में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार आयुष्मान भारत योजना के केवल 10 प्रतिशत कार्ड धारकों को ही केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना का लाभ मिल पाता है। हमने देखा है कि देश में विद्यमान अधिकांश स्वास्थ्यरक्षा संस्थानों में गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू), वेंटीलेटर, आरटी-पीसीआर सुविधाओं, आक्सीजन सिलिंडरों, कार्डियक मानीटरों, एलेक्ट्रोकार्डियोग्राम, बिस्तरों, टीकों, अतिरिक्त दवाओं, परिवहन सुविधाओं, कर्मचारियों तथा सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप से डाक्टरों की भी कमी का सामना करना पड़ रहा है। जांच सुविधाओं व वैक्सीन की कमी के कारण ग्रामीण व सरकारी अस्पताल गरीब मरीजों को तत्काल इजाज के लिए सुदूर स्थानों पर जाने के लिए मजबूर करते हैं। इस समस्या का जन्म 1991 में उस समय हुआ था जब हमारे देश ने उदारीकरण, निजीकरण व वैश्वीकरण-एलपीजी नीतियां अपनाई थीं।

इसके बाद सरकारी क्षेत्र ने निजी क्षेत्र को स्वास्थ्यरक्षा उद्योग में प्रमुख भूमिका निभाने की अनुमति दी और राज्य धीरे-धीरे जनता को उपयुक्त स्वास्थ्य सुविधायें देने की अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ता चला गया।

इससे चिकित्सा सेवाओं में सार्वजनिक क्षेत्र कमजोर हुआ तथा इसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्यरक्षा लाभ प्राप्त करने के लिए निजी क्षेत्र पर निर्भरता बढ़ती गई। सरकार को यह समझने की आवश्यकता है कि निजी क्षेत्र मुनाफा कमाने को केन्द्र में रखता है तथा वह जमीनी स्तर पर जनता तक पहुंचने के प्रयास नहीं करेगा।

वर्तमान समय में देश के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति 1000 जनसंख्या पर केवल 0.6 डाक्टर हैं। चिकित्सा उद्योग के लाभ कमाने के दृष्टिकोण तथा स्वास्थ्यरक्षा सुविधाओं के लिए यूजर चार्ज ने जनता को भारी नुकसान पहुंचाया है।

अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों तथा स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र के लिए बजटीय आबंटन में समानता और संतुलन बहुत महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय होना चाहिए। हमारे देश को हजारों लोगों को महामारी से बचाने के लिए फौरन इसकी आवश्यकता है। वर्तमान परिस्थिति में स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र के लिए उपयुक्त वित्तीय आबंटन की आवश्यकता से समझौता नहीं किया जा सकता है।

आप की बात

टीकों का अभाव

आज देश के हालात कोरोना की वजह से महफूज नहीं है और घंटों लाइन में लगकर भी लोग टीके का जुगाड़ नहीं कर पा रहे हैं। जैसे-जैसे महामारी का कहर जोर पकड़ता जा रहा है लाइन में लंबी होती जा रही है। 18 प्लस को टीकों की जब से घोषणा हुई है इसके लिए जद्दोजहद काफी तेज होती जा रही है। ऐसे में वैक्सीन की कमी अखरने वाली है। सरकार जब पर्याप्त टीको की व्यवस्था हो तभी टीकाकरण शुरू करें। फिलहाल दूसरे डोज वालों की ही सुध ले। एक समय था जब लोग टीके के नाम से डर रहे थे और स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा जाकर समझाइश के बाद भी लोग केंद्रों पर नहीं पहुंचे लेकिन महामारी का जो तांडव चला उससे टीकाकरण केंद्रों पर अपार भीड़ उमड़ने लगी और देखते-देखते सारा स्टॉक खत्म हो गया। यहां सरकार का दावा है कि अभी सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास पर्याप्त स्टॉक है तो फिर राज्य सरकारे टीकाकरण में आनाकानी क्यों कर रही है? सरकार को लोगों को इस मामले में वस्तु स्थिति से अवगत कराना चाहिए वही जब तक पर्याप्त स्टाक ना हो नया टीकाकरण शुरू नहीं करना चाहिए। अब तक के स्टाक को देखते हुए 45 प्लस वालों को प्राथमिकता के साथ पहला या दूसरा डोज लगाया जाना चाहिए।

– **अमृतलाल मारू,** दसई, मप्र

सीमा सुरक्षा

भारत देश की लचर सीमा प्रबंधन और आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था के कारण शत्रु देश द्वारा आतंकियों,मादक पदार्थो,नकली मुद्राओं और हथियारों को पंजाब और जम्मू कश्मीर से सटी सीमाओं पर स्थित इलाकों में ड्रोनों द्वारा भेजा जा रहा है। ड्रोनों द्वारा देश के अंदर मादकपदार्थो और तस्करी की घटनाये होना। चिन्तनीय बिंदु है। कुछ घटनाये पकड़ में आती है।तब हमारा तन्त्र जसगरुक होता है। ड्रोनों से पहले भी भारत मे पुरुलिया में जहाज द्वारा हथियार गिराये जाने की घटनायें हो चुकी हैं। हाल ही में साम्बा सेक्टर में ड्रोन द्वारा गिराए गए ए के 47 राइफलें, पिस्तौल, कारतूस आतंकवादियों के हाथ न लगकर बी एस एफ जवानों की सक्रियता से बरामद कर लिये गए। पाक सीमा पार से इसके पूर्व भी पंजाब और कश्मीर में हेरोइन और हथियारों को ड्रोनों द्वारा घटनाये पकड़ी जा चुकी है। पाकिस्तान आतंकियों तक हथियार पहुचाने की कोशिश और सीमा पर गोलीबारी करके आतंकियों को भेजने की कोशिश कई बार कर चुका है। इसी इलाके में पाकिस्तानी सुरंग का पता हमारे जवानों ने लगाया था। सीमा पर सक्रिय देश विरोधी तत्वों को पहिचानने की ओर हमारे जवान क्षेत्रों की निगरानी और छानबीन के अभियान चला रहे हैं।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी,** जरगांव, उन्नाव

भाप थेरेपी से बचाव

एक जानकारी के मुताबिक खरगोन जिले के अंचल में कोरोना संक्रमण को मात देने के लिए भाप केंद्र स्थापित किए गए। बताया जाता है कि भाप लेना कोरोना मरीजों के लिए व उसके संक्रमण से बचने में लाभप्रद है। ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित स्कूलों में स्थापित भाप केंद्रों में सुबह शाम ग्रामीणों को तीन- तीन मिनिट भाप दी जा रही है। इनके अलावा कोरोनावायरस के संक्रमण से बचाव के विविध उपाय और वैक्सीन लगवाने के लिए भी जागरूक किया जा रहा है। मध्यान भोजन कार्यक्रम परिषद और पंचायत का ये कार्य प्रशंसनीय और प्रेरणादायी भी है। उल्लेखनीय है कि कई जगह पर प्राचीन ऐतिहासिक महलों आदि में स्टीम बाथ स्नानागार भी होते थे। जिसकी विधि शरीर मे रोगों को दूर कर शरीर को स्वस्थ्य बनाने की रही होगी। खैर, अन्य जिलों के अंचलों में भी भाप केंद्र बनाने की पहल की जाना चाहिए। ऐसे में सभी को डॉक्टर्स की सलाह, योग, आर्युवेदिक नुस्खे, कोरोना गाइडलाइन का पालन, आदि साथ में अवश्य ही करना चाहिए।

– **संजय वर्मा**, मनावर, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

गोवा समेत सभी राज्य भीषण महामारी से जूझ रहे हैं। आक्सीजन की कमी सरकार के लिए एक बड़ा सिरदर्द है।

– **श्रीपद नाइक**
केंद्रीय राज्य मंत्री

जब वे जीवित थे, उन्हें दवाएं, आक्सीजन, बिस्तर और उपचार नहीं मिला। अब मर जाने के उपरांत जलाने के लिए लकड़ी और अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं है।

– **लालू प्रसाद यादव**
राजद प्रमुख

लाशों का नदी में बहना दुर्भाग्यपूर्ण है। मोदी सरकार गंगा की पवित्रता एवं निरंतरता बनाए रखने के लिए कटिबद्ध है।

– **गजेंद्र सिंह शेखावत**
केंद्रीय जलशक्ति मंत्री

पीडियाट्रिक आईसीयू हो रहा तैयारः डॉ. तिवारी

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

कोरोना की संभावित तीसरी लहर का सामना करने के लिए शासन-प्रशासन ने अभी से सारी तैयारियां शुरु कर दी है। आशंका है कि तीसरी लहर में बच्चों पर इसका ज्यादा प्रभाव पड़ सकता हैए जिसके लिए जिले में अभी से सारे इंतजाम शुरु हो गए हैं। मंत्री नीलकंठ तिवारी ने बताया कि कोरोना की तीसरी लहर अगर आती है तो उसके इलाज को लेकर व्यवस्थाएं की जी रही है। उन्होंने बताया कि सौ बेड का पीडियाट्रिक आईसीयू तैयार हो रहा है। पर्यटन एवं संस्कृति धर्मार्थ कार्य और प्रोटोकॉल राज्यमंत्री डॉक्टर नीलकंठ तिवारी ने बताया कि सौ बेड के आईसीयू के साथ ही साथ वाराणसी के सभी जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन द्वारा वर्चुअल माध्यम से वाराणसी के बाल रोग विशेषज्ञों के साथ बैठक भी की गई। उन्होंने बताया कि सभी चिकित्सकों द्वारा एक पूरा राइटअप किया जा रहा हैए जिसमें क्या-क्या जरुरत हैए क्या आवश्यकताएं होंगी और कैसे इस तीसरी लहर से बचा जा सकता है। यह तैयार किया जा रहा हैए जो एक दो दिन में तैयार भी हो जाएगा। इसे हमलोग विभिन्न माध्यमों से जागरुकता के लिए बटवाएंगे। मंत्री नीलकंठ ने बताया कि रविवार को सीबीएसई बोर्ड के जो बड़े विद्यालय हैंए उनके साथ भी वर्चुअल मीटिंग हुई हैए जिसमें विद्यालय प्रबंधन के लोगों से आग्रह किया गया कि राइटअप के आधारा पर फ्लेए वर्चअल व जन जागरुकता माध्यम से इसे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाएंए जिससे संभावित तीसरी लहर की तैयारी पूरी रहे। उन्होंने कहा कि इस महामारी से निजात पाने के लिए पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने जिस गति से संघर्ष किया है वह सराहनीय हैए जिस स्तर पर शासन. प्रशासन 10.15 दिनों में दूसरी लहर को काबू करने में कामयाब रहा यह अद्भुत और अभूतपूर्व है।

ठेला व्यवसायियों को सलाह के साथ दवा वितरित की गई

वाराणसी। प्रदेश में कोरोना के लक्षणयुक्त मरीजों को बेहतर इलाज देकर उन्हें स्वस्थ करने के लिए सीएम योगी द्वारा अभियान चलाया गया है। पीएम के टेस्ट ट्रैक और ट्रीट अभियान का असर अब दिखने भी लगा हैए जिले में कोविड मरीजों के दर में कमी भी आई है। मंत्री नीलकंठ तिवारी ने बताया कि कोरोना की दूसरी लहर पर एक प्रभावी नियंत्रण सीएम योगी के नेतृत्व में किया गया। प्रदेश में कोरोना के लक्षणयुक्त मरीजों को बेहतर इलाज देकर उन्हें स्वस्थ करने के लिए सीएम योगी द्वारा अभियान चलाया गया है। पीएम के टेस्ट ट्रैक और ट्रीट अभियान का असर अब दिखने भी लगा हैए जिले में कोविड मरीजों के दर में कमी भी आई है। मंत्री नीलकंठ तिवारी ने बताया कि कोरोना की दूसरी लहर पर एक प्रभावी नियंत्रण सीएम योगी के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने कहा कि काशी में सबसे पहले दवा वितरण का यह अभियान चलाया गया। विश्वनाथधाम ट्रस्ट के माध्यम से दवाओं का किट बनाकर लोगों में वितरित किया गया और इसका बड़ा ही प्रभावी असर पड़ा है। जैसे ही दवा शुरु हो जा रही हैए तीन-चार दिन के अंदर मरीज स्वस्थ हो जा रहा। मरीज की स्थिति सिरियस नहीं हो रही क्योंकि समय पर उसे दवा उपलब्ध हो जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इन सभी प्रमुख बातों को ध्यान में रखते हुए आज विशेष कोविड-19 संबंधित प्राथमिक लक्षण दिखने पर चिकित्सकीय सलाह एवं निशुल्क दवा वितरण किया जा रहा है और शहर भर के स्ट्रीट फूड वेंडरए नाई व अन्य प्रकार के सभी पथ विक्रेताओं को शामिल किया गया है।

कर्फ्यू के आए सकारात्मक परिणामः राजभर

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शनिवार को हुई मंत्री परिषद् की बैठक में कोरोना कर्फ्यू की अवधि को 24 मई तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इस बारे में पूरी जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने सर्किट हाउस में रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कोरोना कर्फ्यू के बेहतर परिणाम को देखते हुए सीएम योगी द्वारा रखी गई मंत्री मंडल की बैठक में इसे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शनिवार को हुई मंत्री परिषद् की बैठक में कोरोना कर्फ्यू की अवधि को 24 मई तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इस बारे में पूरी जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने सर्किट हाउस में रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कोरोना कर्फ्यू के बेहतर परिणाम को देखते हुए सीएम योगी द्वारा रखी गई मंत्री मंडल की बैठक में इसे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। मंत्री अनील राजभर ने बताया कि जिनके पास राशन कार्ड नहीं हैए उनका भी अविलंब नया राशन कार्ड बनाकर उन लोगों को भी लाभ पहुंचाने का सरकार ने फैसला लिया है। इसके अलावा जनपद के मल्लाहए मोचीए माली और नाई समाज के लोगों को भी 1 हजार रुपये की मदद करने का फैसला सरकार ने लिया है। उन्होंने बताया कि नगर निगम में 18 प्लस के लोगों का वैक्सीनेशन हो

दर्शन करने के गई युवती से गैंगरेप

● पिता की तहरीर पर तीन आरोपियों पर मुकदमा हुआ दर्ज

संवाददाता। बीजपुर/सोनभद्र

स्थानीय थानाक्षेत्रान्तर्गत स्थित मोटकी पहाड़ी के नीचे जंगल में शनिवार को एक लड़की के साथ हुए गैंगरेप के मामले में बीजपुर पुलिस ने रविवार को लड़की के पिता की तहरीर पर गैंगरेप में शामिल तीनों आरोपियों पर मुकदमा पंजीकृत कर सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रविवार को बीजपुर थाना में पीड़िता के पिता ने आकर लिखित तहरीर के जरिए प्रभारी निरीक्षक देवतानंद सिंह को अवगत कराया कि शनिवार को दोपहर बाद दो बजे मेरे दामाद मेरी पुत्री के साथ मोटकी पहाड़ी पर बने हनुमान मंदिर पर दर्शन करने के लिए गए हुए थे। जब वे नीचे उतरे उसी समय जनपद सोनभद्र थाना बभनी ग्राम झापर निवासी श्यामलाल पुत्र राम कुँवर पनिका व मुनीलाल पनिका पुत्र राम भजन पनिका तथा जनपद सोनभद्र थाना बीजपुर ग्राम धरतीडॉड़ निवासी अंगद केवट पुत्र राम नरेश केवट ने दोनों को पकड़ लिया। मेरे दामाद को जान से मारने की धमकी देते हुए मेरी पुत्री को पास के जंगल मे ले जाकर उसके साथ बारी बारी से बलात्कार किया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर प्रभारी निरीक्षक श्री सिंह ने तीनों आरोपियों के ऊपर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश सरगर्मी से शुरू कर दी। सूचना पाकर बीजपुर पहुँचे जनपद के पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह दुद्धी सर्किल के पुलिस उपाधीक्षक राम आशीष यादव प्रभारी निरीक्षक बीजपुर देवतानंद सिंह व अन्य मातहतों के साथ गैंगरेप वाले घटना स्थल का मौका मुवायना करके पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। पत्रकारों से वार्ता के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने बताया कि 15 मई 2021 को एक मंगेतर अपने होने वाली पत्नी के साथ मोटकी पहाड़ी पर स्थित हनुमान मंदिर पर दर्शन करने गया हुआ था। दर्शन के उपरांत वह जैसे पहाड़ी से नीचे उतरे वैसे ही जंगल में लकड़ी काट रहे तीनों आरोपी दोनों को पकड़ लिए। तथा पीड़ित को जंगल मे ले जाकर सुनसान व जंगल का फायदा उठाकर बारी बारी से उसके साथ दुराचार किया। उन्होंने बताया कि मामले की विवेचना का कार्य सीओ दुद्धी को दिया गया है। तीनों आरोपी पुलिस की हिरासत में हैं।

कोविड केयर स्वास्थ्य किट किया वितरणः वाराणसी। धनी एप ने 25 लाख परिवारों के लिए 90 करोड रुपए की किंमत के कोविड केयर स्वास्थ्य किट्स का निरूशुल्क वितरण शुरू किया हैए जो कि 50 लाख पुख्त उम्र के व्यक्तियों को काम आएगा। प्रत्येक कोविड केयर स्वास्थ्य किट के अंदर 2 व्यक्तियों के लिए रोगनिरोधक दवाइयाँ होगी।

रिकवरी के दौरान खाने पीने पर रखे विशेष ध्यानः डॉ. अंकित

संवाददाता। मुगलसराय चन्दौली

श्री सेवा सामाजिक संस्था द्वारा संचालित नि:शुल्क चिकित्सालय में डॉ अंकित सिंह के नेतृत्व में कोविड से ठीक हुए 16 लोगो का हैल्थचेक अप हुआ । जिसमें डॉ अंकित सिंह ने शरीर की रोग प्रतिरोधक छमता बढ़ाने के बारे में बताया और कहा रिकवरी के दौरान खाने.पीने का विशेष ख्याल रखें। प्रोटीन और हरी सब्जियां ज़्यादा मात्रा में लेण् ऐसा इसलिए क्योंकि इस बीमारी में शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमज़ोर हो जाती है ।खाने का मन ना हो तो थोड़े.थोड़े समय के अंतराल पर खाएँ और पानी सही मात्रा में पीएँ ।नियमित योग और प्रणायाम करेंण् ब्रीदिंग एक्सरसाइज़ करें और एक साथ बहुत सारा काम ना करें ।ठीक होने के कुछ दिन बाद तक ;15.30 दिनद्ध ऑक्सीजनए बुखारए ब्लड प्रेशरए शुगर मॉनिटर ज़रूर करेंण्गरम या गुनगुना पानी ही पीएंए दिन में दो बार भाप ज़रूर लेंण्8.10 घंटे की नींद ज़रूर लें और आराम करें ।7 दिन बाद डॉक्टर के साथ फॉलो.अप चेक.अप ज़रूर करें। कैम्प में डॉ ओ पी सिंह डॉ मनोज सिंह भी थे संस्था के अध्यक्ष सतीश जिन्दल एवम आशाराम ने 15 लोगो को दवा किट प्रदान किया ।

लाभार्थी को बैंक खाते में दो हजार मिले

वाराणसी। देश में फिनो पेमेंट्स बैंक के मर्चेंट प्वाईंट सरकार की डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर डीबीटी स्कीम पीएम किसान योजना के लाभार्थियों को कैश उपलब्ध कराकर महामारी के बीच भारत के कृषि समुदाय की मदद करने के लिए तैयार हैं ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आज 9ण्5 करोड़ से ज्यादा लाभार्थी किसान परिवारों के खातों में सीधे 19000 करोड़ रुण् से ज्यादा के बेनेफिट ट्रांसफर की घोषणा की। हर किसान लाभार्थी को अपने बैंक खाते में 2000 रुण् मिले ।डीबीटी योजना के लाभार्थी किसी भी बैंक के खाताधारक होने पर नजदीकी फिनो प्वाईंट पर जाकर पैसा निकाल सकते हैं या कोई अन्य बैंकिंग लेन.देन कर सकते हैं। फिनो प्वाईंट नजदीकी छोटे व्यापारी जैसे किराना मेडिकल स्टोर डेयरी शॉप एवं भारत पेट्रोलियम बीपीसीएल आउटलेट्स होते हैं जहां माईक्रो एटीएम एवं आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम एईपीएस डिवाईस होती हैं।

बच्चों में कोई नए लक्षण दिखें तो न करें नजरंदाजः डॉ. पियाली

संवाददाता। सोनभद्र

महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत प्रदेश में संचालित बाल गृहों में रह रहे शून्य से 18 साल के बच्चों को कोरोना से सुरक्षित बनाने को लेकर शनिवार को विभागीय कोविड वर्चुअल ग्रुप के अधिकारियों और विशेषज्ञों ने गहनता से विचार विमर्श किया। बच्चों में कोरोना के लक्षणों और बचाव के तरीकों पर विषय विशेषज्ञों ने अपनी बात रखी। बाल गृहों के कर्मचारियों के क्षमतावर्धन के लिए कोविड वर्चुअल ग्रुप द्वारा आयोजित वेबिनार में बाल गृहों की व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया। वेबिनार में उपस्थित एसजी पीजीआई लखनऊ की वरिष्ठ कंसलटेंट पीडियाट्रिशियन डॉ. पियाली भट्टाचार्य ने कहा कि इस समय बच्चों में कोई भी नए लक्षण नजर आएं तो उनको नजरंदाज करने की कतई जरूरत नहीं है। बच्चों में डायरिया उल्टी दश्त सर्दी जुकाम बुखार खांसी आँखें लाल होना या सिर व शरीर में दर्द होना साँसों का तेज चलना आदि कोरोना के लक्षण हो सकते हैं। इसलिए यदि ऐसे लक्षण नजर आते हैं तो उसे नजरंदाज कतई न करें और लक्षण सामान्य हैं तो बच्चे को होम आइसोलेशन में रखें किन्तु बच्चा यदि पहले से किन्हीं बीमारियों की चपेट में रहा है और कोरोना के भी लक्षण नजर आते हैं तो उसे चिकित्सक के संपर्क में रखें। उन्होंने बाल गृह में रह रहे बच्चों का हेल्थ चार्ट बनाने पर जोर दिया और कहा कि यह चार्ट हर बाल गृह अपने पास रखें और उसको नियमित रूप से भरते रहें उसमें बुखार पल्स रेट आक्सीजन सेचुरेशन खांसी दस्त आदि का जिक्र है जिससे पता चलता रहेगा कि बच्चे को कब आइसोलेट करने की जरूरत है या कब अस्पताल ले जाना है। बाल गृहों में काउंसलर की अहम् भूमिका है उनके प्यार दुलार या समझाने के तरीके से ही बच्चे की बहुत सी बीमारियाँ दूर हो जाती हैं। डॉ. पियाली ने कहा कि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है इसलिए उनके खाद्य पदार्थों में हरी साग सब्जी दाल मौसमी फल जैसे तरबूज खरबूज नींबू संतरा आदि को जरूर शामिल करें ताकि शरीर में रोग से लड़ने की ताकत पैदा हो सके। इसके अलावा हाई प्रोटीन का भी ख्याल रखें बच्चे को पनीर मठ्ठा छाछ गुड चना आदि इसके लिया दिया जा सकता है। मांसाहारी को अंडा मछली आदि दिया जा सकता है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि बच्चा मोटा है तो उसको कोविड नहीं होगा ऐसे बच्चों में भी संक्रमण हो रहा है। इसलिए अन्दर से मजबूत होना ज्यादा जरूरी है। वेबिनार में भाग ले रहे प्रतिनिधियों के सवालों के जवाब में डॉ. पियाली ने कहा कि जैसी की चर्चा में है कि कोरोना की तीसरी लहर भी आ सकती है जो कि बच्चों को ज्यादा प्रभावित कर सकती है उस लिहाज से भी अभी वक्त है कि बच्चों में मास्क लगाने सोशल डिस्टेंसिंग और हैण्ड वाश की आदत डाली जाए क्योंकि तीसरी लहर सितम्बर अक्टूबर में आने की बात कही जा रही है। उन्होंने कहा कि सेनेटाइजर की जगह पर साबुन पानी से हाथ धोने पर जोर देना चाहिए क्योंकि वह सेनेटाइजर की तुलना में ज्यादा उपयोगी है। उन्होंने कहा कि यदि तीसरी लहर आती भी है तो बच्चे इस कारण से भी ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं क्योंकि 18 साल से ऊपर वालों का ही अभी टीकाकरण किया जा रहा है उसके नीचे वालों के लिए तो अभी कोई टीका भी नहीं है। इसलिए उनको सुरक्षित बनाने के लिए बाल गृहों में हेल्प डेस्क की स्थापना हो और वहां पर हेप्लाइन के नम्बर 1075, 1800112545 और चाइल्ड लाइन का नम्बर 1098 का डिस्प्ले जरूर हो। इस अवसर पर निदेशक महिला कल्याण मनोज कुमार राय ने कहा कि कोविड–19 को देखते हुए बाल गृहों में रह रहे बच्चों को पहले से ही विभिन्न आयु वर्ग में विभाजित कर उनके स्वास्थ्य की देखभाल की जा रही है। अन्य व्यवस्थाएं भी चुस्त दुरुस्त हैं। बाल गृहों में विशेषज्ञों की राय से जरूरी दवाओं का प्रबंध किया गया है। जिला प्रोबेशन अधिकारी डॉ अमरेंद्र प्रोत्साहन ने कहा कि वर्तमान समय में सोनभद्र में 3 बाल गृह संचालित हो रहे हैं जिनमें शून्य से 18 साल के करीब 54 बच्चे रह रहे हैं।

नगदी सहित लाखों के जेवरात ले उड़े चोर

संवाददाता। धानापुर चन्दौली

बीती रात हौसला बुलंद चोरों ने कस्बा निवासी अबुल मोहसिन ;सोनूद्ध के घर से 40 हजार नगदी सहित लाखों रुपये के जेवरात पर हाथ साफकर दिया है। भुक्तभोगी ने स्थानीय थाने में लिखित तहरीर दी दी है। पुलिस जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार चोरों ने पहले बगल वाले घर मे सेराज खान के यहाँ दीवाल के सहारे घुस गए लेकिन सभी कमरों में लोग सो रहे थे जिसे देखकर चोरों ने सभी कमरों को बाहर से बंद कर दिया उसके बाद उन्ही के घर से बांस की सीढ़ी लेकर सोनू के घर मे उतर गये जहां भुक्तभोगी और उसका परिवार बरामदे में सो रहा था तभी वह कमरे का ताला तोड़कर उसमे रखे आलमारी से नगदी सहित जेवरात लेकर फरार हो गए जाते वक्त आवाज सुनकर भुक्तभोगी की माँ जग गयी और शोर करने लगी तभी कुछ दूर तक चोरों का पीछा किया लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर वह फरार हो गए इस दौरान चोर अपनी टार्च छोड़ गए। भुक्तभोगी के अनुसार आलमारी में एक बैग में ही 40 हजार नगदए दो घर की बहुओं की जेवरात जिसमे सोने का एक झुमकाए एक कंगनए दो नथियाए दो हारए दो मांग टीकाए चार अंगूठीए दो कान की बालीए चांदी की पौजेबए दो पायल सहित लाखों के जेवरात रखे थे लेकर वह फरार हो गए। भुक्तभोगी ने रात में ही पुलिस को सूचना देकर घंटों चोरों की तलाश में इधर उधर घूमता रहा। प्रातः थाने में लिखित तहरीर दे दी है। जिसपर पुलिस मौके मुआयना कर जांच में जुट गई है।

मंडल रेल चिकित्सालय में अब बढ़ाई सुविधाएं

मुगलसराय चन्दौली । मंडल रेल प्रबंधक श्री राजेश कुमार पांडेय के दिशा निर्देशन में पंडित दीन दयाल उपाध्याय रेल मंडल रेल कर्मियों व उनके परिजनों को उत्तम चिकित्सा सुविधाएं मुहैया करा रहा है। वर्तमान कोरोना काल को देखते हुए डीडीयू जंक्शन स्थित मंडल रेल चिकित्सालय में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं तथा उसमें निरंतर बढ़ोतरी की जा रही है। इसी क्रम में इस शनिवार को मंडल रेल चिकित्सालय के पैथोलॉजी लैब में एक पॉइंट ऑफकेअर जांच मशीन लगाई गई है। इस नई मशीन के माध्यम से मंडल रेल चिकित्सालय में ही मरीज पर कोविड.19 के दुष्प्रभाव का पता लगाने हेतु किये जाने वाले सी.आरपीए डी.डायमर सहित कुछ अन्य जांच किये जा सकते हैं। अब तक इन जांचों के लिए सैंपल वाराणसी भेजना पड़ता था। अब इस जांच मशीन के उपलब्ध हो जाने से स्थानीय स्तर पर ही जांच होगी।

कांग्रेसियों ने राज्यसभा सांसद राजीव सातव के निधन पर शोक व्यक्त किया

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद तथा भारतीय राजनीति के उभरते हुए सितारे के रूप में काम करने वाले हर दिल अजीज युवा नेता राजीव सातव के निधन पर पार्टी जनों ने गहरा शोक प्रकट किया है ।

राजयसभा सांसद राजीव सातव के निधन का समाचार सोशल मीडिया के माध्यम से मिलने के बाद ईंगलिसियालाईन स्थित पंडित कमलापति त्रिपाठी फाउंडेशन में हुई एक बर्चुअल शोक सभा के माध्यम से दिवंगत नेता को भावपूर्ण विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वक्ताओं ने उन्हें भारतीय राजनीति का एक उभरता हुआ सितारा तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का एक मजबूत और ऊर्जावान स्तम्भ बताते हुए कहा कि

ऐसे समय जबकि कांग्रेस पार्टी और पूरा देश कोरोना महामारी से जूझ रहा हैए ऐसे समय असीम सम्भावनाओं से भरे पार्टी के एक उर्जावान ए प्रतिभाशाली और जुझारू नेता का अचानक और असमय इस महामारी का शिकार होकर दुनियां से चला जाना पार्टी के लिए गहरे आघात और सदमें से कम नहीं है ए उनके निधन से पार्टी को जो भारी क्षति हुई है उसकी पूर्ति कदाचित निकट भविष्य में संभव नहीं है।

हम सभी कांग्रेस जन अपने दिवंगत नेता के निधन से अत्यंत व्यथित हैं और दिवंगत नेता को अपनी अश्रूपूरित विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं तथा उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में सर्वश्री विजय शंकर पांडेए ललितेशपति त्रिपाठीए बैजनाथ सिंह प्रो0 अनिल कुमार उपाध्याय प्रो0 सतीश कुमार रायएविजय शंकर मेहताए भूपेन्द्र प्रताप सिंह ए शैलेंद्र सिंह एआनंद मिश्रा ए अशोक पांडेए पुनीत मिश्राए विजय कृष्ण राय अन्नू एप्रमोद श्रीवास्तव ए डा0उमापति उपाध्यायए सुशील सोनकर, विनोद कुमार सिंह कल्लू आदि प्रमुख रहे ।

कोविड प्रबंधन के लिए ग्रामीण स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की योजना

संवाददाता। मीरजापुर

देश में कोविड.19 के प्रसार के प्रबन्धन के लिए अब कोविड ग्रामीण स्तर पर केयर सेंटरए हैल्थ सेंटर और हॉस्पिटल बनाए जाएंगेए जो पूर्णतया कोविड समर्पित होंगे।

शुरुआत में कोविड के ज़्यादातर केस शहरों में देखने को मिल रहे थेए लेकिन धीरे धीरे इसका ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में भी प्रसार देखा जा रहा है। शहरीए ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में कोविड.19 मामलों के बड़े प्रसार के साथए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण हैकि इन क्षेत्रों में कोविड आधारित सेवाएं और प्राथमिक स्तर की स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हो। इसीलिए अब ग्रामीण स्तर पर कोविड केयर सेंटरए हैल्थ सेंटर और हॉस्पिटल बनाने की योजना बनाई जा रही है। वर्तमान में ग्रामीण स्तर पर फ्रंटलाइन वर्कर के द्वारा सर्दी जुकामए खांसीए बुखार इत्यादि लक्षण मिलने वाले व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की जा रही हैए जहां उन्हें मेडिकल किट उपलब्ध कराई जा रही है ।किट के साथ दिए जा रहे पर्चे में दवाइयों के सेवन का तरीका व दिन लिखा हुआ हैए ताकि लोगों को दवा के सेवन में कोई दिक्कत न हो ।मेडिकल किट के साथ लक्षणयुक्त व्यक्ति को कोविड की जांच के लिए प्रेरित किया जा रहा हैए साथ ही नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच भी करायी जा रही है।

ग्रामीण स्तर पर बनाए जाएंगे कोविड केयर सेंटर हैल्थ सेंटर और हॉस्पिटल

ग्रामीण स्तर पर बनाई जाने वाले इन केन्द्रों की रूपरेखा तैयार कर ली गयी है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अनुसार कोविड केयर सेंटर 30 बेड का होगाए जहां पर बिना लक्षण और हल्के लक्षण वाले कोविड उपचाराधीन को रखा जाएगा। यह एक तरह का आइसोलेशन वार्ड होगाए जिन गाँव के घरों में आइसोलाशन की व्यवस्था नहीं होगीए उन मरीजों को यहाँ रखा जाएगा। यहाँ उपचाराधीन लोगों की सांस संबंधी समस्या और ऑक्सिजन स्तर की निरंतर मोनिट्रिंग की जाएगी। यह केंद्र स्कूलए क यूनिटी हालए विवाह गृहए पंचायत भवन आदि उन जगह पर बनाया जायेगाए जहां हवा के आवागमनए स्वच्छता और स्वच्छ शौचालय आदि की व्यवस्था हो।

जागरूकता की जिम्मेदारी

ग्रामीण स्तर कोविड के प्रति जागरूकता के लिए ग्राम पंचायत अहम भूमिका निभाएंगी। ग्राम पंचायत के सहयोग से आईसीडीएस विभागए शिक्षा विभागए स्वयं सहायता समूह के द्वारा कोविड की इस लड़ाई में ग्रामीणों में जागरूक कर कोविड अनुकूल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

कोरोना महामारी से जूझ रहे लोगों को कांग्रेसी पहुंचाएंगे अब सहायता

मिर्जापुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिवकुमार पटेल ने सरकार से मांग किया है कि कोरोना जैसे महामारी गांव में फेल रहा है जांच का दायरा को बढ़ाया जाए शिव कुमार पटेल ने कहा कि इस महामारी से जनता जूझ रही है कारोबार एवं नौकरियां चली गई है सरकार से मांग करते हैं कि बिजली का बिल माफ किया जाए और जो भी सरकार का बकाया है उस पर रोक लगाया जाए कोरोना जैसे महामारी से जनता परेशान है कोरोना महामारी के इस भयावह रूप से लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है इससे लड़ने की जरूरत है सरकार द्वारा दिए गए गाइडलाइन का आप लोग पालन करें और घर से बाहर निकले तो मास्क जरूर लगाएं और आप अपने आप को और अपने परिवार को अपने पास पड़ोस में लोगों को समझाने की जरूरत है जितना हम लोग अपने आप को सुरक्षित रख पाएंगे उतना ज्यादा हम लोग कोरोना से जंग जीतने में सफल हो पाएंगे अपने आप को सुरक्षित रखते हुए लोगों की हर संभव मदद करिए।

मण्डलायुक्त ने कोविड सेंटर का किया मुआयना

संवाददाता। मीरजापुर

मण्डलायुक्त ने कहा-सभी शिकायतकर्ताओ की बातों को बहुत ध्यान से पूरी तरहसुनने के बाद त्वरित निस्तारण किया जाये, कोविड-19 कंट्रोल रूम मे कार्यरत सभी कर्मचारियो का एक ड्रेस कोड हो

मण्डलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार के साथ संचालित एकीकृत कोविड–19 कंट्रोल रूम एण्ड कमाण्ड सेंटर का मुआयना किया। कंट्रोल रूम मे सात हेल्प डेस्क शिकायत, होम आइसोलेशन, एम्बुलेंस सेवा, आक्सीजन आपूर्ति, बेड एवं दवाओ से सम्बन्धित शिकायत/पूछताछ, रजिस्टर को चेक किया। मण्डलायुक्त ने कहा कि सभी शिकायतकर्ताओ की बातो को बहुत ध्यान से एवं पूरी बात सुनने के बाद त्वरित निस्तारण किया जाये। उन्होने कहा कि कोविड–19 कंट्रोल रूम मे कार्यरत सभी कर्मचारियो का एक ड्रेस कोड होना चाहिये जिस पर उनका नाम और पद अंकित हो। मण्डलायुक्त ने दूरदर्शी विजन अपनाते हुये 12 वर्ष तक के बच्चो के लिये कुछ बेडो को रिर्जव रखने का निर्देश दिया। कंट्रोल रूम नोडल प्रभारी श्री अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि दिन भर आठ–आठ घण्टे की तीन शिफ्ट में 36 कर्मचारियो द्वारा निर्वाद एवं सुचारू रूप से सभी प्रकार की कोविड–19 समस्याओ का ससमय निस्तारण किया जा रहा है। कंट्रोल रूम मे कोविड–19 से सम्बन्धित अलग–अलग प्रकार की समसयाओ के लिये दूरभाष नम्बर संचालित किये गये है। जिलाधिकारी ने कहा कि सोशल डिस्टेसिंग का पालन करते हुये समुचित प्रबन्धन के साथ निदान किया जाये। कंट्रोल रूम मे दर्ज कोरोना पाजिटिव एवं सम्भावित लक्षण वाले मरीजो के मोबाइल नम्बर पर समय–समय पर हाल चाल लेते हुये उनके बेहतर स्वास्थ के लिये दवा किट एवं सेनीटाइजेशन साफ-सफाई आदि सुविधाये सुनिश्चित किया जाये। मौके पर अपर जिलाधिकारी (कव0/रा0) श्री यू0पी0 सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्री अश्वनी कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री प्रमोद कुमार सिंह, जिला सूचना अधिकारी डा0 पंकज कुमार एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।इसीक्रम में मण्डलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने मां विंध्यवासिनी मंदिर के आसपास का भव्य स्वरूप बदलने के लिए विंध्य कारिडोर योजना के अंतर्गत कार्य प्रगति पर चल रहा है। मंडलायुक्त ने विन्ध्यकारीडोर में चल रहे ध्वस्तीकरण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया ।

निरीक्षण के दौरान सदर बाजार एवं कोतवाली गली में चल रहे ध्वस्तीकरण कार्य मे तेजी लाने सम्बन्धित ठेकेदार को निर्देश दिया। उन्होनें कहा कि एक माह के अंदर ध्वस्तीकरण कार्य पूर्ण कर लिया जाये, एवं बचे हुए संपत्तियों का कर भी जल्द कर लिया जाएगा गलियों में फैले मलबे को जल्द ही हटाने का भी निर्देश दिया वहीं पर कोरोना की दूसरी लहर तेजी से आने के कारण ध्वस्तीकरण कार्य प्रभावित हुआ है जल्द ही लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होने कहा कि इसी माह के अंदर ध्वस्तीकरण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा उसी के आधार पर डिजाइन तैयार किया जाएगा एवं मां विंध्यवासिनी मंदिर परिक्रमा पथ एवं चार प्रमुख गलियों का वास्तविक स्वरूप तैयार कर कार्य जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा। इस मौके पर नगर मजिस्ट्रेट श्री विनय कुमार, नायब तहसीलदार सदर मौजूद थे।

धानापुर के पूर्व एडीओ देवमूर्ति उपाध्याय नहीं रहे : धानापुर। ध्चन्दौली। विकास खंड के बुद्धपुर गांव निवासी देवमूर्ति उपाध्याय 66 का रविवार को हृदयगति रुक जाने के कारण निधन हो गया। वे पूर्व में धानापुर ब्लॉक में एडीओ आइएसबी तथा प्रभारी खंड विकास अधिकारी के पद पर कार्य कर चुके हैं। उनके निधन से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। उनका अंतिम संस्कार कोविड गाइड लाइंस के अनुरूप गांव के सामने स्थित गंगा तट पर किया गया।

मप्र में कोरोना वायरस से संक्रमण की दर घट कर 10.68 प्रतिशत रह गई है : चौहान

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में किल कोरोना अभियान को मिल रहे जन-सहयोग से कोविड-19 संक्रमण की कड़ी तोड़ने में सफलता मिल रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कोरोना वायरस से संक्रमण की दर जो 24 प्रतिशत तक पहुंच गई थी, वह घट कर आज 10.68 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने कहा, प्रदेश के कुछ जिलों में तो कोरोना वायरस से संक्रमण की दर पांच प्रतिशत से भी कम रह गई है। चौहान ने बताया कि आज रविवार को कोरोना वायरस से संक्रमित 7,106 नए मरीज मिले हैं। करीब 12,345 मरीज स्वस्थ्य हुए हैं। मरीजों के ठीक होने की दर आज 86.10 प्रतिशत रही है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, कोविड-19 का इलाज करवा रहे या ठीक हुए कुछ व्यक्तियों में हो रहे दुर्लभ म्यूकरमाइकोसिस यानी ब्लैक फंगस संक्रमण के उपचार के लिए कम से कम 24,000 एम्फोटेरिसिन बी-50 एमजी इंजेक्शन प्रदेश को आवंटित करने हेतु केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री से अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि किल कोरोना अभियान के अंतर्गत घर-घर सर्वे टीम पहुंच रही है। सर्दी-जुकाम और बुखार से पीड़ित मरीज अपने इन लक्षणों को छुपाए नहीं बल्कि बताएं, ताकि उनका समुचित इलाज किया जा सके, जिससे दवाइयों की किट उन्हें उपलब्ध कराई जा सके। इस समय मरीजों के ठीक होने की दर अधिक है। चौहान ने कहा कि प्रदेश के 52 जिलों में कुल 354 कोविड-19 मरीज देखभाल केंद्र प्रारंभ किए जा चुके हैं।

भोपाल में 24 मई तक बढ़ाया गया कोरोना कर्फ्यू

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल जिले में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को दृष्टिगत रखते हुए और आम नागरिकों को संक्रमण से बचाने एवं जन-सामान्य के स्वास्थ्य हित में कोरोना कर्फ्यू की अवधि 24 मई तक बढ़ा दी गई है। मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग के एक अधिकारी ने बताया, भोपाल के कलेक्टर एवं जिलाधिकारी अविनाश लवानिया ने दण्ड प्रक्रिया संहिता-1973 की धारा 144 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए उक्त आदेश रविवार को जारी किया। उन्होंने कहा कि पूर्व में जारी आदेश में भोपाल नगर निगम क्षेत्र और बैरसिया नगर पालिका क्षेत्र में 17 मई प्रात: छह तक कोरोना कर्फ्यू लागू किया गया था जिसकी अवधि 24 मई को प्रात: छह बजे तक के लिए बढ़ा दी गई है। भोपाल जिले में 12 अप्रैल की रात नौ बजे से कोरोना कर्फ्यू जारी है।

ऑक्सीजन सांद्रक की पहली खेप आज मुंबई पहुंचेगी

● 50 और सांद्रक के ऑर्डर दिए: अमिताभ

भाषा। मुंबई

महानायक अमिताभ बच्चन ने रविवार को कहा कि उन्होंने पोलैंड से गुरुद्वारा रकाब गंज स्थित कोविड-19 केंद्र के लिए 50 ऑक्सीजन सांद्रक की पहली खेप का ऑर्डर दिया था, जो कल नई दिल्ली पहुंचेगी। 78 वर्षीय अभिनेता ने मुंबई के अस्पतालों के लिए पांच लीटर क्षमता वाले अतिरिक्त 50 ऑक्सीजन सांद्रक का ऑर्डर दिया है। बच्चन नियमित रूप से इस घातक बीमारी के खिलाफ लड़ाई में अपने निरंतर परोपकारी प्रयासों को लेकर जानकारियां साझा करते रहे हैं। देश अभी कोरोना वायरस की दूसरी लहर का सामना कर रहा है।

बच्चन ने अपने ब्लॉग पर लिखा, पोलैंड से मेरे द्वारा ऑर्डर किए गए और खरीदे गए 50 ऑक्सीजन सांद्रक की पहली खेप एक विमान से सोमवार सुबह छह बजे तक दिल्ली पहुंच जाएगी। बच्चन का पोलैंड के साथ एक व्यक्तिगत संबंध है। पिछले साल व्रोकला की नगर परिषद ने उनके दिवंगत पिता और प्रसिद्ध कवि हरिवंश राय बच्चन के नाम पर एक चौक का नाम रखा था। अभिनेता ने कहा कि खेप को गुरुद्वारा समिति द्वारा मंजूरी दी जाएगी।

बच्चन ने यह भी बताया उन्होंने कोरोना वायरस के टीके की दूसरी और अंतिम खुराक ले ली है। पिछले हफ्ते, दिग्गज अभिनेता ने राष्ट्रीय राजधानी में जारी स्वास्थ्य संकट से निपटने के लिए गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में श्री गुरु तेग बहादुर कोविड देखभाल केंद्र को दो करोड़ रुपए का दान दिया था।

बच्चन ने नई पोस्ट में बताया, मैंने आज पांच लीटर क्षमता के और 50 ऑक्सीजन सांद्रक खरीदे हैं, और उम्मीद है कि उन्हें कुछ दिनों में हमें भेज दिया जाएगा.. इन्हें मुंबई में जरूरतमंद अस्पतालों में वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उपनगर जुहू के एक स्कूल में स्थापित करने के लिए उन्होंने जो 25 बिस्तरों वाला देखभाल केंद्र दान में दिया था, वह तैयार है। बच्चन ने कहा, "जरूरतमंदों और संकट में फंसे लोगों के लिए प्रयास करके हमेशा संतोष की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा, जहां भी मैं मदद कर सकता हूं, करता हूं .... मेरे साधन बहुत ही सीमित हैं .... भले ही ऐसा न दिखता हो लेकिन ऐसा है ... किसी तरह से परमात्मा की कृपा से ए सब हो रहा है।

अमिताभ बच्चन ने ली टीके की दूसरी खुराक

भाषा। मुंबई

बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन ने रविवार को बताया कि उन्होंने कोविड-19 टीके की दूसरी और अंतिम खुराक ले ली है। 78 वर्षीय बच्चन ने टीके की पहली खुराक पिछले महीने ली थी। बच्चन ने टीके की दूसरी खुराक लेते हुए अपनी तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की और लिखा, दूसरा भी हो गया। कोविड की बात हो रही है, क्रिकेट की नहीं। माफ कीजिएगा, यह वास्तव में बहुत बुरा मजाक था। बच्चन ने अप्रैल में बताया था कि उनके बेटे अभिषेक बच्चन को छोड़ परिवार के सभी योग्य सदस्यों ने कोविड-19 रोधी टीके की पहली खुराक ले ली है। अभिषेक बच्चन तब आगरा में फिल्म दसवीं की शूटिंग कर रहे थे।

ऑक्सीजन उत्पादन गड़बड़ियों को दुरूस्त करने पहुंचा इसरो दल

भाषा। चेन्नई

वेदांता लिमिटेड के स्वामित्व वाले स्टरलाइट कॉपर संयंत्र ने अपने ऑक्सीजन संयंत्र के कोल्ड बॉक्स में आई तकनीकी खराबी को दुरूस्त करने के लिए इसरो के विशेषज्ञों की मदद ली है। इस खराबी के चलते उसके ऑक्सीजन संयंत्र में जीवन रक्षक गैस का उत्पादन रुक गया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को चिकित्सकीय ऑक्सीजन का उत्पादन शुरू करने की औपचारिक घोषणा की थी और उसके अगले ही दिन तूतीकोरिन में उसके संयंत्र में तकनीकी खराब आ जाने के कारण उत्पादन को एक बड़ा झटका लगा। यह संयंत्र यहां से 600 किलोमीटर दूर है।

रविवार को स्टरलाइट ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा, हमारे ऑक्सीजन संयंत्र में उत्पादन बहाल करने का प्रयास जारी है। आज भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक विशेषज्ञ दल हमारे प्रयासों में सहयोग करने एवं हमारी तकनीकी टीम के साथ समन्वय के लिए परिसर में पहुंचा। विशेषज्ञ दल ने तकनीकी खराबी दुरूस्त करने और ऑक्सीजन का उत्पादन बहाल करने के कुछ उपाय सुझाए हैं।

वेदांता ने कहा, इससे मरम्मत कार्य में तेजी लाने में मदद मिली है और हम इसके लिए स्थानीय प्रशासन के शुक्रगुजार हैं जिसने हमारे ऑक्सीजन उत्पादन को फिर चालू करने के इस सहकारी प्रयास का मार्ग आसान किया। इस संयंत्र ने तमिलनाडु में कोविड-19 के मामलों में तीव्र वृद्धि के बाद जीवन रक्षक गैस की मांग की पूर्ति के लिए 13 मई को चिकित्सकीय ऑक्सीजन का उत्पादन करना शुरू किया था। ऑक्सीजन टैंकरों की पहली खेप लाभार्थियों को भेजी गई है।

लॉक्डाउन : बंगाल में रविवार से कई धार्मिक स्थलों पर प्रवेश निषिद्ध

कोलकाता। कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा पूर्ण लॉकडाउन लगाए जाने के बाद राज्य के कई बड़े मंदिरों में रविवार से प्रवेश निषिद्ध कर दिया गया। राज्य में 16 से 30 मई तक संपूर्ण लॉकडाउन लगाए जाने के बाद महानगर स्थित दक्षिणेश्वर काली मंदिर और बीरभूम जिले के तारापीठ काली मंदिर को रविवार से श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया गया। दक्षिणेश्वर मंदिर के अधिकारियों की तरफ से कौशल चौधरी ने कहा, हमने श्रद्धालुओं के प्रवेश पर 30 मई तक पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। उन्होंने कहा कि दैनिक पूजा और अन्य रीति-रिवाज पहले की तरह जारी रहेंगे। तारापीठ मंदिर प्रबंधन ने नोटिस जारी कर कहा कि कोविड-19 लॉकडाउन के कारण श्रद्धालु 16 मई से 30 मई तक मंदिर परिसर में नहीं आ सकेंगे। प्रबंधन ने कहा, हम समय-समय पर स्थिति की समीक्षा करेंगे।

आज खुलेंगे केदारनाथ के कपाट पीएम की ओर से होगी पहली पूजा

भाषा। देहरादून

उत्तराखंड के उच्च हिमालई क्षेत्र में स्थित विश्वप्रसिद्ध केदारनाथ के कपाट छह माह के शीतकालीन अवकाश के बाद सोमवार को सुबह पांच बजे खोल दिए जाएंगे जहां पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से की जाएगी। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी कोविड-19 के कारण कपाटोद्घाटन के दौरान श्रद्धालु उपस्थित नहीं रह पाएंगे और तीर्थ पुरोहितों समेत सीमित लोगों की मौजूदगी में ही विधि विधान के साथ कपाट खोलने का समारोह होगा। मंदिर को फूलों से सजाया जा रहा है। मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने बाबा केदार के धाम के पट खुलने पर श्रद्धालुओं को शुभकामनांए देते हुए उनसे अपील की कि वे अपने घरों में रहकर ही पूजा अर्चना करें। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि

देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड एवं मंदिर समितियों द्वारा चारों धामों में पहली पूजाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से जनकल्याण के लिए की जा रही हैं। मंगलवार 18 मई को चमोली में स्थित भगवान बदरीनाथ के कपाट सुबह सवा चार बजे ब्रहममुहूर्त में खुल जाएंगे। कोविड के कारण यहां भी श्रद्धालुओं को आने की अनुमति नहीं होगी।

कोविड के संबंध में उत्तराखंड सरकार द्वारा जारी एसओपी के अनुसार, विधि विधान और पूजा अर्चना के साथ केदारनाथ और बदरीनाथ के कपाट खोले जाने के दौरान वहां तीर्थ पुरोहितों, देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड के पदाधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों समेत सीमित संख्या में ही लोग उपस्थित रहेंगे।

क्विक न्यूज

महिला एवं उसकी दो बेटियों की चम्बल नहर में डूबने से मौत

श्योपुर (मप्र)। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के वीरपुर थाना क्षेत्र में ग्राम हारकोई के पास चम्बल नहर में कपड़े धोने गई एक महिला और उसकी दो बेटियों की रविवार सुबह डूबने से मौत हो गई। वीरपुर थाने के प्रभारी नरेन्द्र सिंह राजपूत ने बताया कि मृतकों की पहचान ममता प्रजापति (36) एवं उसकी दो बेटियों भावना (12) एवं अंजू (9) के रूप में की गई है। ए तीनों खेत पर कपड़े धोने गई थी, लेकिन वहां टंकी में पानी नहीं होने पर वह पास से ही गुजर रही चम्बल नहर में कपड़े धोने चली गई। राजपूत ने बताया कि चम्बल नहर में पानी के गहरे गड्ढे बने हैं, जिसमें महिलाएं कपड़े धो रही थीं और इसी दौरान अंजू का पैर फिसल गया और वह गड्ढे में डूब गई, जिसे बचाने के चक्कर में उसकी मां ममता और बहन भावना भी पानी में डूब गई, जिससे तीनों की मौत हो गई। पुलिस ने तीनों शवों को पानी से बाहर निकाल लिया है। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है तथा विस्तृत जांच जारी है।

गहलोत ने पीएम से राज्य का ऑक्सीजन कोटा बढ़ाने का आग्रह किया

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ऑक्सीजन का कोटा बढ़ाने का आग्रह किया। गहलोत ने ट्वीट के जरिए बताया प्रदेश में कोविड की स्थिति को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर चर्चा हुई। उन्हें प्रदेश की स्थिति से अवगत कराने के साथ ही संक्रमितों के आधार पर ऑक्सीजन की उपलब्धता की मांग की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने इसे शीघ्र ही हल करने का आश्वासन दिया है। प्रधानमंत्री के निर्देश के बाद इस संबंध में रेल मंत्री पीयूष गोयल से भी चर्चा हो गई है। उम्मीद है जल्दी ही प्रदेश का ऑक्सीजन आवंटन केन्द्र द्वारा बढ़ा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी आग्रह किया कि पहले की तरह खाली ऑक्सीजन टेंकर जामनगर, हजीरा इत्यादि तक भेजने के लिए वायु सेना की सेवाएं चालू रखी जाएं। गहलोत ने कहा राजस्थान की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए डीआरडीओ द्वारा लगाए जाने वाले ऑक्सीजन संयंत्र की संख्या भी 15 से बढ़ाकर इन्हें सभी जिलों में स्थापित करने की मांग की है।

नासिक : अस्पताल में हंगामा करने के आरोप में भाजपा के स्थानीय नेता पर मामला दर्ज

नासिक। नासिक में पुलिस ने भाजपा के एक स्थानीय नेता पर सरकारी अस्पताल में कथित तौर पर संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और इसके कर्मचारियों पर हमला करने के लिए मामला दर्ज किया है। यह जानकारी रविवार को पुलिस ने दी। घटना नासिक रोड के बायटको अस्पताल में शनिवार की देर रात को हुई। पुलिस ने भाजपा पार्षद सीमा ताजने के पति राजेंद्र ताजने के खिलाफ मामला दर्ज किया है। राजेंद्र ताजने के पिता की कोविड-19 के उपचार के दौरान पिछले दिनों इसी अस्पताल में मौत हो गई थी। नासिक स्थानीय निकाय के स्वास्थ्य अधिकारी ने इस बारे में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, शिकायत के मुताबिक ताजने ने अपनी कार अस्पताल के शीशे के प्रवेश द्वार से टकरा दी और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कर्मचारियों पर हमला किया और वहां एक रोगी के रिश्तेदार से गाली-गलौच की तथा उसे धमकी दी। बहरहाल, घटना में कोई जख्मी नहीं हुआ। पुलिस ने उस पर भादंसं की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

झालवाड़ में झड़प में दो लोगों की मौत

कोटा। राजस्थान के झालावाड़ जिले में पिपलाज बांध के नजदीक एक खेत के पास मिट्टी के कथित अवैध खनन को लेकर दो समूहों के बीच हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शनिवार दोपहर बाद भवानी मंडी थाना क्षेत्र के गंगपुरा गांव के पास हुई हिंसा के सिलसिले में पंद्रह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उनमें से 10 को हिरासत में लिया गया है। मृतकों की पहचान गंगपुरा गांव निवासी गिरिराज गुर्जर (35) और बसंतीलाल गुर्जर (25) के रूप में हुई है। पुलिस उपाधीक्षक एवं भवानी मंडी के क्षेत्राधिकारी गोपीचंद मीणा ने बताया कि 15-20 लोगों का एक समूह एक कृषि क्षेत्र के पास पिपलाज बांध के नजदीक रेत खनन कर रहा था।

बेंगलुरू में कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बीच टीकाकरण के बाद केन्द्र में आब्जर्वेशन के लिए बैठे हुए लोग

पूर्व-पश्चिम मेट्रो गलियारे के लिए सुरंग बनाने का कार्य पूरा: अधिकारी

भाषा। कोलकाता

पिछले दो वर्षों में आई कई बाधाओं को पार करते हुए 16.6 किलोमीटर लंबे पूर्व-पश्चिम मेट्रो गलियारे की सुरंग बनाने का कार्य अंततः पूरा कर लिया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

कोलकाता मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (केएमआरसी) के अधिकारी ने बताया कि एक दुर्घटना में सुरंग खुदाई की दो मशीनों (टीबीएम) में से एक बुरी तरह टूट गई थी जिसकी मरम्मत संभव नहीं थी लेकिन रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के लिए कार्य को कोविड के कारण लगाए गए राज्यव्यापी लॉकडाउन के प्रभावी होने से पहले एक ही मशीन से पूरा कर लिया गया।

टीबीएम उर्वी को आवश्यक नवीनीकरण और इस साल जनवरी में निरीक्षण के बाद कार्य में शामिल कर सुरंग के लंबित कार्य को पूरा किया गया। यह सुरंग बहूबाजार से सियालदाह को जोड़ेगी।

बहूबाजार में 31 अगस्त 2019 को जमीन के गहरे धंसने और इमारतों के ढहने के कारण टीबीएम चंडी एक्वीफाइयर से टकरा गया था जिसके बाद से सुरंग निर्माण का कार्य रोक दिया गया था।

निर्माण कार्य फरवरी, 2020 में शुरू हुआ लेकिन एक महीने बाद राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लगने के बाद फिर रुक गया। हालांकि, पिछले साल जून में लॉकडाउन में ढील देने के बाद कार्य फिर से शुरू हो गया था। दुर्घटना से पहले दोनों टीबीएम साथ-साथ काम कर रहे थे और सुरंग के दोनों सिरे से खुदाई जारी थी।

पन्ना अभयारण्य में बाघिन मृत पाई गई, नौ दिन में मिला पांचवां शव

पन्ना (मप्र)। मध्य प्रदेश के पन्ना बाघ अभयारण्य में छह वर्षीय एक बाघिन का शव मिला है। राज्य में पिछले नौ दिन में पांच बाघ, बाघिन एवं बाघ शावकों की मौत हुई है। पन्ना बाघ अभयारण्य के क्षेत्र संचालक उत्तम कुमार शर्मा ने रविवार को बताया, पन्ना बाघ अभयारण्य के गहरीघाट परिक्षेत्र के बीट कोनी में कोनी नाला में बाघिन पी-213 (32) शनिवार को मृत पाई गई। इस बाघिन के पैर में सूजन होने की जानकारी उन्हें 12 मई को मिली थी। जानकारी मिलने पर दूसरे ही दिन से उसका इलाज शुरू करा दिया गया था।

वन्यप्राणी चिकित्सक ने 13 एवं 14 मई को बाघिन का उपचार किया, जिससे इस बाघिन के पैर की सूजन कम हुई तथा उसने लंगड़ाना भी बंद कर दिया, लेकिन अज्ञात कारणों के चलते शनिवार को उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि बाघिन की मौत कैसे और किस बीमारी के कारण हुई, इस संबंध में अभी कुछ भी बता पाना संभव नहीं है।

शर्मा ने बताया कि मृत बाघिन के विसरा आदि के नमूने लिए गए हैं, जिसकी जांच उपरांत उसकी मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा। मौत का कारण प्रथम दृष्ट्या प्राकृतिक प्रतीत होता है। शर्मा ने बताया कि बाघिन के शव का पोस्टमार्टम किया गया है और बाघिन के शरीर में कहीं किसी भी प्रकार की चोट के निशान भी नहीं पाए गए।

इस बाघिन की मौत से एक दिन पहले शुक्रवार को प्रदेश के बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य के बफर जोन में एक बाघ का शव क्षत-विक्षत हालत में मिला था। प्रदेश के बैतूल जिले में 11 मई को करीब एक साल के बाघ शावक का शव रेल की पटरियों के पास मिला था। कान्हा बाघ अभयारण्य के भैंसाघाट रेंज में आठ मई को 13 साल के एक बाघ का शव मिला था और सात मई को बालाघाट जिले के वारासिवनी वन परियोजना अंतर्गत ग्राम खडगपुर अंसेरा के वन में नहर किनारे करीब डेढ़-दो साल का एक बाघ मृत पाया गया था।

कोविड केंद्रों में सशस्त्र बल कर रहे हैं पशु चिकित्सा कोर के कर्मियों का भी उपयोग

भाषा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर से निपटने के लिए सशस्त्र बलों ने चिकित्सा देखभाल सेवा को मजबूती देने के उद्देश्य से रोगी देखभाल केंद्रों में पशु चिकित्सा कोर के चिकित्सकों व अन्य कर्मियों की भी तैनाती की है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। महामारी के मद्देनजर संयुक्त सशस्त्र बलों द्वारा ऑपरेशन को-जीत के तहत राष्ट्रीय राजधानी, लखनऊ, अहमदाबाद, वाराणसी और पटना में विशेष रूप से स्थापित किए गए कोविड-19 केंद्रों में कोर के करीब 18 अधिकारी, 120 जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) और अन्य कर्मी तैनात हैं।

को-जीत तीनों सशस्त्र सेवाओं के लिए सहकर्मियों के लिए है जो अंततः कोविड-19 के खिलाफ जीत हासिल करेंगे। ऑपरेशन को-जीत के तहत सेना, वायुसेना और नौसेना के कर्मी, ऑक्सीजन आपूर्ति श्रृंखला को बहाल करने, कोविड बिस्तर तैयार करने तथा सक्रमण का प्रसार रोकने के लिए नागरिक प्रशासन की मदद करने में जुटे हुए हैं। रक्षा विभाग ने भी एक कोविड आपदा प्रबंधन समिति बनाई है।

अधिकारियों ने बताया कि पशुचिकित्सा कोर (आरवीसी) के कर्मचारी सुविधा केंद्रों पर तैनात होंगे और अस्थाई (कोविड) अस्पतालों में भर्ती मरीजों के परिजनों को जानकारी उपलब्ध कराएंगे। अधिकारियों, जेसीओ और अन्य कर्मियों को चिकित्सा कर्मियों की मदद के लिए कोविड-19 देखभाल केंद्रों पर तैनात किया जाएगा और वे मरीज के व्याकुल परिजनों और तीमारदारों को समय पर सूचना उपलब्ध कराएंगे।

मरीजों के परिजन और तीमारदार अपने मरीज की हालत के बारे में जानने के लिए अस्थाई केंद्रों के बाहर जुटे रहते हैं और ऐसे में संक्रमित मरीजों की चिकित्सीय देखभाल में तैनात कर्मियों को बाहर आकर जानकारी देनी पड़ती थी। अधिकारियों ने कहा कि पशु चिकित्सा कोर के कर्मियों की तैनाती से चिकित्सा कर्मियों पर बोझ कम होगा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 पशुजन्य बीमारी है और पशुचिकित्सा विज्ञान पूरी तरह से मानव शरीर के औषध विज्ञान व जैव रसायन के समान है। आरवीसी का इतिहास 200 सालों से भी ज्यादा पुराना है और पशु चिकित्सा सेवा और अन्य चीजों के अलावा वो रोग निदान व जांच तथा उभरती बीमारियों के बारे में शोध का काम भी करते हैं। आरवीसी लगातार पशुजन्य रोगों की रोकथाम के काम में भी शामिल रहता है। पशुजन्य रोग या जूनोज कीटाणुओं के कारण होते हैं जो जानवरों और इंसानों के बीच फैल सकते हैं। ये विषाणु, जीवाणु, परजीवी और कवक के कारण होते हैं।

गुवाहाटी में बीती रात आये तूफान कई जगह पेड़ व बिजली के खंभे उखड़ कर गिर गये

कर्नाटक सरकार आपदा प्रबंधन को करेगी मजबूत

● 15 करोड़ की राशि जरूरी उपकरणों की खरीद तथा राज्य आपदा मोचन बल को दी जाएगी

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक सरकार ने आपदा प्रबंधन को मजबूत करने का निर्णय लिया है, जिसके लिए 15 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। राज्य के गृह राज्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने रविवार यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह राशि जरूरी उपकरणों की खरीद तथा राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की दो और कंपनियां तैयार करने में इस्तेमाल की जाएगी। मंत्री ने कहा, हमारी सरकार एसडीआरएफ को मजबूत करने एवं कर्मियों की संख्या बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही हैं पिछली बार हमने 100 पूर्व सैन्यकर्मियों की भर्ती की थी। इस साल हम 100 और की भर्ती करेंगे। उन्होंने कहा कि पहले से ही एसडीआरएफ की चार कंपनियों के 434 लोग बेंगलुरु, मंगलुरु, कलबुर्गी और मैसुरू में हैं और अब दावणगेरे में एक तथा हुबली-धारवाड़ एवं बेलगावी क्षेत्र के बीच भी एक कंपनी खड़ी करने का फैसला किया गया है क्योंकि बेलगावी को बार-बार बाढ़ का सामना करता है। उन्होंने कहा, सरकार ने आपदा प्रबंधन को मजबूत करने का निर्णय लिया है और इस साल अर्थमूवर, करीब 14 एंबुलेंसों जैसे उपकरणों की खरीद एवं एसडीआरएफ की दो कपंनियां खड़ी करने एवं अन्य कार्यों के लिए 15 करोड़ रूपए दिए जाएंगे। मंत्री का बयान ऐसे समय आया है, जब चक्रवाती तूफान तौकते ने तटीय एवं मलनाड जिले के आस-पास कहर बरपाया है। इन जिलों में पिछले तीन वर्षों से भारी बारिश, बाढ़ एवं भूस्खलन से जान-माल का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि चक्रवात प्रभावित उडुपी में उपकरणों की एक खेप भेजी गई है तथा साथ ही मंगलुरु, कारवार एवं उडुपी में बस, ट्रक जैसे वाहन भेजे जा रहे हैं।

गोवा सरकार ने निजी अस्पतालों को अपने अधिकार में लिया

भाषा। पणजी

गोवा सरकार ने कोविड-19 रोगियों को उपचार उपलब्ध कराने के लिए आपदा प्रबंधन कानून के तहत निजी अस्पतालों को अपने अधिकार में लेने के लिए रविवार को आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया है कि सरकार द्वारा नामित अधिकारियों के निर्देशों के अनुरूप इन अस्पतालों में 50 प्रतिशत बिस्तरों पर कोविड रोगियों को भर्ती किया जाएगा और राज्य सरकार संचालित बीमा योजना के लाभार्थियों के उपचार पर होने वाले खर्च का भुगतान सरकार द्वारा किया जाएगा। आपदा प्रबंधन कानून 2005 की धारा 65 के तहत राज्य कार्यकारी समिति के सचिव संजय कुमार द्वारा जारी यह आदेश एक महीने के लिए लागू होगा। नियमों के उल्लंघन का हवाला देते हुए गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को कहा था कि राज्य सरकार कोविड रोगियों के उपचार से जुड़े गोवा के सभी 21 निजी अस्पतालों में मरीजों को भर्ती करने का काम 17 मई से अपने हाथ में लेगी। उन्होंने कहा था कि इस कदम से गोवा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल जैसे चिकित्सा प्रतिष्ठानों पर भार कम होगा। कुमार ने आदेश में कहा कि सक्षम प्राधिकार ने कोविड रोगियों को उपचार उपलब्ध कराने के लिए आपदा प्रबंधन कानून 2005 की धारा 65 के तहत आदेश जारी होने की तारीख से एक महीने के लिए या अगले आदेश तक निजी अस्पतालों का अधिकार अपने हाथ में लेने का निर्णय किया है। इसमें कहा गया है कि राज्य सरकार संचालित बीमा योजना के लाभार्थियों के उपचार पर होने वाले खर्च का भुगतान इन अस्पतालों को सरकार द्वारा किया जाएगा। आदेश के अनुसार मौजूदा अस्पताल प्रबंधन अस्पतालों तथा इनकी सेवाओं के संचालन का काम जारी रखेंगे।

महाराष्ट्र के अमरावती में पूर्ण लॉकडाउन के दौरान आने जाने वाले लोगों से पूछताछ करता पुलिसकर्मी

मेंगलुरु तट पर पलटी एक और नौका, दो की मौत, तीन लापता

भाषा। मेंगलुरु

कर्नाटक के मेंगलुरु में रविवार को कौप तट के नजदीक चट्टानों से टकराने के बाद एक नौका डूब गई जिसके कारण उसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग लापता हो गए। इस नौका में आठ लोग सवार थे। मेंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) ने एक वक्तव्य जारी कर इस बात की जानकारी दी। इससे पहले शनिवार को कोरोमंडल नामक एक अन्य नौका के पलट जाने से उसमें सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच लापता हो गए, जबकि दो लोगों को बचा लिया गया था।

एमआरपीएल के कारोबारी संचार मामलों के महाप्रबंधक रुडोल्फ नोरोन्हा ने बताया कि नौका में सवार आठ लोगों में से तीन तट पर पहुंच गए हैं जिन्हें अधिकारियों ने स्वास्थ्य निगरानी में रखा है। रुडोल्फ ने कहा कि शनिवार को उडुपी जिले में कौप तट के पास डूबी कोरोमंडल नामक नौका का एमआरपीएल से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि रविवार को डूबी अलायंस नामक नौका का संबंध अंडरवाटर सर्विस कंपनी लिमिटेड से है। यह कंपनी अपनी नौकाओं के जरिए कच्चे तेल के साथ आने वाले बड़े-बड़े जहाजों के आवागमन में मदद करती है। इससे पहले शनिवार को एनएमपीटी के अनुबंध के तहत कार्य करने वाली एक नौका मेंगलुरु तट के नजदीक डूब गई थी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लापता हो गए। चालक दल के दो सदस्यों को बचा लिया गया और पांच लोगों की तलाश जारी है। एमआरपीएल को मिली जानकारी के मुताबिक हादसे के समय उस नौका पर कुल आठ लोग सवार थे। चालक दल के आठ सदस्यों में से तीन लोग सुरक्षित तट के किनारे पर पहुंच गए जबकि दो लोगों की मौत हो गई।

तेलंगाना में कोरोना संक्रमण के कुल मामले 5.28 लाख हुए

हैदराबाद। तेलंगाना में रविवार को कोविड-19 के 3,816 नए मामले आए, जिससे राज्य में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 5.28 लाख को पार कर गए, जबकि महामारी से 27 और मौतें होने से मृतकों की संख्या 2955 हो गई। राज्य में कोरोना का कहर जारी है। सरकार की ओर से इसे रोकने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। एक सरकारी बुलेटिन में कहा गया कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) में सबसे अधिक 668 मामले आए हैं, उसके बाद रंगारेड्डी में 326 और मेडचल मलकजगिरी में 293 मामले आए। राज्य में कोविड के कुल मामले 5,28,823 हैं, जबकि 5892 मरीजों के ठीक होने के बाद राज्य में अब तक ठीक हो चुके मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 4,74,899 हो गई। राज्य में अब तक कुल 1.40 करोड़ से अधिक नमूनों की जांच की गई है।

पारिवारिक चिकित्सक कोरोना के खिलाफ लड़ाई में साथ दें: ठाकरे

● मरीज अपने फैमिली डॉक्टरों पर रखें भरोसा

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने पारिवारिक चिकित्सक के रूप में अपनी सेवा दे रहे डॉक्टरों से रविवार को कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में राज्य का साथ देने तथा घर में पृथक-वास में रह रहे अपने मरीजों को सही उपचार परामर्श देने की अपील की। निजी प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों एवं कोविड -19 कार्यबल के सदस्यों के साथ डिजिटल संवाद के दौरान ठाकरे ने कहा कि मरीजों को किसी अन्य के बजाय अपने पारिवारिक चिकित्सकों पर अधिक भरोसा करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, घरों में पृथक-वास में रह रहे कोविड-19 मरीजों की उपचार प्रक्रिया तब प्रभावी ढंग से संभाली जा सकती है, यदि पारिवारिक डॉक्टर इस वायरस संबंधी संक्रमण के विरूद्ध लड़ाई से जुड़ जाएं। उन्होंने कहा कि पारिवारिक चिकित्सक कोविड-19 मरीजों की स्थिति, उनकी अन्य गंभीर रोगग्रस्तता, घरों में पृथक-वास के दौरान उनके शरीर में ऑक्सीजन स्तर आदि का मूल्यांकन करके उन्हें अस्पतालों में भर्ती की जरूरत के बारे में प्रभावी तरीके से मार्गदर्शन कर सकते हैं। ठाकरे ने कहा, यदि घरों में पृथक-वास में बिना लक्षण वाले मरीज का प्रभावी उपचार कर दिया जाता है तो कोविड-19 से होने वाली मृत्यु की दर को कम करने में मदद मिलेगी।

गुजरात में सीबीआई ने दो किया गिरफ्तार

अहमदाबाद। सीबीआई ने अहमदाबाद में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के दो अधिकारियों को चिकित्सा उपकरण बनाने वाले एक व्यक्ति से कथित तौर पर 3.50 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा कि दोनों आरोपियों ने एक चिकित्सा उपकरण निर्माण लाइसेंस (एमडी-9) जारी करने के संबंध में शिकायतकर्ता की इकाई का निरीक्षण किया था और उसकी मदद करने के एवज में कथित तौर पर उससे 3.50 लाख रुपए की मांग की थी। उसमें कहा गया है कि व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जाल बिछाया और आरोपी को रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। विज्ञप्ति में कहा गया कि सीबीआई ने दोनों आरोपियों के परिसरों की भी तलाशी ली और वहां से 25 लाख रुपए से अधिक नकद और कुछ दस्तावेज बरामद किए।

आंध्र प्रदेश में एक दिन में आए रिकार्ड मामले

● 24,171 नए मामले

भाषा। अमरावती

आंध्र प्रदेश में रविवार को कोविड-19 के रिकार्ड 24,171 नए मामले सामने आए, जबकि इस दौरान 101 मरीजों की मौत हो गई। आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने बुलेटिन जारी कर इस बात की जानकारी दी। एक सप्ताह में यह दूसरा दिन है जब कोरोना वायरस संक्रमण से 100 से अधिक लोगों की मौत हुई है। बुलेटिन के मुताबिक पिछले 24 घंटे के दौरान 21,101 लोग इस जानलेवा संक्रमण से ठीक भी हुए हैं। राज्य में अब तक 1.79 करोड़ नमूनों की जांच हो चुकी है जबकि नए मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 14,35,491 पहुंच गई है। कोरोना वायरस संक्रमण की दर बढ़कर आठ प्रतिशत हो गई है। आंध्र में अब तक 12,15,683 लोग इस जानलेवा वायरस को मात दे चुके हैं जबकि 9,372 लोगों की इस महामारी से मौत हो चुकी है। राज्य में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 2,10,436 है। अनंतपुरामू जिले में कोविड-19 के सबसे अधिक 3,356 नए मामले सामने आए हैं। चित्तूर में 2,885, पूर्वी गोदावरी में 2,876, पश्चिम गोदावरी में 2,426 और विशाखापत्तनम में 2,041 नए मामले सामने आए हैं। अनंतपुरामू में ही कोविड-19 के सर्वाधिक 14 मरीजों की मौत हुई है। विशाखापत्तनम में 11, चित्तूर में 10, पूर्वी गोदावरी, गुंटूर, कृष्णा और विजयनगरम में नौ-नौ, एसपीएस नेल्लोर में सात, कुरनूल, प्रकाशम और श्रीकाकुलम में छह-छह, पश्चिम गोदावरी में तीन जबकि कडपा जिले में कोरोना वायरस संक्रमण से दो लोगों की मौत हुई है।

रांची में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चेशायर होम में विकलांग लोगों से मुलाकात करते हुए

नड्डा ने चिकित्सा सामग्री की खेप को रवाना किया

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने अपनी पार्टी के सेवा ही संगठन अभियान के तहत कोविड-19 से निपटने में लोगों की मदद के लिए हिमाचल प्रदेश को मास्क, दवाओं और अन्य जरूरी सामग्रियों की बड़ी खेप को रविवार को रवाना किया। भाजपा के एक बयान के मुताबिक, मानवता के इतिहास में कोविड-19 महामारी को सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट बताते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय साथ मिलकर इसका मुकाबला कर रहे हैं और वायरस के खिलाफ इस युद्ध में विजई होंगे। नड्डा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता अस्पतालों, सामाजिक संगठनों और प्रशासन को चिकित्सकीय सामग्री और राहत सामग्री मुहैया करा रहे हैं। देश भर में कार्यकर्ताओं ने 1200 से ज्यादा रक्तदान शिविर भी आयोजित किए हैं ।

ब्लैक फंगस के उपचार के लिए जरूरी इंजेक्शन बाजार से गायबः दिग्विजय

भाषा। भोपाल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने रविवार को दावा किया कि कोविड-19 का इलाज करा रहे या ठीक हुए कुछ व्यक्तियों में हो रहे दुर्लभ म्यूकरमाइकोसिस यानी ब्लैक फंगस संक्रमण के उपचार के लिए जरूरी एम्फोटेरिसिन इंजेक्शन अचानक बाजार से गायब हो गए हैं। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में प्रदेश से राज्यसभा सांसद दिग्विजय ने कहा कि समाचार माध्यमों से ज्ञात हुआ है कि प्रदेश में कोविड के बाद ब्लैक फंगस बीमारी तेजी से फैल रही है और अकेले भोपाल शहर में ही 70 से ज्यादा ब्लैक फंगस के ज्ञात मरीज हैं जिनमें से 23 शासकीय हमीदिया अस्पताल में भर्ती हैं।उन्होंने कहा कि प्रदेश के अनेक शहरों से ब्लैक फंगस के मरीजों के अस्पताल में भर्ती होने की खबरें आ रही हैं।दिग्विजय ने दावा किया, इस बीमारी के उपचार के लिए आवश्यक एंटीफंगल इंजेक्शन एम्फोटेरिसिन अचानक बाजार से गायब हो गया है तथा मरीज के परिजन इसे लेने के लिए दवा की दुकानों पर भटक रहे हैं। उन्होंने लिखा, जिस तरह से मध्य प्रदेश में कोविड के उपचार हेतु उपयोगी रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी हो रही है और नकली इंजेक्शन के धंधे में कई लोग शामिल पाए गए हैं, उससे आशंका उत्पन्न होती है कि कहीं एम्फोटेरिसिन इंजेक्शन की भी कालाबाजारी और नकली इंजेक्शन का कारोबार प्रारंभ न हो गया हो। दिग्विजय ने कहा, मेरा आपसे (मुख्यमंत्री चौहान) अनुरोध है कि ब्लैक फंगस के उपचार हेतु जरूरी इंजेक्शन एम्फोटेरिसिन की मरीजों के लिए अस्पतालों के माध्यम से आसानी से उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

इजराइल में जान गंवाने वाली सौम्या का अंतिम संस्कार

इडुक्की। फलस्तीनी रॉकेट हमले की चपेट में आकर इजराइल में जान गंवाने वाली सौम्या संतोष को रविवार को कीरिथोदु के एक ईसाई कब्रिस्तान में दफनाया गया। इस दौरान कोविड-19 बचाव नियमों का पालन सुनिश्चित किया गया। वरिष्ठ पादरी फादर जोस प्लाचिकल ने कहा कि सौम्या के अंतिम संस्कार की रस्में कीरिथोदु के नित्या सहाय माता गिरजाघर में अपराह्न करीब 3:45 बजे पूरी की गईं। इस दौरान, सायरो-मालाबार गिरिजाघर प्रमुख कार्डिनल जॉर्ज एलेनचेरी का एक संदेश पढ़ा गया। इससे पहले, कोविड संबंध बचाव नियमों का पालन करते हुए लोगों ने सौम्या के आवास पर पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की। स्थानीय लोगों और नेताओं के अलावा दक्षिण भारत में इजराइल के राजनयिक ने भी सौम्या के घर पहुंचकर उन्हें श्रद्धाजंलि दी।

पेज 1 का शेष

संक्रमण की दूसरी...

ऐसे व्यक्तियों को मेडिकल किट उपलब्ध कराने के साथ-साथ आरआरटी द्वारा इनका एण्टीजेन टेस्ट किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड संक्रमित मरीजों की पोस्ट कोविड अवस्था में ब्लैक फंगस संक्रमण की समस्या देखने में आ रही है। ब्लैक फंगस के उपचार की व्यवस्था हर जनपद में हो सकेए इसके लिए राज्य सरकार पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। कल 15 मईए 2021 को राज्य सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में एक एडवाइजरी जारी की गई है। सभी जनपदों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियोंए सभी जिला चिकित्सालयों, मेडिकल कॉलेजों के फिजीशियन और विशेषज्ञों के साथ ब्लैक फंगस के सम्बन्ध में ट्रेनिंग का एक वर्चुअल कार्यक्रम भी सम्पन्न किया गया हैए जिससे कोरोना संक्रमित मरीजों का पोस्ट कोविड में ब्लैक फंगस से बचाव एवं उपचार सम्भव हो सके। उन्होंने कहा कि ब्लैक फंगस के सम्बन्ध में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम भी संचालित किया जाना चाहिए। इसके अन्तर्गत ब्लैक फंगस के कारणों जैसे स्टेरॉयड का अत्यधिक सेवनए अनियंत्रित डायबिटीजए समय पर टेस्ट कराने आदि के सम्बन्ध में बताया जाना चाहिए। इस सम्बन्ध में एक एडवाइजरी भी जारी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनपदों में ऑक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। ऑक्सीजन की उपलब्धता बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन एक्सप्रेस तथा एयर फोर्स के विमानों से प्रदेश में ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जनपद गौतमबुद्धनगर में 03 नए ऑक्सीजन संयंत्र स्वीकृत हुए हैं। इन संयंत्रों की स्थापना जनपद को ऑक्सीजन के सम्बन्ध में आत्मनिर्भरता की ओर ले जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ऑक्सीजन संयंत्रों की स्थापना का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने सभी से अपील की कि कोरोना महामारी को सामान्य फ्लू न समझे। इस सम्बन्ध में पूरी सतर्कता बरतें। उन्होंने कहा कि हाई रिस्क कैटेगरी के लोग जैसे 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग, 10 वर्ष से कम आयु के बच्चेए गर्भवती महिलाए, एक से अधिक बीमारियों से ग्रस्त लोग आदि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए घर से बाहर न निकलें तथा घर में भी मास्क का प्रयोग करें। अन्य लोग अत्यन्त आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकलें।

प्रधानमंत्री ने कोरोना...

इस दौरान उन्होंने कहा कि केंद्र सभी राज्यों को हर संभव मदद कर रहा है और आगे भी यह मदद इसी तरह से जारी रहेगी। पीएम के साथ हुई बातचीत को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट भी किया। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश में कोविड की स्थिति के साथ ही कोविड के प्रबंधन तथा वैक्सीनेशन के बारे में बातचीत की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोरोना प्रबंधन प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है। उनके मार्गदर्शन से ही बेड की उपलब्धता, ऑक्सीजन की आपूर्ति, हर एक व्यक्ति को निशुल्क वैक्सीनेशन तथा जरूरतमंद को बेहतर उपचार प्राप्त हुआ है। वैक्सीनेशन वेस्टेज को कैसे रोका जाए इस पर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना मार्गदर्शन दिया।

चक्रवात तौकते...

बीएमसी ने कहा कि टीकाकरण कार्यक्रम मंगलवार से लागू किया जाएगा। चेतावनी जारी होने के बाद बीएमसी ने राज्य और नागरिक संचालित अस्पताल से कोविड-19 के 500 मरीजों को स्थानांतरित किया है। आईएमडी ने मुंबई में ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए भारी बारिश का अनुमान लगाया है। इसके अलावा उत्तरी कोंकण, थाणे, रत्नागिरी, पालघर समेत महाराष्ट्र के दूसरे हिस्सों में तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण टीकाकरण अभियान प्रभावित हुआ। खराब मौसम के कारण गुजरात में भी टीकाकरण अभियान रविवार को प्रभावित रहा। विजय रूपाणी सरकार ने चक्रवाती तूफान के बाद के हालात के लिए स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा आपातकालीन सेवा देने के लिए सोमवार और मंगलवार को टीकाकरण अभियान को स्थगित कर दिया है। सरकार ने कोविड-19 मरीजों के इलाज करने वाले अस्पतालों के लिए लगातार बिजली व्यवस्था और आठ उत्पादन इकाइयों से बिना रुकावट ऑक्सीजन आपूर्ति सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए हैं।

कोविशील्ड टीके की...

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, जो लाभार्थी पहले ही दूसरी खुराक के लिए समय ले चुके हैं, वह वैध रहेगा और को-विन पर उसे रद्द नहीं किया जा रहा है। साथ ही लाभार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे दूसरी खुराक के लिए पहली खुराक लेने की तारीख से 84 दिन बाद का समय प्राप्त करें।

गांवों को कोरोना...

चूंकि कोविड मरीजों की निगरानी के लिए ऑक्सीजन स्तर पर नजर रखना महत्वपूर्ण है तो प्रत्एक गांव में पर्याप्त संख्या में पल्स ऑक्सीमीटर तथा थर्मामीटर होने चाहिए। एसओपी में आशा, आंगनवाड़ी कर्मियों तथा गांव स्तर के स्वयंसेवकों की मदद से संक्रमित लोगों को पल्स ऑक्सीमीटर तथा थर्मामीटर मुहैया कराने की सिफारिश की गई है। इसमें कहा गया है कि हर बार इस्तेमाल के बाद पल्स ऑक्सीमीटर तथा थर्मामीटर को एल्काहोल वाले सैनिटाइजर में भीगी रुई या कपड़े से साफ करना चाहिए। अग्रिम मोर्चे के कर्मचारी, स्वयंसेवक, शिक्षक घर-घर जाकर पृथक वास कर रहे मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी लें। साथ ही ऐसा करते समय आवश्यक सावधानी बरतें जिसमें मेडिकल मास्क का इस्तेमाल तथा अन्य उचित एहतियात बरतना शामिल है। एसओपी में कहा गया है, घर पर पृथक वास कर रहे मरीज को किट उपलब्ध कराई जाए जिसमें पैरासिटामोल 500 मिलीग्राम, आइवरमैक्टिन, खांसी की सिरप, मल्टीविटामिन जैसी आवश्यक दवाओं के साथ ही एक विस्तृत पैम्फ्लेट हो जिसमें घर पर पृथक वास के दौरान बरते जाने वाले एहतियात की जानकारी और लक्षण गंभीर होने पर संपर्क करने की जानकारी शामिल हो। मंत्रालय ने कहा कि शहरी क्षेत्रों से जुड़े इलाकों, ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में तीन स्तरीय व्यवस्था होनी चाहिए यानी हल्के या बिना लक्षण वाले मरीजों से निपटने के लिए कोविड देखभाल केंद्र, मध्यम लक्षण वाले मामलों के लिए समर्पित कोविड स्वास्थ्य केंद्र तथा गंभीर मामलों से निपटने के लिए समर्पित कोविड अस्पताल होना चाहिए। सीसीसी अस्थाई केंद्र होते हैं जो स्कूलों, सामुदायिक हॉल, शादी समारोह हॉल, पंचायत इमारतों में बनाए जा सकते हैं। ऐसे कोविड देखभाल केंद्रों के पास बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस होनी चाहिए जिसमें चौबीसों घंटे पर्याप्त ऑक्सीजन उपलब्ध हो। इन इलाकों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और उप जिला अस्पतालों में समर्पित कोविड स्वास्थ्य केंद्र होने चाहिए। इसमें कम से कम 30 बिस्तरों की व्यवस्था होनी चाहिए। मामले बढ़ने पर जिले को बिस्तरों की संख्या बढ़ाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

अदालत ने हिरासत में रखे गए विदेशियों की रिहाई की शर्त में छूट दी

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय ने कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर की असाधारण परिस्थितियों के मद्देनजर घोषित विदेशियों को जेलों से दो साल की हिरासत पूरी करने के बाद रिहा करने की शर्त में छूट दी है। उच्च न्यायालय ने उच्चतम न्यायालय के एक फैसले के बाद पिछले साल 15 अप्रैल को जारी एक आदेश में एक बंदी को दो साल पूरे करने के बाद 5,000 रुपए के निजी मुचलके और दो जमानतदार पेश करने पर रिहा करने की अनुमति दी थी। मुख्य न्यायाधीश सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति मानश रंजन पाठक की एक खंडपीठ ने आदेश में यह कहते हुए संशोधन किया कि महामारी की स्थिति के कारण दो जमानतदारों के बजाय, विदेशी बंदी को अब केवल एक जमानत पर मुक्त किया जा सकता है। अदालत ने यह आदेश शम्सुल हक द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई के बाद पारित किया, जिसे विदेशी न्यायाधिकरण द्वारा विदेशी घोषित किया गया था। पीठ ने आदेश में कहा, इस आदेश की प्रतियां सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को प्रेषित की जाएं, जिसमें सभी जेलों के अधीक्षक और ऐसे हिरासत स्थल के प्राधिकारी शामिल हों, जहां विदेशियों को बंद रखा गया है।

करंट लगने से परिवार के एक सदस्य की मौत, चार अन्य झुलसे

जयपुर। जयपुर के हरमाडा क्षेत्र में रविवार को ट्रांसफार्मर में गडबड़ी के चलते एक घर के फ्रिज में करंट आने से परिवार के एक सदस्य की मौत हो गई जबकि चार अन्य सदस्य झुलस गए। पुलिस ने बताया कि ट्रांसफार्मर में गड़बड़ी के चलते कई घरों में करंट से नुकसान हुआ और एक घर में फ्रिज में करंट आने से परिवार के पांच सदस्यों को बिजली का झटका लगा। जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार अन्य झुलस गए। उन्होंने बताया कि करंट से मोहम्मद रफीक की मौत हो गई।

सौराष्ट्र के पूर्व क्रिकेटर, बीसीसीआई रैफरी राजेंद्र सिंह जडेजा का निधन

राजकोट। सौराष्ट्र के पूर्व तेज गेंदबाज और बीसीसीआई के रैफरी राजेंद्रसिंह जडेजा का कोविड-19 संक्रमण के कारण निधन हो गया। एससीए ने यह जानकारी दी। जडेजा 66 साल के थे। एससीए ने बयान में कहा, एससीए में सभी राजेंद्रसिंह जडेजा के असामयिक निधन से दुखी है जो सौराष्ट्र के अतीत के सबसे शानदार क्रिकेटरों में से एक थे। कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई लड़ते हुए आज तड़के उनका निधन हुआ। जडेजा दाएं हाथ के उम्दा तेज गेंदबाज होने के अलावा अच्छे आलराउंडर भी थे।

उत्तर कोरिया विश्व कप क्वालीफिकेशन से हटा

सोल। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने घोषणा की है कि उत्तर कोरिया 2022 विश्व कप क्वालिफिकेशन से हट गया है। एएफसी ने रविवार को बयान में कहा, एएफसी पुष्टि करता है कि डीपीआर कोरिया फुटबॉल संघ एशियाई क्वालीफायर से हट गया है। प्योंगयांग ने टूर्नामेंट के अगले महीने होने वाले क्वालीफायर से हटने का कोई आधिकारिक कारण नही बताया है।

ऊंची कूद के खिलाड़ी तेजस्विन शंकर को स्वर्ण

नई दिल्ली। भारत के ऊंची कूद के खिलाड़ी तेजस्विन शंकर ने अमेरिका के मैनहेटन में बिग 12 आउटडोर ट्रैक एवं फील्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। कंसास स्टेट यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व कर रहे तेजस्विन ने शनिवार को 2.28 मीटर के प्रयास के साथ प्रतियोगिता का यूनिवसिटी की ओर से रिकॉर्ड बनाया। यह भारतीय खिलाड़ी का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है लेकिन वह अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से कुछ सेंटीमीटर पीछे रहे।

मनु को स्नातक की परीक्षा भी देंगी

नई दिल्ली। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी भारतीय निशानेबाज मनु भाकर क्रोएशिया की राजधानी जगरेब में आयोजित होने वाली यूरोपीय चैम्पियनशिप में भाग लेने के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखेंगी और वही से स्नातक की परीक्षाएं देंगी। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित लेडी श्रीराम महिला कॉलेज से राजनीति विज्ञान में स्नातक कर रही भाकर की परीक्षाएं 18 मई से शुरू होंगी जबकि ओसिजेक में होने वाली यूरोपीय चैम्पिनशिप का आगाज 20 मई से होगा।

तोक्यो पैरालंपिक के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम का चयन 15–16 जून को

नई दिल्ली। तोक्यो मे अगस्त-सितंबर में होने वाले पैरालंपिक खेलों के लिए भारतीय पैरा एथलेटिक्स टीम का चयन 15 और 16 जून को यहां होने वाले दो दिवसीय ट्रायल के दौरान किया जाएगा। ट्रायल्स का आयोजन सरकार के सुरक्षा दिशानिर्देशों और कोविड-19 की मानक संचालन प्रक्रिया के तहत किया जाएगा। पीसीआई ने बयान में कहा, ट्रायल्स मे भाग लेने वाले खिलाड़ियों को 72 घंटे पहले की कोविड-19 नेगेटिव रिपोर्ट साथ में लानी है।

विरोधी को फंसाने का हुनर जानते हैं विराट : पेन

● कोहली दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज

भाषा। मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम के कप्तान टिम पेन ने कहा कि भारतीय कप्तान विराट कोहली दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं और वह विरोधी टीम पर उसी के अंदाज में प्रहार करते हैं। उन्होंने 2018–19 में भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि वह भारतीय कप्तान के प्रतिस्पर्धी रवैए को हमेशा याद रखेंगे। इस 36 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज ने पूर्व दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट के पोडकास्ट गिली एंड गोस में कहा, विराट कोहली के लिए मैंने कई बार कहा है कि वह उस प्रकार के खिलाड़ी है जिसे आप अपनी टीम में रखना पसंद करेंगे। वह प्रतिस्पर्धी है। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। उन्होंने कहा, उनके (कोहली) खिलाफ खेलना चुनौतीपूर्ण है और वह आपकी चाल में नहीं फंसते है क्योंकि वह खेल में बहुत अच्छे और प्रतिस्पर्धी है। कोहली की अगुवाई में भारत ने 2018–19 में पहली बार ऑस्ट्रेलिया को उसकी सरजमीं पर टेस्ट श्रृंखला में हराया था। भारत ने बॉर्डर–गावस्कर श्रृंखला को 2–। से जीता था और पूरी श्रृंखला के दौरान दोनों कप्तानों के बीच कई बार जुबानी जंग देखने को मिली थी। पेन ने कहा, हां, चार साल पहले उनसे मतभेद हुए थे। वह ऐसे खिलाड़ी है जिन्हें मैं हमेशा याद रखूंगा। रोचक बात यह है कि पेन ने ही पिछले साल कहा था कि कोहली भारतीय टीम में किसी अन्य खिलाड़ी की तरह से हैं जिनके बारे में वह ज्यादा नहीं सोचते है। पेन ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को कोहली को नापसंद करना पसंद है।

कोहली और विलियमसन में कौन सर्वश्रेष्ठ मसले पर आपस में भिड़े वान और बट

लंदन। भारतीय कप्तान विराट कोहली और न्यूजीलैंड के उनके समकक्ष केन विलियमसन में कौन सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है, इस मुद्दे पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान और पाकिस्तान के सलमान बट के बीच रविवार को जुबानी जंग छिड़ गई। वान ने बट पर कटाक्ष करते हुए यहां तक कह दिया कि पूर्व पाकिस्तानी कप्तान को मैच फिक्स करते समय भी इसी तरह की स्पष्टता दिखानी चाहिए थी। इसकी शुरुआत वान के न्यूजीलैंड के मेजबान प्रसारक स्पार्क स्पोर्ट को दिए गए साक्षात्कार से हुई जिसमें उन्होने कहा कि यदि विलियमसन भारतीय होता तो उन्हे विश्व का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी आंका जाता। लेकिन ऐसा नही है और आपको यह कहने का अधिकार नही है कि विराट कोहली सर्वश्रेष्ठ नही है क्योंकि सोशल मीडिया पर लोग आप पर बरसने लगेंगे। इसलिए कुछ अधिक क्लिक और लाइक के लिए आप कहते हो कि विराट सर्वश्रेष्ठ है। केन विलियमसन भी सभी प्रारूपों में समान रूप से सर्वश्रेष्ठ है। स्पाट फिक्सिंग मामले के कारण 2010 में 10 साल (जिसे बाद में पांच साल कर दिया गया) का प्रतिबंध झेलने वाले बट ने कोहली और विलियमसन के बीच गैरजरूरी तुलना करके विवाद पैदा करने के लिए वान की कड़ी आलोचना की। कोहली ऐसे देश से है जहां की जनसंख्या बहुत अधिक है और इसलिए उनके प्रशंसकों की संख्या अधिक है। इसके अलावा वर्तमान समय में दुनिया के किसी भी अन्य बल्लेबाज के नाम पर 70 अंतरराष्ट्रीय शतक दर्ज नही है। वह लंबे समय से बल्लेबाजी रैंकिंग मे दबदबा बनाए हुए है क्योंकि उसका प्रदर्शन बेजोड़ रहा है। इसलिए तुलना का क्या मतलब बनता है। और इन दोनो के बीच तुलना कौन कर रहा है? माइकल वान। वह इंग्लैंड के लिए अच्छा कप्तान रहा होगा लेकिन वह जिस तरह से बल्लेबाजी करते थे वह आंकड़ों मे नही दिखता है।

स्वियाटेक को इटैलियन ओपन ट्राफी

● फाइनल में प्लिस्कोवा को रौंदा

रोम। फ्रेंच ओपन की मौजूदा चैंपियन इगा स्वियाटेक ने इटैलियन ओपन के एकतरफा फाइनल में रविवार को कैरोलिना प्लिसकोवा को शिकस्त दी। पोलैंड की 19 साल की इस खिलाड़ी ने 2019 की चैम्पियन प्लिस्कोवा को महज 46 मिनट में 6–0, 6–0 से परास्त कर फ्रेंच ओपन की शानदार तैयारी का संकेत दिया। स्वियाटेक का खेल इतना प्रभावशाली था कि उन्होंने मैच के दौरान सिर्फ 13 अंक गवाएं। मैच के बाद प्लिस्कोवा ने कहा, जाहिर है यह मेरे लिए अच्छा दिन नहीं था। इगा ने आज शानदार खेल दिखाया। डब्ल्यूटीए फाइनल में पांच साल बाद ऐसा हुआ है जब विरोधी खिलाड़ी एक भी अंक जुटाने में सफल नहीं रही। इससे पहले सिमोना हालेप ने इसी अंतर से अनस्तासिया सेवास्तोवा को बुखारेस्ट में हराया था। स्वियातेक ने चैम्पियन बनने के बाद कहा, यह मुश्किल सप्ताह था लेकिन मैं खुश हूं कि सब कुछ अच्छे से हो गया। आज मेरा पूरा ध्यान खेल पर था, मुझे खुद पर गर्व है। इस खिताब के साथ वह सोमवार को जारी होने वाली रैंकिंग में पहली बार शीर्ष 10 में पहुंच जाएंगी।

हॉकी प्रो लीगः बेल्जियम ने अमेरिका को हराया

एंटवर्प (बेल्जियम)। बेल्जियम की महिला हॉकी टीम ने दबदबा बनाते हुए शनिवार को यहां एफआईएच हॉकी प्रो लीग मुकाबले में अमेरिका को 3–0 से हराया। बेल्जियम की 2020–21 अभियान में यह दूसरी जीत है। टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर चल रही है। अमेरिकी टीम प्रो लीग तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। कोविड–19 महामारी के कारण फरवरी 2020 के बाद अपना पहला प्रो लीग मैच खेल रही अमेरिकी टीम की ओर से पांच खिलाड़ियों ने पदार्पण किया।

लीसेस्टर को पहली बार एफए कप खिताब

लंदन। योरी टिलेमेंस के गोल की बदौलत लीसेस्टर ने शनिवार को यहां फाइनल में चेल्सी को।–0 से हराकर पहली बार एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। टिलेमेंस ने मैच का एकमात्र गोल 63वें मिनट में किया। लीसेस्टर के 137 साल के इतिहास में यह पहला मौका है जब टीम एफए कप खिताब जीतने में सफल रही है। लीसेस्टर की यह खिताबी जीत उसके लिए इसलिए भी सुखद रही क्योंकि टीम ने यह खिताब अपने घरेलू दर्शकों के सामने वेम्बले स्टेडियम में जीता। वेम्बले स्टेडियम में इस दौरान 20 हजार से अधिक दर्शक मौजूद थे जो कोरोना वायरस के लिए नेगेटिव पाए गए थे। चेल्सी ने 89वें मिनट में बराबरी का गोल दाग दिया था लेकिन यह आफ साइड हो गया।

यूवेंटस ने इंटर मिलान को हराया, अटलांटा ने चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई किया

रोम। यूवेंटस ने सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट में चैंपियन इंटर मिलान को 3–2 से हराकर चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को जीवंत रखा है जबकि अटलांटा ने जिनोआ को हराकर यूरोप की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता में जगह सुनिश्चित की। अटलांटा ने जिनोआ को 4–3 से हराकर दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और टीम का शीर्ष चार में जगह बनाना भी तय हो गया है। इंटर के खिलाफ यूवेंटस की ओर से युआन कुआड्रेडो ने दो गोल दागे जबकि अन्य गोल क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने किया।

लेवानदोवस्की के बुंदेसलीगा में रिकॉर्ड गोल

बर्लिन। बायर्न म्यूनिख के स्टार रॉबर्ट लेवानदोवस्की ने बुंदेसलीगा फुटबॉल सत्र में 40 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी की जबकि आग्सबर्ग, मेंज और हेर्था बर्लिन की टीमें निचली लीग में खिसकने से बचने में सफल रही। लेवानदोवस्की ने पेनल्टी को गोल में बदला जिससे बायर्न ने एससी फ्रीबर्ग से 2–2 से ड्रॉ खेला। लेवानदोवस्की ने म्यूलर के 1972 के रिकॉर्ड की बराबरी की। बायर्न की ओर से एक अन्य गोल लेरॉय साने ने किया जबकि फ्रीबर्ग की ओर से मैनुअल गिल्डे और क्रिस्टियन गुंटर ने गोल किए।

करियर के दौरान 10–12 वर्षों तक तनाव से जूझता रहा था : सचिन

भाषा। नई दिल्ली

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने रविवार को कहा कि अपने 24 साल के करियर के एक बड़े हिस्से को उन्होंने तनाव में रहते हुए गुजारा है और वह बाद में इस बात को समझने में सफल रहे कि मैच से पहले तनाव खेल की उनकी तैयारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। कोविड–19 के दौरान बायो–बबल (जैव–सुरक्षित माहौल) में अधिक समय बिताने से खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहे असर के बारे में बात करते हुए मास्टर ब्लास्टर ने कहा कि इससे निपटने के लिए इसकी स्वीकार्यता जरूरी है। तेंदुलकर ने अनअकेडमी द्वारा आयोजित एक परिचर्चा में कहा, समय के साथ मैंने महसूस किया कि खेल के लिए शारीरिक रूप से तैयारी करने के साथ आपको खुद को मानसिक रूप से भी तैयार करना होगा। मेरे दिमाग में मैदान में प्रवेश करने से बहुत पहले मैच शुरू हो जाता था। तनाव का स्तर बहुत अधिक रहता था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतकों का शतक लगाने वाले इस इकलौते पूर्व खिलाड़ी ने कहा, मैंने 10–12 वर्षों तक तनाव महसूस किया था, मैच से पहले कई बार ऐसा हुआ था जब मैं रात में सो नहीं पता था। बाद में मैंने यह स्वीकार करना शुरू कर दिया कि यह मेरी तैयारी का हिस्सा है। मैंने समय के साथ इस स्वीकार कर लिया कि मुझे रात में सोने में परेशानी होती थी। मैं अपने दिमाग को सहज रखने के लिए कुछ और करने लगता था। इस कुछ और में बल्लेबाजी अभ्यास, टेलीविजन देखना और वीडियो गेम्स खेलने के अलावा सुबह चाय बनाना भी शामिल था। रिकार्ड 200 टेस्ट मैच खेल कर 2013 में संन्यास लेने वाले इस खिलाडी ने कहा, मुझे मैच से पहले चाय बनाने, कपड़े इस्त्री करने जैसे कार्यों से भी खुद को खेल के लिए तैयार करने में मदद मिलती थी। मेरे भाई ने मुझे यह सब सिखाया था, मैं मैच से एक दिन पहले ही अपना बैग तैयार कर लेता था और यह एक आदत सी बन गई थी। मैंने भारत के लिए खेले अपने आखिरी मैच में भी ऐसा ही किया था। खिलाड़ी को मुश्किल समय का सामना करना ही पड़ता है लेकिन यह जरूरी है कि वह बुरे समय को स्वीकार करें। उन्होंने कहा, जब आप चोटिल होते है तो चिकित्सक या फिजियो आपका इलाज करते है। मानसिक स्वास्थ्य के मामले में भी ऐसा ही है। किसी के लिए भी अच्छे–बुरे समय का सामना सामान्य बात है। इसके लिए आपकों चीजों को स्वीकार करना होगा।

सितंबर में आस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकती है भारतीय महिला क्रिकेट टीम

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट सितंबर में आस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकती है। कोविड–19 महामारी के बीच सिर्फ एक श्रृंखला खेलने वाली भारतीय टीम सात साल में पहला टेस्ट खेलने के लिए अगले महीने इंग्लैंड का दौरा करेगी। इंग्लैंड दौरे पर टीम को तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले भी खेलने हैं। आस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगान शुट ने संकेत दिए कि भारतीय टीम सितंबर में देश का दौरा कर सकती है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने हालांकि अब तक कार्यक्रम की पुष्टि नहीं की है। इस दौरे पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टी20 मुकाबले खेले जाने की उम्मीद है। शुट ने केट क्रॉस और एलेक्स हार्टले की मेजबानी में नो बॉल्स: द क्रिकेट पॉडकास्ट पर कहा, सितंबर के मध्य में हमें भारत के खिलाफ श्रृंखला खेलनी है। इसलिए कुछ शिविर आयोजित होंगे। मुझे लगता है कि एक डार्विन में होगा जहां काफी ठंड होगी और इसके बाद भारत के खिलाफ श्रृंखला होगी। इसके बाद बिग बैश, एशेज, विश्व कप और उम्मीद है कि राष्ट्रमंडल खेल होंगे। बीसीसीआई ने अपनी शीर्ष परिषद की पिछली बैठक में न्यूजीलैंड में अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले आस्ट्रेलिया दौरे को भी स्वीकृति दी थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला को भी स्वीकृति मिली थी। आस्ट्रेलिया का दौरा शुरुआत में इस साल जनवरी में होना था लेकिन कोविड–19 महामारी के बीच विश्व कप को 2022 तक टालने के बाद इसे भी स्थगित कर दिया गया।

ओलंपिक की तैयारी में जुटीं हैं सिंधू

● कोच मेरे लिए ट्रेनिंग में मैच जैसी स्थिति तैयार कर रहे हैं

भाषा। नई दिल्ली

ओलंपिक से पहले टूर्नामेंटों में हिस्सा नहीं ले पाना भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों की बड़ी चिंता है लेकिन पीवी सिंधू के साथ ऐसा नहीं है जिन्हें कोरिया के अपने कोच पार्क तेइ सैंग पर विश्वास है कि वह उनके लिए ट्रेनिंग में ही मैच जैसी स्थिति तैयार करेंगे। जुलाई–अगस्त में होने वाले ओलंपिक से पहले ए तीनों अंतिम क्वालीफाइंग प्रतियोगिताएं थी। यह पूछने पर कि क्या प्रतियोगिताओं के रद्द होने से तैयारियों पर असर पड़ेगा, सिंधू ने कहा, हम सोच रहे थे कि ओलंपिक से पहले सिंगापुर में आखिरी प्रतियोगिता होगी लेकिन अब हमारे पास और कोई विकल्प नहीं है इसलिए मैं अलग अलग खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबले खेल रही हूं और मेरे कोच पार्क ट्रेनिंग के दौरान मेरे लिए मैच जैसी स्थिति तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। अलग अलग खिलाड़ियों के खेलने की शैली अलग होती है जैसे ताइ जू यिंग या रतचानोक इंतानोन के खेलने की शैली अलग है लेकिन मेरे मार्गदर्शन के लिए पार्क मौजूद हैं जिससे कि मैं तैयारी कर सकूं। बेशक हम एक दूसरे के खिलाफ कुछ महीनों के बाद खेलेंगे और हमारे खेल में कुछ नया होगा इसलिए मुझे इसके लिए तैयारी करनी होगी। सिंधू ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके अन्य भारतीय खिलाड़ियों के साथ ट्रेनिंग नहीं कर रही हैं। वह तेलंगाना के गचीबाउली इंडोर स्टेडियम में ट्रेनिंग कर रही हैं और अपनी फिटनेस ट्रेनिंग सुचित्रा अकादमी में करती हैं। टूर्नामेंटों को रद्द करने के बीडब्ल्यूएफ के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि यह दुखद है कि प्रतियोगिताएं नहीं खेली जा सकीं लेकिन खेल से अधिक महत्वपूर्ण जीवन है। यह दुखद है कि पूरी दुनिया थम सी गई है लेकिन खिलाड़ियों से पहले हम इंसान है और जीवन सबसे महत्वपूर्ण है। अगर टूर्नामेंट होते हैं तो हमें नहीं पता कि हम सुरक्षित होंगे या नहीं, हम सोच सकते हैं कि हम सुरक्षित होंगे लेकिन हम सुनिश्चित नहीं हो सकते क्योंकि हमें नहीं पता कि वायरस कहां से आ जाएगा। ओलंपिक जैसी शीर्ष प्रतियोगिता में आयोजकों और खिलाड़ियों के लिए कोविड–19 से जुड़े नियमों का पालन करना मुश्किल काम होगा और सभी को इस चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए। सभी देशों के कोविड–19 से जुड़े अपने नियम हैं।

इस्पात, तेल उद्योग दे रहा है दैनिक 6,650 टन आक्सीजन : प्रधान

नई दिल्ली। देश की तेल रिफाइनरियों और इस्पात कारखानों से रोजाना 6,650 मीट्रिक टन आक्सीजन देशभर में कोविड– 19 के मरीजों के इलाज के लिए अस्पतालों और स्वास्थ्य केन्द्रों को भेजी जा रही है। केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रधान के पास पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ ही इस्पात मंत्रालय का भी प्रभार है। रविवार को कई ट्वीट के जरिए उनहोंने कहा कि देश का इस्पात और पेट्रोलियम उद्योग कोविड– 19 महामारी की दूसरी लहर का मुकाबला करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों ने अपनी दैनिक उत्पादन क्षमता को बढ़ाया है। उन्होंने तरल नाइट्रोजन और एरगोन उत्पादन क्षमता को तरल चिकित्सा आक्सीजन की अतिरिक्त मात्रा का उत्पादन करने के लिए इस्तेमाल किया है। मंत्री ने कहा, देश में 10,000 मीट्रिक टन आक्सीजन के दैनिक आवंटन में 6,650 मीट्रिक टन का उत्पादन और उसकी आपूर्ति करके देश के इस्पात कारखाने और तेल रिफाइनरियां भारत की कोविड–19 के खिलाफ जारी लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

संक्रमण से बचाने में मदद करेंगी जेनेरिक दवाईयां

मुंबई। कोरोना महामारी के कारण बाजार में कोविड–19 संक्रमण निरोधक दवाईयों की किल्लत और अधिक कीमतों से परेशान लोगों की मदद के लिए स्टेहैप्पी फार्मेसी ने कदम उठाया है। स्टेहैप्पी कोविड19 संक्रमण से लड़ने के लिए मार्केट में प्रचलित कुछ दवाईयों के विकल्प के तौर पर लोगों के बीच जेनेरिक दवाईयां पर्याप्त मात्रा और उचित मूल्य पर उपलब्ध करवा रही है। स्टेहैप्पी फार्मेसी की कार्यकारी निदेशक आरुषि जैन ने घोषणा की वह फेबीफ्लू और फेविफाइन के विकल्प के तौर पर दवाईयों को मार्केट में उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने बताया कि इन दवाईयों के विकल्प के तौर पर उनकी फार्मेसी में फेविपिरावीर आइवरमेक्टिनए मेथिलप्रेडनिसोलोनए एनोक्सापैरिन ए डेक्सामेथासोन समेत अन्य दवाईयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

स्टेट बैंक अगले महीने 235 करोड़ रुपए वसूली के तीन एनपीए खातों को बेचेगा

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अगले महीने फंसे कर्ज वाले तीन खातों को संपत्ति पुनर्गठन कंपनियों (एआरसी) अथवा अन्य वित्तीय संस्थानों को बेचेगा। इन खातों में 235 करोड़ रुपए का बकाया है। एसबीआई ने कहा है कि नियामकीय दिशानिर्देशों के अनुरूप बैंक की वित्तीय संपत्तियों की बिक्री की नीति के तहत बैंक ने हैवी मेटल एण्ड ट्यूब्स लिमिटेड, खरे एण्ड तारकुंडे इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. और एलीज इंटरनेशनल लिमिटेड को 235.32 करोड़ रुपए की वसूली के वास्ते बिक्री के लिए पेश किया है। हैवी मेटल पर बैंक का 116.91 करोड़ रुपए का बकाया है, खरे एण्ड तारकुंडे पर 99.84 करोड़ रुपए और एलीज इंटरनेशनल पर 18.57 करोड़ रुपए का बकाया है। बैंक ने फंसे कर्ज वाले इन खातों (एनपीए खातों) की बिक्री के लिए क्रमश: 27.50 करोड़ रुपए, 15 करोड़ रुपए और आठ करोड़ रुपए का आरक्षित मूल्य रखा है।

आर्थिक सुधार की गति पड़ने लगी धीमी

● जीडीपी वृद्धि नौ प्रतिशत से नीचे रह सकती हैः सर्वेक्षण

भाषा। कोलकाता

कोरोना वायरस की तेजी से फैलती दूसरी लहर और उस पर काबू पाने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के बीच आर्थिक गतिविधियों का पहिया धीमा पड़ने लगा है। इसके चलते चालू वित्त वर्ष के दौरान देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर नौ प्रतिशत से नीचे रह सकती है। एक सर्वेक्षण में यह कहा गया है। केयर रेटिंग एजेंसी द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण में 80 प्रतिशत जवाब देने वालों ने कहा कि कोविड– 19 की मौजूदा स्थिति के चलते गैर– जरूरी सामानों की मांग और निवेश पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। उनका कहना है, संक्रमण के मामले रिकार्ड उंचाई पर पहुंच रहे हैं ऐसे में आर्थिक क्षेत्र में आ रहे सुधार की गति धीमी पड़ने लगी है। जवाब देने वाले प्रत्एक 10 में से करीब करीब सात लोगों को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2021– 22 में जीडीपी वृद्धि नौ प्रतिशत से नीचे रह सकती है। सर्वेक्षण के मुताबिक ज्यादातर लोगों का यही मानना है कि विभिन्न राज्य सरकारों ने जो लॉकडाउन लगाया है वह मई अंत तक बना रहेगा। कुल मिलाकर सर्वेक्षण में भाग लेने वाले 54 प्रतिशत लोगों का मानना है कि देश में कोविड– 19 की मौजूदा स्थिति का लॉकडाउन ही निदान है। हालांकि, तीन– चौथाई से कुछ अधिक का यह भी मानना है कि वर्तमान लॉकडाउन पिछले साल की तरह कड़ा लॉकडाउन नहीं है।

चौथी तिमाही के वित्तीय परिणाम, टीकाकरण की गति, वैश्विक प्रवृत्ति से तय होगी बाजार की चालः विशेषज्ञ

नई दिल्ली। विश्लेषकों का कहना है कि इस सप्ताह शेयर बाजार की चाल सूचीबद्ध कंपनियों के तिमाही परिणाम, टीकाकरण अभियान की गति और वैश्विक बाजार की प्रवृत्ति से तय होगी। रिलायंस ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा के अनुसार, किसी बड़ी गतिविधियों के अभाव मे निवेशकों की नजर वैश्विक शेयर बाजारों के प्रदर्शन, अमेरिका मे बांड प्रतिफल, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए मे उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल के दाम पर होगी। उन्होंने कहा, यह कहने की कोई जरूरत नही है कि कोविड-19 मामले मे स्थिति और टीकाकरण अभियान की गति पर भी ध्यान होगा। इस सप्ताह भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, हैवेल्स, हिंडाल्को और फेडरल बैंक जैसी कुछ कंपनियों के तिमाही परिणाम आने है।

आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.13 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली। देश की शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियो मे से आठ के बाजार पूंजीकरण मे पिछले सप्ताह संयुक्त रूप से।,13,074.57 करोड़ रुपए की कमी आई। इसमें सर्वाधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस और एचडीएफसी बैंक रहे। शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियो मे से केवल दो...रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय स्टेट बैंक साप्ताहिक आधार पर लाभ मे रहे। अवकाश के कारण कम कारोबारी दिवस वाले सप्ताह मे बीएसई सेंसेक्स मे 473.92 अंक यानी 0.96 प्रतिशत की गिरावट आई।

ईंधन के दाम फिर बढ़े, मुंबई में 99 रुपए प्रति लीटर के करीब पहुंचा पेट्रोल

नई दिल्ली। ईंधन में दाम में वृद्धि का सिलसिला जारी है। पेट्रोल के मूल्य में रविवार को 24 पैसे लीटर जबकि डीजल में 27 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गई। इस वृद्धि के साथ देश के विभिन्न भागों में पेट्रोल रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है जबकि मुंबई में यह 99 रुपए लीटर के लगभग चला गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की खुदरा ईंधन कंपनियों की अधिसूचना के अनुसार इस वृद्धि के साथ दिल्ली में पेट्रोल 92.58 रुपए लीटर और डीजल की कीमत 83.22 रुपए लीटर हो गई है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कई शहरों में दर पहले ही 100 रुपए के ऊपर निकल गई थी। ताजा वृद्धि के बाद मुंबई में भी ईंधन की कीमत उसी ओर बढ़ी है। मुंबई में अब एक लीटर पेट्रोल की कीमत 98.88 रुपए लीटर और डीजल 90.40 रुपए प्रति लीटर हो गई है। ईंधन के दाम विभिन्न राज्यों में अलग–अलग होते हैं। इसका कारण वैट जैसे स्थानीय कर और माल ढुलाई शुल्क में अंतर है। चार मई से ईंधन के दाम में यह लगातार नौंवी बार वृद्धि है। इससे पहले, पश्चिम बंगाल और दूसरे राज्यों में विधानसभा चुनावों के कारण लगातार 18 दिनों तक ईंधन के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया था।

केंद्र ने राज्यों से राशन की दुकानें सभी दिन, देर तक खोलने की अनुमति देने को कहा

नई दिल्ली। केंद्र ने रविवार को सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से महीने के सभी दिन और देर तक राशन की दुकानें खुली रखने का निर्देश देने को कहा। इसका मकसद गरीबों को समय पर और सुरक्षित तरीके से सब्सिडी युक्त तथा मुफ्त अनाज का वितरण सुनिश्चित करना है। इस संदर्भ में केंद्रीय खाद्य मंत्रालय ने परामर्श जारी किया है। मंत्रालय को यह जानकारी मिली थी कि कुछ राज्योंकेंद्र शासित प्रदेशो में कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए लगाए गए लॉकडाउन के करण राशन की दुकानों पर अनाज वितरण के समय में कमी की गई है।

केयर्न ने भारत से वसूली जाने वाली राशि के लिए विदेशों में 70 अरब डालर की संपत्ति की पहचान की

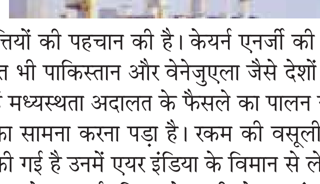

भाषा। नई दिल्ली

ब्रिटेन की केयर्न एनर्जी ने भारत सरकार से 1.72 अरब डालर की वसूली के लिए विदेशों में करीब 70 अरब डालर की भारतीय संपत्तियों की पहचान की है। केयर्न एनर्जी की यह पहल यदि सफल होती है तो भारत भी पाकिस्तान और वेनेजुएला जैसे देशों की जमात में शामिल हो जाएगा जिन्हें मध्यस्थता अदालत के फैसले का पालन नहीं करने पर इस प्रकार की कार्वाई का सामना करना पड़ा है। रकम की वसूली के लिए जिन संपत्तियों की पहचान की गई है उनमें एयर इंडिया के विमान से लेकर भारतीय जहाजरानी निगम के जलपोत, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस कंपनियों का सामान तथा सरकारी बैंकों की संपत्तियां शामिल हैं। उन्होंने जगह का नाम बताए बिना कहा कि ए संपत्तियां विभिन्न देशों में हैं।

कोविड–19 महामारी के कारण एटीएम से अधिक पैसा निकाल रहे लोग

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी ने नकदी के उपयोग को लेकर भी लोगों के व्यवहार में बदलाव लाया है। अब लोग बैंक शाखा में बार बार जाने से बचने के लिए एटीएम से ही बड़ी राशि निकालने को तरजीह दे रहे हैं। साथ ही छोटे से छोटा भुगतान भी डिजिटल माध्यम से करना पसंद कर रहे हैं। महामारी की दूसरी लहर से लोग सतर्क हुए हैं। वे आपात उपयोग के लिए बैंक शाखा के बजाए एटीएम से एक बार ही में ज्यादा पैसा निकाल रहे हैं। साथ ही भुगतान के लिए यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) और अन्य डिजिटल तरीकों का उपयोग कर रहे हैं। इस बारे में सर्वत्र टेक्नोलॉजीज के संस्थापक और प्रबंध निदेशक मंदर अगाशे ने कहा कि लॉकडाउन और सामाजिक दूरी के नियमों को देखते हुए लोग बैंक जाने से बच रहे हैं और पैसे निकालने के लिए एटीएम का उपयोग कर रहे हैं।

महामारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य में सहयोग मिलेगा

मुंबई। हिंदुजा फाउंडेशन ने मानसिक स्वास्थ्य एवं क्षेत्र में कदम रखेगी। चोपड़ा फाउंडेशन जॉन डब्ल्यू ब्रिक मेंटल हेल्थ फाउंडेशन और सीजी क्रिएटिव्स के साथ मिलकर यह फाउंडेशनए नेवर अलोन ग्लोबल मेंटल हेल्थ वर्चुअल सम्मेलन के भीतर तीन घंटे के स्पॉटलाइट इंडिया खंड का सहप्रायोजन करेगा। इस खंड को सत्या हिंदुजा के एल्केमिक सोनिक एनवायरमेंट द्वारा तैयार किया जायेगा। जिससे कि बहुसंवेदी, गहन श्रवणात्मक अनुभव कायम, स्पॉटलाइट इंडिया के स्टार वक्ता शामिल हैं। इस वर्चुअल समिट को फेसबुक, यूट्यूब और अन्य मीडिया प्लेटफॉर्म पर 21 मई को लाइव स्ट्रीम किया जाएगा और प्रतिभागी के माध्यम से अपने मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण का समर्थन करने के लिए मुफ्त ऑनलाइन टूल का उपयोग कर सकते हैं।

साबू की स्थानांतरण याचिका खारिज की

नई दिल्ली। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने साबु ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड सेलम के खिलाफ राजकुमार साबू इन्दौर की स्थानांतरण याचिका क्रिमिनलनंबर 17, 2021 को खारिज कर दिया है। राजकुमार और शिवनारायण साबू आईपीसी की धारा 420 के तहत धोखाधड़ी करने और ट्रेडमार्क अधिनियम की धारा 103 के तहत कम्पनी में निर्देशक पद पर रहते हुए सच्चामोती ट्रेडमार्क अपने नाम से रजिस्टर्ड करवाने के धोखाधड़ी के आरोप में सेलम न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में दर्ज आपराधिक मुकदमा संख्या 82,2018 के तहत जमानत पर हैं। उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय पर साबु ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड के प्रबन्ध निर्देश की गोपाल साबु ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा सत्य हमेशा जीतता है। कथित अपराध के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही में देरी करवाने के उद्देश्य से राजकुमार साबु द्वारा दुर्भावनापूर्वक लगाए गए सभी झूठे आरोप और कहानियाँ स्पष्ट हो गई हैं।

इजराइल के हवाई हमलों में 42 लोगों की मौत

● गाजा सिटी में तीन इमारतें नष्ट

एपी। गाजा सिटी

इजराइल द्वारा रविवार को गाजा सिटी पर किए गए हवाई हमलों में तीन इमारतें नष्ट हो गईं और कम से कम 42 लोग मारे गए। इजराइल और हमास के बीच एक सप्ताह पहले शुरू हुए संघर्ष के बाद यह सबसे भीषण हमला था। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संकेत दिया कि संघर्षविराम के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के बावजूद इजराइल और फलस्तीनियों के बीच चौथी लड़ाई जारी रहेगी।

नेतन्याहू ने रविवार शाम टेलीविजन पर प्रसारित अपने संदेश में कहा कि हमले पूरी ताकत के साथ जारी हैं और इसमें समय लगेगा। उनके साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए उनके रक्षा मंत्री एवं उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बेनी गैंट्ज भी थे। उन्होंने कहा कि इजराइल गाजा के उग्रवादी हमास शासकों से भारी कीमत वसूलना चाहता है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हमले में मारे गए लोगों में 16 महिलाएं और 10 बच्चे भी शामिल हैं, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इसने कहा कि राहत एवं बचाव कार्य अब भी जारी है।

इससे पहले इजराइली सेना ने कहा कि उसने दक्षिणी शहर खान यूनिस में अलग हवाई हमले में गाजा के शीर्ष हमास नेता याहिया सिनवार के आवास को जमींदोज कर दिया। हमास के वरिष्ठ नेताओं के घरों पर पिछले दो दिनों में यह तीसरा हमला है। वहीं, हमले के मद्देनजर हमास के कई नेता भूमिगत हो गए हैं। इजराइल ने हमास को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाने के लिए हालिया दिनों में हमले तेज कर दिए हैं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय वार्ताकार भी दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन हमास के नेताओं को निशाना बनाए जाने से इन प्रयासों में मुश्किलें आ सकती हैं। पूर्वी यरुशलम में इस महीने की शुरुआत में तनाव तब शुरू हुआ जब फलस्तीनियों ने शेख जर्रा में उन्हें बेदखल किए जाने के खिलाफ प्रदर्शन किया और इजराइली पुलिस ने अल-अक्सा मस्जिद में कार्रवाई की। यह लड़ाई पिछले सोमवार को शुरू हुई थी।

इजरायली हमले में ध्वस्त गाजा सिटी की इमारत से जीवित लोगों को निकालने के काम में लगे बचाव कर्मी

भारत ने इजराइल और गाजा के बीच बढ़ते तनाव को तत्काल कम करने की आवश्यकता जताई

संयुक्त राष्ट्र (भाषा)। इजराइल और गाजा के बीच बढ़ते तनाव के बीच भारत ने रविवार को दोनों पक्षों से अत्यधिक संयम बरतने और यथास्थिति में एकतरफा बदलाव के प्रयास से बचने की अपील की। साथ ही तनाव को तत्काल कम किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने रविवार को मध्य पूर्व में जारी हालात पर खुली बैठक की। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने इजराइल और गाजा के बीच तनाव को बेहद गंभीर करार दिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने कहा कि पिछले सप्ताह पूर्वी यरुशलम में शुरू हुई हिंसा के नियंत्रण से बाहर जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों में हुए घटनाक्रम से सुरक्षा परिस्थितियों के हालात तेजी से बिगड़े हैं। तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत इजराइल और फलस्तीन के बीच वार्ता बहाल करने के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के हरसंभव प्रयास का समर्थन करता है।

इस्लामी नेताओं ने गाजा पर आपातकालीन बैठक की

एपी। दुबई, 16 मई ( ) गाजा की स्थिति को लेकर 57 सदस्ईय इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) की रविवार को आपातकालीन डिजिटल बैठक हुई ताकि गाजा पट्टी पर इजराइल की सेना के हमले को रोका जा सके। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद हनीफ आत्मार ने कहा, फलस्तीनी लोगों की दुर्दशा से इस्लामिक दुनिया आज लहूलुहान है। सऊदी अरब के विदेश मंत्री शहजादा फैसल बिन फरहान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि गाजा के खिलाफ इजराइल के सैन्य अभियान को खत्म करने की दिशा में काम किया जाए और तटीय क्षेत्र में सहायता पहुंचने दी जाए।

पश्चिमी तट के रामल्ला से फलस्तीन के विदेश मंत्री रियाद मालकी ने इजराइल पर बरसते हुए उसे रंगभेदी देश करार दिया जो गाजा में हमारे लोगों के खिलाफ अपराध और क्रूरता कर रहा है। उन्होंने इसे कायराना हमले करार देते हुए कहा, हमें अल्लाह से कहने की जरूरत है कि हम अंतिम दिन तक विरोध करेंगे। हम पर लंबे समय से कब्जा है। यही समस्या की जड़ है। उन्होंने कहा कि सोमवार से शुरू हुई हिंसा में 10 हजार लोग विस्थापित हुए हैं। मालकी ने कहा, फलस्तीनी लोगों के विरोध ने स्पष्ट कर दिया है कि यरूशलम ही लक्ष्मण रेखा है। इजराइल की हत्या मशीन से हमारे लोग नहीं डरेंगे। बहरहाल, मालकी के फलस्तीनी प्राधिकरण का हमास और गाजा पट्टी पर नियंत्रण नहीं है जहां आतंकवादियों ने 2007 में सत्ता पर कब्जा कर लिया था। तुर्की के विदेश मंत्री मेवलुत कावुसोगलु ने इसी तरह का कड़ा रूख अपनाया। उन्होंने कहा, पूर्वी यरूशलम, पश्चिमी तट और गाजा में तनाव के लिए अकेले इजराइल जिम्मेदार है। पिछले हफ्ते इजराइल को दी गई हमारी चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया गया। ईरान के विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ ने इजराइल पर नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोप लगाए।

अधिकार समूहों ने आईसीसी से इजराइली हमले की जांच करने की मांग की

बेरुत। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूह ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) से इजराइल द्वारा मीडिया संस्थानों की इमारत पर और अन्य हमले की जांच करने की मांग की है जिनमें आठ बच्चों सहित 10 लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने इसे युद्ध अपराध करार दिया है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने रविवार को कहा, हम गाजा में मृतकों की बढ़ती संख्या को लेकर बहुत चिंतित है जहां सोमवार से अब तक 180 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि शनिवार को इजराइल ने गाजा पट्टी पर हवाई हमला किया था जिसमें शरणार्थी शिविर में रह रहे परिवार के 10 सदस्यों की मौत हो गई थी और एसोसिएटेड प्रेस, अल जजीरा और अन्य मीडिया संस्थानों के कार्यालय जिस बहुमंजिला इमारत में थे उसे जमींदोज कर दिया था। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने ट्वीट किया कि अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत को अल शाती शरणार्थी शिविर पर हमले की जांच करनी चाहिए क्योंकि नागरिकों पर सीधा हमला युद्ध अपराध है। समूह ने कहा कि मीडिया की इमारत पर हमले की भी युद्ध अपराध के तौर पर जांच की जानी चाहिए।

पोप ने इजराइल और हमास के बीच हो रही हिंसा की निंदा की

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस ने इजराइल और फलस्तीनियों के बीच अस्वीकार्य हिंसा की कड़ी निंदा की और कहा कि खासतौर पर बच्चों की मौत संकेत है कि वे भविष्य का निर्माण नहीं करना चाहते हैं बल्कि विध्वंस करना चाहते हैं। पोप फ्रांसिस ने रविवार को सेंट पीटर स्क्वॉयर की ओर खुलती खिड़की से आशीर्वाद देने के कार्यक्रम में शांति, संयम और वार्ता के रास्ते के लिए अंतरराष्ट्रीय मदद की प्रार्थना की। उन्होंने कहा, मैंने खुद से पूछा, इस नफरत और बदले से क्या मिलेगा ?क्या हम सच में मानते हैं कि हम अन्य को नष्ट कर शांति प्राप्त कर सकते हैं? पोप ने कहा, ईश्वर के नाम पर जिसने हम सभी इनसानों को बराबर हक, कर्तव्य और सम्मान के साथ बनाया और भाई की तरह रहने का निर्देश दिया, मैं अपील करता हूं कि इस हिंसा को बंद किया जाए। गौरतलब है कि इजराइल गाजा सिटी पर कुछ दिनों से हवाई हमले कर रहा है और यह लड़ाई इजराइल और गाजा में सत्तारूढ़ हमास के आतंकवादियों के बीच हो रही है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि रविवार के हमले में मरने वाले 26 लोगों में 10 महिलाए और आठ बच्चे शामिल हैं।

कोविड टीका लगवाने में झिझक : लोगों को तैयार करने के लिए उन्हें व्यक्तिगत लाभ से रूबरू कराएं

● ब्रिटेन के करीब 10 प्रतिशत वयस्कों ने कहा कि वे कभी भी कोविड-19 रोधी टीका नहीं लगवाएंगे

एजेंसी। ऑक्सफोर्ड

ब्रिटेन के करीब 10 प्रतिशत वयस्कों ने कहा है कि वे कभी भी कोविड-19 रोधी टीका नहीं लगवाएंगे या जब तक संभव होगा, इससे बचेंगे। वैज्ञानिकों ने इस समूह को टीका लगवाने से हिचकिचाने वाला समूह कहा है। उन्होंने कहा है कि जो लोग टीका लगवाने में हिचकिचा रहे हैं, उन्होंने कोविड-19 का टीका लगवाना है या नहीं, इस बारे में लंबे वक्त तक एवं बहुत अधिक सोचा है। इन विचारों को कैसे बदला जा सकता है, इस बारे में वैज्ञानिकों का कहना है कि आदर्श तौर पर तो लोगों के साथ बैठकर, उन्हें सुनकर और फिर चर्चा कर ऐसा किया जाना चाहिए। वास्तव में जनस्वास्थ्य अभियानकर्ताओं के पास केवल सामूहिक संदेश उपलब्ध हैं, टीवी पर और सोशल मीडिया पर संदेश प्रसारित कर तथा होर्डिंग के माध्यम से जानकारियों को प्रचारित करना। ये व्यक्तिगत विश्वास की गहरी जड़ों को तोड़ने में कई बार उतने प्रभावी साबित नहीं होते हैं।

कुछ वर्षों में, ऑक्सफोर्ड कोरोना वायरस एक्सप्लेनेशन्स, एटीट्यूड्स एंड नैरेटिव्स सर्वेज (ओशियन्स) की टीम ने इस दिशा में जवाब ढूंढने का प्रयास किया है। इस टीम ने टीका के खिलाफ या निर्णय नहीं लेने वाले लोगों के विचार जानकर उनकी हिचकिचाहट की मनोवैज्ञानिक व्याख्या करने का प्रयास किया है। टीम ने पाया कि यह हिचकिचाहट कई मान्यताओं से जुड़ी हुई है जिसमें सबसे बड़ा कारण टीकाकरण के सामूहिक लाभ को लेकर संशय है। हिचकिचाने वाला व्यक्ति यह मान नहीं पाता कि टीका लगाने से सब पूरी तरह ठीक होगा। वह यह भी मानता है कि कोविड-19 से उसकी सेहत को बहुत ज्यादा खतरा नहीं है। और यह भी चिंता होती है कि टीका अप्रभावी होगा या नुकसानदेह होगा। कोविड-19 टीकों का तेजी से बनना इन चिंताओं को और बढ़ा देता है। टीम ने पाया कि इन विचारों के पीछे अक्सर अविश्वास छिपा होता है। इसके लिए वैज्ञानिकों ने नकारात्मक विचारों को बदलने के लिए सामूहिक के बजाय निजी संदेश तैयार करने का प्रस्ताव दिया है। लोगों को बताया जाए कि टीका लगवाने से वायरस फैलने की संभावना कम होती है और अत्यधिक बीमार होने का खतरा भी कम होता है। उन्होंने कहा कि सामूहिक लाभ की बजाय व्यक्तिगत लाभ से परिचित कराया जाना चाहिए।

क्विक न्यूज

पाकिस्तान में दो कबायली समूहों के बीच गोलीबारी में नौ की मौत

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत मे दो कबायली समूहो के बीच गोलीबारी मे कम से कम नौ लोगो की मौत हो गई और पांच अन्य जख्मी हो गए। यह जानकारी रविवार को एक मीडिया रिपोर्ट में दी गई। एआरवाई न्यूज ने खबर दी कि शनिवार को कांधकोट मे पुरानी दुश्मनी को लेकर जगीरानी और चाहर कबायलियो के बीच गोलीबारी हुई। पुलिस के मुताबिक, पुरानी दुश्मनी को लेकर उनके बीच गोलीबारी में नौ लोग मारे गए। पुलिस ने बताया कि जख्मी लोगों को अस्पतालों मे भर्ती कराया गया है। दोनो समूहों के बीच तनाव से इलाके में भय का माहौल है। तनाव कम करने के लिए इलाके मे भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है।

म्यांमा में जुंटा ने तख्तापलट का विरोध करने वाले पश्चिमी कस्बे पर हमला किया

बैंकॉक। म्यांमा मे अमेरिका और ब्रिटेन के दूतावासो ने पश्चिमी चिन राज्य मे एक कस्बे पर सरकार की तरफ से किए गए भीषण हमलों की खबरों पर चिंता जाहिर की है जहां सत्तारूढ़ जुंटा ने सैन्य शासन के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह के कारण मार्शल लॉ घोषित कर दिया है। चिनलैंड डिफेंस फोर्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह संघर्ष शनिवार को सुबह छह बजे से शुरू हुआ जब सरकारी सैनिकों ने हेलिकॉप्टर के माध्यम से मिनदात कस्बे के पश्चिमी हिस्से में गोलाबारी की जिससे कई घर तबाह हो गए। चिनलैंड डिफेंस फोर्स आंग सान सू ची की निर्वाचित सरकार को सत्ता से बेदखल करने वाले फरवरी के तख्तापलट के खिलाफ स्थानीय तौर पर बनाया गया मिलिशिया समूह है। प्रवक्ता ने सुरक्षा कारणों से नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि हमले में हेलिकॉप्टरो ने भी हिस्सा लिया था। चिन मानवाधिकार संगठन ने एक बयान मे कहा, मिनदात कस्बे मे अब घेराबंदी है और जुंटा सैनिकों द्वारा हवा एवं जमीन से हर तरीके से हमले का शिकार हो रहा है। सांसदों द्वारा गठित छद्म नेशनल यूनिटी सरकार ने चेतावनी दी है कि, अगले 48 घंटो मे, मिनदात संभवतः युद्धभूमि मे तब्दील हो सकता है और हजारों लोग विस्थापित होने के खतरे का सामना कर रहे है।

अमेरिका के फीनिक्स में झूले पर फंसे 22 लोग बचाए गए

फीनिक्स (अमेरिका)। अमेरिका के अरिजोना राज्य मे एम्यूजमेंट पार्क मे बड़े झूले मे गड़बड़ी आने से 22 लोग उस पर फंस गए। बचावकर्मियों ने सभी लोगों को सुरक्षित नीचे उतार लिया। फीनिक्स के दमकल विभाग ने कहा है कि शनिवार को फीनिक्स के कैस्टल एन कोस्टर में झूला चलने के दौरान गड़बड़ी आने से उस पर सवार लोग छह मीटर की ऊंचाई पर फंस गए। सूचना मिलने के बाद मौके पर बचावकर्मियों को भेजा गया और झूले पर फंसे लोगों को सुरक्षित तरीके से उतार लिया गया। झूले के अचानक रुकने या किस तरह की तकनीकी गड़बड़ी आई, इस बारे में फिलहाल कुछ नही बताया गया है।

बांग्लादेश में लॉकडाउन 23 मई तक बढ़ा

ढाका। बांग्लादेश ने कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर से निपटने के लिए मौजूदा राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन को 23 मई तक बढ़ा दिया है। बांग्लादेश मे पांच अप्रैल को एक सप्ताह का लॉकडाउन लगाया गया था। इसके तहत सार्वजनिक परिवहन पर रोक लगा दी गई और बाजार बंद कर दिए गए। बाद मे पाबंदी 28 अप्रैल, फिर पांच मई तक और फिर 16 मई तक बढ़ा दी गई। कैबिनेट डिविजन ने रविवार को एक नोटिस में कहा, महामारी की स्थिति के मद्देनजर लॉकडाउन की पाबंदी 16 मई से आगे बढ़ाई जा रही है। वही, ईद की छुट्टियो पर अपने-अपने घर गए लोग पाबंदी के बावजूद ढाका लौटने लगे है। सरकार ने ईद के दौरान पाबंदी मे ढील दी थी। स्वास्थ्य अधिकारियो ने कहा कि देश मे पिछले 24 घंटे मे संक्रमण से 25 लोगो की मौत हो जाने से मृतक संख्या 12,149 हो गई है। वही, संक्रमण के 363 नए मामले आने से संक्रमितो की संख्या 780,159 हो गई है। देश मे अब तक 722,036 लोग संक्रमण से ठीक हो चुके है।

न्यूयार्क में इजराइल के विरोध में प्रदर्शन करते लोग

पाकिस्तान ने वाणिज्यिक गतिविधियो पर कोविड प्रतिबंधों में रियायत दी

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने परिवहन और व्यावसायिक गतिविधियों पर लगाए गए कोविड प्रतिबंधों में रविवार को ढील देनी शुरू कर दी। ईद की छुट्टियों के दौरान वायरस को फैलने से रोकने के लिए इन पर एक हफ्ते तक रोक लगी हुई थी। प्रतिबंधों में यह रियायत तब भी दी जा रही है जब देश में कोरोना वायरस से संक्रमण दर रविवार को बढ़कर 7.83 प्रतिशत हो गई जो एक दिन पहले घटकर करीब पांच प्रतिशत तक आ गई थी। दो महीने में यह पहला मौका था जब संक्रमण दर इतनी कम दर्ज की गई। वायरस की रोकथाम के लिए ईद-उल-फितर की छुट्टियों के दौरान लोगों के आवागमन को रोकने के मकसद से सभी कारोबारों और सार्वजनिक परिवहनों पर 10 से 16 मई तक रोक लगा दी गई थी।

नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन थिएटर (एनसीओसी) ने रविवार से सार्वजनिक परिवहनों को फिर से शुरू करने का फैसला किया। परविहन पर पाबंदियों में ढील इसलिए दी गई है ताकि दूर गए स्थानों से लोग लौटकर सोमवार से कार्यालय और अन्य ड्यूटियों पर जाना शुरू कर सकें जब कारोबारी संस्थान भी खुलेंगे। वायरस को रोकने के लिहाज से लॉकडाउन कारगर साबित हुआ है क्योंकि शनिवार को केवल 1,531 नए मामले सामने आए और संक्रमण दर महज 5.8 प्रतिशत थी जो आठ मार्च के बाद से सबसे कम है। लेकिन पिछले 24 घंटों में 2,379 मामले सामने आने के बाद देश में कोविड-19 के मामले 8,77,130 हो गए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के मुताबिक मृतक संख्या बढ़कर 19,43 हो गई है। सरकार ने 30 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों के टीकाकरण के लिए पंजीकरण भी शुरू कर दिया है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में लोगों द्वारा कोविड नियमों का पालन न करने के चलते यहां पर संक्रमण की दर में काफी इजाफा हो गया था।

भारत को लाल सूची में विलंब पर ब्रिटेन ने किया बचाव

भाषा। लंदन

ब्रिटेन की सरकार ने पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ अप्रैल की शुरुआत में ही भारत को लाल सूची में नहीं डालने की आलोचना का रविवार को बचाव किया। कोविड-19 के बी1.617.2 प्रकार के मामलों में बढ़ोतरी के लिए इसे बड़ा कारक माना जा रहा है। इस प्रकार की पहचान सबसे पहले भारत में हुई। डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि बी1.617 प्रकार की जांच शुरू होने से छह दिन पहले 23 अप्रैल को उसने भारत से यात्रा को लेकर एहतियाती कदम उठाए थे और यह कदम बी1.617.2 को वैरिएंट ऑफ कंसर्न (वीओसी) बताए जाने से दो हफ्ते पहले उठाया गया। पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड के नवीनतम आंकड़े के मुताबिक लाल सूची प्रतिबंध से पहले भारत और ब्रिटेन के बीच करीब 20 हजार लोगों ने यात्रा की और दिल्ली तथा मुंबई से मार्च के अंत और 28 अप्रैल के बीच आने वाले करीब 122 लोगों में वीओसी का पता चला। ब्रिटेन की सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा, अप्रैल में भारत को लाल सूची में डालने से पहले ब्रिटेन आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए निगेटिव होना और दस दिनों तक पृथक-वास में रहना आवश्यक था। बहरहाल, विपक्षी लेबर पार्टी ने मार्च में इस प्रकार के मामले सामने आने के बाद कदम उठाने में विलंब के लिए सरकार पर प्रहार किया। लेबर पार्टी के वरिष्ठ सांसद वेत्ते कूपर ने कहा, यह नहीं होना चाहिए था। उन्हें भारत को लाल सूची में डालना चाहिए था। तीन हफ्ते में हजारों लोग भारत से लौटे जिसमें संभवत: सैकड़ों मामले वायरस के इस प्रकार से जुड़े थे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की अप्रैल के अंत में भारत के प्रस्तावित दौरे को भी कई लोग भारत को लाल सूची में डालने के विलंब का कारण मानते हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत में कोविड की दूसरी की लहर को देखते हुए विभिन्न देशों ने अपने यहां यात्रा पर रोक लगाई थी।

शांति वार्ता फिर से शुरू करने की अपील के बीच अफगानिस्तान में संघर्ष विराम समाप्त

काबुल। अफगानिस्तान सरकार और तालिबान के बीच शांति वार्ता फिर से शुरू किए जाने की अपीलों के बीच देश में तीन दिवसीय संघर्ष विराम रविवार को समाप्त हो गया। हालांकि, इन तीन दिन में भी हिंसक हमले हुए, जिनमें से कुछ की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह ने ली है। तालिबान के राजनीतिक प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने बताया कि अफगानिस्तान सरकार और तालिबान के बीच कतर में शनिवार को संक्षिप्त बैठक हुई, जिसमें उन्होंने युद्ध को शांतिपूर्ण रूप से समाप्त करने का रास्ता खोजने की प्रतिबद्धता दोहराई और बाधित वार्ताओं को फिर से शुरू करने की अपील की। अफगानिस्तान में 20 साल की जंग के बाद अमेरिका और नाटो सैनिकों की वापसी शुरू होने के बीच हिंसक घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। अमेरिका अफगानिस्तान और तालिबान के बीच वार्ता पुन: आरंभ करने पर जोर दे रहा है। तालिबान और अफगानिस्तान सरकार ने ईद-उल-फितर के मद्देनजर तीन दिन के संघर्षविराम की घोषणा की थी, लेकिन देश में हिंसा इस दौरान भी जारी रही।

कैसे काम करता है और कितना सुरक्षित है मॉडर्ना का कोविड टीका?

एजेंसी। क्वींसलैंड (ऑस्ट्रेलिया)

बोस्टन स्थित फार्मास्युटिकल कंपनी मॉडर्ना ने कोविड-19 के अपने टीके की 2.5 करोड़ खुराकों के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ नए आपूर्ति समझौते की रातों-रात घोषणा की है। इस समझौते में एक करोड़ खुराक कोरोना वायरस के मूल स्वरूप के खिलाफ हैं जिनकी आपूर्ति इस साल की जानी है। कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में इस टीके का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हो रहा है लेकिन यह टीका काम कैसे करता है, कितना सुरक्षित है और कोरोना वायरस के परिवर्तित स्वरूपों पर कारगर है या नहीं इसे लेकर कई सवाल हैं। कई देशों और डब्ल्यूएचओ ने आपातकालीन प्रयोग के तहत इसके इस्तेमाल को स्वीकृति दी है।

ऑस्ट्रेलिया के साथ हुए मॉडर्ना के सौदे में इसके अद्यतन प्रकार समर्थक (वैरिएंट बूस्टर) संभावित टीके की 1.5 करोड़ खुराकें भी शामिल हैं जो 2022 तक उपलब्ध कराई जा सकती हैं। यह सौदा ऑस्ट्रेलिया के औषध नियामक, थेरेप्यूटिक गुड्स एडमिनिस्ट्रेशन (टीजीए) की स्वीकृति के अधीन है- मूल टीके और बूस्टर दोनों के लिए।

मॉडर्ना द्वारा जल्द ही इस संबंध में टीजीए के समक्ष एक आवेदन जमा किए जाने की संभावना है।

मॉडर्ना का टीका कैसे काम करता है?

मूल प्रकार के खिलाफ मॉडर्ना का टीका दो खुराकों में दिया जाता है। दोनों टीकें और इसका अद्यतन बूस्टर टीका एमआरएनए टीके हैं (जैसे फाइजर का टीका है)। इस टीके में हमारी कोशिकाओं को कोरोना वायरस का स्पाइक प्रोटीन बनाने के लिए आनुवंशिक निर्देश होते हैं। एमआरएनए एक तैलीय खोल में लिपटा होता है जो शरीर में इसे तत्काल विकृत होने से रोकता है और सुनिश्चित करता है कि टीका लगने के बाद यह कोशिकाओं तक पहुंचे। एक बार एमआरएनए कोशिका में पहुंच जाए तो यह स्पाइक प्रोटीन में बदल जाता है जिसे हमारा प्रतिरक्षा तंत्र पहचान लेता है। हमारा प्रतिरक्षा तंत्र स्पाइक प्रोटीन के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित करता है और यह सीखता है कि अगर भविष्य में कभी कोरोना वायरस हमारे शरीर में प्रवेश करे तो उससे कैसे लड़ना है। मॉडर्ना का टीका शून्य से 20 डिग्री सेल्सियस नीचे के तापमान पर छह माह तक स्थिर रह सकता है। इसे 30 दिन तक चार डिग्री सेल्सियस पर फ्रिज में रखा जा सकता है। ज्यादातर फार्मास्युटिकल लॉजिस्टिक कंपनियां शून्य से 20 डिग्री सेल्सियस नीचे के तापमान पर उत्पादों के भंडारण एवं परिवहन में सक्षम होती हैं, इसलिए इस टीके का भंडारण एवं वितरण तुलनात्मक रूप से आसान है। वहीं, फाइजर के एमआरएनए आधारित कोविड-19 टीके को लंबे वक्त तक शून्य से 60 डिग्री सेल्सियस नीचे के तापमान पर भंडारण की आवश्यकता होती है। हालांकि बिना खुली शीशियों को दो हफ्तों तक फ्रीजर के तापमान पर रखा जा सकता है।

क्या यह टीका सुरक्षित और प्रभावी है?

टीके की सुरक्षा एवं प्रभावशीलता के बारे में बात करें तो टीके के तीसरे चरण के क्लिनिकल परीक्षण में यह कोविड-19 से बचाव में 91 प्रतिशत प्रभावी साबित होने के साथ ही बीमारी के कई गंभीर स्वरूपों से पूर्ण संरक्षण देने वाला भी पाया गया। अनुसंधानकर्ताओं को सुरक्षा संबंधी कोई चिंता नजर नहीं आई और सामान्य दुष्प्रभावों में इंजेक्शन लगने वाली जगह पर क्षणिक दर्द और तीन दिन तक सिरदर्द या थकान देखने को मिली। हालांकि क्लिनिकल परीक्षण, सार्स-सीओवी-2 के चिंताजनक प्रकारों के सामने आने से पहले के हैं। वायरस के विभिन्न प्रकारों से सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिहाज से बाद के अध्ययनों में पाया गया कि ए प्रकार मॉडर्ना के टीके से बचकर निकल रहे हैं। प्रारंभिक अध्ययनों में वायरस के बी.1.351 प्रकार के खिलाफ थोड़ा सा कम प्रभावी पाया गया।

क्या यह वायरस के अलग अलग स्वरूपों से सुरक्षा प्रदान करता है?

इन आंकड़ों के जवाब में, मॉडर्ना ने बी.1.351 प्रकार में मौजूद स्पाइक प्रोटीन में बदलाव के कारण अपने एमआरएनए टीके के फार्मूले को अद्यतन किया। इस साल मार्च में, उसने प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न करने में वैरिएंट टीके की सुरक्षा एवं सामर्थ्य को जांचने के लिए पहले और दूसरे चरण का क्लिनिकल परीक्षण शुरू किया।

भारतीय एनजीओ को भारत आस्ट्रेलिया बिजनेस पुरस्कार

मेलबर्न। भारत के विभिन्न हिस्सों में वंचित तबके के लोगों की आंखों की जांच करने के कार्य में संलग्न एक भारतीय गैर सरकारी संस्था (एनजीओ) को आईएबीसीए कम्युनिटी सर्विसेस एक्सीलेंस अवार्ड (आर्गेनाइजेशन) से नवाजा गया है। एक मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, इंडिया विजन इंस्टीट्यूट (आईवीआई) ने सिडनी में भारत-ऑस्ट्रेलिया बिजनेस एंड कम्युनिटी अवार्ड्स (आईएबीसीए) गाला में शनिवार को करीब 1,000 आमंत्रित अतिथियों की उपस्थिति में यह पुरस्कार जीता। विज्ञप्ति में कहा गया है कि आईवीआई दूर-दराज के इलाकों और गांवों में वंचितों को आंखों की जांच की सुविधा प्रदान करने के लिए काम कर रहा है और भारत के 20 राज्यों में जरूरतमंद लोगों को मुफ्त में चश्मा दिया है और चार लाख से अधिक बच्चों और वयस्कों को लाभ पहुंचाया है। आईवीआई के सीईओ विनोद डैनियल ने कहा, आईवीआई को यह पुरस्कार प्राप्त करने में प्रसन्नता हो रही है जो भारत में प्राथमिक नेत्र देखभाल और सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में काम करने के लिए हमारे योगदान की मान्यता है।

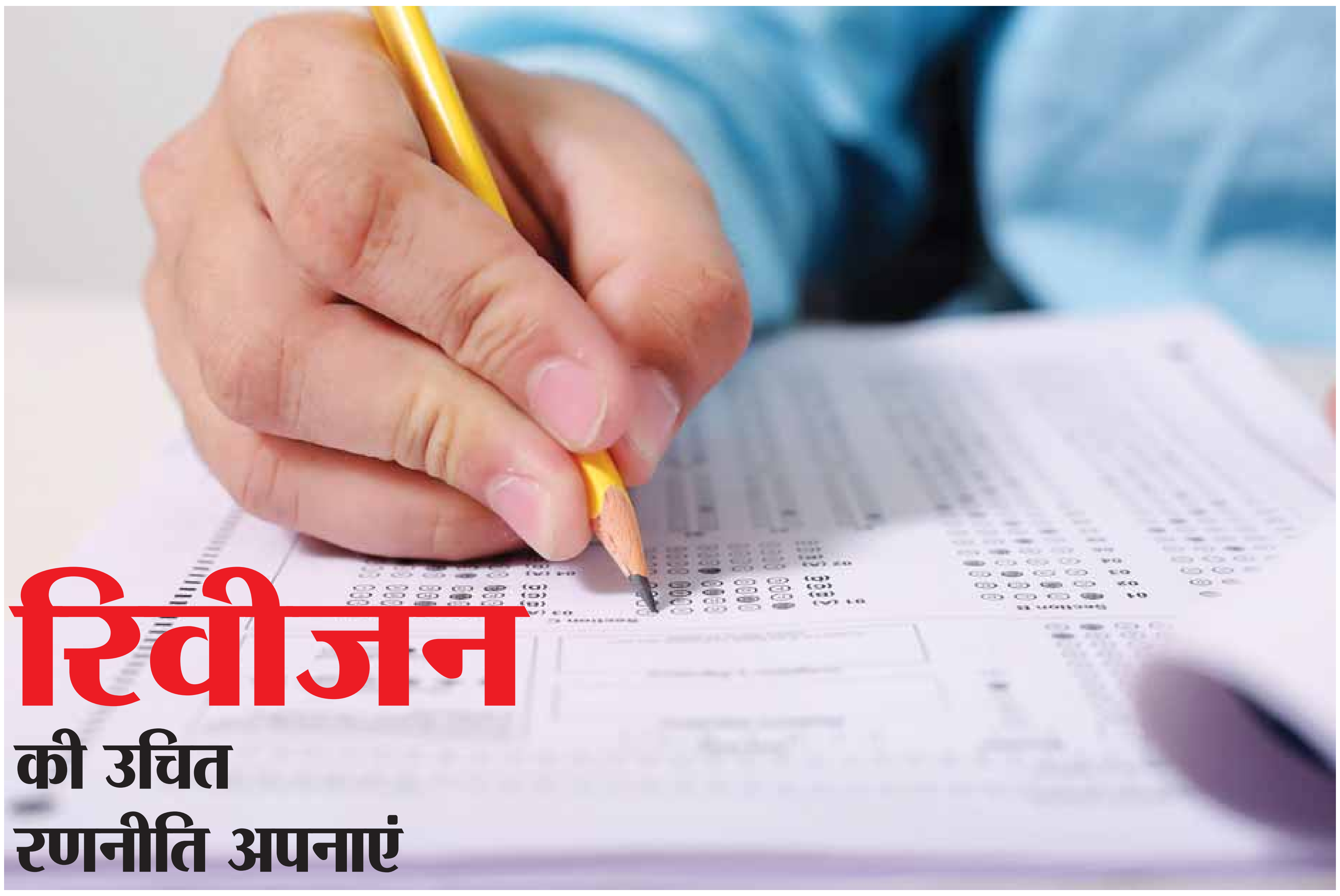

रिवीजन की उचित रणनीति अपनाएं

जेईई मेन मई सत्र स्थगित कर दिया गया है। मुश्बा हाशमी ने मोशन एजुकेशन के प्रबंध निदेशक नितिन विजय के साथ बात की, जिन्होंने इस बारे में बताया कि छात्र इस समय का सर्वोत्तम उपयोग कैसे कर सकते हैं और अच्छा स्कोर कर सकते हैं।

जेईई मेन एक बार फिर स्थगित कर दिया गया है। जबकि कई लोग लगातार देरी से खुश नहीं हैं, लेकिन यह बिना कहे मान लेने योग्य है कि यह निश्चित रूप से समय की जरूरत है। इससे भी ज्यादा, जब देश में प्रतिदिन 3.5 लाख से अधिक मामले सामने आ रहे हैं।

मोशन एजुकेशन के प्रबंध निदेशक नितिन विजय कहते हैं, ''कोई भी उसके बारे में कुछ नहीं कर सकता। एकमात्र सकारात्मक हिस्सा यह है कि छात्रों को अध्ययन के लिए अधिक समय मिल रहा है।''

कहा जा रहा है कि यह छात्रों के लिए आशा खोने और आत्मसंतुष्ट होने का समय नहीं है, इसके बजाय उन्हें इस अवधि का उपयोग अपने कमजोर विषयों पर अध्ययन और काम करने के लिए करना चाहिए।

विजय बताते हैं, ''यदि कोई छात्र मई सत्र का प्रयास करने की तैयारी कर रहा था, तो हम मानते हैं कि उसने अपना पाठ्यक्रम पूरा कर लिया होगा। इसलिए, छात्रों को अब उचित संशोधन रणनीतियों का पालन करना होगा। उन्हें कम से कम अगले दो महीनों में प्रत्येक अध्याय को दो बार संशोधित करना होगा। उनका ध्यान सही संशोधन रणनीतियों का पालन करने पर होना चाहिए, इससे उन्हें बड़ी मदद मिलेगी।'' छात्र अपनी कमजोर अवधारणाओं पर ध्यान केंद्रित करके और जितना हो सके अभ्यास करके शुरुआत कर सकते हैं।

हालांकि, यह उतना आसान नहीं हो सकता जितना लगता है। लगातार देरी के परिणामस्वरूप छात्रों की प्रेरणा खो सकती है। इसलिए, खुद को प्रेरित रखना महत्वपूर्ण है।

उनका कहना है, ''छात्रों को खुद को प्रेरित रखना होगा। तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिलने के सकारात्मक पक्ष के बारे में सोचने से मदद मिल सकती है। लेकिन, साथ ही उन्हें यह भी महसूस करना होगा कि प्रत्येक छात्र को समान समय मिल रहा है। इसलिए, उन्हें इसका सर्वोत्तम संभव तरीके से उपयोग करना होगा। यह समय उनके भविष्य की दिशा बदल देगा। छात्रों को सभी निराशा और नकारात्मकता को दूर करने और अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।''

अपनी गलतियों को पहचानो और उन्हें सुधारो। अधिकांश समय, छात्र अपनी गलतियों को पहचानने से चूक जाते हैं, इस तरह वे इसे करना जारी रखते हैं। इसके बाद, अपनी सटीकता और गति पर काम करें। इससे आपको पढ़ाई के लिए मोटिवेशन मिलेगा। प्रश्नों को एक बार में पढ़ना सीखें, यह एक ऐसा भाग है जिससे अधिकांश छात्र छूट जाते हैं। वे नहीं जानते कि एक प्रश्न को एक बार में कैसे पढ़ा जाए।

गति में सुधार एक अन्य कारक है जिस पर छात्र इस दौरान काम कर सकते हैं।

विजय कहते हैं, ''अपनी गलतियों को पहचानो और उन्हें सुधारो। अधिकांश समय, छात्र अपनी गलतियों को पहचानने से चूक जाते हैं, इस तरह वे इसे करना जारी रखते हैं। इसके बाद, अपनी सटीकता और गति पर काम करें। इससे आपको पढ़ाई के लिए मोटिवेशन मिलेगा। प्रश्नों को एक बार में पढ़ना सीखें, यह एक ऐसा भाग है जिससे अधिकांश छात्र छूट जाते हैं। वे नहीं जानते कि एक प्रश्न को एक बार में कैसे पढ़ा जाए।''

वो बताते हैं, ''इसके पीछे कारण यह है कि छात्र किसी प्रश्न को पूर्ण कथन के रूप में नहीं पढ़ते हैं, वे इसे शब्द दर शब्द पढ़ते हैं। प्रश्न को एक कथन के रूप में पढ़ने का प्रयास करें, जो आपके मन में कहता है उसे चित्रित करें और फिर उसे समझें। अभ्यास करते रहें और आप एक बार में प्रश्नों को पढ़ना सीखेंगे। प्रेरणा के साथ अच्छी रणनीति आपको अच्छे अंक हासिल करने में मदद करेगी।''

वह इस तथ्य पर जोर देते हैं कि इन देरी का मतलब समय की बर्बादी नहीं है। यह स्पष्ट रूप से छात्रों के लिए एक बोनस का समय है।

वो आगे कहते हैं, ''अगर आप और आपका परिवार घर पर सुरक्षित हैं, तो भगवान का शुक्रिया अदा करें और समय को उपहार के रूप में देखें। अगर आप अपनी सोच बदल सकते हैं, तो आप अपना जीवन बदल सकते हैं। यह मानसिकता का खेल है।''

विजय कहते हैं कि उनके संस्थान के छात्र इसे पहले ही समझ चुके हैं और बाकी चीजों के बारे में सोचे बिना सवाल पूछने और समस्याओं को हल करने में व्यस्त हैं। ''जो लोग वास्तव में पढ़ाई में रुचि रखते हैं, वे कभी भी, कहीं भी पढ़ सकते हैं। उन्हें बस प्रेरणा की जरूरत है।''

हमारे सभी पाठ्यक्रम उद्योग आधारित हैं

अटरिया विश्वविद्यालय अक्टूबर में छात्रों के प्रवेश हेतु द्वारा खोलने जा रहा है। इस संबंध में शालिनी सक्सेना ने सीईओ सहीम राहीमान से बातचीत की। प्रस्तुत हैं उसी वार्तालाप के कुछ अंश :

ऑनलाइन पद्धति से बच्चे कितना सीख रहे हैं?

हम सभी इस बात से सहमत हैं कि सहकर्मी सीखने और एक-दूसरे की राय जानने के साथ बड़ी मात्रा में सीखने या प्रभावी सीखने की प्रक्रिया होती है और ये सभी चीजें वास्तव में ऑनलाइन शिक्षा मॉडल में सूख गई हैं। यहां तक ??कि अपने स्वयं के कार्य जीवन में भी मैंने देखा है कि जब लॉकडाउन शुरू हुआ तो हम सभी वस्तुत: काम कर रहे थे और शुरुआत में हमारी अद्भुत बैठकें होती थीं, जब आप किसी समस्या को हल करना चाहते हैं तो आप चाहते हैं कि हर कोई नए विचारों के साथ आए। जैसे-जैसे लॉकडाउन आगे बढ़ा, कोई भी कॉल पर विपरीत राय नहीं रखना चाहता, कोई भी कॉल पर विरोधी दृष्टिकोण नहीं रखना चाहता क्योंकि उन्हें लगता है कि वे उतना भाग नहीं ले रहे हैं।

हमें अटरिया विश्वविद्यालय के बारे में बताएं। यह एक साल पुराना है।

हमें उत्पाद को लॉन्च किए करीब दो साल हो चुके हैं लेकिन हम अभी तक पहले बैच के लिए लाइव नहीं हुए हैं। पहला बैच इस साल अक्टूबर में शुरू हो रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कर्नाटक राज्य उच्च शिक्षा ने घोषणा की है कि अगला शैक्षणिक वर्ष अक्टूबर में शुरू होगा। हम विश्वविद्यालय के लिए अनुमोदन प्राप्त करने के अंतिम चरण में हैं, इसलिए शैक्षणिक वर्ष शुरू होने से पहले यह सब हो जाएगा।

छात्रों को कौन से कोर्स ऑफर किए जा रहे हैं?

हमारे पास पांच मेजर हैं। उनमें से एक गतिशीलता है। फिर हमारे पास जीवन विज्ञान है। नंबर तीन डिजिटल परिवर्तन है। फिर हमारे पास इंटरेक्टिव तकनीक है। नंबर 5 पर एनर्जी साइंस है। डिग्री बीटेक फिर बैचलर ऑफ डिजाइन (बीडीएस) फिर बीएससी और बीबीए हैं।

एक छात्र कैसे आवेदन करता है?

बाहरी दुनिया की तरह, एक छात्र एक अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए विश्वविद्यालय में शामिल होता है। छात्र फाउंडेशन कोर्स से गुजरते हैं, भले ही वे स्कूल से विज्ञान या वाणिज्य पृष्ठभूमि से आए हों। ये फाउंडेशन कोर्स 12 महीने के लिए होते हैं। पोस्ट करें कि छह से नौ

Shaheem Rahiman
CEO, Atria University

महीने की अवधि है जहां छात्र इन क्षेत्रों में से प्रत्येक में नमूना पाठ्यक्रम या परियोजनाओं को प्राप्त करता है, वहां पांच प्रमुख और चार डिग्री हैं। वे इनमें से प्रत्येक या उनमें से प्रत्येक का छह से महीने की अवधि में नमूना लेते हैं।

संकाय के बारे में कुछ बताएं?

यह एक बहुत ही उद्योग के नेतृत्व वाला कार्यक्रम है जहां परियोजनाएं उद्योग से भी होती हैं। अधिकांश पाठ्यक्रम वास्तव में उद्योग जगत के नेताओं द्वारा डिजाइन किए गए हैं और शिक्षाविद इसे सम्मानित करने में मदद कर रहे हैं। वे चार सप्ताह की अवधि के लिए परिसर में आएंगे, पढ़ाएंगे और चले जाएंगे।

शुल्क संरचना क्या है?

अकादमिक के लिए हमारी कीमत 7 लाख रुपए प्रति वर्ष है और फिर आवासीय 1.8 लाख है।

अगले पांच वर्षों के लिए आपका क्या दृष्टिकोण है?

टिकाऊ होने के लिए, मुझे 10 साल आगे सोचना चाहिए। मैं परिसर में 10 वर्षों में 5,000 से 7,000 छात्रों के बीच स्केलिंग कर रहा हूं। जब तक पहला बैच निकल जाता है, मेरा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हर कोई जो इस वर्ष हमारे साथ जुड़ता है, वास्तव में कर्मचारियों के रूप में बाहर जा रहा होगा और जरूरी नहीं कि नौकरी की तलाश में हो क्योंकि मॉडल खुद दूसरे से नौ महीने की इंटर्नशिप की अनुमति देता है। साल। विचार यह है कि छात्र इन परियोजनाओं पर उद्योग में बड़े संगठनों के साथ काम करेंगे और उन कंपनियों में व्यवस्थित रूप से लीन हो जाएंगे जिनके साथ उन्होंने काम किया है।

स्कॉलरशिप

वासा विश्वविद्यालय, फिनलैंड वैश्विक छात्र छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। प्रायोजन उन छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा जो किसी भी मास्टर डिग्री प्रोग्राम को करने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

पात्रता : छात्र केवल प्रथम वर्ष के आवेदक होने चाहिए। सहायक दस्तावेज़ (विदेशी) डिग्री प्रमाण पत्र या एक अनंतिम प्रमाण पत्र की एक प्रति; विश्वविद्यालय के अभिलेखों के टेप।

प्रवेश आवश्यकताएं : छात्रों को मास्टर डिग्री प्रोग्राम में स्वीकार किए जाने के लिए 120 ईसीटीएस पूरा करना होगा।

भाषा की आवश्यकता : छात्रों को निम्नलिखित अंग्रेजी भाषा प्रवीणता परीक्षा स्कोर जमा करना होगा: टीओईएफएल पीबीटी - 580; टीओईएफएल आईबीटी - 92; आरपीडीटी- 20 रीडिंग सेक्शन का न्यूनतम स्कोर, सुनने वाले सेक्शन में न्यूनतम स्कोर 20 और राइटिंग सेक्शन में न्यूनतम स्कोर 22। माईबेस्टस्कोर भी स्वीकार किया जाता है।

आवेदन कैसे करें : छात्रों को अपने पसंदीदा मास्टर प्रोग्राम में ऑनलाइन आवेदन करना होगा। स्वीकृत छात्रों पर स्वत: विचार किया जाएगा।

आवेदन की समय सीमा : तिथि 31 जुलाई, 2021 है।

बेलर विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए आवश्यकता-आधारित पुरस्कारों की घोषणा की है।

अनुदान शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 के लिए उपलब्ध है।

पुरस्कार: बायलर विश्वविद्यालय छात्रों को अमेरिका में उनके अध्ययन के लिए आवश्यकता-आधारित 1,000 डॉलर से 5,000 डॉलर तक प्रदान करेगा।

पात्रता : अंतर्राष्ट्रीय छात्र आवेदन कर सकते हैं। बायलर द्वारा पेश किए गए सभी ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम लागू होते हैं।

सहायक दस्तावेज : छात्रों को विश्वविद्यालय में निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है : निबंध; हाई स्कूल टेप; जांच के अंक। अन्य डिग्री-विशिष्ट आवश्यकताएं

प्रवेश आवश्यकताएं : छात्रों के पास 1200 और 1380 के बीच औसत एसएटी स्कोर होना चाहिए या बायलर में भर्ती होने के लिए 26 से 32 का औसत एसीटी स्कोर होना चाहिए।

भाषा की आवश्यकता : छात्रों के पास निम्नलिखित अंग्रेजी भाषा प्रवीणता परीक्षाओं के आवश्यक अंक होने चाहिए : आईईएलटीएस - 6.5। टीओईएफएल आईबीटी - कुल मिलाकर 80।

आवेदन कैसे करें : छात्रों को बायलर ऑनलाइन आवेदन या सामान्य आवेदन का उपयोग करके ऑनलाइन आवेदन करना होगा। सहायता प्राप्त करने के लिए आवेदन करने के लिए, छात्रों को आवश्यकता-आधारित सहायता के लिए एफएएफएसए आवेदन और सीएसएस प्रोफ़ाइल को पूरा करना होगा।

आवेदन की अंतिम तिथि : आवेदन करने की अंतिम तिथि 2 नवंबर, 2021 है।

सबसे अच्छी चिकित्सक है प्रकृति

वर्तमान महामारी के कारण, कई लोग चिंता, तनाव और अवसाद के बढ़ते स्तर के साथ मनोवैज्ञानिक संकट से पीड़ित हैं। इसने लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाला है जो एक परेशान भविष्य का भी संकेत देता है। लेकिन यह भी सच है कि मनुष्य की प्रतिकूलताओं को दूर करने की क्षमता को अक्सर कम करके आंका जाता है, विशेष रूप से भारी बहुमत के लिए जो प्रकृति के साथ रहना पसंद करते हैं।

इसका मतलब यह नहीं है कि मानसिक स्वास्थ्य पर कोविड-19 का प्रभाव वास्तविक नहीं है, और न ही यह कुछ

विचार करें

मामलों में लंबे समय तक चलने वाला नहीं है। यह वास्तविक है, और यह कई लोगों के लिए रहेगा। फिर भी यह रेखांकित करना भी महत्वपूर्ण है कि यह उन लोगों के लिए स्वस्थ चिकित्सीय है जो प्रकृति के बीच समय बिताते हैं।

प्रकृति चिकित्सा की एक जापानी प्रथा है - वन स्नान या शिनरिन-योकू। यह बस बाहर पेड़ों की छांव के नीचे समय बिता रहा है। जापानी में, शिनरिन का अर्थ है जंगल और योक का अर्थ है स्नान, या जंगल में खुद को विसर्जित करना और इंद्रियों के माध्यम से वातावरण में भिगोना। एक अध्ययन में, प्रकृति-चिकित्सा विशेषज्ञ, योशिफुमी मियाज़ाकी ने पाया कि जिन लोगों ने जंगल में 40 मिनट पैदल चलने में बिताया, उनमें तनाव का स्तर कम था। उन्होंने कहा : ''जंगल में समय बिताने से शारीरिक विश्राम की स्थिति पैदा होती है।''

एक अन्य शोधकर्ता, डॉ. किंग ली ने पाया कि पेड़ और पौधे फाइटोनसाइड्स नामक सुगंधित यौगिकों का उत्सर्जन करते हैं, जो जब सास लेते हैं, तो अरोमाथेरेपी के समान स्वस्थ जैविक परिवर्तनों को प्रेरित कर सकते हैं, जिसका अध्ययन इसके

चिकित्सीय लाभों के लिए भी किया गया है। हाल के कई अध्ययन हैं जिन्होंने प्रकृति को हृदय रोग, अवसाद, कैंसर, चिंता और ध्यान विकारों जैसे स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के लिए लक्षणों से राहत से जोड़ा है।

प्रकृति के प्रति प्रेम एक ऐसी चीज है जो हम सभी में गहराई से निहित है। हम पारिस्थितिकी तंत्र और प्रकृति का उतना ही हिस्सा हैं जितना कि पौधे और जानवर। हम शहरों में चाहे कितने भी कंक्रीट के जंगल बना लें, हमें पौधों और पेड़ों के परिवेश में स्वाभाविक रूप से खुश होने की संभावना है।

प्रकृति के प्रति एक्सपोजर, या यहां तक कि केवल इसका अवलोकन करने से हमें क्रोध, चिंता और तनाव को कम करने में मदद मिलती है। प्रकृति के साथ हमारे ब्रश का प्रभाव न केवल भावनात्मक बल्कि शारीरिक और स्नायविक भी है। विशेषज्ञ पौधों से जुड़ने की हमारी सहज प्रवृत्ति को बायोफिलिया कहते हैं।

मनोदशा संबंधी विकारों के लिए भी प्रकृति में समय बिताना फायदेमंद होता है- ऐसी कई स्थितियाँ होती हैं जब हमें साग की गोद में आराम करने की तीव्र इच्छा होती है। उदाहरण के लिए, जब हम एक महत्वपूर्ण निर्णय लेने की दुविधा से जूझ रहे होते हैं, तो हमें अक्सर बंदूक चलाने से पहले बगीचे में टहलने की सलाह दी जाती है।

इसी तरह, भारी वर्षा के बाद, जब हम हवा में सुखद ओस वाले पेट्रीचोर का अनुभव करना चाहते हैं, और प्राचीन रंगों का आनंद लेना चाहते हैं, तो हमें प्रकृति के साथ अपनी कोशिश करने का एक कारण मिलता है। यहां तक ??कि जब हम तनावग्रस्त या चिंतित होते हैं, तब भी हमें अपने ईंट और मोर्टार के घरों से बाहर निकलने और एक शांत जगह की ओर चलने का आग्रह होता है जो हमेशा हरा-भरा होता है।

प्रकृति हमें एक दूसरे से जुड़ने में मदद करती है। जब हम सुंदर प्राकृतिक दृश्यों को देखते हैं, सहानुभूति और प्रेम की भावना हमारे मस्तिष्क में चमकती है, लेकिन जब हम केवल दीवारों या इमारतों को देखते हैं जैसा कि लॉकडाउन के दौरान होता है, तो हम भय और चिंता से परेशान हो जाते हैं।

इसलिए जब भी संभव हो प्रकृति के बीच रहें। पक्षियों को सुनें, हवा को महसूस करें, पेड़ों की पत्तियों, सुंदर फूलों को देखें, या ताजी हवा में सांस लेने के लिए कुछ समय निकालें। बादलों के साथ फिर से जुड़ें जैसे बच्चे करते हैं; उनमें आकृतियों की तलाश करें। यह तुरंत जीवन को परिप्रेक्ष्य में रख सकता है।

जब भी संभव हो प्रकृति के बीच रहें। पक्षियों को सुनें, हवा को महसूस करें, पेड़ों की पत्तियों, सुंदर फूलों को देखें, या ताजी हवा में सांस लेने के लिए कुछ समय निकालें। बादलों के साथ फिर से जुड़ें जैसे बच्चे करते हैं; उनमें आकृतियों की तलाश करें। यह तुरंत जीवन को परिप्रेक्ष्य में रख सकता है। अगर हम बाहर नहीं भी जा सकते हैं, तो बाहर को अंदर लाने की कोशिश करें। प्रकृति हमें एक दूसरे से जुड़ने में मदद करती है।

अगर हम बाहर नहीं भी जा सकते हैं, तो बाहर को अंदर लाने की कोशिश करें। एक खिड़की से एक कुर्सी खींचो और प्रकृति का निरीक्षण करो, हवा को महसूस करो। अपनी आँखें बंद करें और कुछ सुकून देने वाली प्रकृति की आवाज़ें सुनने की कोशिश करें जैसे सुखदायक पक्षी गाते हैं, पानी की प्राकृतिक आवाज़। प्रकृति वास्तव में सबसे अच्छी चिकित्सक है।

लेखक हैं डॉ. मुकेश क्वात्रा, संस्थापक, स्माइलिंग ट्री

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 204
लखनऊ, सोमवार, 17 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
डाक संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

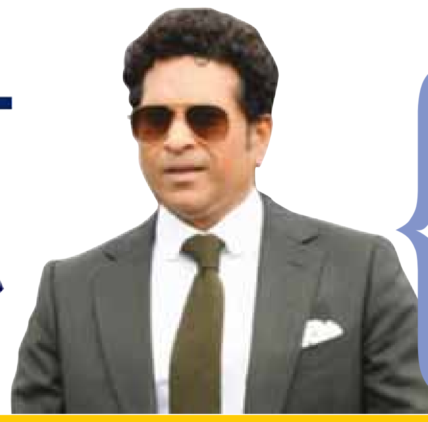

करियर के दौरान 10-12 वर्षों तक तनाव से जूझता रहा
स्पोर्ट्स-11

www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर काबू में: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण और इससे निपटने की सरकार की रणनीति की जमीनी हकीकत परखने मेरठ, नोएडा और गाजियाबाद के दौरे पर निकले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में बिगड़े हालातों को काबू में कर लिया गया है और तीसरी लहर से मुकाबले की तैयारियां भी कर ली हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आक्सीजन उत्पादन में आत्मनिर्भर होने जा रही है। योगी ने मेरठ में कहा कि तीसरी लहर में बच्चों पर खतरे की आशंका ज्यादा है। जिसे देखते हुये प्रत्येक जिला अस्पताल और मेडिकल कालेज में एक पीडियाट्रिक आइसीयू बनाने का निर्देश दिया गया है। प्रेस ब्रीफिंग में मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र और दिल्ली के बाद देश-विदेश के विज्ञानियों का दावा था कि 25 अप्रैल से 10-15 मई के बीच उत्तर प्रदेश में रोजाना एक लाख से अधिक नए केस आएंगे लेकिन प्रधानमंत्री के दिए ट्रिपल टी यानी ट्रेस, ट्रीट एंड टेस्ट मंत्र के तहत इस आशंका को निर्मूल किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोरोना के साथ ब्लैक फंगस ने भी पांव पसारने शुरू कर दिए हैं। इसके लिए विशेषज्ञों को लेकर एक क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप बनाया गया है जिसकी सलाह पर इलाज का विस्तृत प्रोटोकाल भी जारी कर दिया गया है। साथ ही सरकारी स्तर पर ब्लैक फंगस का

● तीसरी लहर से निपटने की भी पूरी तैयारियां

नि:शुल्क इलाज हो, इसके निर्देश भी दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 45 से अधिक उम्र वालों को नि:शुल्क टीका लगाए जाने के साथ ही 18.44 वर्ग के लोगों के लिए भी टीकाकरण को विस्तार दिया जा रहा है। सोमवार से सभी मंडल मुख्यालय समेत 23 जिलों में टीका लगाया जाएगा ताकि कोरोना से हमारी लड़ाई और प्रभावी हो।

नोएडा में मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि नान कोविड मरीजों के लिए डेडीकेटेड चिकित्सालय संचालित किया जाए। चिकित्सकों के द्वारा टेलीकंसल्टेंसी के माध्यम से सामान्य बीमारियों के सम्बन्ध में लोगों को मेडिकल परामर्श प्रदान किया जाए। उन्होंने महिलाओं एवं बच्चों के लिए जनपद में अलग चिकित्सालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों को संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए प्रदेशव्यापी विशेष स्क्रीनिंग एवं टेस्टिंग अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निगरानी समितियों को और अधिक सक्रिय करते हुए लक्षणयुक्त वं संक्रमण की मद्देनजर संदिग्ध लोगों को चिन्हित किया जाए। ऐसे व्यक्तियों को मेडिकल किट उपलब्ध कराने के साथ-साथ आरआरटी द्वारा इनका एण्टीजेन टेस्ट किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि

गौतमबुद्ध नगर के छपरौली गांव में पीएचसी का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

कोविड संक्रमित मरीजों की पोस्ट कोविड अवस्था में ब्लैक फंगस संक्रमण की समस्या देखने में आ रही है। ब्लैक फंगस के उपचार की व्यवस्था हर जनपद में हो सकेए इसके लिए राज्य सरकार पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। कल 15 मईए 2021 को राज्य सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में एक एडवाइजरी जारी की गई है। सभी जनपदों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियोंए सभी जिला चिकित्सालयों, मेडिकल कॉलेजों के फिज़ीशियन और विशेषज्ञों के साथ ब्लैक फंगस के सम्बन्ध में ट्रेनिंग का एक वर्चुअल कार्यक्रम भी सम्पन्न किया गया हैए जिससे कोरोना संक्रमित मरीजों का पोस्ट कोविड में ब्लैक फंगस से बचाव एवं उपचार सम्भव हो सके। उन्होंने कहा कि ब्लैक फंगस के सम्बन्ध में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम भी संचालित किया जाना चाहिए। इसके अन्तर्गत ब्लैक फंगस के कारणों जैसे स्टेरॉयड का अत्यधिक सेवनए अनियंत्रित डायबिटीजए समय पर टेस्ट कराने आदि के सम्बन्ध में बताया जाना चाहिए। इस सम्बन्ध में एक एडवाइजरी भी जारी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनपदों में ऑक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने कोरोना की स्थिति पर मुख्यमंत्री से ली जानकारी

● ताजा हालात और वैक्सीनेशन की रणनीति से हुये रूबरू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस के दूसरी लहर में बिगड़े हालात को संभालने में जुटे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से राज्य की ताजा स्थित की जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को फोन करके प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण की वर्तमान स्थिति और किये जा रहे उपायो के बारे में पूछा। इसके अलावा वैक्सीनेशन को लेकर अहम चर्चा भी की।

मोदी ने रविवार को दिन में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ फोन पर वार्ता कर राज्य में कोरोना की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। पीएम मोदी ने इसके साथ ही राजस्थान, छत्तीसगढ़ और पुदुचेरी के मुख्यमंत्रियों से भी उनके राज्यों में कोरोना वायरस संक्रमण की वर्तमान स्थिति पर वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि केंद्र सभी राज्यों को हर संभव मदद कर रहा है और आगे भी यह मदद इसी तरह से जारी रहेगी। पीएम के साथ हुई बातचीत को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट भी किया। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश में कोविड की स्थिति के साथ ही कोविड के प्रबंधन तथा वैक्सीनेशन के बारे में बातचीत की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोरोना प्रबंधन प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है।

कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी से गिरावट जारी

● प्रदेश में 24837 रोगी स्वस्थ, 10682 नए केस, 311 की मौत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर से प्रदेश को निजात मिलती दिख रही है। कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी से गिरावट हुई है। हालांकि मौतों की दर में कमी उतनी तेजी से नहीं आ रही है। रविवार को पूरे प्रदेश में 10682 नए केस के बीच 311 मरीजों की मौत के मामले सामने आए हैं। राजधानी लखनऊ में 525 नए केस के बीच 20 मरीजों ने दम तोड़ दिया है।

पूरे प्रदेश में 163003 केस व लखनऊ में 11045 केस एक्टिव हैं। बीते 24 घण्टे के अंदर लखनऊ में 1944 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया तो प्रदेश भर में 24837 लोगों को डिस्चार्ज किया गया है। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रदेश में बड़ी संख्या में टेस्टिंग कार्य करते हुए टेस्टिंग क्षमता निरन्तर बढ़ायी जा रही है। गत एक दिन में कुल 2,67,420 सैम्पल की जांच की गयी है। जनपदों से से 1,11,208 सैम्पल टेस्टिंग के लिए भेजे गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कोविड 19 से ठीक होने का प्रतिशत 88.92 हो गया है। प्रदेश में अब तक कुल 4,46,95,189 सैम्पल की जांच की गयी है। अब तक 14,39,096 लोग कोविड 19 से ठीक हो चुके हैं। प्रदेश में कोरोना के कुल 1,63,003 एक्टिव मामलों में से 1,34,615 व्यक्ति होम आइसोलेशन में हैं, इसके अतिरिक्त अन्य मरीज सरकारी एवं निजी चिकित्सालयों में इलाज करा रहे है।

भारत में 3.11 लाख नए मामले, 4,077 की मौत

नई दिल्ली। भारत में 25 दिनों के बाद एक दिन में कोविड-19 के सबसे कम 3.11 लाख मामले आए जबकि 4,077 और लोगों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या 2,70,284 पर पहुंच गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक जारी आकंड़ों के अनुसार, एक दिन में 3,11,170 मरीज संक्रमित पाए गए हैं, जिससे देश में संक्रमण के कुल मामले 2,46,84,077 पर पहुंच गए। 21 अप्रैल को 24 घंटों में संक्रमण के 2,95,041 मामले आए थे। आंकड़ों के अनुसार, कोविड-19 का उपचार करा रहे मरीजों की संख्या कम होकर 36,18,458 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 14.66 प्रतिशत है। कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर में सुधार हुआ है और यह 84.25 प्रतिशत है।

चक्रवात तौकते गुजरात की तरफ बढ़ा, छह की मौत

● केरल, कर्नाटक, गोवा में भारी नुकसान

भाषा। बेंगलुरु, पणजी, अहमदाबाद

केरल, कर्नाटक और गोवा के तटीय इलाकों में रविवार को तबाही मचाने के बाद चक्रवात तौकते उत्तर में गुजरात की ओर बढ़ गया। चक्रवात के चलते तटीय इलाकों में तेज हवाओं के साथ ही भारी बारिश हुई और समुद्र में ऊंची लहरें उठीं। चक्रवात के कारण हुई घटनाओं की चपेट में आकर छह लोगों की मौत हो गई जबकि सैकड़ों घरों का नुकसान पहुंचा और बिजली के खंभे एवं पेड़ उखड़ गए तथा लोगों को घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। कई इलाकों में बिजली की आपूर्ति बाधित हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान तौकते अगले 24 घंटे में और तीव्र हो सकता है और इसके सोमवार शाम तक गुजरात के तट पर पहुंचने

गोवा में चक्रवात तौकते के कारण उखड़ कर कार पर गिर गया पेड़

की संभावना है। आईएमडी ने एक बुलेटिन में बताया कि यह मंगलवार तड़के तक पोरबंदर और भावनगर जिले में महुवा के बीच राज्य के तट को पार सकता है। गुजरात में निचले तटीय इलाकों से करीब डेढ़ लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है जबकि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की 54 टीमों को तैनात किया गया है। वहीं, मौसम विभाग ने रविवार को कहा कि चक्रवात तौकते के चलते 17 मई को महाराष्ट्र के मुंबई, उत्तरी कोंकण, ठाणे और पालघर के हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने रायगढ़ में सोमवार को अत्यधिक भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। चक्रवात संबंधी घटनाओं की चपेट में आकर कर्नाटक के उत्तर कन्नड़, उडुपी, चिकमगलूर और शिवमोगा जिलों में चार लोगों की मौत हो गई।

कांग्रेस सांसद राजीव सातव का निधन

पायनियर समाचार सेवा। पुणे

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सदस्य राजीव सातव का कोरोना वायरस संक्रमण से उबरने के बाद स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के कारण रविवार को निधन हो गया। अस्पताल के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सातव (46) का पिछले महीने कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद पुणे के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था और वह वेंटिलेटर पर थे। जहांगीर अस्पताल से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि कई अंगों के काम करना बंद करने के बाद निमोनिया से सातव का सुबह पांच बजे निधन हो गया। सातव की नौ मई को कोविड-19 रिपोर्ट निगेटिव आई थी। कोविड-19 से उबरने के बाद गंभीर निमोनिया की चपेट में आने पर 23 अप्रैल को सातव को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उनकी हालत गंभीर हो गई थी। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा था कि संक्रमण से उबरने के बाद सातव साइटोमेगलो वायरस से संक्रमित हो गए थे। हालांकि, अस्पताल ने मंत्री के दावों पर टिप्पणी नहीं की।

कोवैक्सीन कोरोना के सभी स्वरूपों पर प्रभावी: भारत बायोटेक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत बायोटेक ने रविवार को कहा कि उसका कोविड-19 टीका भारत और ब्रिटेन में मिले कोरोना वायरस के स्वरूपों के खिलाफ प्रभावी पाया गया है। एक मशहूर मेडिकल जर्नल में प्रकाशित शोध का हवाला देते हुए हैदराबाद की टीका निर्माता कंपनी भारत बायोटेक ने कहा कि कोवैक्सीन टीकाकरण भारत और ब्रिटेन में क्रमश: सामने आए बी.1.617 और बी.1.1.7 समेत कोरोना वायरस के सभी प्रमुख स्वरूपों के खिलाफ कारगर साबित हुआ है। कंपनी के मुताबिक, यह शोध राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के साथ मिलकर किया गया था। भारत बायोटेक की सह-संस्थापक एवं संयुक्त प्रबंध निदेशक सुचित्रा इला ने एक ट्वीट में कहा, कोवैक्सीन को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है, प्रकाशित हुए वैज्ञानिक शोध आंकड़े नए स्वरूपों के खिलाफ भी सुरक्षा को दर्शाते हैं। उन्होंने इस ट्वीट को प्रधानमंत्री कार्यालय, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन समेत अन्य को टैग किया है।

कोविशील्ड टीके की दूसरी खुराक को पहले से लिया समय वैध रहेगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह साफ किया कि कोविशील्ड टीके की दूसरी खुराक के लिए पहले से लिया गया समय (अप्वाइंटमेंट) वैध रहेगा और यह को-विन पोर्टल पर रद्द नहीं होगा। मंत्रालय ने कहा कि को-विन पोर्टल में आवश्यक बदलाव किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप पहली खुराक लेने के बाद लाभार्थी 84 दिन से कम समय की अवधि में ऑनलाइन समय प्राप्त नहीं कर पाएगा।

केंद्र ने 13 मई को कोविशील्ड टीके की पहली और दूसरी खुराक लेने के समय में अंतर बढ़ाकर 12-16 सप्ताह कर दिया था। मंत्रालय ने कहा, भारत सरकार ने इस बदलाव के संबंध में राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को सूचित किया है। कोविशील्ड टीके की दूसरी खुराक लेने के लिए 12-16 सप्ताह के अंतराल को दर्शाने के लिए को-विन पोर्टल में भी आवश्यक बदलाव किए गए हैं।

बेंगलुरु में एक युवती को कोरोनारोधी टीका लगाती चिकित्साकर्मी

अगले तीन दिन में राज्यों को मिलेगी टीकों की 51 लाख खुराक

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के पास अब भी कोविड-19 टीके की 1.84 करोड़ से अधिक खुराक हैं तथा करीब 51 लाख खुराक शीघ्र आने वाली हैं जो अगले तीन दिनों में उन्हें दी जाएगी। उसने कहा कि केंद्र अब तक राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को टीके की 20 करोड़ (20,28,09,250) से अधिक खुराक मुफ्त दे चुका है। शनिवार शाम सात बजे के आंकड़े के हिसाब से 14 मई तक कुल उपभोग (जिसमें बर्बादी भी शामिल है) 18,43,67,772 खुराक रहा है।

बाजार

सेंसेक्स	48,691	
निफ्टी	14,696	
सोना	47,074	/10g
चांदी	70,807	/kg

क्विक न्यूज

आज से खुल जाएंगे केदारनाथ के कपाट

देहरादून। उत्तराखंड के उच्च हिमालई क्षेत्र में स्थित विश्वप्रसिद्ध केदारनाथ के कपाट छह माह के शीतकालीन अवकाश के बाद सोमवार को सुबह पांच बजे खोल दिए जाएंगे जहां पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से की जाएगी। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी कोविड-19 के कारण कपाटोद्घाटन के दौरान श्रद्धालु उपस्थित नही रह पाएंगे और तीर्थ पुरोहितों समेत सीमित लोगों की मौजूदगी में ही विधि विधान के साथ कपाट खोलने का समारोह होगा। समारोह के लिए मंदिर को फूलों से सजाया जा रहा है। मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने बाबा केदार के धाम के पट खुलने पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए उनसे अपील की कि वे अपने घरों में रहकर ही पूजा अर्चना करें।

मृतकों की सम्मानजनक हो विदाई और गंगा भी रहे स्वच्छ

● केंद्र ने राज्यों को सौंपी जिम्मेदारी, नदी में न फेंके जाएं शव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र ने रविवार को उत्तर प्रदेश एवं बिहार को निर्देश दिया कि शवों को गंगा और इसकी सहायक नदियों में फेंकने पर रोक लगाई जाए तथा उनके सुरक्षित एवं सम्मानजनक अंतिम संस्कार पर जोर दिया जाए। यह निर्देश ऐसे समय दिया गया है जब हाल में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बहुत तेजी से बढ़ने के बाद इन नदियों में अनेक शव तैरते मिले थे। केंद्र ने 15-16 मई को हुई एक समीक्षा बैठक में कहा कि हाल ही में शवों, आंशिक रूप से जले एवं क्षत-विक्षत शव प्रवाहित करने के कई मामले सामने आए हैं जो अत्यंत अनुचित एवं चिंताजनक है।

फाइल फोटो

जलशक्ति मंत्रालय ने कहा, नमामि गंगे (मिशन) राज्यों को गंगा में शवों को प्रवाहित करने पर रोक लगाने और उनके सुरक्षित निस्तारण एवं सम्मानजनक अंतिम संस्कार पर बल देने निर्देश देता है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को स्वास्थ्य विभागों के साथ मिलकर बार-बार पानी की गुणवत्ता की निगरानी करने का निर्देश दिया गया है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को संपूर्ण निगरानी, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों का मार्गदर्शन करने एवं इस विषय में उच्चस्तरीय मूल्यांकन करने का जिम्मा सौंपा गया है। मंत्रालय ने कहा कि अंतिम संस्कार के वास्ते सहयोग को उच्च प्राथमिकता देने की जरूरत है, साथ ही सरकारी आदेशों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की जरूरत है तथा ए सारे काम अविलंब किए जाएं। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक राजीव रंजन मिश्रा द्वारा 11 मई को इस संबंध में जिलाधिकारियों को परामर्श जारी किया गया था। इसके बाद नदियों में शवों को फेंके जाने से रोकने तथा कोविड-19 के मरीजों के शवों का अंतिम संस्कार पर्यावरण दिशा-निर्देशों के अनुसार सुनिश्चित करने के लिए मुख्य सचिवों को पत्र लिखा गया। जलशक्ति मंत्रालय के सचिव पंकज कुमार की अध्यक्षता में 15 मई को हुई बैठक में इस संबंध में उत्तर प्रदेश और बिहार द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा की गई तथा आगे की कार्रवाई के बिन्दुओं पर निर्णय किया गया।

गांवों को कोरोना से बचाने के लिए केंद्र ने जारी किए दिशा-निर्देश

● बिना लक्षण वाले या हल्के लक्षण वाले मरीजों के लिए न्यूनतम 30 बिस्तर वाले कोविड देखभाल केंद्र बनाने की सलाह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ग्रामीण इलाकों में कोविड-19 के मामले बढ़ने पर केंद्र ने रविवार को इस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए नए दिशा निर्देश जारी किए हैं। सरकार ने शहरी क्षेत्रों से सटे इलाकों और ग्रामीण इलाकों में जहां घर पर पृथक वास संभव नहीं है वहां दूसरी बीमारियों से ग्रसित बिना लक्षण वाले या हल्के लक्षण वाले मरीजों के लिए न्यूनतम 30 बिस्तर वाले कोविड देखभाल केंद्र बनाने की सलाह दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उप केंद्रों या स्वास्थ्य केंद्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों समेत सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में रैपिड एंटीजन जांच (आरएटी) किट्स उपलब्ध होनी चाहिए।

कोविड देखभाल केंद्र (सीसीसी) किसी संदिग्ध या संक्रमित व्यक्ति को भर्ती कर सकते हैं लेकिन उनके लिए अलग जगह और साथ ही उनके प्रवेश तथा निकासी के लिए अलग व्यवस्था होनी चाहिए।

एसओपी में कहा गया है, संदिग्ध और संक्रमित व्यक्ति को किसी भी परिस्थिति में एक साथ नहीं रखा जाना चाहिए। एसओपी के अनुसार, हर गांव में इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारी, गंभीर श्वसन संबंधी संक्रमण के मामलों पर गांव की स्वास्थ्य स्वच्छता तथा पोषण समिति की मदद से निगरानी की जानी चाहिए। बीमारी के लक्षण वाले मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) फोन पर परामर्श दे सकते हैं और अन्य बीमारी से पीड़ित या कम ऑक्सीजन स्तर वाले मरीजों को उच्च केंद्रों में भर्ती कराया जाना चाहिए। एसओपी में कहा गया है कि सीएचओ और एएनएम को रैपिड एंटीजन जांच करने में प्रशिक्षित होना चाहिए। मामले बढ़ने और मामलों की संख्या के आधार पर जितना संभव हो संपर्क में आए लोगों का पता लगाया जाए। एसओपी में कहा गया है, कोविड-19 के करीब 80-85 प्रतिशत मामले बिना लक्षण, हल्के लक्षण वाले होते हैं। इन मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत नहीं होती और इनका घर पर या कोविड देखभाल पृथकवास केंद्रों में इलाज किया जा सकता है।

कोरोना की चेन तोड़ने में विशेष स्वच्छता अभियान बना मददगार

● कुल 58194 ग्राम पंचायतों और 97509 राजस्व ग्रामों में 86663 कर्मियों ने साफ-सफाई सैनेटाइजेशन और फॉगिंग कार्य किया, अभी तक अभियान दिवसों में 62611 राजस्व ग्रामों में विशेष सफाई अभियान चलाए गये

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण की जंग में योगी सरकार का विशेष स्वच्छता अभियान मील का पत्थर साबित हो रहा है। सरकार का मानना है कि गांवों में कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने में अभियान की अहम योगदान है।

गांव-गांव तक की जा रही साफ-सफाई संक्रामक रोगों का प्रसार कम कर रही है। सरकार प्रत्येक व्यक्ति की जान बचाने के लिये कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती है। इसके लिये उसने ग्रामीण इलाकों में बड़े स्तर पर स्वच्छता अभियान चला रखा है। इस तरह का अभियान चलाने वाले प्रदेशों में यूपी ने पहले स्थान पा लिया है। गौरतलब है कि कोरोना की पहली लहर के दौरान भी योगी सरकार के कोविड मैनेजमेंट की डब्ल्यूएचओ समेत देश और दुनिया में जम कर तारीफहुई थी।

यूपी के समस्त ग्राम पंचायतों में साप्ताहिक बंदी, शनिवार और रविवार को विशेष सफाई अभियान चलाए जा रहे हैं। क्षेत्र पंचायतों में रविवार तक कुल 58194 ग्राम पंचायतों और 97509 राजस्व ग्रामों में 86663 कर्मियों ने साफ-सफाई सैनीटाइजेशन और फॉगिंग कार्य किया गया है। अभी तक अभियान दिवसों में 62611 राजस्व ग्रामों में विशेष सफाई अभियान चलाए गये हैं। सरकार के निर्देश पर कुल 32966 राजस्व ग्रामों में ब्लीचिंग पाउडर और सोडियम हाइपोक्लोराइड का छिड़काव किया गया है। कुल 14096 राजस्व ग्रामों में फॉगिंग कराई गई है।

बीमारी की चेन तोड़ने में लगी सरकार के प्रयासों से पहली बार गांवों में विशेष स्वच्छता अभियान के दौरान नालियों की सफाई, ग्राम पंचायतों में स्थापित हैण्डपम्पों के चबूतरों की मरम्मत कराई गई है। सरकार को गांवों में भी टेस्ट, ट्रेस और ट्रीट के मूलमंत्र से रोज बड़ी सफलता मिल रही है। निगरानी समितियां बीमारी को रोकने के लिये ढाल बन गई हैं। गांव-गांव में कोरोना वायरस के खात्मे के लिये तिगुनी ताकत से आर पार की लड़ाई में जुटी हैं। निगरानी समितियों के सदस्य रोज 14403 मेडिकल किटों का वितरण कर रहे हैं। अभी तक कुल 254720 मेडिकल किट का वितरण ग्रामीण क्षेत्रों में किया जा चुका है।

योगी सरकार के बीमारी को मात देने के लिये किये जा रहे प्रयासों का ही असर है कि अब प्रदेश के लोगों को समझ में आने लगा है कि कोविड 19 के संक्रमण को रोकने में स्वच्छता बेहद जरूरी है। प्रदेश में गठित 60569 निगरानी समितियों के 4 लाख सदस्य प्रतिदिन एक एक व्यक्ति के घर तक पहुंच रहे हैं। ग्राम पंचायत स्तर पर गठित समितियों के सदस्य नियमित रूप से लोगों की व्यक्तिगत स्वच्छता पर ध्यान दे रहे हैं। उनको नियमित रूप से साबुन से हाथ धोने आदि विषय में जागरूक कर रहे हैं।

सरकार की कुनीतियों के चलते अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमराई: अखिलेश यादव

● कहा- भाजपा की नीति और नीयत में खोट, देश-प्रदेश महंगाई की मार से कराह रहा है, किसान बेहाल है

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि कोरोना संकट काल में प्रबंधन में भारी नाकामी, बड़ी तादाद में शहरों और गांवो में हो रही मौतों से व्यापक जनरोष तथा पंचायत चुनावों में सपा के मुकाबले पिछड़ जाने से खिसियायी और बिलबिलायी भाजपा सरकार जनता से बदला लेने के लिए आपदा में आपदा खड़ी करने के फार्मूले पर उतर आई है। भाजपा की नीति और नीयत में खोट के चलते ही देश-प्रदेश मंहगाई की मार से कराह रहा है, किसान बेहाल है, नौजवान बेकारी का शिकार है और इस सबसे संवेदनशून्य भाजपा सरकार ने केवल अपना घर भरने और सत्ता सुख के संसाधन जुटाने में ही चार साल बिता दिए हैं और आज भी वह इसी एजेंडा पर काम कर रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की कुनीतियों के चलते प्रदेश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। उद्योग धंधे और व्यापार ठप्प है। श्रमिक बेरोजगारी में नमक-रोटी भी नहीं जुटा पा रहे है। पेट्रोल-डीजल के दामो में लगातार होने वाली बढ़ोत्तरी से परिवहन मंहगा होने के साथ खाद्य पदार्थो का भी बाजार में अभाव हो रहा है। वस्तुत: भाजपा सरकार ने पहले ही आपदा को अवसर में बदलने का जो मंत्र पूंजी घरानों को दिया है उसका अनुसरण भाजपा सरकारें भी कर रही है। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार ने चार वर्ष में विकास की जगह सिर्फसमाजवादी सरकार के कामों पर अपने नाम का ठप्पा लगाने का ही काम किया है। हर मोर्चे पर उसकी विफलता से जनता में भारी रोष है। भाजपा नेतृत्व को भी मालूम है कि पश्चिम बंगाल की कहानी उसके साथ यूपी में भी दुहराई जाएगी, इससे वह अब प्रदेशवासियों को हर तरह से परेशान करने और मंहगाई की मार से उसकी कमर तोड़ देने का कोई अवसर कोरोना संकट से अपनी जिंदगी बचाने की जद्दोजहद से जूझ रहे लोगों को नहीं देना चाहेगी। भाजपा सरकार का यह डरावना चेहरा जनता के सामने आ चुका है जनता इसे कभी माफनहीं करेगी।

आर्थिक पैकेज की घोषणा करे प्रदेश सरकार: शिवपाल यादव

● रेहड़ी, पटरी, खोमचा लगाने वाले व दिहाड़ी मजदूरों के लिए राज्य सरकार द्वारा घोषित एक हजार का भत्ता नाकाफी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पूर्व मंत्री एवं प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया प्रमुख शिवपाल सिंह यादव ने प्रदेश सरकार द्वारा कोविड आपदा को ध्यान में रखकर रेहड़ी, पटरी, खोमचा लगाने वाले व दीगर दिहाड़ी मजदूरों के लिए एक माह हेतु एक हजार रुपए के भत्ते को नाकाफी बताया है और इसे बढ़ाकर प्रति माह 3,000 रुपये किए जाने का आग्रह किया है। इसी क्रम में शिवपाल यादव ने इस वैश्विक आपदा से प्रभावितों के लिए एक समावेशी और लोककल्याणकारी आर्थिक पैकेज की भी मांग की है।

शिवपाल यादव ने कहा है कि लॉकडाउन से उपजी विपरीत परिस्थितियों में रोजाना कमाई कर परिवार का भरण पोषण करने वाले रेहड़ी, पटरी, ठेला, खोमचा आदि लगाने वाले पटरी दुकानदारों, दिहाड़ी मजदूरों, रिक्शा चालक, पल्लेदार सहित नाविकों, नाई, धोबी, मोची, हलवाई आदि जैसे परम्परागत कामगारों के सामने भी रोजी रोटी का भयानक संकट आ खड़ा हुआ है। ऐसे में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एक माह के लिए प्रदान किया जाने वाला 1000 रुपए का भरणपोषण भत्ता अत्याधिक कम है। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि इसे न्यूनतम तीन माह के लिए प्रति माह 3000 किया जाए। शिवपाल यादव ने आगे यह भी कहा है कि निर्मम कोरोना काल में घर वापस लौटने वाले लाखों प्रवासी मजदूर, सब्जी, फल व दुग्ध उत्पादक, मुर्गीपालक, मत्स्य पालक व लघु पशुपालक और अन्नदाता भी भयानक आर्थिक चुनौतियों से लड़ रहे हैं। आपदा से छोटे व मध्यम व्यवसायी बुरी तरह से प्रभावित हैं। उन्होने कहा कि मेरा यह भी आग्रह है कि राज्य व केंद्र सरकार इनकी परेशानियों को ध्यान में रखकर एक समावेशी और लोककल्याणकारी आर्थिक पैकेज की भी घोषणा करे।

पुलिसलाइनों में बने कोविड केयर सेन्टर दे रहे जवानों को राहत

● कुल 589 पुलिसकर्मी हुए थे संक्रमित, 244 हो चुके डिस्चार्ज, 322 को मिल रहा इलाज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना की लड़ाई में अहम भूमिका निभा रही पुलिस पर सीएम योगी का ध्यान है। उन्होंने पिछले दिनों पुलिस लाइनों में कोविड केयर सेन्टर बनाने के निर्देश दिये थे। सीएम के इन निर्देशों के बाद राज्य की 66 पुलिस लाइनों तथा 34 पीएसी वाहिनियों में कोविड केयर सेंटरों की स्थापना हो चुकी है और संक्रमितों को इलाज मिलना भी शुरू हो गया हैं।

वैश्विक महामारी में सुबह से शाम तक लोगों को कोरोना से बचाने, आंशिक कोरोना कर्फ्यू का पालन कराने और कानून व्यवस्था बनाए रखने वाले पुलिसकर्मी और पीएसी के जवानों, जीआरपी के जवान रात दिन जुटे हैं। सरकार के निर्देश पर फ्रंटलाइन पर काम करने वाले कर्मयोगियों (पुलिसकर्मी और पीएसी जवान) के इलाज के लिये पुलिस लाइनों में कुल 2993 बेड के कोविड केयर सेन्टर बनाए गये हैं जिनमें से 299 ऑक्सीजन वाले बेड हैं जबकि पीएसी वाहिनियों में जवानों को बेहतर इलाज की सुविधा देने के लिये कुल 628 बेड उपलब्ध कराए गये हैं। इनमें से 45 ऑक्सीजनयुक्त बेड हैं।

सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक कोविड केयर सेन्टर में कुल 589 पुलिसकर्मी भर्ती हुए जिनमें से 244 पुलिसकर्मी निगेटिव होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं जबकि 322 पुलिसकर्मी वर्तमान में इलाज प्राप्त कर रहे हैं। जीआरपी की ओर से 107 बेडों और प्रशिक्षण निदेशालय द्वारा 236 बेडों का कोविड केयर सेन्टर संचालित किया जा रहा है। सरकार के निर्देशों पर तत्काल दी जा रही इलाज की सुविधा से पुलिसकर्मी और पीएसी जवानों बीमारी को मात देकर स्वस्थ हो रहे हैं।

प्रदेश सरकार के निर्देश पर यूपी पुलिस की ओर से बनाए गये कोविड केयर सेंटरों के लिये पुलिस लाइन में जगह नहीं मिलने पर उनको कमिश्नरेट पुलिस लाइनों या फिर स्टेडियमों में संचालित जा रहा है । हमीरपुर, सिद्धार्थनगर व उन्नाव में पुलिस लाइन्स के बैरकों को आइसोलेशन वार्ड (कोविड केयर सेन्टर) के रूप में स्थापित किया गया है। उनको स्वास्थ्य संबंधी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश सरकार ने दिये हैं। वाराणसी ग्रामीण में पुलिस लाइन न होने के कारण कमिश्नरेट पुलिस लाइन में कोविड केयर सेन्टर संचालित किया जा रहा है। चन्दौली में चकिया राजकीय अस्पताल में, गोरखपुर में वीर बहादुर स्पोर्ट्स स्टेडियम के गर्ल्स हॉस्टल को कोविड केयर सेन्टर और श्रावस्ती में जिला अस्पताल में कोविड केयर सेन्टर चल रहा है।

यूपी के कुछ जनपदों के पुलिस विभाग ने अपने संसाधनों से अधिक संख्या में बेडों की व्यवस्था की है। इनमें गोरखपुर में 200 बेड, अलीगढ़ में 120 बेड, हरदोई में 110 बेड, गाजियाबाद में 40 ऑक्सीजनयुक्त सहित 90 बेड बढ़ाए गये हैं। बहराइच में 60 बेडए मुजफ्फरनगर में 16 ऑक्सीजनयुक्त सहित 66 बेड, लखनऊ कमिश्नरेट में 20 ऑक्सीजन वाले बेड सहित 57 बेड हो गये हैं। मेरठ में सभी 30 ऑक्सीजनयुक्त बेड, गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में 10 ऑक्सीजनयुक्त सहित 52 बेड, कानपुर कमिश्नरेट में सभी 16 ऑक्सीजनयुक्त बेड और वाराणसी कमिश्नरेट में 54 बेडों का कोविड केयर सेन्टर संचालित किया जा रहा है।

कालाबाजारी करने वालों को सबक

लखनऊ। यूपी पुलिस जहां बीमारी से बचाव के लिये सभी उपाय करने में जुटी है वहीं आपदा के समय में भी जीवनरक्षक औषधियों, ऑक्सीजन सिलेण्डरों और चिकित्सीय उपकरणों की कालाबाजारी करने वालों को सबक भी सिखा रही है। यूपी पुलिस ऐसे अपराधियों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। अब तक कुल 160 लोगों को गिरफ्तार करते हुए 1256 जीवनरक्षक इंजेक्शन, 1350 ऑक्सीजन सिलेण्डर, 18 ऑक्सीजन कन्संट्रेटर, 844 ऑक्सीमीटर 05 ऑक्सीजन रेगुलेटर, 9 ऑक्सीजन फ्लोमीटर और अन्य उपकरणों एवं वाहनों को जब्त कर कुल 62 लाख 70 हजार 710 रूपये बरामद किये हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जनपदों के कप्तानों को निर्देश दिये हैं कि ऐसे सभी अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करें जो आपदा के समय भी कालाबाजारी करने में जुटे हैं।

बिजली उपभोक्ताओं पर रेग्यूलेटरी सरचार्ज बढ़ाने का विरोध तेज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में बिजली उपभोक्ताओं पर बोझ डालने के प्रयास को लेकर विद्युत उपभोक्ता परिषद ने मोर्चा खोल दिया है। विद्युत उपभोक्ता परिषद ने सोमवार को विद्युत नियामक आयोगी की होने वाली सुनवाई में पोल खोलने की चेतावनी दी है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने आयोग में याचिका दाखिल कर बिजली कम्पनियों के प्रस्ताव को असंवैधानिक करार दिया और उसे खारिज करने की मांग की। उन्होने कहा कि 2019 का टैरिफ आदेश तीन साल बाद रिवाइज्ड करने की बात करना अधिनियम 2003 का उल्लंघन है।

उन्होंने कहा कि नियमानुसार ऐसे किसी भी आदेश पर 90 दिन के अंदर पुनर्विचार हो सकता है मगर यहाँ तीन साल बाद की टैरिफ संशोधन की बात करना पूरी तरह असंवैधानिक व हास्यास्पद है। राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने जनहित में ऑनलाइन एक याचिका विद्युत नियामक में दाखिल कर बिजली कम्पनियों के प्रस्ताव को खारिज करने की मांग की। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष नियामक आयोग चेयरमैन आरपी सिंह से बात कर अपनी याचिका उन्हें भी भेजते हुए उपभोक्ताओ के साथ न्याय करने की मांग उठाई और कहा इस कोरोना संकट में उपभोक्ताओ की बिजली दरों में रहत दिलाई जाए। उन्होंने कहा कि कल की सुनवाई में उपभोक्ता परिषद् सबकी पोल खोलकर फिर उपभोक्ताओं की जीत कराएगा और प्रदेश के उपभोक्ताओ को जो बिजली कम्पनियों पर लगभग 19537 करोड़ निकल रहा है, उसके एवज में बिजली दरों में कमी कराने के लिए पूरी ताकत झोंकेगा । उपभोक्ता परिषद् ने अपनी याचिका में जो सवाल खड़ा किया है। उसमें बिजली कम्पनियों का प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं पर वर्ष 2000 से लेकर अब तक 49827 करोड़ रुपया निकल रहा है। बिजली कम्पनियों ने मांग उठाई है की टैरिफ आदेश तीन सितम्बर 2019 को संशोधित कर रेगुलेटरी सरचार्ज तय किया जाए जो असंवैधानिक है।

मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन प्रदेश के दस अस्पतालों में लगाएगा आक्सीजन प्लांट

● लखनऊ में दो और गौतमबुद्धनगर, कानपुरनगर, बिजनौर, अमेठी, देवरिया, इटावा, मथुरा व पीलीभीत के एक-एक अस्पताल में उपलब्ध होगी सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

देश को स्वास्थ्य समेत विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग प्रदान करने वाला बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) उत्तर प्रदेश के दस अस्पतालों में प्रेशर स्विंग एडसॉर्प्शन आक्सीजन प्लांट स्थापित करेगा। फाउंडेशन ने इसके लिए 10 अस्पतालों की सूची उत्तर प्रदेश शासन से मांगी थी, जिसके तहत लखनऊ के दो अस्पतालों और नौ अन्य जिलों के एक-एक अस्पताल में आक्सीजन प्लांट लगाये जायेंगे।

विशेष सचिव प्रांजल यादव के मुताबिक जिन अस्पतालों में पीएसए आक्सीजन प्लांट लगने हैं, उनके मुख्य चिकित्सा अधीक्षक-अधीक्षिका को पत्र भेजकर इस बारे में उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। इनमें लखनऊ के अवन्तीबाई महिला चिकित्सालय व आरएसएम हास्पिटल-साढ़ामऊ, गौतमबुद्धनगर के 300 बेड कोविड हास्पिटल, कानपुरनगर के मान्यवर कांशीराम ट्रामा सेंटर, अमेठी के डीसीएच गौरीगंज, बिजनौर के जिला चिकित्सालय, देवरिया के जिला चिकित्सालय, इटावा के जिला चिकित्सालय, मथुरा के कम्बाइंड हास्पिटल वृन्दावन और पीलीभीत के जिला चिकित्सालय में प्लांट स्थापित किये जायेंगे। विशेष सचिव की तरफ से जारी आदेश में इन अस्पतालों के अधीक्षक-अधीक्षिका को प्लांट स्थापित करने के सम्बन्ध में डॉ देवेन्द्र खंडैत डिप्टी डायरेक्टर एंड कंट्री लीड स्टेट हेल्थ सिस्टम इण्डिया, कंट्री आफिस बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन से संपर्क स्थापित करने को कहा गया है।

वैक्सीन लगवाने के नियमों में बदलाव पर रालोद ने उठाये सवाल

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनुपम मिश्रा ने केंद्र सरकार द्वारा वैक्सीन लगाने के नियमों में किए गए बदलाव पर सवाल करते हुए पूछा कि यह बदलाव किसके दबाव में आकर किए जा रहे हैं ,क्या सरकार ने मान लिया है कि वांछित टीका उपलब्ध कराने में वह विफल हो गई है और ऐसा क्यों है कि यह बदलाव सिर्फएक टीका के साथ है, दूसरे के साथ क्यों नहीं है ऐसे समय दो टीकों के मध्य के अन्तराल को कम करने का क्या औचित्य है, जब ब्रिटेन आदि देशों के द्वारा अपने यहाँ यह अंतराल घटाया जा रहा है।

अनुपम मिश्रा ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार अपनी विफलताओं व नाकामियों को छिपाने के लिए पहली व दूसरी डोज़ के मध्य में 12 और 16 हफ्ते का अंतर कर रही है ताकि टीकों की अनुपलब्धता व स्वयं की गैर जि मेदाराना कार्यशैली पर किसी तरह पर्दा डाला जा सके। आज सरकार नाम की कोई चीज ही नहीं है। ऐसा प्रतीत ही नहीं होता है जैसे सब कुछ भगवान के भरोसे चल रहा है। सरकार द्वारा यदि यह टीकों के मध्य का अंतर बिना किसी वैज्ञानिक अध्ययन, बिना किसी वैज्ञानिक सलाह के सिर्फनाकामियों को छुपाने के लिए किया जा रहा है तो यह एक भयानक त्रासदी के अतिरिक्त और कुछ नहीं होगा। सरकार देश की जनता के समक्ष इसकी वैधानिकता व शोध के समस्त दस्तावेज रखें, क्योंकि यह आम जनमानस के जीवन से जुड़ा हुआ निर्णय हैं। वहीं पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अनिल दुबे ने हिसार में किसानो पर हुए लाठीचार्ज की कड़े शब्दों में निंदा की है।

चारबाग रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की स्क्रीनिंग करते स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी

ग्राम पंचायतों के निर्धन परिवारों को अंत्येष्टि के लिए मिलेंगे पांच हजार रुपए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● नदियों में मिल रहे शवों का संज्ञान लेकर उठाया गया कदम, जिलाधिकारियों को दिए गए निर्देश

कोरोना संक्रमण अथवा अन्य कारणों के चलते नदियों में मिल रहे शवों को संज्ञान में लेते हुए राज्य सरकार अंत्येष्टि को लेकर निर्धन परिवारों की मदद करेगी। इसके लिए सरकार की तरफ से पारंपरिक रीति रिवाज के जरिये अंतिम संस्कार के लिए 5000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। सरकार की तरफ से इस बाबत नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों के माध्यम से मदद सुनिश्चित कराने के लिए जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

अपर मुख्य सचिव पंचायती राज मनोज सिंह के स्तर से जारी आदेश के मुताबिक प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक निर्धन व निराश्रित परिवारों में मृत्यु होने पर राज्य वित्त आयोग की तरफ से 5000 दिए जाने के आदेश जारी किए गए हैं। कोविड से मृत्यु होने पर भी 5000 की आर्थिक मदद दिए जाने के आदेश जारी हुए हैं। इस दशा में निर्धन व निराश्रित परिवारों में मौत होने पर अंतिम संस्कार के लिए ग्राम पंचायत 5000 रुपये खर्च करेगी। इसलिए नव निर्वाचित ग्राम प्रधानों को निर्देश है कि जारी धनराशि का उपयोग अंतिम संस्कार पर किये जायें साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए की नदी में कोई शव प्रवाहित न हो।

वही नगरीय इलाकों के लिए जारी निर्देश में कहा गया है कि अंतिम संस्कार के लिए बजट का अभाव नहीं है। इसलिए कोविड 19 अथवा पंथ परंपरा के अनुसार नदी में शव को प्रवाहित न किया जाए। पंथ परंपरा के अनुसार शव प्रवाहित करने वालों को इसके कुप्रभाव समझाएं जाए। साथ ही कोविड 19 इनके अनुसार अंत्येष्टि कराई जाए।

शिक्षा के साथ बच्चों को मिला रोशनी का अधिकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● राष्ट्रपति के गांव परौंख सहित अनेक गांवों की जिन्दगी में हुआ उजाला, गांव में स्कूली बच्चों को सोलर लैंप मात्र 100 रुपए में हो रहा है उपलब्ध

● महिलाओं और बालिकाओं को मिल रहा सुरक्षा, सम्मान के साथ स्वावलंबन प्रदान करने वाली योजनाओं का लाभ

योगी सरकार गांवों में पढ़ने वाले स्कूली बच्चों में शिक्षा की अलख जगाने और गांव गांव में अंधकार को मिटाकर में जुटी है। गांव में शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चों के लिये सस्ते सोलर लैम्प बनाएं हैं जो उनकी पढ़ाई में मददगार बन रहे हैं। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने सीएसआर फंड से इस अनोखी पहल को साकार कर दिखाया है। बाजारों में 500 रुपये की कीमत के मिलने वाले लैम्प को इन महिलाओं ने स्कूली बच्चों को मात्र 100 रुपये में उपलब्ध कराया है।

योगी सरकार इससे पहले 28 लाख सोलर लैम्प यूपी के 75 ब्लाक और 30 जनपदों में स्कूली बच्चों को बांट चुकी है। इनको चार हजार महिलाओं ने तैयार किया था। प्रदेश सरकार के प्रयासों से स्कूली बच्चों को अब शिक्षा के साथ रोशनी का अधिकार भी मिल रहा है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के प्रेरणा ओजस कार्यक्रम के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाएं सोलर लैम्प बनाकर आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही हैं। प्रेरणा ओजस कार्यक्रम के तहत प्रथम चरण में ब्लाक डेरापुर के ग्राम परौंख में (ग्राम सभा-परौंख राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का पैतृक गांव है) 18 समूहों के अंतर्गत चयनित कर 35 महिलाओं को सस्ती कीमत के सोलर लैम्पों के निर्माण व विक्रय के लिए प्रशिक्षण देकर एक इकाई स्थापित की गयी है। प्रेरणा ओजस कार्यक्रम के सीईओ शैलेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि समूह की महिलाओं को प्रति लैंप निर्माण का 12 रूपये तथा प्रति लैंप बिक्री का 17 रुपये दिया जाता हैए जिससे उनकी आमदनी 250-300 रुपये प्रतिदिन हो जाती है। लैम्प में खराबी आने पर रिपेयरिंग भी करती है इस लैम्प की वारंटी 28 फरवरी 2022 तक है। अभी तक 1000 सोलर लैम्पों को बना कर ब्लाक के परिषदीय स्कूलों के छात्रों को 100 रुपये प्रति लैंप के मूल्य में विक्रय किये जा चुके हैं, जिससे ग्रामीण बच्चों को पठन पाठन में सुविधा हो रही है। अभी तक इन महिला समूह इकाइयों को सोलर लैम्प विक्रय करने से एक लाख रुपये प्राप्त हो चुके हैं । समूह की महिलाओं को आगे चलकर योजना के तहत उद्यमी बनने का भी सुनहरा मौका भी मिलेगा। प्रेरणा ओजस के सीईओ शैलेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि जब सोलर लैम्प का वितरण लक्ष्य पूरा हो जाएगा तो यही महिलाएं आगे चलकर सौर उद्यमी बनेगी। इनको ब्लाक के विभिन्न कस्बों एवं बाजारों में प्रेरणा सोलर स्मार्ट शॉप खुलवाने में आर्थिक सहायता दी जाएगी महिलाएं सोलर शॉप पर विभिन्न तरह के सोलर प्रोडक्ट लालटेन, टॉर्च, लैम्प ,सोलर पंखा, पैनल ,एलईडी बल्ब की मरम्मत व बिक्री करेंगी।

पीडियाट्रिक आईसीयू हो रहा तैयारः डॉ. तिवारी

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

कोरोना की संभावित तीसरी लहर का सामना करने के लिए शासन.प्रशासन ने अभी से सारी तैयारियां शुरु कर दी है। आशंका है कि तीसरी लहर में बच्चों पर इसका ज्यादा प्रभाव पड़ सकता हैए जिसके लिए जिले में अभी से सारे इंतजाम शुरु हो गए हैं। मंत्री नीलकंठ तिवारी ने बताया कि कोरोना की तीसरी लहर अगर आती है तो उसके इलाज को लेकर व्यवस्थाएं की जी रही है। उन्होंने बताया कि सौ बेड का पीडियाट्रिक आईसीयू तैयार हो रहा है। पर्यटनए संस्कृतिए धर्मार्थ कार्य और प्रोटोकॉल राज्यमंत्री डॉक्टर नीलकंठ तिवारी ने बताया कि सौ बेड के आइसीयू के साथ ही साथ वाराणसी के सभी जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन द्वारा वर्चुअल माध्यम से वाराणसी के बाल रोग विशेषज्ञों के साथ बैठक भी की गई। उन्होंने बताया कि सभी चिकित्सकों द्वारा एक पूरा राइटअप किया जा रहा हैंए जिसमें क्या.क्या जरुरत हैए क्या आवश्यक्ताएं होंगी और कैसे इस तीसरी लहर से बचा जा सकता है। यह तैयार किया जा रहा हैए जो एक दो दिन में तैयार भी हो जाएगा। इसे हमलोग विभिन्न माध्यमों से जागरुकता के लिए बटवाएंगे। मंत्री नीलकंठ ने बताया कि रविवार को सीबीएसई बोर्ड के जो बड़े विद्यालय हैंए उनके साथ भी वर्चुअल मीटिंग हुई हैए जिसमें विद्यालय प्रबंधन के लोगों से आग्रह किया गया कि राइटअप के आधारा पर फोनए वर्चअल व जन जागरुकता माध्यम से इसे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाएंए जिससे संभावित तीसरी लहर की तैयारी पूरी रहे। उन्होंने कहा कि इस महामारी से निजात पाने के लिए पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने जिस गति से संघर्ष किया है वह सराहनीय हैए जिस स्तर पर शासन. प्रशासन 10.15 दिनों में दूसरी लहर को काबू करने में कामयाब रहा यह अद्भूत और अभूतपूर्व है।

ठेला व्यवासियों को सलाह के साथ दवा वितरित की गई

वाराणसी। प्रदेश में कोरोना के लक्षणयुक्त मरीजों को बेहतर इलाज देकर उन्हें स्वस्थ करने के लिए सीएम योगी द्वारा अभियान चलाया गया है। पीएम के टेस्ट ट्रैक और ट्रीट अभियान का असर अब दिखने भी लगा हैए जिले में कोविड मरीजों के दर में कमी भी आई है। मंत्री नीलकंठ तिवारी ने बताया कि कोरोना की दूसरी लहर पर एक प्रभावी नियंत्रण सीएम योगी के नेतृत्व में किया गया। प्रदेश में कोरोना के लक्षणयुक्त मरीजों को बेहतर इलाज देकर उन्हें स्वस्थ करने के लिए सीएम योगी द्वारा अभियान चलाया गया है। पीएम के टेस्ट ट्रैक और ट्रीट अभियान का असर अब दिखने भी लगा हैए जिले में कोविड मरीजों के दर में कमी भी आई है। मंत्री नीलकंठ तिवारी ने बताया कि कोरोना की दूसरी लहर पर एक प्रभावी नियंत्रण सीएम योगी के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने कहा कि काशी में सबसे पहले दवा वितरण का यह अभियान चलाया गया। विश्वनाथधाम ट्रस्ट के माध्यम से दवाओं का किट बनाकर लोगों में वितरित किया गया और इसका बड़ा ही प्रभावी असर पड़ा है। जैसे ही दवा शुरु हो जा रही हैए तीन.चार दिन के अंदर मरीज स्वस्थ हो जा रहा। मरीज की स्थिति सिरियस नहीं हो रही क्योंकि समय पर उसे दवा उपलब्ध हो जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इन सभी प्रमुख बातें को ध्यान में रखते हुए आज विशेष कोविड.19 संबंधित प्राथमिक लक्षण दिखने पर चिकित्सकीय सलाह एवं निशुल्क दवा वितरण किया जा रहा है और शहर भर के स्ट्रीट फूड वेंडरए नाई व अन्य प्रकार के सभी पथ विक्रेताओं को शामिल किया गया है।

कर्फ्यू के आए सकारात्मक परिणामः राजभर

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शनिवार को हुई मंत्री परिषद् की बैठक में कोरोना कर्फ्यू की अवधि को 24 मई तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इस बारे में पूरी जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने सर्किट हाउस में रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कोरोना कर्फ्यू के बेहतर परिणाम को देखते हुए सीएम योगी द्वारा रखी गई मंत्री मंडल की बैठक में इसे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शनिवार को हुई मंत्री परिषद् की बैठक में कोरोना कर्फ्यू की अवधि को 24 मई तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इस बारे में पूरी जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने सर्किट हाउस में रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कोरोना कर्फ्यू के बेहतर परिणाम को देखते हुए सीएम योगी द्वारा रखी गई मंत्री मंडल की बैठक में इसे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। मंत्री अनील राजभर ने बताया कि जिनके पास राशन कार्ड नहीं हैए उनका भी अविलंब नया राशन कार्ड बनाकर उन लोगों को भी लाभ पहुंचाने का सरकार ने फैसला लिया है। इसके अलावा जनपद के मल्लाहए मोचीए माली और नाई समाज के लोगों को भी 1 हजार रुपये की मदद करने का फैसला सरकार ने लिया है। उन्होंनो बताया कि नगर निगम में 18 प्लस के लोगों का वैक्सीनेशन हो

दर्शन करने के गई युवती से गैंगरेप

● पिता की तहरीर पर तीन आरोपियों पर मुकदमा हुआ दर्ज

संवाददाता। बीजपुर/सोनभद्र

स्थानीय थानाक्षेत्रान्तर्गत स्थित मोटकी पहाड़ी के नीचे जंगल में शनिवार को एक लड़की के साथ हुए गैंगरेप के मामले में बीजपुर पुलिस ने रविवार को लड़की के पिता की तहरीर पर गैंगरेप में शामिल तीनों आरोपियों पर मुकदमा पंजीकृत कर सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रविवार को बीजपुर थाना में पीड़िता के पिता ने आकर लिखित तहरीर के जरिए प्रभारी निरीक्षक देवतानंद सिंह को अवगत कराया कि शनिवार को दोपहर बाद दो बजे मेरे दामाद मेरी पुत्री के साथ मोटकी पहाड़ी पर बने हनुमान मंदिर पर दर्शन करने के लिए गए हुए थे। जब वे नीचे उतरे उसी समय जनपद सोनभद्र थाना बभनी ग्राम झापर निवासी श्यामलाल पुत्र राम कुँवर पनिका व मुनीलाल पनिका पुत्र राम भजन पनिका तथा जनपद सोनभद्र थाना बीजपुर ग्राम धरतीडॉड़ निवासी अंगद केवट पुत्र राम नरेश केवट ने दोनों को पकड़ लिया। मेरे दामाद को जान से मारने की धमकी देते हुए मेरी पुत्री को पास के जंगल मे ले जाकर उसके साथ बारी बारी से बलात्कार किया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर प्रभारी निरीक्षक श्री सिंह ने तीनों आरोपियों के ऊपर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश सरगर्मी से शुरू कर दी। सूचना पाकर बीजपुर पहुँचे जनपद के पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह दुद्धी सर्किल के पुलिस उपाधीक्षक राम आशीष यादव प्रभारी निरीक्षक बीजपुर देवतानंद सिंह व अन्य मातहतों के साथ गैंगरेप वाले घटना स्थल का मौका मुवायना करके पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। पत्रकारों से वार्ता के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने बताया कि 15 मई 2021 को एक मंगेतर अपने होने वाली पत्नी के साथ मोटकी पहाड़ी पर स्थित हनुमान मंदिर पर दर्शन करने गया हुआ था। दर्शन के उपरांत वह जैसे पहाड़ी से नीचे उतरे वैसे ही जंगल में लकड़ी काट रहे तीनों आरोपी दोनों को पकड़ लिए। तथा पीड़ित को जंगल मे ले जाकर सुनसान व जंगल का फायदा उठाकर बारी बारी से उसके साथ दुराचार किया। उन्होंने बताया कि मामले की विवेचना का कार्य सीओ दुद्धी को दिया गया है। तीनों आरोपी पुलिस की हिरासत में हैं।

कोविड केयर स्वास्थ्य किट किया वितरणः वाराणसी। धनी एप ने 25 लाख परिवारों के लिए 90 करोड रुपए की किंमत के कोविड केयर स्वास्थ्य किट्स का निरूशुल्क वितरण शुरू किया हैए जो कि 50 लाख पुख्त उम्र के व्यक्तियों को काम आएगा। प्रत्येक कोविड केयर स्वास्थ्य किट के अंदर 2 व्यक्तियों के लिए रोगनिरोधक दवाइयाँ होगी।

रिकवरी के दौरान खाने पीने पर रखे विशेष ध्यानः डॉ. अंकित

संवाददाता। मुग़लसराय चन्दौली

श्री सेवा सामाजिक संस्था द्वारा संचालित निःशुल्क चिकित्सालय में डॉ अंकित सिंह के नेतृत्व में कोविड से ठीक हुए 16 लोगो का हैल्थचेक अप हुआ । जिसमें डॉ अंकित सिंह ने शरीर की रोग प्रतिरोधक छमता बढ़ाने के बारे में बताया और कहा रिकवरी के दौरान खाने.पीने का विशेष ख्याल रखें। प्रोटीन और हरी सब्जियां ज़्यादा मात्रा में लेण् ऐसा इसलिए क्योंकि इस बीमारी में शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमज़ोर हो जाती है ।खाने का मन ना हो तो थोड़े.थोड़े समय के अंतराल पर खाएँ और पानी सही मात्रा में पीएँ ।नियमित योग और प्रणायाम करेंण् ब्रीदिंग एक्सरसाइज़ करें और एक साथ बहुत सारा काम ना करें ।ठीक होने के कुछ दिन बाद तक ;15.30 दिनद्ध ऑक्सीजनए बुखारए ब्लड प्रेशरए शुगर मॉनिटर ज़रूर करेंण्गरम या गुनगुना पानी ही पीएंए दिन में दो बार भाप ज़रूर लेंण्8.10 घंटे की नींद ज़रूर लें और आराम करें ।7 दिन बाद डॉक्टर के साथ फॉलो.अप चेक.अप ज़रूर करें। कैम्प में डॉ ओ पी सिंह डॉ मनोज सिंह भी थे संस्था के अध्यक्ष सतीश जिन्दल एवम आशाराम ने 15 लोगो को दवा किट प्रदान किया ।

लाभार्थी को बैंक खाते में दो हजार मिले

वाराणसी। देश में फिनो पेमेंट्स बैंक के मर्चेंट प्वाईंट सरकार की डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर डीबीटी स्कीम पीएम किसान योजना के लाभार्थियों को कैश उपलब्ध कराकर महामारी के बीच भारत के कृषि समुदाय की मदद करने के लिए तैयार हैं ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आज ९०५ करोड़ से ज्यादा लाभार्थी किसान परिवारों के खातों में सीधे 19000 करोड़ रुण् से ज्यादा के बेनेफिट ट्रांसफर की घोषणा की। हर किसान लाभार्थी को अपने बैंक खाते में 2000 रुण् मिले ।डीबीटी योजना के लाभार्थी किसी भी बैंक के खाताधारक होने पर नजदीकी फिनो प्वाईंट पर जाकर पैसा निकाल सकते हैं या कोई अन्य बैंकिंग लेन.देन कर सकते हैं। फिनो प्वाईंट नजदीकी छोटे व्यापारी जैसे किराना मेडिकल स्टोर डेयरी शॉप एवं भारत पेट्रोलियम बीपीसीएल आउटलेट्स होते हैं जहां माईक्रो एटीएम एवं आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम एईपीएस डिवाईस होती हैं।

बच्चों में कोई नए लक्षण दिखें तो न करें नजरंदाजः डॉ. पियाली

संवाददाता। सोनभद्र

महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत प्रदेश में संचालित बाल गृहों में रह रहे शून्य से 18 साल के बच्चों को कोरोना से सुरक्षित बनाने को लेकर शनिवार को विभागीय कोविड वर्चुअल ग्रुप के अधिकारियों और विशेषज्ञों ने गहनता से विचार विमर्श किया। बच्चों में कोरोना के लक्षणों और बचाव के तरीकों पर विषय विशेषज्ञों ने अपनी बात रखी। बाल गृहों के कर्मचारियों के क्षमतावर्धन के लिए कोविड वर्चुअल ग्रुप द्वारा आयोजित वेबिनार में बाल गृहों की व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया। वेबिनार में उपस्थित एसजी पीजीआई लखनऊ की वरिष्ठ कंसलटेंट पीडियाट्रिशियन डॉ. पियाली भट्टाचार्य ने कहा कि इस समय बच्चों में कोई भी नए लक्षण नजर आएं तो उनको नजरंदाज करने की कतई जरूरत नहीं है। बच्चों में डायरिया उल्टी दश्त सर्दी जुकाम बुखार खांसी आँखें लाल होना या सिर व शरीर में दर्द होना साँसों का तेज चलना आदि कोरोना के लक्षण हो सकते हैं। इसलिए यदि ऐसे लक्षण नजर आते हैं तो उसे नजरंदाज कतई न करें और लक्षण सामान्य हैं तो बच्चे को होम आइसोलेशन में रखें किन्तु बच्चा यदि पहले से किन्हीं बीमारियों की चपेट में रहा है और कोरोना के भी लक्षण नजर आते हैं तो उसे चिकित्सक के संपर्क में रखें। उन्होंने बाल गृह में रह रहे बच्चों का हेल्थ चार्ट बनाने पर जोर दिया और कहा कि यह चार्ट हर बाल गृह अपने पास रखें और उसको नियमित रूप से भरते रहें उसमें बुखार पल्स रेट आक्सीजन सेचुरेशन खांसी दस्त आदि का जिक्र है जिससे पता चलता रहेगा कि बच्चे को कब आइसोलेट करने की जरूरत है या कब अस्पताल ले जाना है। बाल गृहों में काउंसलर की अहम् भूमिका है उनके प्यार दुलार या समझाने के तरीके से ही बच्चे की बहुत सी बीमारियाँ दूर हो जाती हैं। डॉ. पियाली ने कहा कि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है इसलिए उनके खाद्य पदार्थों में हरी साग सब्जी दाल मौसमी फल जैसे तरबूज खरबूज नींबू संतरा आदि को जरूर शामिल करें ताकि शरीर में रोग से लड़ने की ताकत पैदा हो सके। इसके अलावा हाई प्रोटीन का भी ख्याल रखें बच्चे को पनीर मठ्ठा छाछ गुड चना आदि इसके लिया दिया जा सकता है। मांसाहारी को अंडा मछली आदि दिया जा सकता है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि बच्चा मोटा है तो उसको कोविड नहीं होगा ऐसे बच्चों में भी संक्रमण हो रहा है। इसलिए अन्दर से मजबूत होना ज्यादा जरूरी है। वेबिनार में भाग ले रहे प्रतिनिधियों के सवालों के जवाब में डॉ. पियाली ने कहा कि जैसी की चर्चा में है कि कोरोना की तीसरी लहर भी आ सकती है जो कि बच्चों को ज्यादा प्रभावित कर सकती है उस लिहाज से भी अभी वक्त है कि बच्चों में मास्क लगाने सोशल डिस्टेंसिंग और हैण्ड वाश की आदत डाली जाए क्योंकि तीसरी लहर सितम्बर अक्टूबर में आने की बात कही जा रही है। उन्होंने कहा कि सेनेटाइजर की जगह पर साबुन पानी से हाथ धोने पर जोर देना चाहिए क्योंकि वह सेनेटाइजर की तुलना में ज्यादा उपयोगी है। उन्होंने कहा कि यदि तीसरी लहर आती भी है तो बच्चे इस कारण से भी ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं क्योंकि 18 साल से ऊपर वालों का ही अभी टीकाकरण किया जा रहा है उसके नीचे वालों के लिए तो अभी कोई टीका भी नहीं है। इसलिए उनको सुरक्षित बनाने के लिए बाल गृहों में हेल्प डेस्क की स्थापना हो और वहां पर हेप्लाइन के नम्बर 1075, 1800112545 और चाइल्ड लाइन का नम्बर 1098 का डिस्प्ले जरूर हो। इस अवसर पर निदेशक महिला कल्याण मनोज कुमार राय ने कहा कि कोविड-19 को देखते हुए बाल गृहों में रह रहे बच्चों को पहले से ही विभिन्न आयु वर्ग में विभाजित कर उनके स्वास्थ्य की देखभाल की जा रही है। अन्य व्यवस्थाएं भी चुस्त दुरुस्त हैं। बाल गृहों में विशेषज्ञों की राय से जरूरी दवाओं का प्रबंध किया गया है। जिला प्रोबेशन अधिकारी डॉ अमरेंद्र प्रोत्साहन ने कहा कि वर्तमान समय में सोनभद्र में 3 बाल गृह संचालित हो रहे हैं जिनमें शून्य से 18 साल के करीब 54 बच्चे रह रहे हैं।

नगदी सहित लाखों के जेवरात ले उड़े चोर

संवाददाता। धानापुर चन्दौली

बीती रात हौसला बुलंद चोरों ने कस्बा निवासी अबुल मोहसिन ;सोनूद्ध के घर से 40 हजार नगदी सहित लाखों रुपये के जेवरात पर हाथ साफकर दिया है। भुक्तभोगी ने स्थानीय थाने में लिखित तहरीर दी दी है। पुलिस जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार चोरों ने पहले बगल वाले घर मे सेराज खान के यहाँ दीवाल के सहारे घुस गए लेकिन सभी कमरों में लोग सो रहे थे जिसे देखकर चोरों ने सभी कमरों को बाहर से बंद कर दिया उसके बाद उन्ही के घर से बांस की सीढ़ी लेकर सोनू के घर मे उतर गये जहां भुक्तभोगी और उसका परिवार बरामदे में सो रहा था तभी वह कमरे का ताला तोड़कर उसमे रखे आलमारी से नगदी सहित जेवरात लेकर फरार हो गए जाते वक्त आवाज सुनकर भुक्तभोगी की माँ जग गयी और शोर करने लगी तभी कुछ दूर तक चोरों का पीछा किया लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर वह फरार हो गए इस दौरान चोर अपनी टार्च छोड़ गए। भुक्तभोगी के अनुसार आलमारी में एक बैग में ही 40 हजार नगदए दो घर की बहुओं की जेवरात जिसमे सोने का एक झुमकाए एक कंगनए दो नथियाए दो हारए दो मांग टीकाए चार अंगूठीए दो कान की बालीए चांदी की पौजेबए दो पायल सहित लाखों के जेवरात रखे थे लेकर वह फरार हो गए। भुक्तभोगी ने रात में ही पुलिस को सूचना देकर घंटों चोरों की तलाश में इधर उधर घूमता रहा। प्रातः थाने में लिखित तहरीर दे दी है। जिसपर पुलिस मौके मुआयना कर जांच में जुट गई है।

मंडल रेल चिकित्सालय में अब बढ़ाई सुविधाएं

मुग़लसराय चन्दौली । मंडल रेल प्रबंधक श्री राजेश कुमार पांडेय के दिशा निर्देशन में पंडित दीन दयाल उपाध्याय रेल मंडल रेल कर्मियों व उनके परिजनों को उत्तम चिकित्सा सुविधाएं मुहैया करा रहा है। वर्तमान कोरोना काल को देखते हुए डीडीयू जंक्शन स्थित मंडल रेल चिकित्सालय में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं तथा उसमें निरंतर बढ़ोतरी की जा रही है। इसी क्रम में इस शनिवार को मंडल रेल चिकित्सालय के पैथोलॉजी लैब में एक पॉइंट ऑफकेअर जांच मशीन लगाई गई है। इस नई मशीन के माध्यम से मंडल रेल चिकित्सालय में ही मरीज पर कोविड.19 के दुष्प्रभाव का पता लगाने हेतु किये जाने वाले सी.आरपीए डी.डायमर सहित कुछ अन्य जांच किये जा सकते हैं। अब तक इन जांचों के लिए सैंपल वाराणसी भेजना पड़ता था। अब इस जांच मशीन के उपलब्ध हो जाने से स्थानीय स्तर पर ही जांच होगी।

कांग्रेसियों ने राज्यसभा सांसद राजीव सातव के निधन पर शोक व्यक्त किया

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद तथा भारतीय राजनीति के उभरते हुए सितारे के रूप में काम करने वाले हर दिल अजीज युवा नेता राजीव सातव के निधन पर पार्टी जनों ने गहरा शोक प्रकट किया है ।

राजयसभा सांसद राजीव सातव के निधन का समाचार सोशल मीडिया के माध्यम से मिलने के बाद ईंगलिसियालाईन स्थित पंडित कमलापति त्रिपाठी फाउंडेशन में हुई एक बर्चुअल शोक सभा के माध्यम से दिवंगत नेता को भावपूर्ण विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वक्ताओं ने उन्हें भारतीय राजनीति का एक उभरता हुआ सितारा तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का एक मजबूत और ऊर्जावान स्तम्भ बताते हुए कहा कि ऐसे समय जबकि कांग्रेस पार्टी और पूरा देश कोरोना महामारी से जूझ रहा हैए ऐसे समय असीम सम्भावनाओं से भरे पार्टी के एक उर्जावान ए प्रतिभाशाली और जुझारू नेता का अचानक और असमय इस महामारी का शिकार होकर दुनियां से चला जाना पार्टी के लिए गहरे आघात और सदमें से कम नहीं है ए उनके निधन से पार्टी को जो भारी क्षति हुई है उसकी पूर्ति कदाचित निकट भविष्य में संभव नहीं है।

हम सभी कांग्रेस जन अपने दिवंगत नेता के निधन से अत्यंत व्यथित हैं और दिवंगत नेता को अपनी अश्रूपूरित विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं तथा उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में सर्वश्री विजय शंकर पांडेए ललितेशपति त्रिपाठीए बैजनाथ सिंह प्रो0 अनिल कुमार उपाध्याय प्रो0 सतीश कुमार रायएविजय शंकर मेहताए भूपेन्द्र प्रताप सिंह ए शैलेंद्र सिंह एआनंद मिश्रा ए अशोक पांडेए पुनीत मिश्राए विजय कृष्ण राय अन्नू एप्रमोद श्रीवास्तव ए डा0उमापति उपाध्यायए सुशील सोनकर, विनोद कुमार सिंह कल्लू आदि प्रमुख रहे ।

कोविड प्रबंधन के लिए ग्रामीण स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की योजना

संवाददाता। मीरजापुर

देश में कोविड.19 के प्रसार के प्रबन्धन के लिए अब कोविड ग्रामीण स्तर पर केयर सेंटरए हैल्थ सेंटर और हॉस्पिटल बनाए जाएंगेए जो पूर्णतया कोविड समर्पित होंगे।

शुरुआत में कोविड के ज़्यादातर केस शहरों में देखने को मिल रहे थेए लेकिन धीरे धीरे इसका ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में भी प्रसार देखा जा रहा है। शहरीए ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में कोविड.19 मामलों के बड़े प्रसार के साथए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण हैकि इन क्षेत्रों में कोविड आधारित सेवाएं और प्राथमिक स्तर की स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हो। इसीलिए अब ग्रामीण स्तर पर कोविड केयर सेंटरए हैल्थ सेंटर और हॉस्पिटल बनाने की योजना बनाई जा रही है। वर्तमान में ग्रामीण स्तर पर फ्रंटलाइन वर्कर के द्वारा सर्दी जुकामए खांसीए बुखार इत्यादि लक्षण मिलने वाले व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की जा रही हैए जहां उन्हें मेडिकल किट उपलब्ध कराई जा रही है ।किट के साथ दिए जा रहे पर्चे में दवाइयों के सेवन का तरीका व दिन लिखा हुआ हैए ताकि लोगों को दवा के सेवन में कोई दिक्कत न हो ।मेडिकल किट के साथ लक्षणयुक्त व्यक्ति को कोविड की जांच के लिए प्रेरित किया जा रहा हैए साथ ही नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच भी करायी जा रही है।

ग्रामीण स्तर पर बनाए जाएंगे कोविड केयर सेंटर हैल्थ सेंटर और हॉस्पिटल

ग्रामीण स्तर पर बनाई जाने वाले इन केन्द्रों की रूपरेखा तैयार कर ली गयी है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अनुसार कोविड केयर सेंटर 30 बेड का होगाए जहां पर बिना लक्षण और हल्के लक्षण वाले कोविड उपचाराधीन को रखा जाएगा। यह एक तरह का आइसोलेशन वार्ड होगाए जिन गाँव के घरों में आइसोलाशन की व्यवस्था नहीं होगीए उन मरीजों को यहाँ रखा जाएगा। यहाँ उपचाराधीन लोगों की सांस संबंधी समस्या और ऑक्सिजन स्तर की निरंतर मोनिट्रिंग की जाएगी। यह केंद्र स्कूलए क यूनिटी हालए विवाह गृहए पंचायत भवन आदि उन जगह पर बनाया जायेगाए जहां हवा के आवागमनए स्वच्छता और स्वच्छ शौचालय आदि की व्यवस्था हो।

जागरूकता की जिम्मेदारी

ग्रामीण स्तर कोविड के प्रति जागरूकता के लिए ग्राम पंचायत अहम भूमिका निभाएंगी। ग्राम पंचायत के सहयोग से आईसीडीएस विभागए शिक्षा विभागए स्वयं सहायता समूह के द्वारा कोविड की इस लड़ाई में ग्रामीणों में जागरूक कर कोविड अनुकूल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

कोरोना महामारी से जूझ रहे लोगों को कांग्रेसी पहुंचाएंगे अब सहायता

मिर्जापुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिवकुमार पटेल ने सरकार से मांग किया है कि कोरोना जैसे महामारी गांव में फेल रहा है जांच का दायरा को बढ़ाया जाए शिव कुमार पटेल ने कहा कि इस महामारी से जनता जूझ रही है कारोबार एवं नौकरियां चली गई है सरकार से मांग करते हैं कि बिजली का बिल माफ किया जाए और जो भी सरकार का बकाया है उस पर रोक लगाया जाए कोरोना जैसे महामारी से जनता परेशान है कोरोना महामारी के इस भयावह रूप से लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है इससे लड़ने की जरूरत है सरकार द्वारा दिए गए गाइडलाइन का आप लोग पालन करें और घर से बाहर निकले तो माक्स जरूर लगाएं और आप अपने आप को और अपने परिवार को अपने पास पड़ोस में लोगों को समझाने की जरूरत है जितना हम लोग अपने आप को सुरक्षित रख पाएंगे उतना ज्यादा हम लोग कोरोना से जंग जीतने में सफल हो पाएंगे अपने आप को सुरक्षित रखते हुए लोगों की हर संभव मदद करिए।

मण्डलायुक्त ने कोविड सेंटर का किया मुआयना

संवाददाता। मीरजापुर

मण्डलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार के साथ संचालित एकीकृत कोविड-19 कंट्रोल रूम एण्ड कमाण्ड सेंटर का मुआयना किया। कंट्रोल रूम मे सात हेल्प डेस्क शिकायत, होम आइसोलेशन, एम्बुलेंस सेवा, आक्सीजन आपूर्ति, बेड एवं दवाओ से सम्बन्धित शिकायत/पूछताछ, रजिस्टर को चेक किया। मण्डलायुक्त ने कहा कि सभी शिकायतकर्ताओ की बातो को बहुत ध्यान से एवं पूरी बात सुनने के बाद त्वरित निस्तारण किया जाये। उन्होने कहा कि कोविड-19 कंट्रोल रूम मे कार्यरत सभी कर्मचारियो का एक ड्रेस कोड होना चाहिये जिस पर उनका नाम और पद अंकित हो। मण्डलायुक्त ने दूरदर्शी विजन अपनाते हुये 12 वर्ष तक के बच्चो के लिये कुछ बेडो को रिर्जव रखने का निर्देश दिया। कंट्रोल रूम नोडल प्रभारी श्री अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि दिन भर आठ-आठ घण्टे की तीन शिफ्ट में 36 कर्मचारियो द्वारा निर्वाद एवं सुचारू रूप से सभी प्रकार की कोविड-19 समस्याओ का ससमय निस्तारण किया जा रहा है। कंट्रोल रूम मे कोविड-19 से सम्बन्धित अलग-अलग प्रकार की समसयाओ के लिये दूरभाष नम्बर संचालित किये गये है। जिलाधिकारी ने कहा कि सोशल डिस्टेसिंग का पालन करते हुये समुचित प्रबन्धन के साथ निदान किया जाये। कंट्रोल रूम मे दर्ज कोरोना पाजिटिव एवं सम्भावित लक्षण वाले मरीजो के मोबाइल नम्बर पर समय-समय पर हाल चाल लेते हुये उनके बेहतर स्वास्थ के लिये दवा किट एवं सेनीटाइजेशन साफ-सफाई आदि सुविधाये सुनिश्चित किया जाये। मौके पर अपर जिलाधिकारी (कव0/रा0) श्री यू0पी0 सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्री अश्वनी कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री प्रमोद कुमार सिंह, जिला सूचना अधिकारी डा0 पंकज कुमार एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें ।इसीक्रम में मण्डलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने मां विंध्यवासिनी मंदिर के आसपास का भव्य स्वरूप बदलने के लिए विंध्य कारिडोर योजना के अंतर्गत कार्य प्रगति पर चल रहा है। मंडलायुक्त ने विन्ध्यकारीडोर में चल रहे ध्वस्तीकरण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया ।

त्रयोदशी संस्कार एवं शान्तिपाठ

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरी धर्मपत्नी
श्रीमती सविता शर्मा
का स्वर्गवास बुधवार, दिनांक 05.05.2021 को हो गया है।
उनकी स्मृति में
त्रयोदशी संस्कार एवं शान्तिपाठ
आज सोमवार, 17 मई 2021 को अपरान्ह 12.00 बजे से निज निवास स्थान गीता भवन, 8/30 आर्यनगर, कानपुर में सम्पन्न होगा।
(कृपया कोविड-19 नियमों का पालन करते हुये श्रद्धांजलि अर्पित करें)
शोकाकुल परिवार
पुत्री/दामाद- एकता-श्यामवीर, श्वेता-अमित
भतीजे- संजय, अजय, सौरभ, गौरव, वरूण, सारंग, मुदित, यथार्थ, समर्थ
लक्ष्मी नारायण शर्मा (पति)
देवर- लक्ष्मीकान्त, रमेश, शशिकान्त, अशोक, राकेश, राहुल, राजीव
प्रतिष्ठान :- दि कृष्णा पब्लिसिटी कम्पनी प्रा. लि., चुन्नीगंज, कानपुर
मो.- 6390150986, 9415132764, 9670999815, 6386577949

पत्नी को ससुराल छोड़ने के बहाने दंपति हो गए लापता, ससुरालीजनों ने पति पर जतायी शंका

- थाना क्षेत्र के जसू गॉव का मामला
- शनिवार की रात्रि पति ने सुनैना को अपने भाई के साथ जमकर पीटा था

संवाददाता। रूरा, कानपुर देहात

थाना क्षेत्र के जसू गॉव में अपनी पत्नी को पीटने के बाद ससुराल छोडने गया दम्पत्ति रास्ते में ही लापता हो गया है। परिजनों ने पति के खिलाफ मारपीट कर अनहोनी घटना की शॅका व्यक्त कर थाने में प्रार्थना पत्र दिया है।

पीडित की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जॉच शुरू कर दी है।

धीरज कुमार निवासी पातिननिवादा बिल्हौर ने थाने पर दिये गये शिकायती प्रार्थनापत्र में बताया कि उसकी बहिन सुनैना(26) की शादी करीब 8 वर्ष पूर्व मनोज पुत्र अज्ञात थाना क्षेत्र के जसू गॉव में हुयी थी। । बीती शनिवार की रात करीब 11 बजे प्रार्थी के छोटे बहनोई प्रदीप कुमार पुत्र मॅशाराम निवासी ग्राम पूरा थाना बिल्हौर कानपुर नगर मेरे घर में थे उसी समय मनोज का मेरे बहनोई के मोबाइल पर फोन आया कि मेरा सुनैना से झगडा हो गया तथा मैं अपनी पत्नी को ससुराल छोडने आ रहा हूॅ। आज रविवार की सुबह 8 बजे तक जब मेरी बहिन व बहनोई घर नहीं पहुॅचे तो मुझे चिन्ता हुयी और करीब 12 बजे अपनी बहिन की ससुराल पहुॅचा और सुनैना के सम्बन्ध में जानकारी की तो मेरी बहिन की ससुराल जसू के पडोसियों व मेरे बहनोई के अन्य परिजनो ने बताया कि मेरी बहिन को शनिवार की बीती रात मनोज व उसके भाई हरी ने खूब मारा पीटा तथा मेरा बहनोई मनोज मेरी बहिन को रात्रि में ही अपने मामा के पुत्र की मोटरसाइकिल में बैठा कर उसे ससुराल छोडने की बात कहकर गॉव से निकला था। मेरे बहनोई का मोबाइल नम्बर स्विच ऑफ जा रहा है। प्रार्थी को अपनी बहिन के जीवन के सम्बन्ध में तमाम तरीके की शॅकायें व आशॅकायें अनहोनी घटना की ओर इशारा करती नजर आ रही है। थानाध्यक्ष प्रभात कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जॉच कर लापता दम्पत्ति की खोजबीन के लिये पुलिस ने कार्यवाही शुरू कर दी है।

नवनिर्वाचित प्रधान को दबंगों ने पीटा

संवाददाता। रूरा, कानपुर देहात

थाना क्षेत्र के गहोबा गॉव में सॅगीन धाराओं के आरोपियों ने नवनिर्वाचित प्रधान के घर पर शनिवार की बीती रात घर के अन्दर घुसकर हमला कर दिया। प्रधान द्वारा डायल 112 पुलिस को मौके पर बुलाने पर नशे में धुत दबॅगों ने पुलिस के साथ भी बदसलूकी। पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में मामले की कार्यवाही शुरू कर दी है। रामनरेश निवासी गहोबा ने बताया कि वह डेरापुर विकासखण्ड की चिलौली गॉव में हाल ही सम्पन्न हुये पॅचायत चुनाव में ग्राम प्रधान निर्वाचित हुआ है। मैं अपने घर में शनिवार की दोपहर को बैठा था तभी विपक्षी दीपू उर्फ विजय पुत्र जगमोहन, भूरा उर्फ जितेन्द्र पुत्र जगमोहन, राहुल पुत्र दयाशॅकर, महेन्द्र पुत्र रामनाथ निवासीगण ग्राम गहोबा थाना रूरा, जनपद कानपुर देहात एक राय हो लाठी डण्डा लेकर घर के अन्दर घुस आये तथा गाली गलौज कर धमकाने लगे मेरे शोर मचाने पर मेरा चचेरा भाई राजेश कुमार पुत्र सोनेलाल निवासी ग्राम गहोबा थाना रूरा, जनपद कानपुर देहात बीच बचाव करने आया तो उपरोक्त दबॅगों ने मेरे भाई के साथ मारपीट की। मैंने तथा उसके चचेरे भाई के शोर मचाने पर घर की महिलाओं के सामने आने पर उपरोक्त दबॅग जान से मार देने की धमकी देते हुये चले गये। उपरोक्त दबॅगों के खिलाफ थाने में बलात्कार जैसे कई संगीन मुकदमें दर्ज है। उपरोक्त दबॅगों ने चुनावी रॅंजिश के तहत उपरोक्त घटना को अॅजाम दिया है। प्रभारी निरीक्षक प्रभात कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों को हिरासत में लेकर कार्यवाही की जा रही है।

रंजिश में युवक पर हमला, मौत

- जमीन विवाद को लेकर था विवाद, पंचायत चुनाव में दोनों पक्षों में तकरार के बाद बढ़ी दुश्मनी, मृतक के परिजन अपहरण कर हत्या का लगा रहे आरोप

संवाददाता। पाटन

बिहार थाना क्षेत्र के मधुकरपुर गांव में जमीनी विवाद को लेकर चल रही पुरानी रंजिश में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के युवक पर इस कदर हमला किया कि युवक की मौत हो गयी। वहीं मारपीट में दूसरे पक्ष का युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। थाना बिहार क्षेत्र के ग्राम मधुकरपुर मजरे चौनपुर निवासी वीरेन्द्र प्रताप सिंह का विवाद पडोस के ही रामनरेश सिंह के परिवार से काफी अरसे से चल रहा था। 26 अप्रैल को पंचायत चुनाव के दिन रामनरेश के बेटे सुधीर सिंह व वीरेन्द्र के बेटे राहुल सिंह उर्फ रणन्जय प्रताप सिंह के मध्य चुनावी तकरार होने से रंजिश का मामला फिर से ताजा हो गया था। उस समय पुलिस ने मामले को गंभीरता से न लेते हुए शांति भंग की औपचारिक कार्यवाही कर दी थी। रविवार की सुबह दस बजकर पन्द्रह मिनट पर राहुल व रामनरेश के परिवारजनों में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। जिसके बाद लाठी, डंडे व सरिया से जमकर मारपीट हुयी। जहां एक पक्ष के राहुल सिंह मरणासन्न हो गये वहीं दूसरे पक्ष के सुधीर सिंह के सिर पर भी चोट आयी। मारपीट के बाद आरोपित पक्ष घायल राहुल को लेकर थाने पहुंच गया। पुलिस ने दोनों घायलों को सुमेरपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा जहां हालत नाजुक देख दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने राहुल को मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरे पक्ष के सुधीर का कानपुर के हैलट में इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही हरकत में आयी थाना पुलिस व सीओ कृपाशंकर कनौजिया ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से पूछताछ की। घटना के बाद पुलिस ने दो महिलाओं समेत पांच लोगों को हिरासत में लिया है। मृतक राहुल के पिता ने थाना पुलिस को तहरीर देकर रामनरेश सिंह, प्रभाकर सिंह, दिवाकर सिंह उर्फसुधीर सिंह, सुधाकर सिंह, रत्नाकर सिंह पुत्रगण रामनरेश सिंह व रामनरेश की बेटी शिवानी सिंह उर्फ नेहा सिंह पर आरोप लगाते हुये एक राय होकर बेटे के साथ मारपीट के बाद अपहरण कर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस आरोपितो व उनके परिजनों को एक के बाद एक कर हिरासत में लेकर देर शायं तक पूछताछ में लगी रही।

पहले चेत जाती पुलिस तो शायद न घटती घटना

पाटन। पंचायत चुनाव के दिन दोनों पक्षों में जब मारपीट हुयी तो पुलिस ने औपचारिक तौर पर एनसीआर दर्ज कर 107/16 की कार्यवाही कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पुलिस ने चुनाव के दिन हुयी घटना को गंभीरता से लिया होता तो शायद यह घटना न होती।

सेक्स रैकेट की सूचना पर छापा, तीन युवक पकड़े गये

फर्रुखाबाद। एक मकान में सेक्स रैकेट की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने छापा मारा। पुलिस ने यहां एक महिला व तीन युवकों को हिरासत में लिया। छापे के दौरान परिवार की महिलाओं से काफी विवाद हुआ। पुलिस सेक्स रैकेट से इनकार किया है हालांकि हिरासत में लिए युवकों पर सार्वजनिक स्थान पर अश्लीलता करने का मुकदमा लिखा है। शहर कोतवाली के मोहल्ला गणेश प्रसाद स्ट्रीट स्थित चमचा वाली गली के एक मकान में सेक्स रैकेट चलने की सूचना पुलिस को मिली। शनिवार दोपहर करीब 12 बजे घुमना चौकी प्रभारी शिवशंकर प्रसाद तिवारी पुलिस बल के साथ पहुंचे। पुलिस को यहां 3 युवक मिले। साथ ही कुछ युवतियां तथा कन्नौज जिले के गुरसहायगंज की एक महिला मिली। पुलिस ने उससे पूछताछ की। उसने अपनी रिश्तेदारी बताई। चौकी प्रभारी शिवशंकर प्रसाद तिवारी ने बताया कि जांच में सेक्स रैकेट की बात सामने नहीं आई है।

मारपीट व फायरिंग में दस पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता। फर्रुखाबाद

चुनावी रंजिश के चलते पूर्व जिला पंचायत सदस्य व भाजपा नेता और उसके परिजनों नें पूर्व प्रधान के परिजनों के साथ मारपीट पथराव और फायरिंग कर दी। जिसके बाद पुलिस नें पूर्व जिला पंचायत सदस्य और उसके 10 परिजनों और समर्थकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस नें जॉंच पड़ताल भी तेज कर दी है।

थाना राजेपुर क्षेत्र के ग्राम चाचूपुर निवासी पूर्व प्रधान बालक राम के पुत्र ऋषिपाल नें थाना पुलिस को सूचना दी। ऋषिपाल नें पुलिस को बताया कि बीती देर शाम वह वह ग्राम पट्टीदारापुर से दावत खाकर अपने भाई ब्रह्मपाल और भतीजी साधना के साथ गॉंव लौटा। लगभग 8 बजे गॉंव में घुसते ही अपने घर के सामने खड़े पूर्व जिला पंचायत सदस्य रमेश राजपूत पुत्र बटेश्वर, राकेश व पंचम पुत्र बटोज कुमार, बकील पुत्र दीनदयाल, सचिन, शिवम, राहुल, अंकित व अभिषेक पुत्र रमेश, आलोक पुत्र राकेश व कुछ अज्ञात लोगों ने पुरानी चुनावी खुन्नस में आरोपियों नें ऋषिपाल के साथ घेराबंदी कर लातघूसों और डंडो से मारपीट कर दी। जब वह जान बचाकर भगा तो रमेश रमेश नें पीछे से फायरिंग भी कर दी। तहरीर मिलने पर पुलिस नें आरोपियों के खिलाफ 147, 148, 149, 323, 504, 341 व 307 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। जॉंच दारोगा सुबोध कुमार को दी गयी है। उपनिरीक्षक राजेश कुमार पुलिस नें फोर्स के साथ मौके पर पहुंच जॉंच पड़ताल की। राजेपुर थानाध्यक्ष देवेंद्र गंगवार ने बताया कि मुकदमा दर्ज किया गया है जांच की जा रही है आरोपियों की तलाश की जा रही है।

चाइल्ड लाइन के बाथरूम में किशोरी ने लगायी फांसी

संवाददाता। फतेहपुर

सदर कोतवाली क्षेत्र के हरिहरगंज स्थिति चाइल्ड लाइन सेंटर में 12 वर्षीय किशोरी ने बाथरूम में स्नान करते समय दुपट्टा से फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लिया। इसके साथ ही अपने मौत के पीछे कई सवाल छोड़ गई। सेंटर समन्वयक ने बताया कि मुराईनटोला चौकी इंचार्ज द्वारा किशोरी को सेंटर 15 मई को सायं भेजा गया था। रात्रि में किशोरी ने खाना खाकर सो गई। इसके साथ में महिला स्टॉफ लगाया गया था। सुबह उठने के बाद नाश्ता करने के बाद स्नान करने की बात कह कर बाथरूम चली गई। काफी देर बाथरूम से जब नहीं निकली तो आवाज दी गई अंदर से उसने कहा कि बस कुछ ही देर में निकल रही हैं और फिर बाथरूम के अंदर सन्नाटा पसर गया और फिर जब देखा गया तो उसने अपने दुपट्टे से फांसी लगाकर मौत को गले लगा लिया। बताते चलें कि 12 वर्षीय किशोरी रश्मि पुत्री बाबू लाल कुशवाहा चित्रकूट जनपद के पहाड़ी थाना के कुचारन गांव की रहने वाली थी। भाई प्रदीप ने बताया कि उसकी मानसिक स्थिति कुछ ठीक नहीं थी जिसके चलते हो सकता है। उसने इस घटना को अंजाम दिया हद तो वही हरिहरगंज चौकी इंचार्ज विजय त्रिवेदी ने घटना की तह तक जाने के लिए मौके पर पहुंचकर बाथरूम का निरीक्षण किया और सबूत एकत्रित किया। बड़ी बात यह है कि आखिर चित्रकूट जनपद से किशोरी फतेहपुर कैसे पहुंची और जब 15 मई को चाइल्ड केयर सेंटर में लाई गई तब तक उसकी मनरूस्थिति ठीक थी तो फिर एकाएक उसने मौत को गले क्यों लगा लिया यह अपने आप में एक सवाल राज बना हुआ है। वही इस बच्ची के मौत के पीछे कई सवाल उठ कर खड़े हो गए हैं।

नोडल अधिकारी ने किया सरस्वती मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण

संवाददाता। उन्नाव

कोरोना कॉल के लिए शासन से जिले के नोडल अधिकारी नियुक्त हुए प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन विभाग दीपक कुमार जी ने रविवार उन्नाव पहुंचने के बाद सरस्वती मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने डाक्टर्स व स्टाफ को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि कोरोना के मरीजों की विशेष देखभाल की जाय।

नोडल अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान आर0टी0पी0सी0आर0 जांच की पूरी लैब का निरीक्षण किया। दिशा निर्देश देते हुए कहा कि कोरोना पेशेंट को जांच के साथ ही आयुष किट व कोरोना किट उपलब्ध कराई जाए। संबंधित को निर्देश दिए कि भर्ती रोगियों के उपचार में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। वरिष्ठ चिकित्सक प्रति दिन वार्ड और आईसीयू मे विजिट करें और भर्ती रोगियों से उनके स्वास्थ्य के संबंध मे जानकारी लेते हुए समुचित उपचार करें। उन्होंने कहा भर्ती रोगियों को अतिरिक्त चादर, मास्क आदि दिया जाय। प्रतिदिन साफ सफाई, बेड पर चादर बदली जाए। रोगियों को समय से भोजन, नाश्ता दिया जाय। आई सी यू मे भर्ती रोगियों के उपचार में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिये। राउन्डवार सभी चिकित्सक प्रतिदिन संक्रमित मरीजों का समय-समय पर निरीक्षण करें। भोजन की गुणवत्ता को लेकर निद्रेशित किया कि किसी तरह की कमी नही होनी चाहिये। नोडल अधिकारी ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों के लिए पर्याप्त मात्रा में वेंटिलेटर, स्ट्रेचर आदि की व्यवस्था अवस्य करा ली जाए। कोई भी मरीज ऐसा नहीं होना चाहिए जिसे अस्पताल में किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना करना पड़े। उन्होंने ऑक्सीजन प्लांट लगवाने हेतु संबंधित को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये। साफ-सफाई की स्थिति की जानकारी ली, चिकित्सालय के अन्दर व बाहर साफ-सफाई को लेकर निद्रेशित किया। उन्होंने कहा कि यह समय संक्रमण का है मच्छरों से भी बचाव के पूरे उपाय किये जाय ताकि डेंगू, मलेरिया से लोगों को बचाया जा सके। नोडल अधिकारी महोदय ने 'वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से ट्रू नाट मशीन भी देखी।उन्होंने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कोविड-19 से सम्बन्धित भर्ती मरीजों को दिये जा रहे उपचार, भोजन, पेयजल, साफ-सफाई आदि का नियमितरूप से पर्यवेक्षण सुनिश्चित किया जाय। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि किसी भी मरीज को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा मरीजों को बेहतर चिकित्सीय उपचार दिया जाय।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी रविंद्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राकेश सिंह, नगर मजिस्ट्रेट चंदन पटेल सहित समस्त संबंधित उपस्थित रहे।

कोविड कंटेंटमेंट जोन आदर्श नगर का किया मुआयना

उन्नाव। नोडल अधिकारी दीपक कुमार द्वारा शहर मुख्यालय के आदर्श नगर मोहल्ला स्थित कंटेंटमेंट जोन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही मेडिसन किटों के बारे में फीडबैक प्राप्त किया। कंटेंटमेंट क्षेत्र के लोगों से सैनिटाइजेशन साफ-सफाई की जानकारी भी प्राप्त करी। निद्रेशित किया कि कंटेंटमेंट क्षेत्र में सैनिटाइजेशन वृहद स्तर पर होना चाहिए। कोविड-19 लक्षण युक्त संदिग्ध व्यक्ति की सैंपलिंग की जाए पॉजिटिव आने पर उनके आसपास के क्षेत्रों में कांटेक्ट ट्रेसिंग ब्रह्द स्तर पर होनी चाहिये। उन्होंने कांटेक्ट ट्रेसिंग में तीव्रता लाने के निर्देश दिए।

युवक ने फांसी लगा कर दे दी जान

फतेहपुर। हथगांव थाना क्षेत्र के कनकपुर रोड में घर से निकले लगभग 20 वर्षीय एक युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया। जानकारी के अनुसार थाने के सेमरा मानापुर गांव निवासी ठाकुर प्रसाद का पुत्र नरेन्द्र सिंह शनिवार की शाम 07 बजे खाना खाकर घर से बाहर निकल गया और वापस नहीं लौटा। काफी देर बीत जाने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू कर दी लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। आज सुबह गांव से आधा किलोमीटर दूर कनकपुर रोड के समीप जब लोग शौचक्रिया के लिए जा रहे थे तो आम के पेड़ पर नरेन्द्र का शव लटका देख इसकी जानकारी परिजनों को दी। यह सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया और तत्काल घटनास्थल पहुंच गये। परिजनों द्वारा पुत्र की आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं किया जा सका।

एक तरफ निकली बेटी की डोली तो वहीं उठी नेत्रहीन पिता की अर्थी

संवाददाता। नवाबगंज फर्रुखाबाद

बीती 14 मई को बाप ने बेटी को शादी की रस्मों के बाद विदा कियाए और खुद यह सदमा बर्दाश्त नहीं कर पाएए परिजनों के अनुसार देर रात हृदयगति रुक जाने की वजह से उनकी मौत हो गई ।मामला नवाबगंज थाना क्षेत्र के गांव रामनगर का है जहां मृतक नेकराम की पुत्री मोहनी की बारात दिल्ली के संगम विहार से आई थीए विवाह की रस्म को पूरा करने के बाद नेत्रहीन बाप नेकराम ने पुत्री मोहिनी को विदाई दीए पुत्री अपने ससुराल पहुंच ही पाई थी और सब कुछ हर्षोल्लास के साथ हो रहा थाए इधर पिता नेकराम की देर रात तकरीबन 1 बजे अचानक से उनकी तबीयत खराब हो गईए उन्हे सांस लेने में काफी दिक्कत हो रही थीए और रात में ही स्थानीय लोगों की मदद से चिकित्सक के पास ले जाते वक्त रास्ते में ही उनकी मौत हो गईए इसकी खबर सुनकर पुत्री के ससुराल से लेकर पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ गईए सारी खुशियां मातम में बदल गई ।मृतक नेत्रहीन नेकराम की पत्नी मीना देवी और उनके परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। घर में तीन बेटियां और दो छोटे बेटे हैं जिनका गुजारा मीना मजदूरी करके चलाती थी।

3 दिन में 5 मौत, सहमा गांव

बीते पंचायत चुनाव में रामनगर गांव के एक सैकड़ा से ज्यादा लोग अलग.अलग शहरों व राज्यों से मतदान करने आए थे जो कि लॉकडाउन और बढ़ती कोरोना महामारी के भय के कारण वापस अपने कामकाज पर नहीं गएए ना ही स्वास्थ्य विभाग की तरफ से इन व्यक्तियों की कोई जांच की गईए खुले रुप से सब से मिलते जुलते रहे।

जिनमे कोई भी व्यक्ति संक्रमित हो सकता था। इसकी बिना जांच के कोई भी पुष्टि नहीं की जा सकती। बीते 3 दिन में पांच लोग मौत के गाल में चले गए जिनमे की नेकराम 55 वर्ष,प्रियंका पुत्री नरेंद्र 2 वर्ष, जयसिंह 58, कालीचरन 55, रामबाबू 58 की मौत हो गई ।बिना जांच किए पुष्टि नहीं की जा सकती कि इनमें कौन सा व्यक्ति संक्रमित था। वर्तमान में तकरीबन आधा सैकड़ा से ज्यादा लोग बुखार और खांसी से पीड़ित हैं और कुछ व्यक्तियों के तो गले सूज गए है। बीते एक माह का अगर रिकॉर्ड उठाया जाए था तो गांव में तकरीबन 11 लोग मौत के गाल में चले गएए जिनमे किसी की जॉच नही हुई।

पुलिस ने सख्ती से कराया लॉकडाउन का पालन

संवाददाता। गुरसहायगंज (कन्नौज)

लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराने के लिए कोतवाली पुलिस ने नगर सहित क्षेत्र में अभियान चलाकर कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने भीड़ भाड वाले स्थानों पर लाठियां पटकी तो वाहनों की हवा निकाल कर चेतावनी दी। पुलिस ने सभी से मास्क लगाने की अपील भी की। रविवार को कोतवाल राजा दिनेश सिंह के नेतृत्व में नगर के मुख्य चौराहे पर उपनिरीक्षक ब्रजेश यादव ने दलबल के साथ डग्गामार वाहनों सहित दुकानों पर भीड़ लगाए लोगों को चेतावनी दी। पुलिस ने वाहनों की हवा निकाल दी तो कोविड नियमों की अनदेखी कर रहे लोगों को चेतावनी दी। जबकि जसोदा चौकी इंचार्ज अमित पोरवाल ने अपनी टीम के साथ अभियान चलाया। उन्होंने बिना बजह घर से न निकलने की हिदायत दी एवं मास्क लगाने के लिए लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कोरोना की दूसरी लहर में अधिक लोग संक्रमित हो रहे हैं। सुरक्षा व बचाव ही इसका एकमात्र उपाय है। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को ध्यान देना चाहिए तथा अनावश्यक रूप से घरों से न निकले तथा मॉस्क को अनिवार्य रूप से लगाएं। इसके अलावा सोशल डिस्टेंसिंग का अवश्य पालन करें।

सही ढंग से मास्क लगाने की हिदायत दी

कन्नौज। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में कोतवाली पुलिस द्वारा लॉकडाउन के अनुपालन के लिये मास्क चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें तलैया चौकी प्रभारी नें बिना मास्क लगाये व सही ढंग से मास्क न लगानें बाले वाहन चालकों को कानून का पाठ पढाते हुये कडी चेतावनी दी।

क्विक न्यूज

सड़क हादसे में एक की मौत, एक घायल

बांगरमऊ उन्नाव। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में आगरा एक्सप्रेस वे की सर्विस लेन पर ग्राम ढोलौवा के निकट तेज रफ्तार कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी । टक्कर से बाइक सवार एक भाई की मौत हो गई । जबकि दूसरा गम्भीर रूप से घायल हो गया । हरदोई जनपद के थाना मल्लावां अंतर्गत ग्राम पुरबावा निवासी कमलेश व छोटे पुत्रगण रामविलास दोनो भाई बीते शनिवार को बाइक द्वारा अपनी रिश्तेदारी ग्राम पन्हैया गए थे । यहाँ थोड़ी देर रुकने के बाद रात करीब 8 बजे दोनों भाई बाइक द्वारा आगरा एक्सप्रेस वे की सर्विस रोड से औरास के लिए निकले थे । रास्ते मे ग्राम ढोलौवा के निकट तेज रफ्तार कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी । टक्कर से बाइक सवार दोनो भाई उछलकर दूर जा गिरे । हादसे में दोनो भाई गम्भीर रूप से घायल हो गए । सूचना पर पहुंची बेहटा मुजावर पुलिस दोनों घायलों को एम्बुलेंस के जरिए यहाँ सीएससी लायी और परिजनों को खबर दी ।यहाँ के चिकित्सकों ने दोनों घायलों की हालत नाजुक बताकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया । किंतु परिजन दोनो घायलों को इलाज के लिए संडीला लेकर जा रहे थे । सण्डीला पहुँचने से पहले रास्ते मे कमलेश 40 वर्ष ने दम तोड़ दिया ।

पर्यावरण मित्र ने ज्वराँकुश के पौधे बाँटे

रूरा कानपुर देहात। भारत दिव्य भूमि है यहाँ असीमित जड़ी बूटियों का भण्डार है। व्याधि नाश में समर्थ बूटियों के लिए जरूरत है इसे पहचान कर संकलन और संरक्षण करने की उक्त नेपाल देश से गाँधी पर्यावरण योद्धा सम्मान प्राप्त नवीन कुमार दीक्षित ने अमरसिंह पुरवा में सामाजिक दूरी के साथ ज्वराँकुश के पौधे बाँटकर ग्रामीणों को कोरोना से बच्चों को बचाने के उपाय बताते हुए कही। नरेश सिंहए किशन सिंहए पुस्पा आदि को ज्वराँकुश का पौधा वितरित करते हुए उन्होंने बताया कि हमारे देश में एक ही औषधि स्वरसएकल्कएचूर्णए वटी आदि के रूप में दी जाती हैं। रस गुणए विपाक आदि गुणों से यह औषधि उत्तम है इसकी निश्चित मात्रा मौसम के अनुसार चाय या काढ़ा में डाल कर पीना रोग निवारकए स्वास्थ्य और दीर्घायु बनाता है। इसे गमले या नल के पास उगा सकते हैं और स्वास्थ्य जीवन का आनन्द पा सकते हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता का आकस्मिक निधन

बांगरमऊ उन्नाव। नगर के मोहल्ला पुरविया टोला निवासी वरिष्ठ कांग्रेस नेता अब्दुल वाहिद अंसारी का आज सुबह निधन हो गया । वह 70 वर्ष के थे और काफी दिनों से बीमार चल रहे थे । उनके निधन की सूचना से कांग्रेसजन एवं नागरिकों में शोक की लहर दौड़ गई । अब्दुल वाहिद अंसारी पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व0 जियाउर रहमान अंसारी के पारिवारिक थे । उन्होंने जीवन भर कांग्रेस पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता के तौर पर उकार्य किया तथा उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशसचिव भी रहे । उनके निधन की सूचना पर जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव अनुभव शुक्ला एडवोकेट, नगर पालिका के चेयरमैन इजहार खा गुड्डू, कांग्रेस जिला सचिव ताजुद्दीन अंसारी, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार शुक्ला एडवोकेट, पूर्व नगर अध्यक्ष बदरुद्दीन आजाद, शकील अंसारी , सादिक अली अंसारी , तौफीक अंसारी व हाजी जहीर आदि ने उनके आवास पर पहुंच कर शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया । स्व वाहिद अंसारी के पुत्र मोहम्मद अरशद की मौजूदगी में आबाई कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द -ए- खाक किया गया ।

विचित्र बुखार से एक की मौत, दर्जनों बीमार

घाटमपुर। थाना सजेती क्षेत्र के गांव बरीमहताइन में फैले बिचित्र बुखार से एक ब्यक्ति की मौत हो गयी तथा बड़ी संख्या में लोग चारपाई पकड़े है, फिर भी स्वास्थ्य बिभाग अनजान बना हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि बीते एक सप्ताह से फैले बुखार में यका एक तेज बुखार के साथ सांस फूलने लगती है तथा मरीज चारपाई पकड़ लेता है। बुखार से बीते कल 55 वर्षीय भोला नामक एक ब्यक्ति की मौत हो गयी है। मालुम हो कि क्षेत्र के परास, भदरस, इर्टरा और राहा सहित तमाम गांवों में कोरोना जैसे लक्षण वाले बुखार से बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो गयी है लेकिन एक दो गांवों को छोड़ शायद ही किसी गांव में सैंटिलाइजेशन किया गया है। उधर पूर्व प्रधानों के कार्यकाल के खत्म होने तथा त्रिरीस्तरीय पंचायत चुनाव के बाद से गांवों में सफाई ब्यवस्था बद्हाल जैसी हालत में है, जगह-जगह गन्दगी व दूषित जल भराव से मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ा है।

घाटमपुर, पतारा व भीतरगांव में सभी मिले निगेटिव

घाटमपुर। काफी समय बाद आज क्षेत्र की तीनों सीएचसियों में एंटीजन व आरटीपीसीआर द्वारा 813 लोगों की जॉच की गयी जिसमें सभी निगेटिव मिले, पतारा सीएचसी के चिकित्साधीक्षक डा0 नीरज सचान ने बताया कि आज 150 आरटीपीसीआर तथा 158 एंटीजन जॉच में सभी निगेटिव मिले है। जब कि घाटमपुर में 151 लोगों की एंटीजन से जॉच की गयी, डा0 कैलाश चंद्रा ने बताया कि जॉच में सभी निगेटिव पाये गये है। भीतरगांव में भी 166 एंटीजन व 188 आरटीपीसीआर से जॉच की गयी चिकितसाधीक्षक डा0 अजय मौर्या ने बताया कि जॉच में सभी निगेटिव पाये गये है।

विवाहिता ने लगाई फांसी, मौत

फर्रुखाबाद। आये दिन मायके जाने की जिद से अजीज आकर विवाहिता के पति आदि नें उसकी पिटाई कर दी। जिससे आक्रोशित होकर वह फांसी के फंदे पर झूल गयी। पुलिस नें जाँच के बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।थाना राजेपुर क्षेत्र के ग्राम गोटिया निवासी पंकज कुमार का विवाह बीते वर्ष 1998 में सुमन के साथ हुआ था। सुमन मायके जाना चाह रही थी। लेकिन उसे जाने नही दिया जा रहा था। सुमन के भाई भंवर पाल नें बताया कि रोज-रोज मायके जानें की जिद से खफा होकर सुमन के पति पंकज और जेठ जुगनू नें उसके साथ मारपीट कर दी। जिससे सुमन आक्रोशित हो गयी। मारपीट से दुखी होकर उसनें फांसी लगाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलनें पर थानें से उपनिरीक्षक सुबोध कुमार मौके पर पंहुचे और जाँच पड़ताल की। पुलिस नें शव का पंचनाम भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दबंगों ने दो भाइयों की पिटाई कर किया लहूलुहान

बांगरमऊ उन्नाव। चुनावी रंजिश के चलते ग्रामीण क्षेत्र में हिंसक घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। चुनावी रंजिश के चलते ही शनिवार की रात दबंगों ने दो सगे भाइयों को लाठियों से पीटकर लहूलुहान कर दिया। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों द्वारा गंभीर रूप से घायल दोनों भाइयों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।थाना बेहटा मुजावर अंतर्गत ग्राम हयातनगर भंवरा निवासी घायल उमेश कुमार पुत्र मोहनलाल द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार उसने बीते पंचायत चुनाव में वार्ड सदस्य के लिए मोहल्ले के ही फूलचंद्र का समर्थन किया था। तब मोहल्ले के ही अशोक पुत्र राजाराम और उनके भाइयों ने उसे देख लेने की धमकी दी थी। इसी रंजिश के चलते वह शनिवार की रात मोहल्ले के ही बाबू लोहार की पुत्री की शादी में बतौर निमंत्रण गया था। तभी द्वारचार के समय अचानक अशोक और उसके भाई संतोष व सरोज आदि लाठियां लेकर मौके पर आ धमके और उसे जबरन खींचकर अपने घर ले गए। दबंगों ने बंधक बनाकर उसकी जमकर पिटाई की। दबंगों ने सूचना पर बचाने पहुंचे उसके भाई रमाशंकर को भी नहीं बख्शा और उसे भी लाठियों से जमकर पीटा। पिटाई से दोनों भाई लहूलुहान हो गए। पुलिस ने घटना की तहरीर लेकर घायल दोनों भाइयों को रात मे ही यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां गंभीर हालत के चलते चिकित्सकों ने घायल भाइयों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस हमलावर दबंगों के विरुद्ध अभी तक कोई कार्यवाही नहीं कर सकी है। जिससे ग्रामीणों में पुलिस के विरुद्ध आक्रोश बढ़ रहा है।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

कोरोना की चेन तोड़ने को हो प्रभावी कार्रवाईः मण्डलायुक्त

● निगरानी समितियों को प्रशिक्षित करने के निर्देश
●गांवो का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लेते रहें अधिकारी

समीक्षा बैठक करते मण्डलायुक्त

अम्बेडकरनगर। मंडलायुक्त अयोध्या मंडल एमपी अग्रवाल की अध्यक्षता में कोविड-19 से बचाव एवं व्यवस्था के संबंध में डीएम सैमुअल पॉल एन एवं पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से संक्रमण की रोकथाम को लेकर किए जा रहे कार्यों की जानकारी लेते हुए कोरोना की चेन ब्रेक करने के लिए प्रभावी ढंग से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। समस्त एसडीएम, खंड विकास अधिकारी एवं एमओआईसी को निर्देश देते हुए कहा कि आप सभी अपने-अपने ब्लॉक के गांव में निगरानी समितियों को देखेंगे की निगरानी समितियों द्वारा मरीजों को समय से दवा दिया जा रहा है कि नहीं।

पूछताछ के दौरान यह पाया गया कि निगरानी समितियों को प्रशिक्षण की आवश्यकता है ताकि मरीजों की अच्छे से देखभाल हो सके जिन निगरानी समितियों को कोविड-19 मरीजों के देखभाल के बारे में जानकारी न हो तो उनको ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण दिया जाए।

समस्त एमओआईसी प्रतिदिन गांव में जाएं। एक एम ओ आई सी प्रतिदिन कम से कम दो से 3 गांव में निगरानी समितियों द्वारा किए जा रहे कार्यों को देखेंगे। साथ ही साथ एसडीएम व खंड विकास अधिकारी को भी निर्देशित किया गया कि आप लोग भी गांव का भ्रमण करते रहें और ग्रामीणों को जागरुक करें कि कोविड-19 संक्रमण से घबराने की जरूरत नहीं है। कोविड-19 संक्रमण को देखते हुए सकारात्मक प्रचार प्रसार करें ताकि कोविड-19 संक्रमण को कम किया जा सके होम आइसोलेशन में भर्ती मरीजों की जांच कराया जाए कि वहां पर शौचालय की व्यवस्था है कि नहीं। यदि शौचालय की व्यवस्था नहीं है तो ऐसे मरीज को चिकित्सालय में भर्ती कराया जाए। निगरानी समिति घर घर जाकर जांच के उपरांत लक्षण युक्त व्यक्तियों को जागरूक करें कि यदि आप को बुखार है तो यह दवा खाएं इससे आपका बुखार ठीक हो जाएगा। निगरानी समितियों को यह भी निर्देश देते हुए कहा कि जो भी व्यक्ति लक्षण युक्त हैं उन्हें काढ़ा पीने के लिए प्रेरित किया जाए।

पंचायत भवन का छज्जा गिरने के मामले में 43 लोगों के विरूद्ध मुकदमा

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। बीते दस मई की रात्रि में आंधी तूफान के दौरान ग्राम पूरा बक्सराय में नव निर्मित पंचायत भवन का छज्जा गिराने के विवाद में हुई मारपीट के मामले में इब्राहिमपुर पुलिस ने पूर्व प्रधान की तहरीर पर दूसरे पक्ष के विरूद्ध 43 लोगों के विरूद्ध मार पीट वल्वा तोड़फोड़ आदि की धाराओं में घटना के 6 दिन बाद नामजद मुकदमा पंजीकृत किया है। जबकि पुलिस बीते 10 मई को जीते हुए प्रधान के पति की तहरीर पर 17 लोगों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत किया था। उक्त ग्राम में आज भी चुनावी रंजिश को लेकर स्थित तनावपूर्ण बनी हुई है। निवर्तमान पूर्व प्रधान राज कुमार भट्ट ने आरोप लगाया है कि बीते दस मई की सुबह में आठ बजे गांव के स्कूल की तरफसे गुजर रहा था कि देखा जीते हुए प्रधान के पति अरुण शर्मा अपने भाइयो व समर्थकों के साथ लाठी डंडा बेलचा आदि लेकर नवनिर्मित पंचायत भवन का छज्जा गिरा रहे थे जब मैंने विरोध किया तो गाली गलौज धमकी देते हुए मारने हेतु दौड़ा लिया हल्ला गोहार पर ग्राम के अतुल कुमार,सरोज कुमार,सुरेंद्र बचाने दौड़े तो उन्हें मारा पीटा जिसमे सभी घायल हो गए मारपीट के दौरान उनलोगों ने ट्रैक्टर में तोड़ फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने राजकुमार भट्ट की तहरीर पर आधा दर्जन से अधिक धाराओं में 43 लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया है। इब्राहिमपुर पुलिस ने दोनो पक्षो के द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमों की विवेचना शुरू कर दी है।

क्विक न्यूज

कुमारगंज पुलिस ने जुआरियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

मिल्कीपुर, अयोध्या। कुमारगंज पुलिस ने जुआ खेल रहे चार जुआरियों को किया गिरफ्तार जुआरियों के पास से 1990 रुपए पुलिस ने किया जब्त। प्राप्त समाचार के अनुसार शनिवार की शाम कुमारगंज थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह को मुखबिर ने सूचना दिया कि कस्बा कुमारगंज के आलू मंडी में चार लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष ने थाने के उप निरीक्षक उमेश कुमार वर्माए उप निरीक्षक हरे कृष्णए कांस्टेबल अखिलेश कुमारए हेड कांस्टेबल विनोद कुमार आलू मण्डी पहुंचकर चारों लोगों को पकड़ लिया। पकड़े गए लोगों की जब पुलिस टीम ने तलाशी ली तो चारों लोगों के पास से 1990 रुपए नगद व ताश का 52 पत्ता बरामद किया। थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने बताया कि कमलेश पुत्र गनपत निवासी बवांए रमेश कुमार पुत्र मोहन प्रसाद निवासी शिवनाथ पुरए बाबूलाल पुत्र भगौती निवासी कस्बा कुमारगंजए सुरज तिवारी पुत्र अमरनाथ निवासी पूरे लाल पाण्डेय थाना कुमारगंज को जुआ खेलते समय पुलिस टीम ने पकड़ लिया था पकड़े गए चारों लोगों के खिलाफसंबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया।

कांग्रेस प्रकोष्ठ के संगठन मंत्री के निधन से शोक की लहर

अयोध्या। सिविल लाइन हौसला नगर निवासी उत्तर प्रदेश कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ के संगठन मंत्री, सेंट्रल बैंक के पूर्व शाखा प्रबंधक, बैंक कर्मचारी ट्रेड यूनियन नेता एस पी चौबे के आकस्मिक निधन का समाचार सुनकर हर कोई हतप्रभ रह गया।कांग्रेस प्रवक्ता मोहम्मद शरीफने बताया प्रातः अपने प्रिय नेता बेबाक शैली और निष्पक्षता से अपनी बात रखने वाले तेजतर्रार नेता के निधन की खबर सुनकर कांग्रेसजनों में शोक की लहर दौड़ गई ।उनका अंतिम संस्कार जमथरा घाट पर किया गया मुखाग्नि उनके पुत्र अभिषेक चतुर्वेदी ने दिया। पूर्व सांसद डॉ निर्मल खत्री ने श्री एस पी चौबे जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा अपने सर्विस के दौरान एवं रिटायर होने के बाद भी अजीवन श्रमिकोंएगरीबोंएबैंक कर्मचारियों के लिए पूरी प्रखरता से उनकी आवाज बुलंद करने वाले नेता को हमने खो दिया है जिसकी पूर्ति संभव नहीं है उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के प्रार्थना कर शोकाकुल स्वजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त किया।कांग्रेस नेताओं ने अपने प्रिय नेता स्वर्गीय एस पी चौबे जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर शोकाकुल परिजनों को यह साहस शक्ति प्रदान करने की कामना की।

कोविड को फैलने से रोकने के लिए मदद को तैयार

प्रयागराज। कोविड 19 को फैलने से रोकने के लिए देश की लड़ाई में मदद करने के लिए लोग घर पर रहकर काम करने के इच्छुक हैं। देश लॉकडाऊन के दूसरे चरण की ओर बढ़ रहा है। जो उपयोग की विभिन्न जरूरतों के अनुरूप तैयार किए गए हैं। ब्रॉडबैंड नेटवर्क प्रदाता एक्साईटेल ने लोगों के लिए समर्पित स्टे एट होम प्लान को शुरू करने की घोषणा की है। घर पर रहने का प्रोत्साहन देते हुए स्टे एट होम श्रेणी में तीन डेटा प्लान शुरू किए हैं। ताकि सर्वोत्तम स्ट्रीमिंग घर से सुगम कार्य अध्ययन एवं लैग फ्री गेमिंग का अनुभव प्राप्त हो। कंपनी के को फाउंडर एवं सीईओ विवेक रैना ने कहा कि इंटरनेट प्रसार की कड़ी को तोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस लड़ाई में सहयोग करने के लिए हम घर के काम करने अध्ययन करने स्ट्रीमिंग एवं गेमिंग के अनुकूल निर्मित स्टे एट होम बंडल पैक शुरू करने के लिए उत्साहित हैं।

रामा दल ट्रस्ट मुख्यालय का कैमरा हुआ गायब

अयोध्या। रामादल मुख्यालय के पश्चिमी मार्ग पर लगा सीसीटीवी कैमरा 12मई को योजनाबद्ध तरीके से गायब किये जाने की लिखित सूचना रामादल सेवा प्रमुख रितेश दास के माध्यम से नगर कोतवाली अयोध्या को दिये जाने के 4 दिन बाद भी कोई कार्यवाही न होने से अपने जीवन मूल्यों के प्रति अप्रिय घटना की आशंका को गम्भीरतापूर्वक संज्ञान में लेकर रामादल ट्रस्ट अध्यक्ष पण्डित कल्किराम अब नवमी तिथि दिन शुक्रवार 21मई को अपना तर्पण पिण्डदान कर्म करेंगे ताकि भविष्य में किसी घटना के घटित होने के बाद उनकी आत्मा को सनातन धर्म का संस्कार कराने के लिए भटकना न पड़े। रामादल अध्यक्ष ने बताया कि तीन माह पूर्व ही सतर्क रहने का सुझाव दिया गया था जिसे तब उतनी गम्भीरता से नही लिया था किन्तु सीसीटीवी कैमरा गायब होने के 24घण्टे पूर्व पश्चिमी मार्ग पर लगी लाईट गायब होने के 24घण्टे के अन्तराल मे ही कैमरे के गायब होने के बाद तीन माह पूर्व की बात ने मन को संशकित कर रखा है। अब एकमात्र यही विकल्प है कि संसार से असमय विदाई का मुहुर्त आने से पहले ही वह सब षटकर्म कर लिये जांय जिसकी

आवश्यकता मृत्यपरान्त पड़ेगी ऐसी स्थित में प्रधानमन्त्री मोदीजी के निमित्त चल रहे महानुष्ठान का उत्तरदायित्व रामादल के प्रवक्ता एंव विख्यात कथावाचक श्रीहरिनारायणाचार्य जी सम्पन्न करेंगे। विदित हो कि 14 जनवरी 2014 को प्रधानमन्त्री मोदीजी के निमित्त 5 वर्षीय बगला ब्रह्मास्त्र अनुसन्धान महानुष्ठान का शुभारंभ किया गया था जिसकी पूर्णाहुति वर्ष 2019 विजयादशमी को नागेश्वरनाथ मन्दिर परिसर की यज्ञशाला में देते हुए प्रधानमन्त्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदीजी के स्वस्थ्य दीर्घायुष्य जीवन एंव राष्ट्र मन्दिर निर्माण के निमित्त किये जा रहे प्रयासों की सफलता का संकल्प लेकर विजयादशमी 2019 को ही 5 वर्षीय महानुष्ठान के द्वितीय चरण का आरम्भ किया गया है जो अनवरत चल रहा है जिसकी पूर्णाहुति वर्ष 2024 मे विजयादशमी को होनी है चल रहे महानुष्ठान में जप.पाठ.हवन के साथ.साथ प्रत्येक सोमवार को मौन रखकर मृत्युंजय महादेव जी की विशिष्ट पूजा अर्चना का कर्म निर्विघ्न किया जाता है।

ग्रामीण क्षेत्रों को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर

प्रयागराज। देश में फैली कोरोना महामारी यानी मौजूदा कोविड 19 महामारी के दौरान एक दूसरे से जुड़े रहने में मदद मिल सके। इसके लिए संचार समाधान प्रदाता भारती एयरटेल ने आज अपने नेटवर्क पर कम आय वाले लोगों के लिए विशेष लाभ की घोषणा की है। कंपनी ने पचपन मिलियन से अधिक कम आय वाले अपने लोगों को उनचास रुपये का पैक मुफ्त देगा। इस पैक में अड़तीस रुपये का टॉकटाइम और अट्ठाइस दिनों की वैधता के साथ सौ एमबी डेटा होगा। जो कि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है इसको जुड़े रहने और जरूरत पड़ने पर महत्वपूर्ण जानकारी तक पहुंच बनाने के लिए सशक्त बनाएगा। वैश्विक संचार समाधान प्रदाता है। कंपनी विश्व स्तर पर शीर्ष तीन मोबाइल ऑपरेटरों में शामिल है और इसके नेटवर्क में दो बिलियन से अधिक उपभोक्ता जुड़े हैं। डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवाएं शामिल हैं।

प्रशासन के साथ-साथ लोग खुद भी हों जिम्मेदार

अम्बेडकरनगर। जहां जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक वा स्वास्थ्य विभाग ने कोविड-19 वैश्विक महामारी जैसे जानलेवा संक्रमण से बचाने के लिए पूरे जनपद मैं लोगों को जागरूक किया जा रहा है जिससे लोग सोशल डिस्टेंसिंग बनाकर रहें और अगर बहुत आवश्यक हो तो तभी घर से मास्क जरूर लगाकर निकले, लेकिन आज जब लोगों की गतिविधि पर नजर डाली तो स्थित देखकर यह लगा कि जैसे इन लोगों के ऊपर कोरोना का कोई भय दिखाई नहीं पड़ रहा है। दुकान पर बैठकर लोग सोशल डिस्टेंसिंग और ना ही मुख पर माक्स लगा है। और दुकानों पर धड़ल्ले से चाय और समोसा उड़ाने में लगे ऐसे मैं कैसे संभव है कोरोना से बचाव प्रशासन लाख प्रयास कर ले लेकिन जब तक हर व्यक्ति अपनी खुद की जिम्मेदारी समझ कर अपना बचाव करेगा तभी कोरोना से बचाव संभव है।

ग्रामीण क्षेत्र के बाजारों में मिठाई की दुकान लेकर चाय समोसे की दुकानों पर खाने पीनी वाले व्यक्तियों द्वारा नहीं किया जा रहा है सोशल डिस्टेंसिंग का पालन और उनके मुख पर मार्क्स लगा नहीं दिखाई दे रहा इन दुकानदारों के ऊपर ना प्रशासन का कोई भय दिखाई दे रहा है और ना ही कोरोना का भय दिखाई दे रहा है। वहीं दूसरी तरफ बाजारों में सब्जी के दुकानदारों द्वारा सब्जी तो समय से लगाकर बिक्री करना शुरू कर देते हैं लेकिन उनके मुख पर मार्क्स दूर-दूर तक दिखाई नहीं साथ साथ रोड पर दो पहिया वाहन या चार पहिया वाहन धड़ल्ले से फर्राटा भर रहे है।

एनसीआर के 1500 अधिकारियों, कर्मचारियों ने दी कोरोना को मात

प्रयागराज। कोविड 19 महामारी के दौर में भी व्यक्तिगत कठिनाइयों और संकट के बावजूद भी उत्तर मध्य रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भारतीय रेल के सबसे महत्वपूर्ण रेल मार्गों पर रेल परिचालन को सुचारु और निर्बाध बनाए रखा है। यह संभव हो सका सिर्फ इसलिए कि उन्होंने अपने हौसले को बरकरार रखा। न सिर्फ कोरोना को मात दी बल्कि अपने कार्यस्थलों चाहे वो सीधे ट्रेन संचालन हो अस्पताल या कार्यालय हो हर मोर्चे पर बिना रुके काम जारी रखा है। प्रमुख मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर अरुण कुमार प्रमुख मुख्य इंजीनियर एस के मिश्रा मुख्य माल यातायात प्रबंधक पी के ओझा मुख्य यातायात योजना प्रबंधक उप महाप्रबंधक सामान्य मन्नू दूबे मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डा शिवम शर्मा अपर मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज मंडल अतुल गुप्ता एवं एडीआरएम अजीत कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी कोविड 19 के विरुद्ध जंग जीत कर वापस आ चुके हैं।

आंगनबाड़ी नहीं बांट रहे पोषाहार

● कोरोना के चलते फायदा उठा रहीं कार्यकत्रियां

मिल्कीपुर अयोध्या। कोविड.19 के बढ़ते संकट को लेकर जहां सरकार लोगों को राहत पहुंचाने में पूरी जी जान से जुटी है। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में आंगनबाड़ी कार्यकत्रिया गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के लिए बाल विकास विभाग से प्राप्त पोषाहार को डकारने में जुटी है। मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के तीनों विकासखंड हैरिंग्टनगंजए अमानीगंज और मिल्कीपुर में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के खेल निराले हैं इसका उदाहरण मिल्कीपुर तहसील के अमानीगंज विकासखंड की आंगनबाड़ी कार्यकर्ती उषा देवी द्वारा गर्भवती व धात्री महिलाओं में पोषाहार न वितरित किए जाने का मिला है। ग्रामीणों के मुताबिक पता चला है कि मिश्रौली की आंगनबाड़ी कार्यकत्री द्वारा ग्राम पंचायत टिक्टी का प्रभार लिया गया है। जबकि मिश्रौली और ग्राम पंचायत टिकटी मे कम से कम 8 किलोमीटर की दूरी है। पोषाहार सहित अन्य आवश्यक वस्तुएं वहां के लाभार्थी को नहीं मिला पा रही है। गर्भवती एवं धात्री महिलाओं में वितरित किया जाने वाला पोषाहार दूधए घीए तेलए चने की दाल का वितरण नहीं किया जा रहा है । आंगनबाड़ी कार्यकत्री उषा देवी द्वारा बाल विकास परियोजना अधिकारी से सांठगांठ करके पोषाहार का जबरदस्त गबन किया जा रहा है। ग्रामीणों ने इस काले कारनामे की शिकायत भी ब्लॉक के अधिकारियों से की किंतु आंगनबाड़ी कार्यकत्री के प्रभाव में आकर बाल विकास परियोजना अधिकारी अमानीगंज द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं की जा सकी है। यह तो केवल वानगी भर है। यही हाल मिल्कीपुर और हैरिंगटनगंज ब्लाक क्षेत्रों के ग्राम पंचायतों में तैनात आंगनबाड़ी कर्मियों का है। उनके द्वारा भी महामारी के बीच गर्भवती एवं धात्री महिलाओं का निवाला छीने जाने का काम किया जा रहा है।

चोरों ने मंदिर के दान पात्र सहित दो गुमटियों को तोड़ हजारों का माल किया पार।

मिल्कीपुर अयोध्या। थाना कोतवाली इनायत नगर क्षेत्र के तरौली बाजार में शनिवार15/16 की रात चोरों ने बाजार स्थित हनुमान मंदिर में रखा दानपात्र का नकदी सहित बाजार में अपने परिवार की जीविकोपार्जन के लिए रखे गुमटी आशीष कुमार तथा हरिप्रसाद की गुमटियो का ताला पटरा को तोड़कर हजारों का माल पार कर दिया। इस कोरोना काल में यहां जनता संक्रामक बीमारी को लेकर परेशान है अपने घर में बाहर नहीं निकल रही है वही चोरों के हौसले बुलंद है जो भगवान को भी नहीं बख्श रहे हैं। आसपास के लोगों को भनक तक नहीं लग सकी जबकि रात में पी आर बी पुलिस 112 की गाड़ी भी दौड़ा करती है । हनुमान मंदिर की पूजा करने वाले मंदिर के संस्थापक वा पुजारी ने बताया कि शाम को पूजा आरती करने के बाद घर चला गया सुबह आने पर जब मंदिर धोने के लिए मंदिर के पास पहुंचा तो मंदिर का ताला टूटा पड़ा था। तथा दानपात्र गायब था।

पंद्रह हजार पीपीई किट और सेनिटाइजर किया गया वितरित

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

कोविड 19 की दूसरी लहर में कोविड के मामलों में हुई वृद्धि और कई राज्यों में हुई तालाबंदी के कारण लोगों और व्यवसाय पूरे भारत में प्रभावित हो रहे हैं। महामारी से लड़ने के सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों का समर्थन करने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है। वीवो ने एक्सटेंडेड प्रोडक्ट वारंटी के साथ अपने भारतीय लोगों के लिए एक और राहत भरे विकल्प की घोषणा की है। पॉलिसी सुनिश्चित करेगी कि रिप्लेसमेंट अवधि और अन्य ऑफ़र तीस दिनों तक बढ़ाये जाएं। जिसकी गणना उस दिन से की जाएगी जब सेवा केंद्र फिर से शुरू होंगे। यह नीति उन सभी लोगों की चिंताओं को दूर करेगी जो लॉकडाउन के कारण सेवा प्राप्त करने के लिए किसी सेवा केंद्र पर नहीं जा सकते और साथ ही यह सभी खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ताओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित करेगी।

कोविड कंट्रोल रूम में मण्डलायुक्त ने परखी हकीकत

● होम आइसोलेशन के मरीजों से फोन पर जाना हाल ●बिना आक्सीजन लेबल चेक किये दवा देने पर जताई नाराजगी

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

कोविड कंट्रोल रूम में जानकारी लेते मण्डलायुक्त

मंडलाआयुक्त एमपी अग्रवाल अयोध्या मंडल ने जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन के साथ मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में संचालित एकीकृत कोविड कमांड सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एकीकृत कोविड कमांड सेंटर से होम आइसोलेशन में भर्ती मरीजों को फोन करके उनका नियमित लिए जा रहे हालचाल का बना डिटेल रजिस्टर भी देखा।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वयं मरीज दुर्गेश से फोन करके हालचाल जाना। मरीज दुर्गेश द्वारा अवगत कराया गया कि मेरा स्वास्थ्य ठीक है दवा मिल रहा है टेंपरेचर चेक किया गया था। मुझे कोई परेशानी नहीं है। इसके उपरांत मरीज सुरेश से मंडल आयुक्त द्वारा फोन करके स्वास्थ्य के बारे में पूछा गया तो सुरेश ने अवगत कराया कि मेरे पास आरआर टीम आती है परंतु मेरा अक्सीजन का लेवल चेक नहीं किया जाता है।

टेंपरेचर के आधार पर ही दवा दे दिया जाता है जिस पर मंडलायुक्त ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि आरआरटी टीम भेजकर तत्काल मरीज का ऑक्सीजन लेवल चेक किया जाए जिससे मरीज को कोई दिक्कत न हो। निरीक्षण के दौरान मौके पर मुख्य विकास अधिकारी घनश्याम मीणा, अपर जिलाधिकारी डॉ पंकज कुमार वर्मा, सीएमओ डॉ अशोक कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ ओम प्रकाश गौतम, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एसके वर्मा तथा अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

दिल्ली की तर्ज पर प्रयागराज में भी स्थापित हो एम्सः बासुदेव यादव

प्रयागराज। सपा से विधान परिषद सदस्य और यूपी बोर्ड के पूर्व सभापति बासुदेव यादव ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर प्रयागराज में राजधानी दिल्ली की तर्ज पर एम्स स्थापित किए जाने की गुहार लगाई है। कोरोना महामारी ने प्रयागराज के जनमानस को झकझोर कर रख देने के साथ ही भयभीत भी कर दिया है। चिकित्सा का कोई समुचित प्रबन्ध और व्यवस्था न होने के कारण भी संगम नगरी में अधिक मौतें हुई हैं। प्रयागराज में एम्स की स्थापना हो जाए तो प्रयागराज सहित आसपास के बीस ज़िलों को इसका लाभ मिल सकता है।

पत्र में लिखा है कि विश्व स्तर पर प्रयागराज में कुम्भ मेले के आयोजन और धार्मिक आध्यात्मिक शैक्षणिक सांस्कृतिक नगर के रुप में विख्यात इस माटी की महत्ता है। यहां की माटी ने उच्चकोटि के राजनीतिक शिक्षाविद न्यायविद तथा प्रशासनिक अधिकारी देश सेवा में दिए हैं। प्रदेश तथा देश की सरकार यहाँ पर आयोजित होने वाले सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुम्भ में सहयोग करके अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकृष्ट करती है। कुम्भ के दौरान गंगा यमुना व अदृश्य सरस्वती के संगम की रेती पर विश्व का सबसे बड़ा शहर बसाया जाता है। इससे पूरे प्रदेश और देश को ख्याति मिलती है। बासुदेव यादव ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से अपील किया है कि प्रयागराज की महत्ता तथा आवश्यकता को देखते हुए यहाँ पर एम्स की स्थापना की जाए। प्रयाग के लोगों की भी मांग है कि यहाँ एम्स की स्थापना की जाए। सपा महानगर प्रवक्ता सैयद मो अस्करी ने बताया कि विधान परिषद सदस्य बासुदेव यादव ने पत्र में हण्डिया में ग्रामसभा की 163 एकड़ जमीन पर प्रस्ताव तैयार कर तत्कालीन कमिश्नर देवेश चतुर्वेदी तथा सीएमओ प्रयागराज के प्रस्ताव से शासन को स्वीकृति हेतु पूर्व में भेजा गया है।

बच्चों में नए लक्षण नजर आएं तो न करें नजरंदाजः डा. पियाली

● बाल गृहों के बच्चों को कोरोना से सुरक्षित रखने पर मंथन ●बाल गृहों के कर्मचारियों को बच्चों में कोरोना के लक्षणों और बचाव की दी गयी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

कोरोना संक्रमण और ब्लैक फंगस के दौर में अगर बच्चों में कोई भी नए लक्षण नजर आएं तो उसे बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें बल्कि फौरन डॉक्टर से सलाह लें। बताते चलें कि महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत प्रदेश में संचालित 180 बाल गृहों में रह रहे शून्य से 18 साल के बच्चों को कोरोना से सुरक्षित रखने को लेकर विभागीय कोविड वर्चुअल ग्रुप के अधिकारियों और विशेषज्ञों ने गहनता से विचार विमर्श किया है। बच्चों में कोरोना के लक्षणों और बचाव के तरीकों पर विषय विशेषज्ञों ने अपनी बात रखी। बाल गृहों के कर्मचारियों के क्षमतावर्धन के लिए कोविड वर्चुअल ग्रुप द्वारा आयोजित वेबिनार में बाल गृहों की व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया। सभी का यही कहना था कि बाल गृहों में साफ़सफाई बच्चों के खानपान और उनकी खास देखभाल की इस वक्त अधिक जरूरत है। वेबिनार में एसजीपीजीआई लखनऊ की वरिष्ठ कंसलटेंट पीडियाट्रिशियन डा पियाली भट्टाचार्य ने कहा कि इस समय बच्चों में कोई भी नए लक्षण नजर आएं तो उनको नजरंदाज करने की कतई जरूरत नहीं हैम बच्चों में डायरिया उल्टी दश्त सर्दी जुकाम बुखार खांसी आँखें लाल होना या सिर और शरीर में दर्द होना साँसों का तेज चलना आदि कोरोना के लक्षण हो सकते हैं। इसलिए यदि ऐसे लक्षण नजर आते हैं तो उसे नजरंदाज कतई न करें और लक्षण सामान्य हैं तो बच्चे को होम आइसोलेशन में रखें। बच्चा यदि पहले से किन्हीं बीमारियों की चपेट में रहा है और कोरोना के भी लक्षण नजर आते हैं तो उसे चिकित्सक के संपर्क में रखें। उन्होंने बाल गृह में रह रहे बच्चों का हेल्थ चार्ट बनाने पर जोर दिया। कहा कि यह चार्ट हर बाल गृह अपने पास रखें और उसको नियमित रूप से भरते रहें। उसमें बुखार पल्स रेट आक्सीजन सेचुरेशन खांसी दस्त आदि का जिक्र है। जिससे पता चलता रहेगा कि बच्चे को कब आइसोलेट करने की जरूरत है या कब अस्पताल ले जाना है। बच्चा ज्यादा रोये गुस्सा करे या गुमशुम रहे तो उस पर भी नजर रखनी है। उसके काउंसिलिंग की जरूरत है। बाल गृहों में काउंसलर की अहम भूमिका है उनके प्यार दुलार या समझाने के तरीके से ही बच्चे की बहुत सी बीमारियाँ दूर हो जाती हैं। डा पियाली ने कहा कि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। इसलिए उनके खाद्य पदार्थों में हरी साग सब्जी दाल मौसमी फल जैसे तरबूज खरबूज नींबू संतरा आदि को जरूर शामिल करें ताकि शरीर में रोग से लड़ने की ताकत पैदा हो सके। इसके अलावा हाई प्रोटीन का भी ख्याल रखें। बच्चे को पनीर मठ्ठा छाछ गुड़ चना दिया जा सकता है। डा पियाली ने कहा कि जैसी की चर्चा में है कि कोरोना की तीसरी लहर भी आ सकती है जो कि बच्चों को ज्यादा प्रभावित कर सकती है। उस लिहाज से भी अभी वक्त है कि बच्चों में मास्क लगाने सोशल डिस्टेंसिंग और हैण्ड वाश की आदत डाली जाए क्योंकि तीसरी लहर सितम्बर अक्टूबर में आने की बात कही जा रही है। उन्होंने कहा कि सेनेटाइजर की जगह पर साबुन पानी से हाथ धोने पर जोर देना चाहिए। क्योंकि वह सेनेटाइजर की तुलना में ज्यादा उपयोगी है। उन्होंने कहा कि यदि तीसरी लहर आती भी है तो बच्चे इस कारण से भी ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं। क्योंकि 18 साल से ऊपर वालों का ही अभी टीकाकरण किया जा रहा है। निदेशक महिला कल्याण मनोज कुमार राय ने कहा कि कोविड 19 को देखते हुए बाल गृहों में रह रहे बच्चों को पहले से ही विभिन्न आयु वर्ग में विभाजित कर उनके स्वास्थ्य की देखभाल की जा रही है। बाल गृहों में विशेषज्ञों की राय से जरूरी दवाओं का प्रबंध किया गया है।

जान खतरे में डालकर कोरोना योद्धा के रूप में डटे हैं चिकित्सक

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। आज पूरा देश कोरोना महामारी से जंग लड़ रहा है ऐसे में पहली पंक्ति में खड़े कोरोना योद्धा में रूप में हमारे वे चिकित्सक और स्वास्थ कर्मी हैं, जो अपनी और अपने परिवार की जान को खतरे में डाल कर रातदिन एक करके कोरोना से संक्रमित लोगों को बचाने में जुटे हुए है। कोविड मरीजों के लिए जिले के सबसे बड़े सेंटर राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कालेज में बनाये गए कोविड सेंटर में यहां के प्रिंसिपल डॉ संदीप कौशिक के कुशल निर्देशन में डेढ़ सौ चिकित्सक और स्टाफनर्शो के अलावा इतने कर्मचारियों को साथ लेकर टीम भावना से रातदिन एक करके लोगों की जान बचाने में जुटे हुए हैं। जिसका सुखद परिणाम भी अब साफ तौर पर दिखाई पड़ने लगा है। मेडिकल कालेज में कोरोना संक्रमित मरीजों की इन कोरोना योद्धाओं के अथक प्रयास का ही परिणाम रहा कि अब तक यहां भर्ती छह सौ तिहत्तर संक्रमित व्यक्तियों में से चार सौ अस्सी लोग पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने अपने घरों को

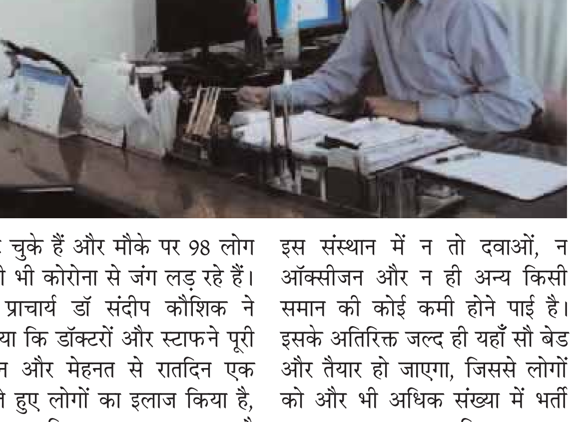

लौट चुके हैं और मौके पर 98 लोग अभी भी कोरोना से जंग लड़ रहे हैं।

प्राचार्य डॉ संदीप कौशिक ने बताया कि डॉक्टरों और स्टाफने पूरी लगन और मेहनत से रातदिन एक करते हुए लोगों का इलाज किया है, जिसका परिणाम अब यह आ रहा है कि इस जानलेवा वायरस से लोग अब ज्यादातर लोग ठीक हो जा रहे हैं। प्रदेश और देश के कई हिस्सों में दवाओं और ऑक्सीजन का अकाल पड़ा हुआ है, लेकिन इसके बावजूद इस संस्थान में न तो दवाओं, न ऑक्सीजन और न ही अन्य किसी समान की कोई कमी होने पाई है। इसके अतिरिक्त जल्द ही यहाँ सौ बेड और तैयार हो जाएगा, जिससे लोगों को और भी अधिक संख्या में भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया जाएगा। इसके शासन से डॉक्टरों और स्टाफ की भी मांग की गई है।

फिलहाल प्राचार्य डॉ संदीप यहां की चिकित्सा टीम की सराहना करते हुए उन्हें बधाई भी दे रहे हैं कि ऐसी विषम परिस्थिति में जब खुद डॉक्टर और स्टाफ संक्रमित हो जा रहे हैं, उसके बाद ठीक होकर लौटने के बाद पुनः इसी सेवा में जुट जा रहे हैं, निश्चित ही वे लोग बधाई के पात्र हैं। डॉ कौशिक ने बताया कि मेडिकल कालेज के प्रोफेसर डॉ आसिफअख्तर और उनके पिता भी संक्रमित होकर भर्ती हुए थे, लेकिन दुर्भाग्य से उनके पिता इस संक्रमण से नही बच सके उसके बाद भी संक्रमण से सही होते ही डॉ आसिफपुनः कोरोना मरीजों के इलाज में जुटे हुए हैं। इसके अलावा जो खास बात है वह यह कि न सिर्फ अम्बेडकर नगर बल्कि आसपास के अन्य आधा दर्जन जिले बस्ती, अयोध्या, सुल्तानपुर, जौनपुर व आजम गढ़ जिलों से भी काफी मरीज यहां आकर कोरोना की जांच व इलाज कराकर ठीक हो रहे हैं। यह बात सही है कि जैसी सेवाएं यहां डॉ संदीप के निर्देशन में टीम भावना के साथ सारे डॉक्टर और स्टाफके लोग दे रहे हैं, ऐसी व्यवस्था अन्य जगहों पर लोगों को मिली होती तो शायद ही कहीं ऐसा हंगामा मचता।

टीकाकरण अभियान

सुधार की आवश्यकता

कोरोनावायरस संक्रमण से जनता को बचाने के लिए हर्ड इम्युनिटी प्राप्त करना महत्वपूर्ण है, पर अभी इसमें काफी समय लगेगा और इसके पहले भारत को अपनी जनता की महामारी से सुरक्षा के लिए बहुत कुछ करना होगा। भारत में कोविड-19 टीकाकरण एक प्रकार से हवा में तैर रहा है। हालांकि, वायरस की तीसरी लहर से बचने के लिए लगभग एक अरब जनता का टीकाकरण कभी आसान काम नहीं है, पर टीकाकरण कार्यक्रम उस दिशा में तेजी से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। निश्चित नहीं है कि यह कार्यक्रम टीकाकरण की व्यापक प्रकृति की दिशा में है अथवा टीकाकरण प्रबंधन योअना में बिखराव प्रदर्शित कर रहा है। तथ्य यह है कि वैश्विक महामारी को ज्यादा से ज्यादा इस साल के अंत तक नियंत्रित करना है। वैज्ञानिकों का विश्वास है कि भारत में हर्ड इम्युनिटी प्राप्त करने के लिए जनसंख्या के कम से कम 70 प्रतिशत का टीकाकरण होना चाहिए। इसका अर्थ है कि यदि लगभग 94 करोड़ लोग वैक्सीन की दोनों खूराकें प्राप्त करें तो हर्ड इम्युनिटी मिल सकती है। इतने लोगों को दो खूराकें देने के लिए 188 करोड़ खूराकें चाहिए। यह बहुत कठिन काम है। यदि इस अनुमान से टीकाकरण को केवल एक खूराक तक सीमित कर दिया जाए कि कुछ लोगों को पूर्ण सुरक्षा न दे पाने के बजाय सबको आधी सुरक्षा देना बेहतर होगा तो भी 100 करोड़ खूराकों की जरूरत होगी। इस बारे में अनेक सवाल स्वाभाविक रूप से पैदा होते हैं। टीकों की इतनी खुराकें कहां से आएंगी? इनको प्राप्त करने में कितना

समय लगेगा? टीकाकरण प्रक्रिया पूरा करने में कितना समय लगेगा? आखिरकार यदि केवल एक खूराक दी जाती है तो देश के सामने दूसरी खूराक देने का सवाल बना रहेगा।

ध्यान रखें कि यह सब केवल 70 प्रतिशत जनसंख्या के टीकाकरण के लिए है। इसका अर्थ है कि लगभग एक तिहाई जनसंख्या बिना टीकों के रह जाएगी जिसमें ज्यादातर बच्चे होंगे जिनको अभी टीकाकरण के दायरे में लाया जाना है। सीरम इंस्टीट्यूट आफइंडिया ने कहा है कि वह जुलाई के बाद हर महीने 10 करोड़ खूराकें तैयार करने की स्थिति में होगा। अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत बायोटेक भी जुलाई के बाद प्रति माह पांच से छः करोड़ खूराकें तैयार कर सकेगा। जाइडस कैडिला व डा. रेड्डीज़ लैब प्रति माह तीन करोड़ खूराकें तैयार कर लेंगे। इससे प्रति माह खूराकों का कुल आंकड़ा अगस्त, 2021 तक 20 करोड़ प्रति माह तक पहुंच जाएगा। इस प्रकार दिसंबर तक टीकाकरण का काम पूरा करने के लिए लगभग 100 करोड़ खूराकों की अतिरिक्त जरूरत होगी। हालांकि, कुछ आधी अधूरी खबरों के अनुसार वास्तव में टीकाकरण का यह काम पूरा करने में दो से तीन साल का समय लगेगा। यदि यह मान लिया जाए कि यह लक्ष्य दिसंबर तक पूरा हो जाएगा तो 94 करोड़ जनसंख्या को एक प्रभावी खूराक या उनमें से आधे लोगों को दो खूराकें मिल जाएंगी। इसका नतीजा सबके सामने होगा। कुल मिला कर देखें तो इस प्रकार 2021 के अंत तक हर्ड इम्युनिटी प्राप्त करना लगभग असंभव होगा क्योंकि इसके लिए 188 करोड़ खूराकों की और जरूरत होगी। पांच महीनों में टीकाकरण की इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय अभियान को अभूतपूर्व, संगठित व सुव्यवस्थित बनाना होगा। लेकिन सवाल है कि क्या केन्द्र इस दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसकी योजना कहां है?

इस्राइल-हमास युद्ध की विभीषिका

पूर्वी यरुशलम से अवैध फिलिस्तीनियों को निकालने के लिए तेल अवीव के ठोस प्रयास और हमास के इजरायल और यहूदियों को नष्ट करने के निरंतर प्रयास शांतिपूर्ण समाधान पर पहुंचने में सबसे बड़ी बाधा हैं।

माखन सैकिया
(लेखक अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ हैं)

गाजा एक बार फिर सुर्खियों में है। पूर्वी यरुशलम में, खून से सने सड़कें और सुलगते टायर इजरायली सुरक्षा बलों और हमास के बीच एक भीषण लड़ाई के संकेत हैं। 2014 में हुए 50-दिवसीय युद्ध के बाद से इस क्षेत्र में सबसे खराब हिंसा देखी जा रही है। आज, इज़राइल के लिए कड़वा सच यह है कि हमास, एक इस्लामी आतंकवादी समूह, संवेदनशील गाजा क्षेत्र को नियंत्रित करता है।

फ़िलिस्तीनी इज़रायली उपनिवेशवाद के अधीन रहते हैं। उनका डर यातना के अनुभव, अपमान की दैनिक लड़ाई, बुनियादी स्वतंत्रता से लगातार इनकार, जीवन की गरिमा की अनुपस्थिति, जीवन और श्रम, कारावास और अंत में अपंग और हत्या पर आधारित है। इसलिए यह बहुत स्वाभाविक है कि वहां पैदा होने वाले प्रत्येक फिलीस्तीनी में इजरायल के कब्जे के खिलाफ लड़ने की मूल प्रवृत्ति होगी। इजरायल और उसके सुरक्षा बलों के प्रति नफरत बढ़ रही है। और अगर आगे भी ऐसा ही चलता रहा तो युद्ध जैसी स्थिति रोज हो जाएगी।

महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि इजरायल क्या चाहता है? इस्राइल पूर्वी यरुशलम पर पूर्ण नियंत्रण चाहता है। वर्तमान संघर्ष शेख जर्राह के कब्जे वाले पूर्वी यरुशलम इलाके से फिलिस्तीनी परिवारों के जबरन निष्कासन के कारण उभरा है। कुछ सूत्रों का कहना है कि इन परिवारों के कब्जे वाली भूमि मूल रूप से यहूदी स्वामित्व में थी। लेकिन फिलीस्तीनी इसे यरुशलम से ज्यादा से ज्यादा फिलीस्तीनियों को विस्थापित करने की इजरायल की नीति के विस्तार के रूप में देखते हैं। अंतिम उद्देश्य शहर में बहुसंख्यक यहूदी पहचान को पुन: प्राप्त करना और बनाए रखना है। क्या फ़िलिस्तीन को कभी मनचाही आज़ाद ज़मीन मिलेगी? नहीं, कम से कम निकट भविष्य के लिए। यहां यह कहना होगा कि फिलिस्तीन के लिए संघर्ष और जेहाद जारी रहेगा। हमास जैसे इस्लामी प्रतिरोध आंदोलन, जिसका अर्थ है ताकत, इजरायल राज्य की पहचान को चुनौती देते रहेंगे। वास्तव में, हमास की वाचा जिसमें 36 लेख हैं, स्पष्ट रूप से इस बात पर प्रकाश डालता है कि समूह इस्लामी आंदोलन को कैसे आगे ले जाएगा। वाचा का अनुच्छेद 15 कहता है कि फिलिस्तीन की मुक्ति के लिए जेहाद एक व्यक्तिगत कर्तव्य है। इसमें कहा गया है, ''जिस दिन दुश्मन मुस्लिम भूमि का हिस्सा हड़प लेते हैं, जेहाद हर मुसलमान का व्यक्तिगत कर्तव्य बन जाता है। यहूदियों द्वारा फ़िलिस्तीन को हड़पने के विरोध में, यह अनिवार्य है कि जेहाद का झंडा फहराया जाए।'' ऐसा करने के लिए क्षेत्रीय, अरब और इस्लामी दोनों स्तरों पर जनता के बीच इस्लामी चेतना के प्रसार की आवश्यकता है। देश के दिल में जेहाद की भावना पैदा करना जरूरी है ताकि वे दुश्मनों का सामना कर सकें और लड़ाकों की कतार में शामिल हो सकें।

फिलिस्तीनियों ने दशकों से इजरायल के कब्जे और उपनिवेश का विरोध किया है। फिलीस्तीनी सड़क पर गुस्सा बढ़ गया है। लोग इस्राइल के खिलाफ विरोध का झंडा फहरा रहे हैं। उनका दावा है कि इजरायल जमीन से फिलिस्तीनी पहचान को मिटाने के लिए ठोस प्रयास कर रहा है।

अभी के लिए, तेल अवीव ने युद्धविराम के लिए किसी भी चर्चा को खारिज कर दिया है। यह आक्रामक जारी रखने की कसम खाता है। इज़राइल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपने गाजा हमलों को आगे बढ़ाने के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा, ''एक स्थितिजन्य आकलन के निष्कर्ष पर, यह निर्णय लिया गया कि हमलों की ताकत और हमलों की आवृत्ति दोनों को बढ़ाया जाएगा।''

उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि ''हमास और इस्लामिक जेहाद ने भुगतान किया ... और उनके जुझारूपन के लिए बहुत भारी कीमत चुकानी होगी ... उनका खून ज़ब्त है''। यह इंगित करता है कि इजरायल अपना आक्रमण जारी रखेगा। ऐसी संभावना है कि यह पश्चिम एशियाई क्षेत्र में दशक के लंबे संकट के दौरान आग में घी का काम करेगा।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता ने कहा कि वह गाजा में इस्राइली हवाई हमले और गाजा से दागे गए रॉकेटों से इस्राइली मारे जाने से बच्चों सहित बड़ी संख्या में हताहत होने से दुखी हैं। उन्होंने इजरायली सुरक्षा बलों द्वारा अधिकतम संयम बरतने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि इस्राइल द्वारा पूर्वी यरुशलम से फिलीस्तीनी परिवारों का नियोजित निष्कासन युद्ध अपराध हो सकता है। लेकिन इसने इजरायली आबादी केंद्रों की ओर रॉकेट और मोर्टार के अंधाधुंध प्रक्षेपण के लिए हमास पर भी हमला किया।

इस बीच, अमेरिका ने इस्राइल और हमास के बीच जारी तनातनी पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक अगले सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। चर्चा इस सप्ताह होनी थी, लेकिन अमेरिका कूटनीति के लिए जगह बनाने की कोशिश कर रहा है ताकि विवादित गाजा क्षेत्र में सबसे खराब स्थिति को टाला जा सके। इजरायल के प्रमुख सहयोगी अमेरिका ने कई मौकों पर पुष्टि की है कि इजरायल को अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार है क्योंकि गाजा के आतंकवादी समूहों ने उसके क्षेत्र में लगभग 1,750 रॉकेट दागे हैं। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सभी अटकलों को खारिज कर दिया है कि वाशिंगटन महत्वपूर्ण वार्ता को पूरी तरह से टारपीडो करने की कोशिश कर रहा है। राष्ट्रपति जो बिडेन ने कहा, ''मैंने अब तक जो कुछ देखा है, उनमें से एक यह है कि कोई महत्वपूर्ण अतिरंजना नहीं हुई है।''

लगभग उसी समय, इजरायल गाजा में हवाई हमले कर रहा है, इमारतों को समतल कर रहा है जिससे दर्जनों लोग मारे गए हैं। बिडेन पहले ही हमास के रॉकेट हमलों के बीच इजरायल के आत्मरक्षा के अधिकार के बारे में बात कर चुके हैं, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए हैं। इस प्रकार व्हाइट हाउस ने स्पष्ट किया कि यरूशलेम सह-अस्तित्व का स्थान होना चाहिए।

27 राष्ट्रों के एक समूह यूरोपीय संघ ने भी युद्ध के लिए हमास की आलोचना करते हुए कहा कि इजरायल पर फिलिस्तीनी रॉकेट हमले पूरी तरह से अस्वीकार्य थे। और यूरोपीय संघ ने सभी पक्षों से डी-एस्केलेशन का लक्ष्य रखने और अधिक नागरिक हताहतों को रोकने का आह्वान किया। उसी समय, यूरोपीय संघ की विदेश नीति के प्रमुख जोसेफ बोरेल ने पूर्वी यरुशलम में फिलिस्तीनी परिवारों को बेदखल करने की निंदा की। उन्होंने निष्कासन को अवैध बताते हुए कहा कि यह केवल तनाव को बढ़ाने का काम करता है। ब्रिटिश प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन ने अपने विचार को प्रसारित किया कि ''ब्रिटेन बढ़ती हिंसा और नागरिक हताहतों से बहुत चिंतित है और हम तनाव में तत्काल कमी देखना चाहते हैं।'' अरब लीग के प्रमुख अहमद अबुल घीत ने इजरायल के हवाई हमलों को अंधाधुंध और गैर जिम्मेदाराना बताया।

हालांकि, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई, जो कि इजरायल राज्य के एक प्रसिद्ध समर्थक हैं, ने कहा, ''ज़ायोनी बल की भाषा के अलावा कुछ भी नहीं समझते हैं, इसलिए फिलिस्तीनियों को अपनी शक्ति और प्रतिरोध बढ़ाना चाहिए ताकि अपराधियों को आत्मसमर्पण करने और उनके क्रूर कृत्यों को रोकने के लिए मजबूर किया जा सके।'' इस बीच इस्लामिक सहयोग संगठन के 57 सदस्यीय समूह ने पूर्वी यरुशलम में बिगड़ते सुरक्षा परिदृश्य पर चिंता व्यक्त की।

अब, जैसा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयम बरतने का आह्वान किया गया है, हमास और इज़राइल दोनों को यह समझना चाहिए कि वे केवल निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहे हैं। युद्ध भूमि की समस्या का समाधान नहीं है। मौजूदा संकट दोनों पक्षों के कट्टरपंथी तत्वों को अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने का मौका दे रहा है।

सीमा पर नेतन्याहू सरकार द्वारा जमीनी सैनिकों की भारी तैनाती आने वाले दिनों में व्यापक हमले का संकेत देती है। गाजा के पास सशस्त्र बलों को ले जाने से आक्रमण और खूनी युद्ध की संभावना बढ़ जाती है। इजरायली रक्षा बल (ढ्ढष्ठस्न) इस समय सभी प्रकार की घटनाओं और तनाव को बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। बलों की ऐसी तैनाती 2014 में ही हुई थी।

जैसा कि युद्ध जारी है, वैश्विक मीडिया रिपोर्ट करता है कि हमास द्वारा दागे गए अधिकांश रॉकेट इजरायल के आयरन डोम डिफेंस सिस्टम द्वारा अवरुद्ध किए जा रहे हैं। हालांकि, बेहतर रक्षा सर्किट से गुजरने वाले कुछ रॉकेटों ने इज़राइल की ओर से कुछ ही लोगों को मार डाला। दूसरी ओर, गाजा पर अपनी वायु सेना के माध्यम से इजरायल द्वारा शुरू किए गए हमले अधिक घातक हैं, अब तक 90 से अधिक लोगों की मौत की सूचना है। आयरन डोम को चुनिंदा रूप से रॉकेट हमलों से निपटने के लिए डिज़ाइन किया गया है। और यह प्रणाली उन दुश्मन रॉकेटों को भी रोकती है जो आबादी वाले क्षेत्रों में जाते हैं। आईडीएफ का दावा है कि आयरन डोम लगभग 90 प्रतिशत प्रभावी है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि एक उच्च संभावना अवरोध दर भी आबादी वाले क्षेत्रों को नष्ट करने के हमास के प्रयासों को पूरी तरह से अप्रभावी बना सकती है। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि आयरन डोम सिस्टम अमेरिकी वित्त से तैयार किया गया था। फिलिस्तीन के लिए अपनी संप्रभु पहचान स्थापित करने के लिए निरंतर संघर्ष इजरायल के लिए एक स्थायी अड़चन बन गया है। दूसरी ओर, इजरायल ने अपनी यथास्थिति बनाए रखने और आगे विस्तार करने और पूर्वी यरुशलम से अवैध फिलिस्तीनी कब्जेदारों (तेल अवीव के अनुसार) को बेदखल करने का प्रयास इस क्षेत्र में एक और अधिक युद्ध को बढ़ावा दिया। हमास चाहता है कि यहूदी मर जाएं और इसराइल राज्य को खत्म कर दिया जाए। उनके लिए, यह इज़राइल के बारे में नहीं है, लेकिन यह अंततः यहूदियों के बारे में है।

स्वास्थ्यरक्षा नीति को प्रोत्साहन जरूरी

> जनता में व्याप्त असमानता के कारण महामारी से पैदा हुई मुसीबतों के दौरान गरीब लोग और ज्यादा संकट में पड़ गए हैं।

ईशानी शर्मा
(लेखिका लैंगिक न्याय एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हेतु कार्यरत हैं)

भारत में कोरोनावायरस जनित महामारी का व्यापक प्रसार होने से पहले अक्सर आर्थिक समृद्धि व स्वास्थ्यरक्षा विकास को एक दूसरे का पूरक समझा जाता था। कोविड वैश्विक महामारी के दौरान स्पष्ट प्रमाणों से यही पता चलता है कि दोनों के बीच खाई कम नहीं हुई है जिसका कारण विकृत किस्म का विकास है। होता यही आया है कि हर साल केंद्र और राज्य सरकारें अपना वार्षिक वित्त दस्तावेज रखते हुए कुछ क्षेत्रों या उनसे जुड़े क्षेत्रों को अत्यधिक प्राथमिकता देती हैं। इनमें बीमा क्षेत्र शामिल है जो हमारी चिकित्सा व स्वास्थ्यक्षेत्र नीतियों का लाभ उठाता है।

दु:ख की बात है कि स्वतंत्रता के बाद से स्वास्थ्यरक्षा विकास के लिए प्रतिशत आधारित वित्तीय आबंटन कभी कुल वित्तीय आबंटनों के दो प्रतिशत से अधिक नहीं रहा है। इसके परिणामस्वरूप कुछ क्षेत्रों में सामाजिक असमानता बढ़ी है तथा हमारी जनसंख्या के बहुसंख्य हिस्से को मूलभूत चिकित्सा आवश्यकताओं के लिए निजी अस्पतालों में भारी धनराशि खर्च करनी पड़ती है। इस असमानता से गरीब जनता की मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में जोखिम बढ़ जाती है तथा उसे समानता के आधार पर राज्य से स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल पाते हैं। बीमा कंपनियां इस स्थिति का अपनी इच्छानुसार लाभ उठाती हैं जिससे आर्थिक विकास विकृत होता है और हमारे देश के हजारों लोग अनुपयुक्त स्वास्थ्यरक्षा ढांचे का शिकार बनते हैं।

कोविड-19 महामारी ने अनचाहे ही हमारी अर्थव्यवस्था में वर्तमान ढांचागत कमियों को उजागर किया है जो मुख्यत: चिकित्सा और स्वास्थ्यरक्षा उद्योग में पाई जाती हैं। उपयुक्त ढांचे में कमी के कारण तथा सरकारी अस्पतालों में मानव संसाधनों के अत्यधिक अभाव के चलते अधिकांश स्वास्थ्यरक्षा योजनायें विफल हो रही हैं जिनमें गरीबों के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्यरक्षा हेतु निर्धारित आयुष्मान भारत योजना भी शामिल है। इनसे महामारी के समय जनता की वैध चिकित्सा मांगें पूरी नहीं हो रही हैं। एक प्रमुख अखबार में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार आयुष्मान भारत योजना के केवल 10 प्रतिशत कार्ड धारकों को ही केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना का लाभ मिल पाता है। हमने देखा है कि देश में विद्यमान अधिकांश स्वास्थ्यरक्षा संस्थानों में गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू), वेंटीलेटर, आरटी-पीसीआर सुविधाओं, आक्सीजन सिलिंडरों, कार्डियक मानीटरों, एलेक्ट्रोकार्डियोग्राम, बिस्तरों, टीकों, अतिरिक्त दवाओं, परिवहन सुविधाओं, कर्मचारियों तथा सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप से डाक्टरों की भी कमी का सामना करना पड़ रहा है। जांच सुविधाओं व वैक्सीन की कमी के कारण ग्रामीण व सरकारी अस्पताल गरीब मरीजों को तत्काल इजाज के लिए सुदूर स्थानों पर जाने के लिए मजबूर करते हैं। इस समस्या का जन्म 1991 में उस समय हुआ था जब हमारे देश ने उदारीकरण, निजीकरण व वैश्वीकरण-एलपीजी नीतियां अपनाई थीं।

इसके बाद सरकारी क्षेत्र ने निजी क्षेत्र को स्वास्थ्यरक्षा उद्योग में प्रमुख भूमिका निभाने की अनुमति दी और राज्य धीरे-धीरे जनता को उपयुक्त स्वास्थ्य सुविधायें देने की अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ता चला गया।

इससे चिकित्सा सेवाओं में सार्वजनिक क्षेत्र कमजोर हुआ तथा इसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्यरक्षा लाभ प्राप्त करने के लिए निजी क्षेत्र पर निर्भरता बढ़ती गई। सरकार को यह समझने की आवश्यकता है कि निजी क्षेत्र मुनाफा कमाने को केन्द्र में रखता है तथा वह जमीनी स्तर पर जनता तक पहुंचने के प्रयास नहीं करेगा।

वर्तमान समय में देश के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति 1000 जनसंख्या पर केवल 0.6 डाक्टर हैं। चिकित्सा उद्योग के लाभ कमाने के दृष्टिकोण तथा स्वास्थ्यरक्षा सुविधाओं के लिए यूजर चार्ज ने जनता को भारी नुकसान पहुंचाया है।

अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों तथा स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र के लिए बजटीय आबंटन में समानता और संतुलन बहुत महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय होना चाहिए। हमारे देश को हजारों लोगों को महामारी से बचाने के लिए फौरन इसकी आवश्यकता है। वर्तमान परिस्थिति में स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र के लिए उपयुक्त वित्तीय आबंटन की आवश्यकता से समझौता नहीं किया जा सकता है।

आप की बात

टीकों का अभाव

आज देश के हालात कोरोना की वजह से महफूज नहीं है और घंटों लाइन में लगकर भी लोग टीके का जुगाड़ नहीं कर पा रहे हैं। जैसे-जैसे महामारी का कहर जोर पकड़ता जा रहा है लाइन में लंबी होती जा रही है। 18 प्लस को टीकों की जब से घोषणा हुई है इसके लिए जद्दोजहद काफी तेज होती जा रही है। ऐसे में वैक्सीन की कमी अखरने वाली है। सरकार जब पर्याप्त टीको की व्यवस्था हो तभी टीकाकरण शुरू करें। फिलहाल दूसरे डोज वालों की ही सुध ले। एक समय था जब लोग टीके के नाम से डर रहे थे और स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा जाकर समझाइश के बाद भी लोग केंद्रों पर नहीं पहुंचे लेकिन महामारी का जो तांडव चला उससे टीकाकरण केंद्रों पर अपार भीड़ उमड़ने लगी और देखते-देखते सारा स्टॉक खत्म हो गया। यहां सरकार का दावा है कि अभी सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास पर्याप्त स्टॉक है तो फिर राज्य सरकारे टीकाकरण में आनाकानी क्यों कर रही है? सरकार को लोगों को इस मामले में वस्तु स्थिति से अवगत कराना चाहिए वही जब तक पर्याप्त स्टाक ना हो नया टीकाकरण शुरू नहीं करना चाहिए। अब तक के स्टाक को देखते हुए 45 प्लस वालों को प्राथमिकता के साथ पहला या दूसरा डोज लगाया जाना चाहिए।

– **अमृतलाल मारू,** दसई, मप्र

सीमा सुरक्षा

भारत देश की लचर सीमा प्रबंधन और आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था के कारण शत्रु देश द्वारा आतंकियों,मादक पदार्थो,नकली मुद्राओं और हथियारों को पंजाब और जम्मू कश्मीर से सटी सीमाओं पर स्थित इलाकों में ड्रोनों द्वारा भेजा जा रहा है। ड्रोनों द्वारा देश के अंदर मादकपदार्थो और तस्करी की घटनाये होना। चिन्तनीय बिंदु है। कुछ घटनाये पकड़ में आती है तब हमारा तन्त्र जसगरुक होता है। ड्रोनों से पहले भी भारत मे पुरुलिया में जहाज द्वारा हथियार गिराये जाने की घटनायें हो चुकी हैं। हाल ही में साम्बा सेक्टर में ड्रोन द्वारा गिराए गए ए के 47 राइफलें, पिस्तौल, कारतूस आतंकवादियों के हाथ न लगकर बी एस एफ जवानों की सक्रियता से बरामद कर लिये गए। पाक सीमा पार से इसके पूर्व भी पंजाब और कश्मीर में हेरोइन और हथियारों को ड्रोनों द्वारा घटनाये पकड़ी जा चुकी है। पाकिस्तान आतंकियों तक हथियार पहुचाने की कोशिश और सीमा पर गोलीबारी करके आतंकियों को भेजने की कोशिश कई बार कर चुका है। इसी इलाके में पाकिस्तानी सुरंग का पता हमारे जवानों ने लगाया था। सीमा पर सक्रिय देश विरोधी तत्वों को पहिचानने की ओर हमारे जवान क्षेत्रों की निगरानी और छानबीन के अभियान चला रहे हैं।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी,** जरगांव, उन्नाव

भाप थेरेपी से बचाव

एक जानकारी के मुताबिक खरगोन जिले के अंचल में कोरोना संक्रमण को मात देने के लिए भाप केंद्र स्थापित किए गए। बताया जाता है कि भाप लेना कोरोना मरीजों के लिए व उसके संक्रमण से बचने में लाभप्रद है। ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित स्कूलों में स्थापित भाप केंद्रों में सुबह शाम ग्रामीणों को तीन- तीन मिनिट भाप दी जा रही है। इनके अलावा कोरोनावायरस के संक्रमण से बचाव के विविध उपाय और वैक्सीन लगवाने के लिए भी जागरूक किया जा रहा है। मध्यान भोजन कार्यक्रम परिषद और पंचायत का ये कार्य प्रशंसनीय और प्रेरणादायी भी है। उल्लेखनीय है कि कई जगह पर प्राचीन ऐतिहासिक महलों आदि में स्टीम बाथ स्नानागार भी होते थे। जिसकी विधि शरीर मे रोगों को दूर कर शरीर को स्वस्थ्य बनाने की रही होगी। खैर, अन्य जिलों के अंचलों में भी भाप केंद्र बनाने की पहल की जाना चाहिए। ऐसे में सभी को डॉक्टर्स की सलाह, योग, आर्युवेदिक नुस्खे, कोरोना गाइडलाइन का पालन, आदि साथ में अवश्य ही करना चाहिए।

– **संजय वर्मा**, मनावर, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

गोवा समेत सभी राज्य भीषण महामारी से जूझ रहे हैं। आक्सीजन की कमी सरकार के लिए एक बड़ा सिरदर्द है।

– **श्रीपद नाइक**
केंद्रीय राज्य मंत्री

जब वे जीवित थे, उन्हें दवाएं, आक्सीजन, बिस्तर और उपचार नहीं मिला। अब मर जाने के उपरांत जलाने के लिए लकड़ी और अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं है।

– **लालू प्रसाद यादव**
राजद प्रमुख

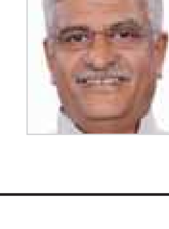

लाशों का नदी में बहना दुर्भाग्यपूर्ण है। मोदी सरकार गंगा की पवित्रता एवं निरंतरता बनाए रखने के लिए कटिबद्ध है।

– **गजेंद्र सिंह शेखावत**
केंद्रीय जलशक्ति मंत्री

नोडल अफसर ने निरीक्षण कर परखीं कोविड व्यवस्थाएं

● सिधौली तहसील का किया तूफानी दौरा

संवाददाता। सीतापुर

सीतापुर दौरे पर आई वाणिज्य कर विभाग की आयुक्त जिला नोडल अधिकारी मिनिस्टी एस ने रविवार को दूसरे दिन सिधौली तहसील इलाका का तूफानी दौरा किया। मुआयने में उन्होंने सीएचसी सिधौली, प्रावि सिंहपुर में बनाए गए क्वारंटीन सेंटर समेत हिंद अस्पताल मऊ में कोविड की व्यवस्थाएं देखी। साथ ही उन्होंने अफसरों को कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए। आपको बता दें कि देश और राज्यों में आई कोरोना की दूसरी लहर कहर बरपाए हुए है। संक्रमित लोगों को न तो अस्पतालों में बेड मिल रहे है। और न ही दवाएं। आक्सीजन तो बहुत ही दूर की बात है। दवाओं और आक्सीजन की कमी से लोगों की सांसें उखड रही है। यही नहीं शवदाह स्थलों पर अंतिम संस्कार में लकडियां भी कम पड रही है। ग्रामीणों में अंतिम संस्कार के लिए पैसा न होने की वजह से लाशें नदियों में प्रवाहित की जा रही है। शायद यही वजह है कि नदियों में एकाएक बडी संख्या में लाशों का बहना सरकार की नाकामी को दर्शा रहा है। भयावह मंजर को देख लोगों के रोंगटे खडे हो गए है। पर सरकार लगातार अपनी नाकामियों को छिपाने में जुटी है। अब सरकार ने जिलों में नोडल अधिकारियों को भेजकर उनसे कोविड व्यवस्थाओं की रिपोर्ट जानी है। शासन के फरमान पर सीतापुर में वाणिज्य कर विभाग की आयुक्त, जिला नोडल अधिकारी मिनिस्टी एस ने जिले में डेरा डाल दिया और तूफानी दौरा कर कोविड की व्यवस्थाओं को परखने में जुटी है। रविवार को नोडल अधिकारी मिनिस्टी एस ने सिधौली तहसील के हिंद अस्पताल मऊ, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली एवं प्रावि सिंहपुर में बनाए गए क्वारंटीन सेंटर का निरीक्षण कर वहां

सीतापुर-निरीक्षण करती नोडल अफसर मिनिस्टी एस

की व्यवस्थाओं को जाना। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए।

जनपद में 75 मिले कोरोना के मरीज: सीतापुर में कोरोना संक्रमण का प्रकोप थम नहीं रहा है। हांलाकि हर रोज मिलने वाले नए मरीजों की संख्या घटती बढ़ती रहती है। रविवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक जनपद में 75 मरीज मिले हैं। इनमें नगरीय क्षेत्रों से डेढ़ गुना अधिक मरीज ग्रामीण इलाकों में पाए गए हैं। नगर क्षेत्र में 27 जबकि ग्रामीण में 48 नए केस मिले हैं। रविवार को 43 पुरुष और 32 महिलाएं संक्रमित पाई गई हैं। विभागीय रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को 0 से 10 साल तक के दो, 10 से 20 साल तक के चार, 20 से 55 साल तक के 51 तथा 55 साल से अधिक के 18 मरीज शामिल हैं। स्वास्थ विभाग के अनुसार 1718 लोगों की रिपोर्टे आनी अभी बाकी हैं। अब तक 158 मरीजों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना से 2 लोगों की मौत हुई है। जबकि मिल रही सूचनाओं के अनुसार यह आंकड़ा विभागीय दावे से तीन गुना अधिक है।

कोरोना से जंग में हार गए जिंदगी

कोरोना की दूसरी लहर इतनी भयावह हो गई कि लोगों का अपना जीवन बचाना मुश्किल हो गया है। दवाओं व आक्सीजन की कमी से संक्रमित लोगों की सांसें उखडती जा रही है। कोरोना संक्रमण से व्यापारी नेता की मां, एबीवीपी के पूर्व नेता समेत चार लोग कोरोना से जंग में अपनी जिंदगी हार गए। आपको बता दें कि व्यापारी नेता तुषार साहनी की 75 वर्षीया मां चंद्र साहनी पिछले दिनों कोरोना से संक्रमित हो गई थी, नाजुक हालत देखकर उन्हें लखनऊ के अस्पताल में भर्ती कराया गया था, उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया था,आक्सीजन लेबल डाउन होने से उनका निधन हो गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व नेता, राधाकृष्ण गैस एजेंसी खैराबाद के प्रबंधक रितेश सिंह का कोरोना से निधन हो गया। रितेश पिछले 20 दिन पहले संक्रमित हुए थे, उनका लखनऊ के इलाज में उपचार चल रहा था, रात में उन्होंने दम तोड दिया। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकर्ता महेंद्र मिश्रा के पुत्र भी कोरोना से अपनी जिंदगी हार गए। कोरोना संक्रमित सेक्रेड हार्ट स्कूल के अंग्रेजी प्रवक्ता सिद्वार्थ सिंह की भी कोविड के चलते मृत्यु हो गई। सिद्वार्थ काफी समय से अस्पताल में कोरोना से जंग लड़ रहे थे।

सहालग में कपड़ा व्यवसाय हुआ चौपट, अब उठने लगी दुकान खोलने की मांग

● तीन से चार घंटे प्रतिष्ठान खोलने की डीएम से मांगी इजाजत

संवाददाता। सीतापुर

सीतापुर के कपडा व्यवसाय इन दिनों हलकान है। उनकी परेशानी यह है कि शादी की सहालग को देखते उन्होंने बैंकों से लोन लेकर अपनी दुकानों में नई-नई वैराइटियों का माल भर लिया। पर कोरोना कर्फ्यू के चलते उनके प्रतिष्ठान बंद है।, ऐसे में न तो शादी की सहालगों में माल बेच रहे हैं, और न ही बैंकों से लिए गए लोन की ईएमआई चुका पा रहे है। इससे उनके सामने आर्थिक संकट ऑन पडा है। कारोबार में नुकसान को देखकर अब कपडा व्यवसाईयों ने जिला प्रशासन से सहालग में तीन से चार घंटे प्रतिष्ठान खोलने की इजाजत मांगी है। आपको बता दें कि सहालग सीजन को देखते यहां के कपडा व्यवसाइयों ने बैंकों से लोन लेकर नई-नई वैराईटियों का माल मंगवाकर गोदाम में रखवा लिया था, उन्हें उम्मीद थी कि इस बार सहालग में अच्छी होगी। लेकिन देश और राज्यों में आई कोरोना की दूसरी लहर ने कुछ खत्म कर दिया। लॉकडाउन लगने से प्रतिष्ठानों पर ताले लग गए। इससे सहालग सीजन में इस बार भी उनका कारोबार चौपट हो गया। इस मसले को लेकर कपडा व्यवसाईयों ने जिलाधिकारी को मांगपत्र देकर तीन से चार घंटे दुकान खोलने की परमीशन मांगी है। इस दौरान कपडा व्यवसाईयों ने आई इंडिया को बताया। कपडा व्यवसाई जीवेश साहनी, मुकुंदराज, राजीव भसीन, अंशू, विवेक कोटरा, अजीत सिंह आदि ने मांग की है कि शिफ्ट वाइज दुकान खोलने की अनुमति दी जाए।

वोट न देने की खुन्नस में दलितों पर हमला

● प्रधान पद के हारे प्रत्याश्शी व समर्थकों ने गवहिया में मचाया तांडव, शिक्षामित्र समेत कई जख्मी

संवाददाता। कसमंडा सीतापुर

निवर्तमान प्रधान का डमी बनाकर एक शख्स पर कोड़े बरसाए जाने का वीडियो वायरल होने से सुर्खियों में आने वाली ब्लॉक कसमंडा की ग्राम पंचायत बेहड़ा बैकुंठपुर में अब हारे प्रधान प्रत्याषी व समर्थकों ने जमकर तांडव मचाया। पंचायत चुनाव में वोट न देने की खुन्नस कई दलितों को लहूलुहान कर निकाली। सिलसिलेवार हमलों में एक षिक्षामित्र समेत आधा दर्जन दलित बुरी तरह से जख्मी हुए हैं। कमलापुर पुलिस ने सभी घायलों का चिकित्सीय परीक्षण तो कराया लेकिन आरोपियों पर कार्रवाई करने से कतराती रही। हांलाकि मामले को तूल पकड़ते देख रविवार की दोपहर बाद सीओ सिधौली ने गवहिया पहुंचकर जांच-पड़ताल के बाद बारह लोगों पर अभियोग दर्ज करा दिया है। ब्लॉक कसमंडा की ग्राम पंचायत बेहड़ा बैकुंठपुर से गुड्डुन उर्फ अब्दुल कयूम प्रधान पद का चुनाव लड़ा था। बताया जाता है कि चुनाव में हारने के बाद से गांव के दलितों पर गुड्डुन के समर्थन वोट न देने का आरोप लगा रहे हैं। गवहिया निवासी उमेष कुमार के मुताबिक गत शनिवार की देर शाम उसका भाई जितेन्द्र खेत से घर आ रहा था, आरोप है कि लाठी-डंडों से लैस गुड्डुन के समर्थक अरीब, फुरकान, गब्बर, मतलूब, फतह खान ने रास्ते में जितेन्द्र पर हमला कर दिया। हमले में जितेन्द्र गंभीर रूप से घायल हो गया। उधर से गुजर रहे रियाजू ने हमलावरों से जितेन्द्र को बचाया। इसके बाद हमलावर जितेन्द्र को जाति सूचक गालियां व धमकी देते हुए चले गए। उधर, ज्ञानेन्द्र कुमार गौतम का आरोप है कि षनिवार रात वह अपने घर में बैठा था तभी असलहों व लाठी-डंडों से लैस होकर गुड्डुन उर्फ अब्दुल कयूम, अब्दुल फुरकान, गुल्षेर अली, षमषेर अली, अबरार, सद्दाम आदि वहां आ धमके और जाति सूचक गालियां देते हुए उस पर हमला कर दिया। हमले में ज्ञानेन्द्र के अलावा शिक्षामित्र अखिलेष गौतम, अमरेश, सोनू व पुत्तीलाल बुरी तरह से जख्मी हो गए। पुलिस ने सभी घायलों का चिकित्सीय परीक्षण तो करा दिया लेकिन कार्रवाई करने में कतराती रही। रविवार को मामले ने तूल पकड़ा तब सीओ सिधौली ने गांव पहुंचकर जांच-पड़ताल की। थाना प्रभारी कमलापुर रामप्रकाश ने बताया बारह आरोपियों पर मुकदमा पंजीकृत करते हुए अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

गोवंश आश्रय मामले में सेक्रेटरी निलंबित

● कसमंडा ब्लॉक की ग्राम पंचायत रेवरी का मामला

संवाददाता। सीतापुर

अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल के मामले में सेक्रेटरी और एडीओ प्रशासक पर गिरी गाज, लापरवाही बरतने पर सेक्रेटरी को निलंबित कर दिया। जबकि एडीओ प्रशासक के निलंबन की संस्तुति की है। यह कार्रवाई एसडीएम सिधौली और सीओ सिधौली की संयुक्त जांच रिपोर्ट के आधार पर की है। आपको बता दें कि कसमंडा ब्लॉक की ग्राम पंचायत रेवरी स्थित अस्थायी गोवंश आश्रय स्थल की शिकायत पर डीएम विशाल भारद्वाज ने मामले की जांच एसडीएम सिधौली और सीओ सिधौली को दी। प्रकरण की संयुक्त जांच उपजिलाधिकारी सिधौली एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी सिधौली से कराई गई। जिसमें पाया कि सम्बंधित ग्राम पंचायत अधिकारी एवं सहायक विकास अधिकारी द्वारा अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन उचित प्रकार से नहीं किया गया। इस मामले में ग्राम पंचायत अधिकारी दिनेश यादव को निलंबित कर दिया है एवं बतौर प्रशासक 'एडीओ ओम प्रकाश भार्गव विरुद्ध निलंबन की संस्तुति पंचायती राज के निदेशक को प्रेषित कर दी गयी है। प्रकरण में तहरीर के आधार पर थाना कमलापुर में दोषियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत करे विवेचना भी प्रचलित है।

आक्रोशित ग्रामीणों ने हरदोई मिश्रिख मार्ग पर लगाया जाम

● गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे नाराज ग्रामीण

संवाददाता। मिश्रिख सीतापुर

युवक की संदिग्ध मौत के मामले में परिजनों ने मिश्रिख.नैमिषारण्य मार्ग लगाया जामए अपने साथी बारात गया था युवकए गिरफ्तारी की मांग करने पर अडे परिवारीजनए सूचना पाकर मौके पर पहुंचे मय पुलिस बल के सीओए आक्रोशित ग्रामीणों को समझा.बुझाकर कराया शांतए हरदोई के बघौली थाने में दर्ज हो चुकी एफआईआरए आपको बता दें कि नैमिषारण्य कोतवाली इलाके के नीमसार देहात निवासी बाइस वर्षीय महेंद्र पुत्र गोकर्ण शुक्रवार की शाम बघौली थाना इलाके के संघ्त्री

मिश्रिख-आक्रोशित ग्रामीणों को समझाती पुलिस

निवासी अमर सिंह के साथ बारात को गया था। सुबह दस बजे की मौत हो गई। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने बघौली थाने में केस दर्ज कर लिया। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव को परिजनों को भेज दिया। घर शव पहुंचने के बाद परिवारीजनों एवं ग्रामीणों ने हरदोई.मिश्रिख मार्ग पर नरसिंघौली के पास शव को रखकर जाम लगा दिया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। सूचना पाकर मिश्रिख सीओ महेंद्र प्रताप सिंहए कोतवाल विनोद कुमार मिश्रा मय पुलिस फोर्स के मौके पर पहुंचे और आक्रोशित ग्रामीणों को समझा.बुझाकर शांत कराया तथा अवरूद्ध मार्ग खुलवाया।

निराश्रितों के लिए वरदान बना सुरक्षा वेलफेयर फाउंडेशन

संवाददाता। मोहम्मदी खीरी

सुरक्षा वेलफेयर फाउंडेशन निराश्रितों के लिए संक्रमण काल मे वरदान बन गया है। संस्था की सचिव रीतू सिंह के लिए जरूरतमंद को भोजन से लेकर अन्य आवश्यकताओं को पूरा करना सबसे बड़ा धर्म बन गया है। कोरोना महामारी में खुद की परवाह किए बगैर दूसरों की चिंता उनको सेवा की लिए प्रेरित कर रही है। संक्रमित मरीज हो या फिर बेसहारा लोग हरपल उनकी मदद को अपना दायित्व बना लिया है। रीतू संस्था के अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह व पूरी टीम की मदद से रोजाना गरीब परिवारों को भोजनए दवाए राशन व कपड़े सहित जरूरत की हर चीज उपलब्ध करा रही है। उन्होंने अपना मोबाइल नम्बर भी जनहित के लिए जारी कर रखा है। कोई भी जरूरतमंद उनको इस नम्बर पर काल करके सहायता प्राप्त कर सकता है। रीतू बताती है कि यह समय ऐसा ही कि हरकोई महामारी से पीड़ित है। मजदूरीए भीख मांगकर व रेड़ी लगाकर जीवनयापन करने वाले परिवारों के लिए विषम परिस्थिति बन चुकी है। उनके पास न तो जमा पूंजी है और न ही भोजन आदि की पर्याप्त व्यवस्था ऐसे में इन परिवारों

को भोजनए राशन व दवा आदि उपलब्ध कराकर उनको जो सुकून मिलता है वह अतुलनीय है। मानव सेवा उनके जीवन का मूल मंत्र बन चुका है। मैं खुद के लिए न सोंचकर समाज के निचले तबके की हर संभव मदद करना चाहती हूँ ताकि सभी इस महामारी का मुकाबला कर सके। महिलाओं व बच्चों की देखभाल उनकी प्राथमिकता पर है। बाराबंकीए लखनऊ व कानपुर के कई इलाकों की मलिन बस्तियों में भोजन व दवा आदि का वितरण लगातार किया जा रहा है। बिना किसी सहायता के वह निजी खर्च से सेवा में जुट का वास्तविक कोरोना वॉरियर्स की भूमिका निभा रही है। मलिन बस्ती में रीतू के पहुंचते ही लोगों में उम्मीद की किरण बन जाती है। बच्चों व महिलाओं में तो भोजन वाली दीदी के नाम से मशहूर हो चुकी है।

डीएम ने जनपद के कई स्थानों पर कोरोना उपचार की व्यवस्थाएं देखीं, दिए सख्त निर्देश

संवाददाता। बरेली

जिलाधिकारी नितीश कुमार ने कहा कि कोरोना से संक्रमित रोगियों के उपचार के लिए स्तरीय एवं मानक अनुसार सेवाएं सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इन सेवाओं का विस्तार भी किया जा रहा है।इस सम्बंध में उन्होंने आज मीरगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ऑक्सीजन तैयार करने के प्लांट लगाने के के साथ ही बीस बेड के पृथक कोविड केंद्र बनाने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के विभिन्न सुदूर स्थानों पर कोविड केयर केंद्र तैयार किए जाएंगे। मीरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण करते हुए उन्होंने कहा कि यहां पर कोविड के रेगियों के उत्तम इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहि। इसके बाद जिलाधिकारी ने शीशगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया और कोविड के रोगियों के इलाज के लिए व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। श्री नितीश कुमार ने इन केंद्रों पर कंसेंट्रेटर आदि उपकरणों की स्थिति का भी जायजा लिया। जिलाधिकारी

श्री नितीश कुमार आज राजश्री मेडिकल कॉलेज भी गए और वहां कोरोना रोगियों के तीमारदारों से मिले तथा उनसे वहां इलाज की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। श्री नितीश कुमार ने मेडिकल कॉलेज में पब्लिक एड्रेस सिस्टम को सुचारु रूप से चलाने तथा अन्य स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने वहां ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट तथा लिक्विफाइड मेडिकल आक्सीजन के स्टोर सिस्टम को भी इंस्टाल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोरोना से संक्रमित किसी भी मरीज को उच्च स्तरीय उपचार की व्यवस्था करना प्राथमिक कर्तव्य है। कोरोना के रोगियों के उपचार की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी को सहन नहीं किया जा सकता।

क्विक न्यूज

लोक निर्माण मंत्री की वर्चुअल बैठक आज

लखीमपुर खीरी। लोक निर्माण मंत्री उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है।जिसमें खीरी सांसद अजय मिश्र ष्टेनीष् को नामित किया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क निधि प्रबंध समिति प्रदेश में मार्गोए पुलियों के अनुरक्षणए मरम्मतए विशेष मरम्मतए नवीनीकरणए निर्माण पुनर्निर्माणए चौड़ीकरणए के लिए 2021क् 22 के राज्य बजट को तय करके पूरे उत्तर प्रदेश में निर्माण कार्य करेगी। उक्त समिति की बैठक उपमुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री की अध्यक्षता में दिनांक 17 मई को एनआईसी ऑफिस में 11:30 बजे बैठक होगी।

जिला अस्पताल में ड्यूटी को लेकर सिपाही भिड़े

बरेली। जिला अस्पताल में रात की ड्यूटी के दौरान कैदी को छोड़कर जाने को लेकर जेल के सिपाहियों के बीच जमकर झगड़ा हुआ। इसी दौरान वीडियो फिल्म बना रहे एक के साथ सिपाहियों ने अभद्रता की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मामले को रफा-दफा करायाकोतवाली थाना क्षेत्र में स्थित जिला अस्पताल में आज दोपहर इमरजेंसी वार्ड में भर्ती जिला जेल के एक कैदी की रात के समय सुरक्षा में तैनात दो सिपाही पताल में भर्ती कैदी को छोड़कर चले गए। उन्होंने बीमार कैदी की देखरेख के लिए एक गार्ड को अस्पताल में छोड़ दिया सुबह होने पर जब दूसरे सिपाही ड्यूटी पर इमरजेंसी वार्ड में पहुंचे। तो उन्होंने इस पर दूसरे सिपाहियों से जताया। तब लेकर दोनों पक्षों में झगड़ा होने लगा। शोर सुनकर अन्य मरीजों के तीमारदार भी परेशान हो उठे। उन्होंने झगड़ा कर रहे चारों सिपाहियों को समझाने की कोशिश की। लेकिन वह लगातार जोर-जोर से चिल्ला रहे थे। यह आवाज जब इमरजेंसी बाढ़ में तैनात कर्मचारियों एवं डॉक्टर ने सुनी। तो वह भी झगड़ा बचाने पहुंच गए। इसी दौरान एक मीडिया कर्मी मौके पर आ गया। उसने सिपाहियो के झगड़े की वीडियो फिल्में बना ली। जैसे ही यह बात झगड़ा कर रहे सिपाहियों को पता चली। उन्होंने मीडिया कर्मी के साथ अभद्रता शुरू कर दी। एक सिपाही ने कहा कि मीडिया कर्मी का फोन छीन लिया जाए। लेकिन अस्पताल कर्मियों ने उन्हें रोक लिया। मीडिया कर्मी ने घटना की जानकारी एसएसपी को दी। जिन्होंने तुरंत कोतवाली पुलिस को मौके पर भेजा और कुछ देर बाद ही अस्पताल पहुंची पुलिस ने झगड़ा कर रहे सिपाहियों के बीच हो रहे विवाद को निपटा दिया।

सड़क दुर्घटना में घायल अधेड़ की मौत

बरेली। दोस्त के साथ मोटरसाइकिल पर विवाह समारोह से लौट रहा एक अधेड़ रास्ते में हुई सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल भेजा। लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया और अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।मीरगंज थाने के गांव रतनपुर निवासी 50 वर्षीय नन्नू पुत्र ख्याली राम को बीती रात जिला अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पहुंचे मृतक के घर वालों ने बताया कि नन्नू कल शाम को अपने पड़ोसी कमल की बारात में शामिल होने के लिए फतेहगंज पश्चिमी गया था। जहां से रात में वह अपने साथी गांव के ही रहने वाले सुनील के साथ मोटरसाइकिल से घर वापस लौट रहा था। लेकिन रास्ते में उनकी बाइक पटनी गांव के पास पहुंची। तभी सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे दोनों मोटरसाइकिल सवार लोग जमीन पर गिर पड़े। लेकिन नन्नू गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके साथ मौजूद सुनील ने घटना की सूचना पुलिस को दी ।जो मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। लेकिन नन्नू की रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

खेत में पानी लगा रहे लोगों पर चीते का हमला, दो घायल

बरेली। गन्ने के खेत में पानी लगा रहे दो लोगों पर अचानक चीते ने जानलेवा हमला कर दिया। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पहले स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया और फिर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।मीरगंज थाने के गांव गोरा लोकनाथ पुर में चीते के हमले से घायल धर्म पाल पुत्र नोबात सिह और उसके साथी चंद्रपाल पुत्र मदन लालको आज दोपहर घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनके घर वालों ने बताया कि सुरेंद्र और चंद्रपाल आज गांव के पास स्थित गन्ने के खेत में पानी लगाने गए थे। काम के दौरान अचानक झाड़ियों में छुप कर बैठे एक चीते ने उन पर हमला कर दिया। हमले के बाद दोनों ने भागने की कोशिश की। लेकिन घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। उनकी चीख सुनकर पास के खेतों में काम कर रहे लोग लाठी डंडे लेकर मौके पर पहुंचे और उन्होंने किसी तरह जीते को वहां से भगा दिया। लेकिन तब तक सुरेंद्र और चंद्रपाल गंभीर रूप से घायल हो चुके थे।

कमिश्नर ने गोला व पलिया के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में किया औचक भ्रमण

● डोर टू डोर सर्वे कर रही टीमों की पड़ताल

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

रविवार को जिले के नोडल अधिकारी मंडलायुक्त लखनऊ मंडल लखनऊ रंजन कुमार ने तहसील गोला व ब्लाक बिजुआ के ग्राम बस्तौलीए ईटकुटी तहसील पलिया के ग्राम मकनपुर सहित नगर पालिका पलिया के मोहल्ला सुभाष नगर में डोर टू डोर सर्वे कर रही टीमों की पड़ताल की। निरीक्षण में कमिश्नर के साथ डीएम शैलेंद्र कुमार सिंहए सीएमओ मनोज अग्रवाल मौजूद रहे।

कमिश्नर ने तहसील गोला व ब्लाक बिजुआ के ग्राम बस्तौली का स्थलीय निरीक्षण किया। डोर टू डोर सर्वे टीमों से उनके कार्यों की पड़ताल की। सर्वे कर रही आशा पूनम देवीए किरण देवी से अब तक सर्वे किए गए घरों की संख्याए उनमे सिंप्टोमेटिक मिले व्यक्तियों की संख्या जानी। आशा पूनम देवी को सर्वे में 06 लोग व आशा किरण देवी को सर्वे में 09 लोग सिंप्टोमेटिक मिले थे। जिन्हें मेडिकल किट भी दी जा चुकी। कमिश्नर के पूछने पर एमओआईसी डॉ अमित सिंह ने बताया कि क्षेत्र में कुल 255 आशा कार्यरत हैं।

नोडल अधिकारी ने सर्वे टीमो के पास मेडिकल किटों की उपलब्धता जानीए अपने सम्मुख मेडिकल किट खुलवा कर देखा। सीएमओ ने मेडिकल किट में उपलब्ध दवाओं व उसके लाभों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। नोडल अधिकारी ने कहा कि वैक्सीनेशन कोविड से बचाव का एक सुरक्षा कवच है। जो पूर्णतया सुरक्षित व बचाव हेतु कारगर हैए इसलिए बिना किसी संशय के वैक्सीनेशन कराए। मौजूद ग्रामीण मैथिलीशरण बाजपेईए रामप्रसादए वीरेंद्र दीक्षित व अशोक कुमार दीक्षित से नोडल अधिकारी ने वार्ता की। कहा कि 14 दिन सचेत रहकर सतर्कता व संयम बरतकर को कोविड से विजय मिलेगी। लोगों को समझाएं समय से दवा लेकर अपने व परिवार को सुरक्षित करें। निगरानी समिति द्वारा चिन्हित सिंप्टोमेटिक व्यक्ति सतविंदर सिंह के घर जाकर कमिश्नर ने

मुलाकात की। उनका हालचाल जाना। अपने सम्मुख ऑक्सीजन लेवल चेक कराया। चेकिंग में श्री सिंह का ऑक्सीजन लेवल 93 मिला। जिस पर उन्होंने निर्देश दिया कि निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत चिकित्सीय सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। ताकि कॉम्प्लिकेशन से बचा जा सके। निगरानी टीम प्रतिदिन ऑक्सीजन लेवल चेक करें। इस दौरान उन्होंने वैक्सीनेशन के महत्व को भी समझाया। इसके उपरांत नोडल अधिकारी ने ग्राम ईटकुटी पहुंचे। सर्वे कर रही टीमों से अब तक किए गए सर्वे के संबंध में जानकारी हासिल की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आशा संगिनी मनजीत कौर ने बताया अब तक 250 घरों का सर्वे किया जा चुका है। जिसमें केवल एक सिंप्टोमेटिक व्यक्ति मिला। जो टेस्ट में पॉजीटिव मिला। ग्रामीणों ने बताया कि टीमों ने घर.घर जाकर सर्वे किया है। ग्राम प्रधान मुकेश सिंह व क्षेत्रीय लेखपाल अमन सत्यार्थी से बाहर से आने वाले कामगारों के बारे में जानकारी हासिल की। लेखपाल ने बताया कि पंचायत चुनाव के दौरान हरियाणा में काम कर रहे कामगार यहां आए। जो चुनाव के उपरांत चले गए। नोडल ने सर्वे कर रही प्रशंसा की। इसके उपरांत नोडल अधिकारी ने तहसील पलिया के ग्राम मकनपुर में पहुंचकर निगरानी समितियों द्वारा किए जा रहे सर्वे की जमीनी हकीकत जानी। आशा एवं एएनएम द्वारा किए गए सर्वे का अंकित मोबाइल नंबरों पर बात कर सत्यापन किया। सिंप्टोमेटिक व्यक्तियों से फोन पर कमिश्नर ने सीधे बात की। सबका हाल चाल जाना। इस दौरान उन्होंने रैपिड रिस्पांस टीम के चिकित्सक डॉ बीपी सिंह व आशा ममता से सर्वे की रिपोर्ट तलब की। जिस पर उन्होंने बताया कि सर्वे के दौरान कुल 4 सिंप्टोमेटिक मिले। जिन्हें मेडिकल के दी जा चुकी। बेहतर काम होता देख प्रशंसा की।

इसके बाद नोडल अधिकारी ने नगर पालिका परिषद पलिया के मोहल्ला सुभाष नगर में डोर टू डोर सर्वे कर रही के काम को जाँचा। सर्वे कर रही टीम में नगर पालिका परिषद के सुपरवाइजर आरिफ खान ने अपने कार्यों का विवरण कमिश्नर के सम्मुख प्रस्तुत किया। भ्रमण पंजिका में पूरा विवरण अपडेट मिला। पंजिका में दर्ज मोबाइल नंबरों पर कमिश्नर ने स्वयं बात की। बेहतर रिस्पांस व फीडबैक मिलने पर कमिश्नर ने टीम के कार्यों की प्रशंसा की। कमिश्नर एवं जिले के नोडल अधिकारी रंजन कुमार ने तहसील पलिया के भीरा स्थित वन बीट निजी कोविड चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की पड़ताल की। उन्होंने हॉस्पिटल के सीसीटीवी कंट्रोल रूम से भर्ती मरीजों को देखा।

उन्होंने चिकित्सालय में भर्ती सभी 09 मरीजों के संबंध में जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने मरीज वार सभी मरीजों का अक्सीजन लेवल सहित उन्हें दी जाने वाली ऑक्सीजन की मात्रा व औषधियों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सीएमओ प्रतिदिन अस्पताल में भर्ती मरीजों की ऑक्सीजन लेवल व दी जाने वाली ऑक्सीजन की मात्रा की जानकारी रखे। हॉस्पिटल संचालक से मरीजो से ली जाने वाले धनराशि का विवरण जाना। शासन से अनुमन्य पेमेंट ही लिया जा रहा। जिसका हॉस्पिटल के बाहर डिस्प्ले भी मिला। तीमारदारों से अस्पताल प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। जिस पर भर्ती मरीजों के तीमारदारों द्वारा संतोष व्यक्त किया गया।

गांव-गांव घूम कर कमिश्नर ने पूछा हाल

निरीक्षण कर बेड बढ़ाने के दिये निर्देश

संवाददाता। चित्रकूट

चित्रकूटधाम मंडल के कमिश्नर दिनेश कुमार सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामनगर व बांधी गांव तथा ब्लाक रामनगर तथा कोरोना अस्पखोह का निरीक्षण कर कहा कि रामनगर पीएचसी में 30 की जगह पचास बेड किये जायें। रविवार को चित्रकूटधाम मंडल बांदा के कमिश्नर दिनेश कुमार सिंह ने निरीक्षण में कहा कि पचास बेड बढ़ाकर आक्सीजनयुक्त किया जाये। खोह में बीस बेड भरे हुए मिले। खोह अस्पताल में आक्सीजन प्लांट लगाने के निर्देश दिये। कोविड टेस्टिंग टीम ने बताया कि 27 लोगों की आरटीपीसीआर जांच की गई है। कोई पॉजिटिव नहीं मिला। रामनगर अस्पताल में हुई बैठक में खण्ड विकास अधिकारी को निर्देश दिये कि न्याय पंचायत में लगे सेक्टर मजिस्ट्रेट के पास गाडी है या नही तो उन वाहनों पर अन्य बजट से लाउडस्पीकर लगवाया जाये। निगरानी समितियों को सक्रिय कर ज्यादा से ज्यादा लोगों का टीकाकरण करायें। आशा के पास आक्सीमीटर व दवा के पांच पैकेट होने चाहिए। कमिश्नर ने रौलीकल्याणपुर में कोरोना की बैठक कर कर्मचारियों से कहा कि वैक्सीनेशन कार्य तेजी से कराया जाये। सेक्टर मजिस्टेऊट गांव-गांव जाकर निरीक्षण करें कि दवा सही ढंग से बांटी जा रही है या नहीं। प्रत्येक व्यक्ति के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लें। साफ-सफाई का विशेष ध्यान दिया जाये। इस मौके पर डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ल, सीएमओ डॉ विनोद यादव, मऊ एसडीएम नवदीप शुक्ला, बीडीओ रामनगर धनंजय सिंह, डीपीआरओ राजबहादुर, डीडीओ आरके त्रिपाठी व एसडीएम सदर रामप्रकाश मौजूद रहे।

होम आइसोलेशन के लोग एसडीएम सदर से करें सम्पर्क : डीएम

चित्रकूट। जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल के निर्देश पर बड़े पैमाने पर कोरोना की रोकथाम एवं उपचार को जिले के विभिन्न स्थानों पर सैनेटाइजेशन के कार्य हो रहे हैं। रविवार को स्वास्थ्य विभाग एवं दमकल टीम ने कसहाई रोड़, गल्लामंडी, सब्जीमंडी, शंकर बाजार कर्वी, राजकीय सम्प्रेक्षण गृह, वृद्धाश्रम, कोरोना जांच सेन्टर, सीएमओ कार्यालय, डीटीओ कार्यालय, पीपीसी कार्यालय, डीपीएम कार्यालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शहर, पोस्टमार्टम हाउस समेत अन्य प्रमुख स्थानों व हॉटस्पाट क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर सैनेटाइजेशन के कार्य हुए। होम

आइसोलेशन के मरीजों के घरों में भी सैनेटाइजेशन के कार्य के साथ कोविड कमांड एवं कंट्रोल सेन्टर में लगे कर्मचारियों के आवासों में सैनेटाइजेशन कराया गया।

कंट्रोल रुम के कर्मचारी लगातार होम आइसोलेशन के लोगों से स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ले रहे हैं।

जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने बताया कि कोरोना के मद्देनजर एमसीएच विंग अस्पताल खोह का नोडल अधिकारी/एसडीएम सदर रामप्रकाश को बनाया गया है। उनके मोबाइल नम्बर 9454415959 पर खोह अस्पताल में भर्ती मरीज व होम आइसोलेशन में भर्ती मरीजों को स्वास्थ्य आक्सीजन की कोई समस्या हो तो तत्काल एसडीएम सदर से सम्पर्क कर सकते हैं। वे तत्काल समस्या का समाधान करेंगे।

1.31 लाख घरों का भ्रमण कर बांटी 4471 मेडिकल किट: सीएमओ

चित्रकूट। ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना संक्रमण की कड़ी तोड़ने को स्वास्थ्य विभाग के पांच से नौ मई तक चले विशेष अभियान में जिसमे कोरोना टीमों ने लगभग 1.31 लाख घरों का भ्रमण कर 4471 मेडिकल किट बांटी हैं। इस दौरान सभी ब्लॉक में कोरोना की जांच की गयी। रविवार को सीएमओ डा विनोद कुमार यादव ने बताया कि पांच मई से शुरु विशेष अभियान में कर्वी, मानिकपुर, मऊ, रामनगर, पहाड़ी ब्लाक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व आशाओं ने कोरोना के संभावित मरीजों के चिन्हीकरण व लक्षणयुक्त लोगों की जांचकर जरूरतमंदों को दवाई बांटी। जिला पंचायत राज अधिकारी के सहयोग से सफाई भी कराई गई। सहायक जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ विमलेश कुमार ने बताया की अब तक करीब 1.31 लाख घरों का भ्रमण कर दो सदस्यीय टीमों ने 4354 लोगों में कोरोना के लक्षण पाये। 1124 लोगों का कोविड टेस्ट हुआ, जिसमें 47 की रिपोर्ट पॉजिटिव आयी। टीम कोरोना जांच केन्द्रों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। ग्रामीणों से सामाजिक दूरी बनाने, मास्क लगाने के साथ गांव में साफ सफाई रखने को प्रेरित किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में रहने वालों को तीसरी लहर को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करने का आवाहन किया। इस बीमारी को किसी भी हालत में छिपाएं नहीं।

कोरोना के लक्षण है तो निकटतम

यूपी में हो रही है नदियों की सफाई एमपी के घाटों पर गंदगी का अंबार

चित्रकूट। यूपी क्षेत्र में मंदाकिनी सफाई का कार्य रामघाट में चौथे दिन जारी रहा, लेकिन नयागांव नगर पंचायत मप्र में कोई कार्य नहीं हो रहा है। नयागांव समेंत मध्य प्रदेश के घाटों में गंदगी का अंबार है, लेकिन किसी के कान में जू नहीं रेंग रही है। रविवार को बुन्देली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि मप्र प्रशासन हमेशा से मंदाकिनी को लेकर उदासीन रहा है। आलम यह है कि नयागांव पुल से लेकर मंदाकिनी के हर घाट में गंदगी का साम्राज्य है। नगर पंचायत कार्यालय मंदाकिनी तट रामघाट में ही स्थित है। जिम्मेदार खुद रोज नदी और घाटों की दुर्दशा देख रहे हैं, लेकिन फिर भी आंखों में पट्टी बांधे हैं। यूपी प्रशासन के नदी की सफाई शुरू करा देने के बाद भी नयागांव नगर पंचायत की कुंभकर्णी नींद नहीं खुल रही है। बुन्देली सेना ने सतना कलेक्टर से मांग की है कि नगर पंचायत को मंदाकिनी सफाई के लिए निर्देशित करें। लॉकडाउन में नदी की सफाई से मजदूरों को काम और मप्र क्षेत्र में नदी में सीधे गिर रहे नालों का चिन्हांकन और उनको टैप किए जाने की योजना बनाने का भी अनुरोध किया है। पिछले तीन दिन से रामघाट और कर्वी में सिंचाई प्रखंड प्रथम नदी की सफाई करा रहा है। जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने नियमित मंदाकिनी नदी की सफाई का कार्य जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

मंदिर से जेवरात और नगदी चोरी दर्जनभर स्थानों को खंगाल चुके चोर

मौदहा(हमीरपुर)। मौदहा के प्राचीनतम ओरी मंदिर के पुजारी के आवास में घुसे अज्ञात चोरों ने कल रात अलमारी तथा बक्से का ताला तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात एवं नकदी पार कर दिया है। पुलिस के मुताबिक कस्बे के ओरी मंदिर में नर्मदा प्रसाद पुत्र घासीराम पाठक अपने परिवार सहित रहकर भगवान की पूजा पाठ करते हैं।मंदिर का पुजारी होने के नाते इनको मंदिर में ही रहने की व्यवस्था भी है।आज सुबह जब इनकी पुत्रबधू मंदिर की पूजा करने के बाद छत पर भगवान सूर्य को जल अर्पण करने गई तो देखा कि उनके कमरे का ताला टूटा है और अंदर रखे बक्सा तथा अलमारी का ताला तोड़कर अज्ञात चोर लगभग डेढ़ लाख कीमत के सोने चांदी के जेवरात तथा पांच हजार रुपये नगद चोरी कर ले गए हैं। चोर मंदिर के पीछे के रास्ते से छत चढ़े और इस घटना को अंजाम दिया है।पुजारी नर्मदा प्रसाद ने इस घटना की तहरीर कोतवाली पुलिस को देदी है। इसके पूर्व भी इस मंदिर के सामने और अगल बगल में लगभग एक दर्जन चोरियाँ हो चुकी हैं लेकिन स्थानीय पुलिस इन चोरों को पकड़ने में अभी तक नाकाम बनी हुई है।

बाइक सवार अस्पताल में भर्ती

राठ(हमीरपुर)। कस्बे के काशीराम कालोनी के पास एक तेज रफ्तार बाइक सवार युवक अनियांत्रित होकर गिरकर घायल हो गया। घायल युवक को इलाज के लिये सीएचसी में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार कस्बे के सिकन्दरपुरा निवासी बाबू पुत्र ग्यासी कांशीराम कॉलिन में अपने मित्र से मिलकर वापस लौट रहा था। तभी नहर बाइपास के पास पहुंचते ही उसकी बाइक का संतुलन बिगड़ गया। जिससे वह गिरकर घायल हो गया। जिसे इलाज के लिये सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर उसे मेडिकल कॉलिज रिफर कर दिया।

मजदूर की संदिग्ध हालात में मौत को लेकर अटकलों का बाजार गर्म

मौदहा (हमीरपुर)। कस्बे के नेशनल रोड निवासी का अचानक मौत हो जाने से उसके परिवार में कोहराम मच गया है मौत का कारण पता न चलने से लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। जानकारी के अनुसार मौदहा के नेशनल रोड निवासी नारायण दास गुप्ता फलों का ठेला लगा कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे थे दोपहर को वह अपने घर से निकलकर कुछ काम से राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के पास तक गए जहां अचानक चक्कर खाकर गिर पड़ा तो लोगों द्वारा उनको सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें देखकर मृत घोषित कर दिया अचानक हुई मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया है वही मौत का कारण समझ ना आने के कारण लोगों द्वारा तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। मृतक अपने पीछे एक बेटा व एक बेटी छोड़ गया है जिनकी अभी शादी भी नहीं हुई है, वह अपनी बेटी की शादी के लिए चिंतित रहता था।

कोरोना संकट में शानू ने की नि:शुल्क रसोई की शुरुआत

चित्रकूट। तीर्थक्षेत्र में कोरोना संकटकाल में अतिगरीब जरूरतमन्दों को श्रीराम अन्नपूर्णा रसोई से नि:शुल्क भोजन पांचवे दिन भी बांटा गया। रविवार को व्यापारी नेता/समाजसेवी शानू गुप्ता की अगुवाई में श्रीराम अन्नपूर्णा रसोई से

पांचवे दिन भी जरूरतमन्दों को नि:शुल्क भोजन बांटने का कार्य किया गया। शंकर बाजार ब्रम्हचर्य स्कूल के पास कर्वी में रसोई की शुरुआत कल से की गई है। आज तरौंहा, हरिजन बस्ती, खटिकाना आदि बस्तियों में गरीबों को नि:शुल्क भोजन बांटा गया। नि:शुल्क भोजन बांटने में राष्ट्रीय जनउद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन/समाजसेवी शानू गुप्ता शेषू जायसवाल, रुकमणि सेवा संस्थान के संस्थापक अतुल कुमार की पूरी टीम जरूरतमन्दों की भूख मिटाने को कोरोना काल में लगी हुई है। उन्होंने बताया कि जरूरतमन्द दोपहर एक बजे से शाम पांच बजे तक किसी भी समस्या के समाधान को 9451519007, 9415437923, 7408750528, 9044010528, 9889407563 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

अभियुक्त दे रहे जान से मारने की धमकी

राठ (हमीरपुर)। राठ कस्बे में पत्रकार के छोटे भाई के साथ लूट की वारदात को अंजाम दिये हुए एक माह व्यतीत हो गये मगर पुलिस आरोपियो को गिरफ्तार करने में अभी तक नाकाम है जिससे पत्रकारों में रोष व्याप्त है। जिससे पीड़ित परिवार को जानमाल का खतरा बना हुआ है। राठ कस्बा निवासी पत्रकार धीरेंद्र सैनी ने बताया कि बीती 16 अप्रैल की शाम उनका छोटा भाई वीरेंद्र कुमार धुपकली पड़ाव स्थित मोटर यूनियन कार्यालय पर यात्रियों की बुकिंग कर रहा था। तभी राठ कोतवाली का हिस्ट्रीशीटर अपराधी खालिक कुरैशी अपने गुर्गों लिल्ली उर्फकरामत, उबैश व एक अज्ञात व्यक्ति के साथ वहां आया और रंगबाजी को लेकर गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने हाथ में लिए लोहे के औजारों से प्रहार कर छोटे भाई को घायल कर दिया और उसकी टीशर्ट की जेब फाड़ कर 4260 रुपये छीन लिए। घटना के बाद दबंग जान से मारने की धमकी देकर भाग गए थे।

4 साल के मासूम के साथ दुष्कर्म

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में बरात आने के बाद जनवासे के समय बच्ची से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने पर सो रही बच्ची को अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपित फरार हो गया। पुलिस तलाश में दबिश दे रही है।बांदा के जसपुरा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक की शनिवार रात को पैलानी में बरात आई थीए उसके साथ चार वर्षीय भांजी भी आई थी। सभी स्वजन अपने काम में लगे थे इसलिए बच्ची की ओर किसी ने ध्यान नहीं दिया।

पोकलैण्ड समेत चालक की खदान में गिरने से मृत्यु

चित्रकूट। भरतकूप थाना क्षेत्र के गोंडा पहाड़ में मां सिंहवाहिनी मन्दिर के बगल के गाटा संख्या 715 की खदान में एक पोकलैण्ड चालक समेत दो सौ फिट की ऊंचाई से नीचे गिर गया। इससे चालक की मौके पर मृत्यु हो गई। ये हादसा शनिवार को हुआ। बताया गया कि गाटा संख्या 715 खदान में मानक विहीन खनन कार्य पोकलैण्ड मशीन से हो रहा था। पोकलैण्ड मशीन आपरेटर अनिल उर्फ विनय यादव बिहार प्राप्त का निवासी पोकलैण्ड मशीन समेत दो सौ फिट से नीचे गिरने से मृत्यु हो गई। जिस खदान पर खनन हो रहा था। खदान का लीज होल्डर दीपक चौरसिया बताया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि पूर्व ब्लाक प्रमुख रामसुहावन पटेल, प्रेम पटेल व एक अन्य आदि तीन लोग खदान में काम करवा रहे थे। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को मर्चरी भेजा है।

महिला को घर में घुसकर मारपीट कर छेड़खानी की

हमीरपुर। कुरारा थाना क्षेत्र के सिकरोढ़ी गांव में चार दिन पहले नशे में धुत दबंगो द्वारा घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट व छेड़खानी की रिपोर्ट कुरारा पुलिस ने दर्ज नही की है। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से आपबीती बताकर कार्यवाही की मांग की है।

गांव की पीड़िता चंद्रवती पत्नी कालीचरन ने पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह को बताया कि 12 मई को रात आठ बजे नशे में धुत गांव के दबंग कल्लू, श्यामू, रामू घर में घुसकर अवैध तमंचे की बट से जमकर मारापीटा,घर से बाहर ले जाकर उसे निर्वस्त्र करने का प्रयास किया शोर मचाने पर चंद्रवती का वड़ा लड़का आया तो कल्लू ने उसे भी जान से मारने की धमकी दी इसके बाद 13 मई को वह कुरारा थाने जाकर प्रभारी निरीक्षक से लिखित शिकायत की मगर आज तक कोई कार्यवाही नही हुई है जिससे उसे जान का खतरा बना हुआ है गांव के दबंगो के खिलाफ कोई जुबान नही खोल सकता है।पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि दबंगो के खिलाफकड़ी कार्यवाही कर उसकी जान माल की रक्षा की जाये। इस घटना से गांव में सभी लोग सहमे हुये है।

चार जुआरी गिरफ्तार

कुरारा(हमीरपुर)। कस्बा कुरारा के कान्हा पशु आश्रय स्थल के समीप हार जीत की बाजी लगा रहे चार लोगों के खिलाफपुलिस ने मुकंदमा दर्ज किया है। कस्बा के निवासी राजेश सोनकर,रामप्रताप,मकंचु, व नत्थू बीती शाम गौशाला के पास ताश के पत्तो के द्वारा हारजीत की बाजी लगा रहे थे। तभी मूखबिर द्वारा सूचना मिलने पर एस आई लालजी सरोज ने हमराह पुलिस बल के साथ दविश देकर दो लोगो को गिरफ्तार कर लिया ।

तथा दो मौके से भाग गए। इसमे माल फड़ से 1900 रुपये नकद जामा तलाशी में 200 रुपये नकद तथा ताश के 52 पत्ते बरामद कर चारो के खिलाफमुकदमा दर्ज किया गया है।

चचेरी बहन के साथ की छेड़छाड़

कुरारा(हमीरपुर)। कुरारा थाना क्षेत्र के चकोठी गाँव निवासी महिला ने चचेरी बहन के साथ बुरी नीयत से हाथ पकड़ कर अश्लील हरकत करने व मारपीट करने की रिपोर्ट थाने में दर्ज करायी है।पुलिस ने बताया कि क्षेत्र के चकोठी गाँव की महिला कांति पत्नी कृष्ण गोपाल कुरील ने बताया कि 14 मई की शाम मेरी चचेरी बहन शाम को गांव के नहर पटरी रहुनिया तिराहा के पास से घर की तरफजा रही थी तभी गाँव का गुलाटी उर्फ देवेंद्र पुत्र राजबहादुर, रणजीत व छोटू पुत्र गण ना थू राम ने बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करा छानबीन शुरु कर दी है।

कोविड के इलाज के लिये हर मिनट महत्वपूर्ण : नोडल अधिकारी

कोविड निगेटिव आने के बाद लक्षण दिखायी दे तो दवाओ का करे कोर्स

संवाददाता। हमीरपुर

जनपद में कोविड के संक्रमण पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने तथा सभी व्यवस्थायें चुस्त दुरुस्त रखने के संबंध में एक आवश्यक बैठक का आयोजन शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी एन0जी0 रवि कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक लेते शासन से नामित नोडल अधिकारी

नोडल अधिकारी ने कहा कि किसी भी व्यक्ति में कोविड के जरा सा भी लक्षण जुखाम,बुखार,खाँसी आदि प्रतीत होने पर तत्काल जांच कराकर कोविड की दवाओं का सेवन प्रारंभ किया जाए ,इसके लिए जांच रिपोर्ट का इंतजार न किया जाए , कोविड के इलाज में हर दिन- हर मिनट बेहद महत्वपूर्ण है अत: इलाज में जरा सा भी देरी भारी पड़ सकती है। अत: इसमें कोई लापरवाही न बरती जाए । उन्होंने बताया कि कोविड के इलाज में प्रयोग होने वाली दवाओं का कोई भी साइड इफेक्ट नहीं है लक्षण दिखाई देने पर निगरानी समितियों से दवा प्राप्त कर डॉक्टर के सलाह के अनुसार तत्काल दवाओं का सेवन प्रारंभ कर दिया जाय। उन्होंने कहा कि लक्षण होने पर भी जांच रिपोर्ट निगेटिव आने पर दवाओं का कोर्स लिया जाय।वर्तमान महामारी के दृष्टिगत लोगों द्वारा अनावश्यक मलेरिया ,टाइफाइड अथवा इसी प्रकार की अन्य बीमारी के चक्कर में कोविड-19 को जरा भी नजर अंदाज ना किया जाए । उन्होंने कहा कि लोग कोविड की लडाई में मानसिक तौर पर मजबूत रहें तथा ऑक्सीजन लेवल पर नियमित रूप से नजर रखे।

डॉक्टरों द्वारा मरीजों से बात कर उनकी काउंसलिंग की जाए तथा नियमित रूप से दवाओं का सेवन करने , योगा करने तथा अनावश्यक पैनिक न होने के बारे में जागरूक किया जाए । नोडल अधिकारी ने कहा कि 7 दिन में रिकवर न होने वाले मरीजों को एल-2 में भर्तीकर अच्छा ट्रीटमेंट दिया जाए। स्टेरॉइड आदि का प्रयोग बहुत सोच-समझकर किया जाए । जनपद में हुई मौतों का ऑडिट करा लिया जाए , प्रत्येक उम्र वर्ग का अलग-अलग डेटा रखा जाए ।

इस मौके पर उन्होंने वैक्सीनेशन टीम एवं कोविड-19 अस्पताल के प्रभारियो, सैम्पलिंग टीम के प्रभारी से बात कर अधिक से अधिक लोगों की आरटीपीसीआर एवं एंटीजन के माध्यम से जांच करने के निर्देश दिए। कहा कि दूसरी वेव की वर्तमान स्थिति को देखते हुए अधिक से अधिक टीकाकरण पर जोर दिया जाए तथा तीसरी वेब की भी तैयारी रखी जाय। उन्होंने कहा कि आशा ,एएनएम, फ्रंटलाइन वर्कर सहित सभी स्वास्थ्य कर्मियों का शत प्रतिशत वैक्सीनेशन सुनिश्चित किया जाए । उन्होंने कहा कि निगरानी समितियों एवं रैपिड रिस्पांस टीम द्वारा सामंजस्य बनाकर टीम भावना के साथ कार्य किया जाए। इसके अलावा सभी एमओआईसी द्वारा भी आपस में कोऑर्डिनेशन रखा जाए ।

एसी सचल दल ने एसएनके गुटखा कंपनी से जांच कर 14 लाख का टैक्स व अर्थदंड जमा कराया

हमीरपुर। दो दिन पहले पुलिस द्वारा पकड़े गये दो लोडर एसएनके गुटखा से वाणिज्य कर विभाग ने करीब 14 लाख रुपये का टैक्स व अर्थदंड जमा करने के आदेश किये है। वाणिज्यकर विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर सचल दल संजय सिंह ने बताया कि दो दिन पहले पुलिस की वाहन चेकिंग करते समय दो लोडर एसएनके गुटखा पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया था,दोनो लोडर कानपुर से हमीरपुर शहर आपूर्ति करने आ रहे थे मगर इनके पास जो ईवे बिल था वह त्रुटिपुर्ण था। दोनो लोडर का सामान खुलवाकर पीबी यानी समस्त गुटखा की गिनती की गयी जिसमे पाया गया कि जो कानपुर से बिल बनाया गया था वह नौ मई तक था इसके बाद ई वे बिल में कई कमिया था जिससे एसएनके गुटखा कंपनी से करीब 14 लाख रुपये का टैक्स व अर्थदंड आज जमा करने के आदेश किये गये है कल पूरी धनराशि बैंक में जमा कर दी जायेगी। असिस्टेंट कमिश्नर ने कहा कि जो टैक्स चोरी करेगा कार्यवाही होगी।

जांच करने पर पीसीएफ प्रबंधक ने दी आत्म हत्या करने की धमकी

संवाददाता। हमीरपुर

कोरोना की आड़ लेकर गेहूं खरीद क्रय एजेंसी पीसीएफपूरी तरह लापरवाह हो गयी है। डेढ़ माह में 42 केंद्रो में केवल 14718 एमटी गेहूं की खरीद की गयी है,सहायक निबंधक(एआर कोआपरेटिव) सहकारिता ने साफकहा है कि पीसीएफप्रबंधक गेहूं क्रय करने के लिये कोई सुविधा मुहैया नही करा रहे है यदि कोई विभागीय अधिकारी जांच के लिये जाता है तो आत्म हत्या करने की धमकी देते है। पीसीएफप्रबंधक शिवपाल सिंह यादव एक मर्तवा फिर चर्चा में आ गये है। जिले में गेहूं खरीदने के लिये पीसएफके 42 क्रय केंद्र निर्धारित किये गये जो सबसे ज्यादाहै। पीसीएफकी सहायता के लिये सहकारिता ने केंद्रो में अपने कर्मियों को नियुक्त कर दिया है, मगर सहायक निबंधक आरके गुप्ता का कहना है कि पीसीएफप्रबंधक को गेहू, बोरा व अन्य सामग्री मुहैया करानी है जो उपलब्ध नही करायी जा रही है यही नही यदि विभागीय अधिकारी एडीसीओ जांच के लिये जाते है तो पीसीएफप्रबंधक जांच नही करने देते है और उनका साफकहनाहै कि यदि कोई भी एडीसीओ क्रय केंद्र का निरीक्षण करेगा तो वह आत्महत्या कर लेगे, जिससे सभी लोग सहमे हुये है,एआर ने बताया कि इस मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को दे दी गयी है।

शूटर ने नहीं मेराज की हत्या एसटीएफ ने की है: अब्दुल कलाम खान

संवाददाता। चित्रकूट

जेल में बंद मेराजुद्दीन के मारे जाने के बाद उनके बड़े भाई अब्दुल कलाम खान ने आरोप लगाया कि मेराज की हत्या शूटर अंशुल दीक्षित ने नहीं, बल्कि एसटीएफ ने की है। उस पर सभी केस पुलिस ने दर्ज किये थे। एक भी केस आम आदमी ने नहीं दर्ज कराये थे। रविवार को मेराज के बड़े भाई अब्दुल कलाम खान ने बताया कि पुलिस कहती है कि शुक्रवार को सवेरे दस बजे गोलीबारी हुई। शाम छह बजे तक डेडबाडी जेल में ही क्यों पडी रही। बनारस में मेराज की हत्या नहीं कर सके तो चित्रकूट जेल में मेराज को लाया गया। उन्होंने बताया कि मेराज की हत्या की स्क्रिप्ट नौ माह पहले सितम्बर 2020 में लिख दी गई थी। रेलवे में कर्मचारी रहे अब्दुल कलाम खान ने आरोप लगाया कि मेराज की हत्या शूटर अंशुल दीक्षित ने नहीं बल्कि एसटीएफ ने की है। मेराज दो दशक से लाइसेंसी असलहे रखता था। उसका फर्जीवाडा अचानक उजागर होता है और फिर हार्डकोर क्रिमनल हुए बिना उसे अचानक बनारस से चित्रकूट जेल शिफ्ट कर दिया जाता है। फिर अचानक उसे मार दिया जाता है। उन्होंने सवाल उठाया कि मेराज अपराधी होता उसके जनाजे में पूर्वांचल और प्रदेश ही नहीं, बल्कि दूसरे प्रदेशों के भी हजारों लोगों की भीड न उमडती। मेराज के जनाजे में उमडी भीड ने बता दिया है कि उनके भाई को अल्लाह ने जिन्दगी में खास किस्म का बनाया था। मेराज ने चित्रकूट जेल आते समय कहा था कि उसकी हत्या हो जायेगी।

बांदा में सेक्टर मजिस्ट्रेटों से डीएम ने संक्रमण से निपटने को कहा

संवाददाता। बांदा

कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुये शासन के निर्देशानुसार जनपद बांदा में न्याय पंचायतवार तैनात किये गये सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ एक आवश्यक बैठक जिलाधिकारी आनन्द कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई।

बैठक में अपर जिलाधिकारी विध्रा,संतोष बहादुर सिंहए नगर मजिस्ट्रेट केशवनाथ गप्त, उपजिलाधिकारी सदर सुधीर कुमार, समस्त उपजिलाधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी एस के बघेल, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एनडीशर्मा, समस्त तहसीलदार, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट उपस्थित रहें। जिलाधिकारी द्वारा समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया गया कि जनपद बांदा में 469 ग्राम पंचायतों एवं 8 नगर निकायों में 121 वार्डो में ग्राम निगरानी समिति, मुहल्ला निगरानी समिति गठित की गयी है। वर्तमान में शासन के निर्देशानुसार फील्ड वर्करों द्वारा लक्षणयुक्त व्यक्तियों का चिन्हिकरणध्लाइन लिस्टिंग का कार्य किया जा रहा है तथा लक्षणयुक्त व्यक्तियों को मेडिकल किट भी उपलब्ध करायी जा रही है। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने क्षेत्र के उपजिलाधिकारियों के सम्पर्क में रहेंगे तथा प्रत्येक निगरानी समिति के सदस्यों के साथ बैठक अवश्य करलें। लाइन लिस्टिंग किये गये व्यक्तियों की सूची उनका नाम, पूरा पता एवं मोबाइल नम्बर के साथ सूची तैयार कर अपने उपजिलाधिकारियों को एवं आईसीसीसी में प्रतिदिनि उपलब्ध करायेगें ताकि सूची शासन के निर्देशानुसार जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध करायी जा सके तथा जिन व्यक्तियों को मेडिकल किट वितरित की जा रही हैए उनकी सूची तैयार कर अपने उपजिलाधिकारी के माध्यम से आईसीसीसी को उपलब्ध करायी जाये एवं दिनांक 17 मईए 2021 से 18 प्लस वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों का वैक्सीनेशन प्रारम्भ हो रहा हैए ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैक्सीनेशन हेतु जागरूक करना एवं कोविड पोर्टल और आरोग्य सेतु एप पर पंजीकृत भी कराना है। जिलाधिकारी द्वारा समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया गया कि जनपद बांदा में बाहर से आने वाले प्रवासी श्रमिकों को होम आइसोलेशन में रखना हैए यदि सिप्टोमेटिक लक्षण पाये जाते हैए आरआरटी टीम के माध्यम से मेडिकल किट एवं जांच कराया जाये। जनपद बांदा में ग्रामीण क्षेत्रों में 27 एवं शहरी क्षेत्रों में 21 आरआरटी टीमें गठित की गयी। प्रवासी श्रमिकों की सूची भी तैयार की जाये। प्रत्येक ग्राम में सेनेटाइजेशनए साफसफ ाई एवं फ ागिंग की प्रतिदिन व्यवस्था भी देखें। उन्होंने समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया गया कि अपने.अपने क्षेत्रों में प्रतिदिन भ्रमण करेंगे तथा जो भी दायित्व दिये गये हैए जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करें। सामाजिकए मनवता की दृष्टि से कार्य किया जाये। यह कार्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये।

डीएम ने 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के टीकाकरण की तैयारी परखी

बांदा। शासन के निर्देशानुसार 17 मई से 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के टीकाकरण की तैयारी के सम्बन्ध में जिलाधिकारी आनन्द कुमार सिंह द्वारा राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज बांदा में कोविड टीकाकरण सेन्टर एवं राजकीय मेडिकल कॉलेज के एनआइसीयू एवं पीआईसीयू वार्डो का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे एमपी सिंह मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक डा. सुनील कुमार आर्या, डा. एसकेकौशन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी द्वारा डा. सुनील कुमार आर्या को निर्देशित किया गया कि टीकाकरण की सभी तैयारियों गाइडलाइन के अनुसार प्रत्येक दशा में आज ही सुनिश्चित करायी जाये। निरीक्षण के दौरान डा. सुनील कुमार आर्या द्वारा अवगत कराया गया कि एनआईसीयू में 3 बेड एवं पीआईसीयू में 6 बेड स्थापित है। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी बेड़ों को क्रियाशील रखा जाये तथा साफसफाई सैनेटाजेशन प्रतिदिन कराया जाये। जिलाधिकारी द्वारा राजकीय मेडिकल कॉलेज बांदा में निर्माणाधीन आक्सीजन प्लांट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निरीक्षण के समय अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे एमपीसिंह, मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक डा. सुनील कुमार आर्या डा. एस के कौशन एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहें। सिविल कार्य प्रगति में पाया गया कार्य गुणवत्ता को देखते हुये कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया गया कि नियत तिथि में प्लांट का कार्य पूर्ण किया जाये तथा कार्य गुणवत्तायुक्त एवं दिये गये मानक के अनुरूप कराया जाये।

पायनियर
लखनऊ, सोमवार, 17 मई 2021

नोडल अधिकारी और आयुक्त ने कोविड कमांड कंट्रोल सेंटर की व्यवस्थाएं देखीं

संवाददाता। श्रावस्ती, भिनगा

जिले के नोडल अधिकारी, आयुक्त देवीपाटन मण्डलए गोण्डा एसवीएस रंगाराव ने कलेक्ट्रेट सभागार में स्थापित आईसीसीसी (एकीकृत कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेंटर) का आकस्मिक निरीक्षण किया तथा सभी व्यवस्थाओं को दुरूस्त कराने के निर्देश दिये। साथ ही कन्ट्रोल रूम में लगाये गये कर्मचारियों की उपस्थिति का भी अवलोकन कियाए तथा होम आइसोलेशन एवं क्वारंटाइन सेंटर की जानकारी ली। साथ ही जिलाधिकारी कार्यालय के निकट बनाये गये आईडीएसपी (एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम) डेस्क का भी निरीक्षण किया। तथा गूगल शीट पर अबतक किये गये कोविड.19 मरीज के अपडेशन का भी जायजा लिया। इस दौरान आयुक्त को मुख्य विकास अधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने बताया कि जिला स्तर पर एकीकृत कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेंटर स्थापित हैए जो तीन पालियों में संचालित हैए जिसमें प्रत्येक पाली में 30 कर्मचारियों की तैनाती की गई है जो कि प्रथम पाली में प्रातः 08 बजे से सायं 04 बजे तक तथा द्वितीय पाली सायं 04 बजे से रात्रि 12 बजे तक एवं तृतीय पाली में रात्रि 12 बजे से प्रातः 08 बजे तक संचालित है। इसी प्रकार तीनों तहसीलों में भी आईसीसीसीसी की स्थापना की गई है। उन्होने बताया कि तहसील भिनगा में स्थापित कोविड कन्ट्रोल रूम का नम्बर क्रमशः. 8542844599, 7275047577, 05250297312 तहसील इकौना में स्थापित कोविड कन्ट्रोल रूम का नम्बर क्रमशः. 7991535580, 7991845580, 7991875580 एवं विकास खण्ड जमुनहा में स्थापित कोविड कन्ट्रोल रूम का नम्बर क्रमशः. 7571909394, 8881459032, 8881619524 है। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया है कि उक्त तहसीलों में भी कोविड कन्ट्रोल रूम अब प्रभावी हो गये हैए जो 24ग7 पैटर्न पर संचालित हैए किसी प्रकार की समस्या होने पर लोग फोन कर बता सकते हैए निश्चित ही उन समस्याओं का निदान कराया जाएगा। जिला प्रशासन पूरी तरीके से आपके उचित इलाजए मदद और सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट परिक्षित खटानाए अपर जिलाधिकारी योगानन्द पाण्डेयए अपर पुलिस अधीक्षक बी0सी0 दूबेए उप जिलाधिकारी प्रवेन्द्र कुमारए मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0पी0 भार्गवए जिला पंचायत राज अधिकारी किरनए अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 मुकेश मातन हेलियाए अधिशासी अधिकारी नगर पालिका भिनगा अवधेश कुमार भारतीए अधिशासी अधिकारी नगर पंयायत इकौना प्रेमनाथ सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

मरीज की मौत से गुस्साये परिजनों ने डाक्टर से की मारपीट

अमेठी। जिला अस्पताल में शनिवार देर रात एक मरीज की मौत से नाराज उसके परिजन ने अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में तोड़फोड़ की और चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से मारपीट की। जानकारी के मुताबिक जिले की गरथोलिया गांव निवासी सोना देवी (55) की अचानक तबीयत खराब होने के बाद उसके परिजन उसे गौरीगंज स्थित जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने सोना को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद महिलाअमेठी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉक्टर आशुतोष दुबे ने बताया कि सोना को जिला अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में लाया गया थाए जो मृत थी। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों ने जब सोना के मृत होने की जानकारी दी तो उसके परिजन ने तोड़फोड़ की और चिकित्सकों एवं कर्मचारियों पर हमला कर दिया। इस बीच अमेठी के अपर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार पांडेय ने बताया कि पुलिस उपाधीक्षक, गौरीगंज एवं उपजिलाधिकारी, गौरीगंज को घटना का जायजा लेने भेजा गया और कानून के तहत कार्रवाई की जा रही है।

महामारी के दौरान अनाथ बच्चों के संरक्षण के लिए टास्क फोर्स गठित

संवाददाता। श्रावस्ती

● अखबारों, न्यूज चैनलों व सोशल मीडिया के संदेशों का स्वतः संज्ञान में लेकर कार्रवाई करेगी टीम

महामारी की इस दौर में माता व पिता की मृत्यु के बाद अनाथ हुये बच्चों की परवरिश के लिए अन्य परिवारीजन के न होने की दशा में उन बच्चों की देखभाल व सुरक्षा हेतु प्रशासन ने जिम्मा उठाया है। इसके लिए जिलाधिकारी टी0के0 शिबु ने जनपद स्तर पर टास्क फोर्स तथा कोविड वर्चुअल सपोर्ट ग्रुप का गठन किया है। जिसके द्वारा कोविड.19 महामारी के दौरान परित्यक्तए अनाथ परिवार विहीन अथवा देखरेख व संरक्षण की स्थिति में आने वाले बच्चों के बारे में विभिन्न मीडिया स्त्रोतों न्यूज चैनल्सए अखबारोंए सोशल मीडिया से प्रसारित होने वाले ऐसे सभी समाचारए संदेशों का स्वतः संज्ञान लेते उस पर आवश्यक कार्यवाही करेगी। जिनमें कोई भी व्यक्ति अवैध रूप से बच्चों को गोद लेनेए देने या महिला की तस्करी सम्बन्धी पेशकश करता है। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित 6 सदस्यीय इस टीम में सदस्य के रूप में मुख्य विकास अधिकारी के साथ अध्यक्ष बाल कल्याण समितिए जिला कार्यक्रम व सेंटर मैनेजर को नामित किया गया है। इसी के साथ जिला प्रोबेशन अधिकारीए जिला बाल संरक्षण अधिकारी टास्क फोर्स के सदस्य सचिव रहेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि समिति द्वारा चाइल्ड लाइनए महिला सहायता प्रकोष्ठएविशेषकिशोरपुलिस इकाईए बाल कल्याण अधिकारीए स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय कर ऐसे मामलों पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करेगी। साथ ही टास्क फोर्स द्वारा राजकीय व गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से संचालित समस्त बाल देखरेख गृहों का नियमित निरीक्षण करेंगे तथा बच्चों के लिए उपलब्ध सुविधाओं व सेवाओं की निगरानी तथा इन गृहों में नियमित कोविड.19 परीक्षण कोविड टीकाकरणए स्वास्थ्य उपकरण व दवाओं की उपलब्धता और चिकित्सा देखभालए अस्पताल में भर्ती जैसे प्रकरण में भी सहयोग प्रदान करेगी। जिला प्रोबेशन अधिकारी मोहन त्रिपाठी ने बताया कि महामारी की इन परिस्थितियों में ग्रस्त व चिन्हित बच्चों की उत्तरजीविताए विकासए सुरक्षा तथा संरक्षण हेतु विभाग द्वारा निर्धारित संचालन प्रक्रिया के अनुरूप कार्य किया जायेगा। उन्होने बताया कि अनाथ बच्चों को बालगृहों में आवासित करना अंतिम उपाय होगा। इसके पूर्व उन्हे गैर संस्थागत देखभाल रिश्तेदारों की देखरेख में फास्टर केयरए उपयुक्त व्यक्ति या उपयुक्त सुविधाए कानूनी रूप से गोद देना जैसे परिवार आधारित देखरेख में रखे जाने के प्रयास किये जायेंगे तथा उनका फॉलोअप लिया जाता रहेगा।

विधायक की पहल पर बना पचास बेड का कोविड अस्पताल

अमेठी। विधानसभा क्षेत्र अमेठी के लोगों को इलाज के लिए तिलोई और जिला मुख्यालय की दौड़ न लगानी पड़े इसके लिए विधायक गरिमा सिंह ने बेनीपुर में पचास बेड के कोविड अस्पताल के त्वरित संचालन का निर्देश अधिकारियों को दिया है। विधायक के निर्देश पर सीडीओ सीएमओ और एसडीएम ने निर्माणाधीन अस्पताल का निरीक्षण कर इस कार्य में लगे संस्था को आवश्यक निर्देश दिया।

विधायक गरिमा सिंह की मांग पर बेनीपुर में आयुर्वेदिक अस्पताल की स्थापना की गई है अस्पताल का भवन और अन्य कार्य तकरीबन पूरे हो गये है दरवाजे विद्युतीकरण और जलापूर्ति का कनेक्शन अभी नही हुआ है । अधिकारियों ने पैक्सपेड के अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस अस्पताल का कार्य पूरा करने का लक्ष्य दिसम्बर 2020 था छह माह का अधिक समय व्यतीत होने के बाद भी कार्य पूरा नही हुआ है।

सीडीओ ने इस पर विभागीय अधिकारियों को फटकार भी लगाई कहा कि इस कार्य का अनुश्रवण नही होने से ऐसी स्थिति आई है। विधायक प्रतिनिधि अनंत बिक्रम सिंह ने कहा कि सात करोड़ का बजट जारी कराकर अस्पताल का निर्माण कराया गया है। हम लोग सेवा के लिए तत्पर है। विधानसभा के लोगों को ऑक्सीजन इलाज सहित समुचित सुविधाएं बेनीपुर में मिलेगी पचास बेड का अस्पताल दस दिन में शुरू हो जाएगा अस्पताल में लगने वाले सभी उपकरण संसाधन और ऑक्सीजन प्लांट लगवाने में विधान मंडल निधि से सहयोग किया जाएगा। सीएमओ को सभी सुविधाओं को दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है।

सरकारी सिस्टम से परेशान किसान भटक रहे दर-दर

● सरकारी गेहूं खरीद के 72 घंटे में भुगतान के दावे फेल, 15 दिनों से अधिक समय में खरीद के बाद भी नहीं किया गया पेमेंट

संवाददाता। बछरावां रायबरेली

एक तरफ केंद्र व प्रदेश सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के दम भर रही है। वहीं दूसरी ओर कोरोना महामारी में किसान से लेकर आम जनमानस परेशान है वही लॉकडाउन के दौरान किसान अपने रजिस्ट्रेशन करा कर महीनों गणेश परिक्रमा के बाद केंद्रों पर अपने गेहूं का समर्थन मूल्य पाने के लिए दर.दर की ठोकरें खाने के बाद अगर सेंटर पर तौल हो जाती है तो 15 दिनों से अधिक समय बीत जाने के बावजूद भी क्षेत्र के सभी सेंटरों पर भुगतान नहीं हो पा रहा है जबकि प्रदेश सरकार दावा करती है कि समर्थन मूल्य खरीद पर 72 घंटे के अंदर किसानों को उनका भुगतान मिल जाएगा। लेकिन उनके ही मातहत जिले के अधिकारियों और ऑनलाइन भुगतान के जिम्मेदार किसानों को प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत भी भुगतान नहीं किया जा रहा है। मामला आवश्यक खाद्य वस्तु निगम सेंटर बछरावां पर दर्जनों किसान जैसे चंद्रप्रकाशए पुष्कर नाथए रामकुमारए राजकुमारीए रामनरेशए दिलीप कुमारए रामदेवए चंद्रावती सुरेश कुमारए रणबीर वर्माए जंग बहादुरए वंश गोपाल सहित अन्य किसानों का एक मई से छह मई तक खरीद का भुगतान नहीं हुआ आलम तो यह है की केंद्र प्रभारी से लेकर जिले के खरीद अधिकारी और डिप्टी आरएमओ जिला प्रबंधक से भुगतान कराने की गुहार लगाने के बावजूद भी भुगतान नहीं हुआ। आलम तो यह है कि मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल 1076 पर पुष्कर नाथए चंद्र प्रकाश अन्य दर्जनों किसानों ने शिकायत भी की लेकिन किसानों को शिकायत की भी अनदेखी करके भुगतान नहीं कराया गया। वही किसानों को धान की बेड डालने के लिए बीज खरीदने और दाल रोटी चलाने में भी लॉकडाउन में विकराल समस्या आ रही हैं। लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों के कान में जूं तक नहीं रेंग रही है। किसान भुखमरी के कगार पर आ गया और लॉकडाउन में वह मजदूरी भी करके अपना परिवार भी नहीं चला पा रहे हैं। कब जागेगा जिले का प्रशासन और कब होगी भुगतान और कब मिलेगी किसानों को उनकी उपज का दाम यह सारे सवाल सरकार की साख पर बट्टा लगा रहे हैं और किसानों का कहना है कि इससे पूर्व में किसी भी सरकार में इस तरह किसानों के साथ भुगतान की समस्या नहीं आती थी।

क्विक न्यूज

बीएमजीएफ के सहयोग से अमेठी सहित प्रदेश के दस अस्पतालों में लगेंगे आक्सीजन प्लांट

अमेठी। देश को स्वास्थ्य समेत विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग प्रदान करने वाला बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) उत्तर प्रदेश के दस अस्पतालों में पीएसए आक्सीजन प्लांट स्थापित करने जा रहा है। फाउंडेशन ने इसके लिए 10 अस्पतालों की सूची उत्तर प्रदेश शासन से मांगी थीए जिस पर निर्णय ले लिया गया है। इसके तहत लखनऊ के दो अस्पतालों और नौ अन्य जिलों के एक.एक अस्पताल में आक्सीजन प्लांट लगाये जायेंगे। विशेष सचिव उत्तर प्रदेश शासन प्रांजल यादव ने जिन अस्पतालों में पीएसए आक्सीजन प्लांट लगने हैंए उनके मुख्य चिकित्सा अधीक्षकध्अधीक्षिका को पत्र भेजकर इस बारे में उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। पत्र के मुताबिक् लखनऊ के अवन्तीबाईए महिला चिकित्सालय व आरएसएम हास्पिटल.साढ़ामऊए गौतमबुद्धनगर के 300 बेडेड कोविड हास्पिटलए कानपुरनगर के मान्यवर कांशीराम ट्रामा सेंटरए अमेठी के डीसीएच बिजनौर के जिला चिकित्सालय, देवरिया के जिला चिकित्सालयए इटावा के जिला चिकित्सालयए मथुरा के कम्बाइंड हास्पिटल वृन्दावन और पीलीभीत के जिला चिकित्सालय में प्लांट स्थापित करने की बात कही गयी है। पत्र में इन अस्पतालों के अधीक्षकध्अधीक्षिका को प्लांट स्थापित करने के सम्बन्ध में डॉण् देवेन्द्र खंडैत दृ डिप्टी डायरेक्टर एंड कंट्री लीड स्टेट हेल्थ सिस्टम इण्डियाए कंट्री आफिस बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन से संपर्क स्थापित करने को कहा गया है। इसके साथ ही पत्र में यह भी उल्लेख है कि पीएसए आक्सीजन प्लांट स्थापित किये जाने के लिए सिविल वर्क और विद्युतीकरण आदि का कार्य पाथ संस्था द्वारा कराया जाएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं से महरूम ग्रामीण झोलाछापों की शरण में

श्रावस्ती। कोरोना के चलते जनपद के सभी सीएचसी व पीएचसी की ओपीडी सेवाएं बंद होने से आमजन इलाज के लिए भटकने को मजबूर है। मजबूरी वश उन्हें झोलाछाप डाक्टरों या प्राइवेट चिकित्सको की शरण में जाना पड़ रहा है। जहां मरीजों का विविध तरीकों से शोषण हो रहा हैए सरकारी केन्द्रों पर इलाज बंद होने से मरीजों के परिजन तनाव ग्रस्त जीवन जीने को मजबूर हैं। समुचित इलाज के अभाव में लोगो की जिंदगी खतरे में पड़ रही है। कोरोना महामारी का दूसरा दौर शुरू होते ही प्रशासन ने जिले के अस्पतालों मे ओपीडी संचालन रोक दिया था जिससे इकौना गिलौला सिरसिया सहित जिले के सभी अस्पतालों मे जरुरत मंदो को दवा नही मिल पा रही है न ही परामर्शए पहले से ही बदहाल स्वास्थ्य सेवा के चलते जिले के लोगों को उपलब्ध चिकित्सा सेवा भी नही मिल पाने से बुजुर्गों और बीमारों की समस्यायें बढ़ गयी है। सरकारी अस्पतालों मे ओपीडी बंद होने से उन्हे झोला छाप डाक्टरों की शरण लेने को मजबूर होना पड़ रहा हैं। जहां कोरोना के नाम पर मरीजों की जेबे ढीली करके उनका शोषण किया जा रहा हैए साथ ही गलत तरीके से इलाज होने से लोगो के जीवन को खतरा बढ़ता जा रहा है।

युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटका मिला शव, हत्या व आत्महत्या में उलझी पुलिस

ऊंचाहार। गांव के निकट खेत मे संदिग्ध परिस्थितियो मे युवक का शव फांसी के फंदे मे लटकता हुआ मिला है।जिसमे जहां ग्रामीणो मे हत्या करके शव लटकाने की चर्चा थी तो वहीं पजिरन फांसी लगाकर आत्महत्या करने की बात कह रहे थे।हलाकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद अग्रिम कार्यवाही करने का दावा पुलिस कर रही है। बताते चले कि ऊंचाहार कोतवाली के गांव निरवापुर मजरे मोखरा निवासिनी रमेष कुमार 40वर्ष पत्नी षिवमोहन का गांव के निकट खेत है जहां पर कबार ताकने हेतु शनिवार के दिन गया।जहां पर संदिग्ध परिस्थितियो में उसका शव खेत मे फांसी के फंदे मे लटकता हुआ मिला।जहां पर परिजन के पहुंचने पर आनन फानन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ऊंचाहार मे भर्ती करवाया गया।जहां पर उसको चिकित्सक ने मृतक घोषित कर दिया।मृतक की मौत पर ग्रामीणो मे हत्या करने की बात की चर्चा गूंज रही थी और गांव ही नही आसपास के गांवो का यही महौल रहा है।जबकि परिजन भी दबी आवाज मे फांसी की बात कहते हुए नजर आए।वहीं पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पंचनामा उपरांत पोस्टमार्टम हेतु भेजा है।जिसमे पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कुछ कह पाने की बात पुलिस बयां कर रही थी।

पंचायती चुनावी रंजिशन को लेकर खड़ंजा खोदा, 50 वर्ष पुराने मार्ग को बंद करने की दबंग ने दी धमकी, तनाव व्याप्त

ऊंचाहार। चुनाव मे मात खाए एक प्रत्याशी ने मतदान न करने की बात कहकर एक गांव के मोहल्ले का 50वर्ष पूर्व का मार्ग बंद करने के लिए सरकारी खडंजा तक उखाड़ना प्रारंभ करवा दिया है।जिसमे प्रत्याषी के इषारे पर एक दबंग व्यक्ति के द्वारा ऐसे कृत्य करने की षिकायत उच्चाधिकारियो से किया गया है। बताते चले कि ऊंचाहार कोतवाली के गांव मनीरामपुर है।जिस गांव मे सार्वजनिक 50वर्ष पूर्व के मार्ग पर खडंजा लगा हुआ है।जिसमे इन दिनो एक प्रधान पद मे हारे हुए प्रत्याषी के इषारे पर एक दबंग व्यक्ति के द्वारा सार्वजनिक मार्ग के खडंजा के ईंटो को उखाड़कर मार्ग पर दिवार खड़ा करने की कवायद किया जा रहा है जिससे गांव के लोगों का आवागमन सार्वजनिक बंद करने की धमकी तक दिया जा रहा है।जिसमे हैरत तो तब हो गई जब दबंग के द्वारा खडंजा उखाड़ा गया और उसके बारे मे ब्लाक के व ग्राम पंचायत में तैनात अधिकारी तक अंजान बने बैठे है। हलाकि ग्रामीणो ने दबंग के खिलाफ षिकायत एसडीएम से किया है। पीड़ित चन्द्रप्रकाषयअर्जुन त्रिपाठीयजयकृष्ण त्रिपाठीयदीनानाथ त्रिपाठीयअजय मिश्रा आदि समेत दर्जनो ग्रामीणो ने एसडीएम से षिकायत किया है।जिसमे ब्लाक के बीडीओ विजयंत सिंह ने कहा हमे जानकारी नही है यदि ग्राम पंचायत निधि से लगे खड़ंजा को उखाड़ा जा रहा है तो नियमतः गलत है जिसमे ग्राम पंचायत अधिकारी से रिपोर्ट मांगकर विधिक कार्यवाही किया जाएगा।

छापेमारी में पुलिस को मिली 105 लीटर कच्ची शराब

खीरों, रायबरेली। प्रदेश में हाल ही के दिनों में जहरीली शराब पीने से कई मौतों का मामला प्रकाश में आया है। इन घटनाओं से समय रहते सबक लेकर खीरों पुलिस ने थाना क्षेत्र के कई गाँवों में ताबड़तोड़ छापेमारी कर अलग.अलग स्थानों से पाँच अवैध शराब कारोबारी महिलाओं के कब्जे से 105 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की है । पुलिस की इस अवैध शराब के धन्धे के विरुद्ध उठाये गए कदम से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने पाँचों महिलाओं को थाने लाकर उनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उन्हें जमानत पर छोड़ दिया है। प्रभारी निरीक्षक बृजमोहन ने बताया कि शिवपुरी निवासिनी मायादेवी और सताना के कब्जे से कलुआखेड़ा पावरहाउस के पास से 20.20 लीटर अवैध शराब उस समय बरामद की गई जब दोनों महिलाएं यह शराब बिक्री के लिए ले जा रही थीं।

संरक्षित सोहेलवा जंगल के कीमती खैर पर बन माफियाओं की है टेढ़ी नजर

संवाददाता। श्रावस्ती, सिरसिया

● वन कर्मियों की संलिप्तता से नहीं किया जा सकता है इनकार

संरक्षित सोहेलवा वन क्षेत्र प्राकृतिक संपदा से भरा पड़ा हैए इस वन क्षेत्र में कीमती व प्रतिबंधित प्रजाति के खैर जिसे लाल सोना के नाम से भी जाना जाता है व साखूए सीसम व सागौन के पेड़ों की भरमार है। साखू व सागौन की लकड़ियों को मकान के फर्नीचर के काम में लिया जाता है जिसके चलते इनकी स्थानीय व आसपास के जिलों में भारी मांग है। जबकि प्रतिबंधित खैर का मुख्य उपयोग पान में प्रयोग में होने वाले कत्था बनाने में प्रयोग किया जाता है। मुंहमांगी कीमत मिलने के कारण स्थानीय वन माफिआओ ने अपनी गिध्द जैसी नजरे इन पर गड़ा रखी है। इस सोहेलवा जंगल को 1988 में संरक्षित किया गया था जिसे सुहेलदेव वन्य जीव विहार के नाम से जाना जाता है। संरक्षित करने का मुख्य उद्देश्य जंगल मे रह रहे जानवरों, पक्षियों के प्राकृतिक वास को संरक्षित करने के साथ ही बेशकीमती पेड़ो को भी बचाया जा सके। हाल ही के कुछ वर्षों से जंगल मे अबैध कटान में बहुत तेजी आई हैए स्थानीय वन माफिया बड़े पैमाने पर कटान कार्य में संलिप्त है। जिसकी बानगी अक्सर देखने को मिल ही जाती हैए अगर बीते एक वर्ष पर गौर करे तो अकेले जरमौली वन चौकी डिपो पर पर बरामद लकड़िया डम्प है। अभी हाल में ही मुखविर की सूचना पर 26 अप्रैल को ही 20 बोटे खैर के वन विभाग ने जरमौली चौकी क्षेत्र के अंतर्गत बरामद किया था जिसमें विभाग द्वारा कर अज्ञात के खिलाफ केश दर्ज कर खाना पूर्ति कर ली गई। यह कोई पहला मामला नही है कई बार पकड़े गए बोटो के के मामले में जो भी केश कटे है वह अधिकतर अज्ञात ही कटे है। बीस दिन बीतने के बाद भी विभाग मुख्य आरोपी तक नही पहुच सका है। इस सम्बंध में रेन्जर मदन लाल ने बताया कि मुख्य आरोपी की तलाश की जा रही है। स्थानीय वन प्रेमियों व सम्भ्रान्त लोगो का कहना है कि जंगल में हो रहे अंधाधुंध कटान में इन माफिआओं के साथ वन विभाग की संलिप्तता से कतई इनकार नहीं किया जा सकता है। अभी कुछ दिन पहले जंगल मे जो आग लगी थी कही उसे सबूत को नष्ट करने के लिए तो नही लगाया गया हो। जंगल में हुए अग्नि कांड के बाद से तेंदुवे व अन्य जंगली जानवरों ने रिहायशी इलाकों की ओर रुख किया है। तेन्दुए हिंसक होकर आबादी के तरफ रुख कर रहे हैं।

कार पलटने से पांच घायल एक की हालत गंभीर, जिला अस्पताल रेफर

संवाददाता। बछरावां रायबरेली

ढाबे पर खाना खाने की नियत से जा रहे 5 कार सवारों की गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई जिसके चलते सभी घायल हो गए जिनमें कार चला रहे चालक की हालत गंभीर बनी हुई है।

घटनाक्रम के अनुसार रामपुर टिकरा थाना शिवगढ़ निवासी बृजेंद्र पांडे एदुर्गेश मौर्य एपंकज पांडे अनुपम अवस्थीए व विनय अवस्थी किसी कार्य बस लालगंज गए हुए थेए और वापस अपने घर जा रहे थे पांचों लोगों की सलाह हुई खाना खा लिया जाएए इसके लिए वह लोग लखनऊ मार्ग की ओर मुड़ गए परंतु जैसे ही उनकी कार पुल के ऊपर पहुंची अनियंत्रित होकर पलट गई और सभी लोग उसमें फंस गए ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा सब को बाहर निकाला गया तथा अस्पताल लाया गया जहां गाड़ी चला रहे विजेंद्र पांडे की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया हैए बाकी लोगों को मामूली चोटे होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

पति-पत्नी के मामूली विवाद में महिला ने खाया जहरीला पदार्थ

● मायके वालों ने लिखाया दहेज प्रताड़ना का मुकदमा

संवाददाता। बछरावां रायबरेली

स्थानीय थाना क्षेत्र के कुसली खेड़ा गांव में एक महिला द्वारा जहरीला पदार्थ खा लिया गया एजिसे ससुराल पक्ष द्वारा तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसकी स्थिति बिल्कुल ठीक हो गईए परंतु महिला के मायके पक्ष द्वारा ससुराली जनों पर दहेज प्रताड़ना का मुकदमा कायम करा दिया गया। परिवारी जनों के अनुसार उक्त गांव निवासी के यहां मुंडन संस्कार था जिसमें उसके पुत्र राजू की पत्नी रामादेवी भी शरीक थी एकिसी बात को लेकर पति पत्नी के बीच विवाद हो गया क्रोधित रामादेवी द्वारा घर में रखा कोई विषैला पदार्थ खा लिया गया यह जानकारी होते ही ससुराली जन उसे लेकर बछरावां स्थित एक प्राइवेट अस्पताल लेकर गएए जहां इलाज के बाद वह बिल्कुल ठीक हो गई परंतु रामादेवी के मायके पक्ष द्वारा बछरावां थाने में ससुराली जनों ससुर अवसान पति राजू तथा मनोजए विनोद व बच्चन के विरुद्ध आईपीसी की धारा तीन बटे चार डीआर एक्ट 490 323 504 328 के तहत मुकदमा कायम कराया गया। ज्ञात हो कि यह मुकदमा रामादेवी के पिता रामदेव यादव पुत्र सोमनाथ निवासी शिवराज खेड़ा थाना मौरावा जनपद उन्नाव द्वारा कायम कराया गया एस्थानीय पुलिस द्वारा मुकदमा पंजीकृत कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

नगर पंचायत लालगंज नहीं मानता अधिनियम न ही करता है शासनादेशों का अनुपालन!

संवाददाता। लालगंज, रायबरेली

उ0प्र0 नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 114 व उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा.7 जिसमें जनसामान्य को शुद्ध पेयजलापूर्ति तथा नाले.नालियों की साफसफाई अनिवार्य कर्तव्य होने के बावजूद नगर पंचायत लालगंज के नाले और नालियां गन्दगी से पटे हैं। इस सम्बन्ध में शासनादेश जारी होने के बावजूद अभी तक नहीं बन सका साफ-सफाई का माइक्रो प्लान। उक्त जानकारी देते हुये जिला योजना समिति सदस्य व सभासद राघवेन्द्र सूर्यवंशी ने बताया कि दिनांक 18 मार्च 2021 को आगामी वर्षा व ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुये उ0प्र0 शासन के मुख्य सचिव डाण् रजनीश दुबे ने नगर पंचायतों के अधिशाषी अधिकारियों को नगरीय निकायों में शुद्ध पेयजलापूर्ति व नाला.नालियों की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के लिए शासनादेश जारी किया था। जिसमें कार्य योजना सहित समय सारिणी तय की गयी थी। नाले नालियों की सफाई हेतु बकायदा माइक्रो प्लान बनाकर वार्डवार प्रभारी अधिकारी नियुक्त किये जाने थे। नालों की सफाई प्रक्रिया को पारदर्शी व गुणवत्ता परक ढंग से सम्पन्न करवाये जाने हेतु स्थानीय सभासदों को सम्मिलित किये जाने तथा माइक्रो प्लान में उनका नाम अंकित किये जाने का स्पष्ट निर्देश दिया गया था। उक्त प्लान दिनांक 20 मार्च 2021 तक तैयार कर निदेशक स्थानीय निकाय को प्रेषित किया जाना थाए के सम्बन्ध में समस्त मीडिया बन्धुओं को अवगत कराना है कि आज दिनांक तक नगर पंचायत द्वारा उक्त के सम्बन्ध ना तो मुझे अवगत करवाया गया है और ना ही अभी तक नाले और नालियों की सफाई करायी गयी है। इस सम्बन्ध अन्य सभासद साथियों से जानकारी की गयी तो किसी भी सभासद साथी को कोई जानकारी नहीं है। सभासदों ने आरोप लगाया कि अधिशाषी अधिकारी महोदय को नगर की सफाई में रत्तीभर रूचि नहीं है।

कांग्रेस, बसपा, सपा के बाद भाजपा की गोद में बैठने को बेताब!

● हर हाल में बनकटी ब्लॉक पर काबिज होना चाहता है आरबीएस एंड कंपनी ● साम्राज्य को बचाने के लिए सत्तारुढ़ पार्टियों का झंडा थामने में है महारथ हासिल ● फायदे के लिए दल-बदल करना कोई इस कंपनी के लोगों से सीखे ● बेलसुही जैसे एक दर्जन भ्रष्ट प्रधानों के सहारे प्रमुखी हथियाने की हो रही साजिश ● पिछले 20 साल से हैं आरबीएस एंड कंपनी का ब्लॉक पर कब्जा

संवाददाता। बस्ती

गौर ब्लॉक के बाद जिले के अगर किसी ब्लॉक पर एक ही परिवार का कब्जा रहने की बात कही जा रही हैं, तो वह है भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुका बनकटी ब्लॉक, यह वही ब्लॉक है, जहां पर मनरेगा में पूरे प्रदेश में सबसे अधिक भ्रष्टाचार हुआ।

आरबीएस एंड कंपनी की छत्र छाया में बीते पांच साल के कार्यकाल के दौरान ब्लॉक के दो दर्जन से अधिक प्रधान सिर्फ मनरेगा से ही करोड़पति हो गए, आरक्षण के चलते प्रमुखी और भ्रष्ट प्रधान चुनाव नहीं लड़ पाए, लूटखसोट कायम रहे, इसके चलते निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख और बेलसुही जैसे अन्य प्रधानों ने धन और बल के सहारे अपने आदमियों को बीडीसी और प्रधान जिताने में सफल रहे। यह खेल अगले पांच साल तक चलता रहे, इसके लिए आरबीएस एंड कंपनी की ओर से प्रमाण-पत्र खरीदने सहित अन्य में ब्लॉक प्रमुख बनाने के लिए पानी की तरह पैसा बहाया जा रहा है, और इसमें बेलसुही जैसे अन्य पूर्व प्रधानों के आर्थिक रुप से मदद करने की बाते सामने आ रही है। पिछले 20 साल से ब्लॉक पर कब्जे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता हैं कि आरबीएस एंड कंपनी ने कभी कांग्रेस का झंडा लगाया तो कभी सपा का दामन थामा, तो कभी बसपा की मेहरबानी से कुर्सी हासिल की, और अब बिना भाजपा का झंडा लगाए अपने आदमी को भाजपा उम्मीदवार के रुप में घोषित कराने की जुगत में हैं, और इसके लिए सिद्धार्थनगर के माननीय का सहारा लिए जाने की बातें सामने आ रही है। मगर इस बार हालात बदले हुए हैं, इस कंपनी के विरोध में पूर्व ब्लॉक प्रमुख रघुनाथ सिंह, सांसद के करीबी अरविंद पाल, मनमोहन तिवारी और सुरेंद्र तिवारी की चौकड़ी आरबीएस एंड कंपनी का किला ढ़हाने के लिए एकजुट हो गए है। वहीं पर आरबीएस के खेमे में पूर्व ब्लॉक प्रमुख बब्बू सिंह उर्फ रमेश बहादुर सिंह, पुत्र अमित सिंह, भरवलिया के पूर्व जिला पंचायत सदस्य अषोक पाल एवं नगर पंचायत बनकटी में भाजपा के मनोनीत सभासद बब्बू पाल और बेलसुही के पूर्व प्रधान मनोज कुमार पांडेय सहित अन्य पूर्व प्रधानों के षामिल होने की बाते कही जा रही है। जिन्होंने एक साल में ही दो करोड़ से अधिक खर्च कर डाला। आज यही लोग चाहते हैं, किसी तरह आरबीएस एंड कंपनी का कोई कंडिडेट ब्लॉक प्रमुख बन जाए। ताकि पहले की तरह खेल किया जा सके। अरविंद पाल एंड कंपनी का पलड़ा इस लिए आरबीएस एंड कंपनी पर भारी पड़ता दिखाई दे रहा है, क्यों कि अभी तक आरबीएस एंड कंपनी ने अपने वाहनों पर भाजपा का झंडा नहीं लगाया। अरविंद पाल एंड कंपनी के लोग पिछले वर्ष 2017 से ही वाहनों पर झंडा लगाए घूम रहे है। हालांकि इस कंपनी के लोगों पर भी दलबदलू का आरोप चस्पा है। इस कंपनी के लोगों को भी सत्तारुढ़ दल में रहकर किस तरह लाभ उठाया जा सकता है, यह कोई इस कंपनी के लोगों से भी सीखें। इस सबके बावजूद इस खेमे के लोगों को उम्मीद है कि भाजपा का उम्मीदवार अरविंद पाल एंड कंपनी का ही होगा। बताया जाता है कि अगर अरविंद पाल एंड कंपनी को सहारा मनमोहन तिवारी का नहीं मिलता तो इस कंपनी के पास एक भी बीडीसी सदस्य नहीं था, जिसके बल पर आरबीएस एंड कंपनी का साम्राज्य समाप्त किया जा सके। अब इस कंपनी का दावा है कि 40 बीडीसी उनका समर्थन करने को तैयार हैं, बस भाजपा की ओर से उम्मीदवार घोषित होने की देरी है। इतने बीडीसी की संख्या होने का दावा आरबीएस एंड कंपनी भी कर रही हैं। दावे की मजबूती के लिए 40 जीते हुए बीडीसी का प्रमाण-पत्र जेब में होने की बाते कही जा रही है। दोनों के दावे में कितना दम हैं, इसका पता तो चुनाव के बाद ही होगा। वैसे आरबीएस एंड कंपनी की ओर से यह भी दावा किया जा रहा है कि अगर पार्टी ने उनके उम्मीदवार को टिकट दिया तो ठीक है, नही तो जिसे देगी उसका समर्थन किया जाएगा। अरविंद पाल एंड कंपनी एससी महिला मेतावी देवी पत्नी फुल्लुर और आरबीएसए एंड कंपनी संजू देवी पत्नी पंचराम के सिर पर प्रमुखी का ताज देखना चाहते हैं। वर्ष 2000 में आरबीएस एंड कंपनी ने कांग्रेस के दिग्गज नेता जगदम्बिका पाल के सहयोग से अपने वाहन चालक रामप्रकाश यादव को पहली बार ब्लॉक प्रमुख बनवाया, 2005 में बसपा के कैबिनेट मंत्री रामप्रसाद चौधरी के सहयोग से बब्बू सिंह उर्फ रमेष बहादुर सिंह खुद प्रमुख बने और 2015 सपा के कैबिनेट मंत्री राजकिषोर सिंह के सहयोग से बब्बू सिंह की पत्नी नीलम सिंह प्रमुख बनी। वहीं पर रघुनाथ सिंह की पत्नी नीलम सिंह 2010 में प्रमुख रहीं। एक माननीय के समर्थक सुनील कन्नौजिया के समर्थित सिकरा खुर्द से जीती बीडीसी प्रत्याषी का भी नाम सामने आ रहा हैं, इन्हें अन्य की अपेक्षा कमजोर प्रत्याशी माना जा रहा है। ताज्जुब की बात है कि आरबीएस एंड कंपनी कभी भाजपाई नहीं रही,फिर भी इनकी ओर से उम्मीदवार की मांग की जा रही है।

भाजपा के एक वरिष्ठ का कहना है कि चूंकि गद्दारों पर कोई कार्रवाई नहीं होती इसलिए इनका मनोबल बढ़ा रहता हैं, कहीं न कहीं भाजपा के लोग ही भाजपा के खिलाफ हवा देने में लगे रहते हैं।

डॉ. वीके सिंह की कोरोना से मौत

● 24 अप्रैल से थे कोरोना से पीड़ित, गोरखपुर के प्राईवेट अस्पताल में चल रहा था इलाज

स्व:—डा.वी.के.सिंह
अधीक्षक,सामु0,स्वा0,केंद्र,हैसर बाजार
जन्म.30.06.1964 मृत्यु.16.05.2021

संवाददाता। संतकबीरनगर

सीएचसी मलौली के अधीक्षक एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर वी के सिंह 55 वर्ष की रविवार को गोरखपुर में एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। वह करीब 22 दिन से कोरोना से पीड़ित थे। मृदु भाषी एवं सरल स्वभाव के धनी डॉक्टर वी के सिंह करीब डेढ़ वर्ष से सीएचसी मलौली में अधीक्षक पद पर कार्यरत थे। उनके कार्यकाल में अस्पताल पर मरीजों को बेहतर सुविधा मिली। एक अभिभावक के तौर वह स्वास्थ्य कर्मियो से भी मिल जुल कर कार्य करते थे। पिछले माह के 24 अप्रैल को उनकी तबीयत बिगड़ी तो कोरोना जांच हुआ। जिसमें उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। दो दिन तक यहां पर मलौली सीएचसी पर क्वारंटीन रहते हुए इलाज कराएए लेकिन स्थिति में सुधार नही हुआ तो 26 अप्रैल को इलाज के लिए गोरखपुर एक प्राईवेट अस्पताल में भर्ती हो गए। जहां उनका इलाज चल रहा था कि रविवार की सुबह करीब चार बजे वह अंतिम सास लिए। उनके निधन की खबर सुनकर सीएचसी मलौली में शोक का लहर दौड़ गई। उनके निधन पर डॉक्टर यासिर खानए डॉक्टर जीतेंद्र चौधरीए डॉक्टर अंजू मिश्राए डॉक्टर सुनील कुमारए डॉक्टर राकेश यादवए बीपीएम अशोक यादवए अजय यादवए दीपक अवस्थीए विनोद कुमार ने शोक जताया है।

दो 'नाउन' की जासूसी से बन गए प्रधान

● महिलाओं में बनाई घुसपैठ विरोधी से दो गुना अधिक दिया धन

● बदले में दोनों नाउन को मिला पांच-पांच हजार का बिछिया

संवाददाता। बस्ती

...सुनने में अजीब लग रहा होगा, मगर यह सच है कि दो नाउन ने असंभव को संभव कर दिखाया। दंबगों के आगे जिसकी एक भी नहीं चली उसे गांव की दो नाउन ने कर दिखाया। मामला हर्रैया ब्लॉक के चर्चित ग्राम पंचायत खम्हरिया गंगाराम का है। यह वही ग्राम पंचायत हैं, जहां पर सबसे अधिक भ्रष्टाचार के मामले सामने आए। पूर्व प्रधान को जिताने और बाहरी होने के बावजूद अंतिम समय में जिस तरह तहसील प्रषासन ने भारी धन लेकर उस परिवार का नाम मतदाता सूची में गांव वालों के विरोध के बाद भी जोड़ने का काम किया, उसे गांव की दो 'नाउन' ने परास्त कर दिया। आरोप है कि अपनी जीत सुनिश्चित करने और तीन सौ वोट पाने के लिए प्रति वोट एक-एक हजार के दर से घरों में विरोधी ने बंटवाया। गांव वालों को जब विरोधी की रणनीति का पता चला तो एक बैठक हुई, जिसमें गांव की इज्जत बचाने के लिए हर हाल में विरोधी के चाल को फेल करने पर चर्चा हुई। फैसला हुआ कि क्यों न गांव के दो नाउन का सहारा लिया जाए। क्योंकि नाउन की घुसपैठ घर से लेकर दीदी- बहनी कहकर किचेन तक में रहती है। इन दोनों से लगभग 20 घरों की जासूसी करवाई गई, पता चला कि विरोधी एक-एक हजार दे गए। रणनीति के तहत ऐसे घरों की महिलाओं को अपने पक्ष में करने के लिए महिला मतदाताओं को एक हजार के बजाए दो-दो हजार दिया गया। मेहनताने के रुप में दोनों नाउन को पांच-पांच हजार का बिछिया अलग से दिया गया। गांव वालों का यह फार्मूला वैसे शत प्रतिशत तो सफल नहीं हुआ मगर आधे से अधिक सफल रहा, जिसका नतीजा विरोधी का हारना रहा। गांव वालों का कहना है कि अगर नाउन से जासूसी कराने का फार्मूला न अख्तियार किया गया होता तो विरोधी की चाल कामयाब हो जाती, और एक तरह से गांव की बदनामी यह कहकर होती कि बाहर का आदमी आकर जीत कर चला गया, और गांव वाले कुछ नहीं कर पाए। एक तरह से गांव के कुछ लोगों ने गांव की इज्जत बचाने के लिए लाखों जेब से खर्चा कर डाला।

प्रमुख सचिव ने जाना कोविड-19 की व्यवस्थाओं का हाल

● विकास भवन में कमांड एवं कंट्रोल सेंटर ओपेक कैली हास्पिटल का किया निरीक्षण

संवाददाता। बस्ती

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने कोविड-19 के नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए विकास भवन में गठित कोविड-19 कमांड एवं कंट्रोल सेंटर, मेडिकल कॉलेज की चिकित्सा इकाई ओपेक कैली अस्पताल एल-2 अस्पताल का निरीक्षण किया। सोशल डिस्टेंसिंग मेंटेन करने, नियमित रूप से मास्क लगाने, हाथों को सैनिटाइज करने का निर्देश दिया। कहा कि नियंत्रण कक्ष का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है और यहां पर तैनात सभी अधिकारी, कर्मचारी की विशेष सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। कंट्रोल रूम में कोविड-19 पेशेंट को फैसिलिटी अलॉटमेंट के बारे में आवश्यक जानकारी दी गई। होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों के लिए अटैच टॉयलेट के साथ अलग कमरा, ऑक्सीजन लेवल नापने के लिए पल्स ऑक्सीमीटर, इंफ्रारेड थर्मोमीटर का होना जरूरी बताया। कहा यदि प्रत्येक मरीज को नहीं तो निगरानी समिति को यह उपलब्ध कराया जाए ताकि वह प्रतिदिन भ्रमण के दौरान उनकी जांच कर सकें।यूएनडीपी तथा यूनिसेफ के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह निगरानी समितियों के क्रियाकलापों को गुणवत्तापूर्ण मॉनिटरिंग करें। ओपेक कैली अस्पताल में ऑक्सीजन सेंटर, कंट्रोल रूम, कोविड-19 वार्ड, तथा अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निर्देश दिया कि वार्ड में सभी पैरामेडिकल स्टाफ पीपीई किट में ही जाएं। यदि किसी मरीज के साथ तीमारदार की अनुमति दी गई है तो वह भी पूरे सुरक्षात्मक उपाय के साथ वहां रहे। निरीक्षण के दौरान डीएम सौम्या अग्रवाल, सीडीओ डॉ0 राजेश कुमार प्रजापति, पीडी कमलेश सोनी, एसडीएम सदर आशाराम वर्मा, बीएसए जगदीश शुक्ला, प्रधानाचार्य मेडिकल कॉलेज डा0 नवनीत कुमार, सीएमएस डा0 सोमेश श्रीवास्तव, डा0 जीएम शुक्ला, डा0 अनिल यादव डा0 स्वाति, डा0 विवेक, व अन्य मौजूद रहे।

आपसी विवाद में ढाई साल के मासूम का अपहरण कर उतारा मौत के घाट

बस्ती। दो महिलाओं के बीच आपसी झगड़े का खामियाजा ढाई वर्ष के एक मासूम को जान देकर चुकानी पड़ी। पहले उसका अपहरण किया गया फिर उसकी हत्या कर लाष को गांव के पास जंगल में फेंक दिया गया। संदेह के आधार पर दो लोगों को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की गई तो न केवल मामले का खुलासा हुआ बल्कि मासूम का शव भी बरामद हो गया। मामला सोनहा थाना क्षेत्र के परसा खुर्द बुजुर्ग दरियापुर जंगल टोला उकड़हवा का है। ढाई वर्षीय मासूम रितेष के परिजनों की माने तो रितेष की मां और गांव की ही निवासी पार्वती के बीच दो माह दिन पूर्व किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इसी का बदला लेने के लिए पार्वती ने गांव निवासी संदीप चौहान के साथ मिलकर हत्या की घटना को अंजाम दिया। रितेष के बाबा जगराम का आरोप है कि उनके ढाई वर्षीय नाती को संदीप अपनी साईकिल पर बैठाकर ले गया था। जिसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चला। काफी खोजबीन के बाद पता न चलने पर आरोपी से पूछा गया तो उसने भी कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया। इसके बाद मामले में पुलिस को तहरीर दी गई। मासूम के साथ अनहोनी की आषंका जताते हुए उसके गायब होने का संदेह पार्वती और संदीप पर व्यक्त किया गया।मासूम के गायब होने की सूचना बाद पुलिस पहुंची। अपने स्तर से उसने भी खोजबीन की, लेकिन सफलता नहीं मिली। खोजबीन के लिए डाग स्क्वायड की भी मदद ली गई। मासूम रितेष के कपड़े और चप्पल के सहारे खोजबीन की डाग स्क्वायड की टीम भी असफल रही। संदेह के आधार पर गांव के दो लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो पता चला कि मासूम की हत्या कर लाष को गांव के पास के जंगल में फेक दिया गया है।

पालिका के 25 वार्डों में निगरानी समितियां सक्रिय

● हर वार्ड में हो रहा है सेनिटाइजेशन

संवाददाता। संतकबीरनगर

कोविड-19 दूसरी लहर को देखते हुये जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल के कुशल निर्देशन में नगर पालिका परिषद खलीलाबाद नगरीय क्षेत्र के 25 वार्डों में निगरानी समिति को सक्रिय है। 86 कर्मचारी लगातार प्रतिदिन वार्डो में कोविड से सम्बंधित जानकारी एकत्रित कर अपनी रिपोर्ट नगर पालिका प्रशासन में प्रस्तुत कर रहे है। इस रिपोर्ट के आधार पर वार्ड के निवासियों को सुरक्षित रखा जा रहा है। ईण्ओण् खलीलाबाद श्रीमती बीना सिंह ने बताया कि निगरानी समिति में आंगनवाड़ी कार्यकत्रीए सफाईकर्मी व सुपरविजन के लिए स्थाईकर्मी शामिल है। उन्होंने बताया कि निगरानी समिति रोज वार्ड के घर.घर जाकर बाहर से आने वालो की सूचनाए घर मे बीमार की सूचनाए यदि कोविड से ग्रसित है और होम आइसोलेट है तो उनके स्वस्थ सुधार की जानकारी के साथ ऑक्सीमीटर से पल्स की जांच की जा रही है। ईओ खलीलाबाद श्रीमती बीना सिंह ने बताया कि शासन के निर्देश के क्रम में प्रतिदिन अस्पतालए सरकारी आवासए संक्रमित एरियाएकन्टेमेंट जोन के आलवा अलग अलग वार्डो में सेनेटाइजए विशेष साफसफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसकी मॉनिटरिंग वह स्वयं कर रही है। उन्होंने बताया कि सफाईकर्मियों में प्रतिदिन सुरक्षा किट उनके कार्य स्थल पर पहुँचकर दिया जा रहा तथा कोविड से बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है।

तीन सप्ताह पूर्व चोरी पिकप के साथ एक गिरफ्तार

विक्रमजोत, बस्ती। छावनी थाना क्षेत्र के खतमसराय चौराहे पर वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने तीन सप्ताह पूर्व पटखापुर चौराहे से चोरी हुई पिकप को बरामद कर एक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार वाहन चेकिंग के दौरान अयोध्या से बस्ती की ओर आ रही एक पिकप को रोका गया तो रूकने की जगह चालक वाहन लेकर भागने का प्रयास किया। घेराबंदी कर पुलिस ने वाहन को रोकवाया। चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वाहन चोरी का खुलासा हुआ। पिकप के साथ पकड़े गए वाहन चालक की पहचान बाराबंकी जिले के हैदरगढ़ थाना क्षेत्र के चौबीसी गांव निवासी कमलेष श्रीवास्तव के रूप में हुई। पहले पूछतांछ के दौरान उसने अपने को इस गाड़ी का मालिक बताया। कागजात मांगने पर घर पर छूट जाना बताया। पूछताछ के दौरान टिकरिया गांव निवासी राजेश सिंह मौके पर पहुंचे और बताया कि यह तो उनका ड्राइवर है जो उनकी गाड़ी चलाता था और बीते 23 अप्रैल को रोज की भांति पानी पहुंचाने गया था।

क्विक न्यूज

सीएचसी सेमरियावां में बनाया जाये कोविड सेंटर: मो.अहमद

सेमरियावां। संतकबीरनगर समाजवादी पार्टी की जिला उपाध्यक्ष मो अहमद और ग्राम पंचायत सेमरियावां के नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान ने रविवार के दिन जिलाधिकारी व मुख्यचिकित्सा अधिकारी से मिलकर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरियावां कोविड उपचार सेंटर बनाने की मांग की। मोहम्मद अहमद व अबरार अहमद ने कहा कि विकास खंड सेमरियावां के कई गांवों में कोविड 19 महामारी के चपेट में हैं। इसके के चलते आमजन दम तोड रहे हैं।जिसमें अधिकांशत: को सांस फूलने की शिकायत रहती है।आक्सीजन उपलब्ध न होने और फौरी उपचार हेतु आवश्यक सेवा न हो पाने से मृत्यु बढ़ रही है।पीड़ित व्यक्ति के उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरियावा पर आक्सीजन उपलब्ध कराने साथ ही कोविड के उपचार हेतु मरीजों व कोविड़ से पीड़ित व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाने की शासन से मांग की हैं।

सार्वजनिक भूमि पर कब्जे की आवाज उठाने वाले पत्रकार पर मुकदमा

बस्ती। हर्रैया पुलिस ने सार्वजनिक भूमि पर कब्जा करने वाले व्यक्ति के खिलाफ आवाज उठाने वाले पत्रकार सत्यदेव षुक्ल के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज कर दिया, और सहारा पुराने एवं आधे अधूरे वीडियो का लिया। सीएम, डीआईजी, एसपी और डीएम से लगाई गुहार में कहा गया कि गांव के राजकुमार द्वारा गाटा संख्या 27 खलिहान व चकमार्ग संख्या 24-45 जो कि सरकारी अभिलेखों में सार्वजनिक संपत्ति के रुप में दर्ज हैं,पर सालों से कब्जा कर रखा है। इसे खाली कराने के लिए तीन साल पहले एसडीएम हर्रैया की ओर से आदेष भी जारी हुआ, मगर न तो अतिक्रमण हटाया गया और न अतिक्रमण करने वाले के खिलाफ ही कोई कार्रवाई की गई, अलबत्ता पुलिस ने मेरे खिलाफएक पुराने वीडियो का सहारा लेकर मुकदमा अवष्य दर्ज कर दिया। बताया कि 11 मई 21 और एसडीएम के 27 नवंबर 19 का आदेष पालन कराने को लेकर लेखपाल आए, कहा सुनी हुई, बावजूद अतिक्रमण नहीं हटा। इसी बीच विपक्षी ने पुराने और आधे अधूरे वीडियो और मौके पर लेखपाल से हुई बातचीत को उच्चाधिकारियों को ट्यूट कर दिया। प्रार्थना पत्र में राजकुमार के खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति निवारण अधिनियम और आपराधिक षडयंत्र के तहत कार्रवाई करने और सार्वजनिक संपत्ति को खाली करवाने की अपील की गई है।

अबोध बालिका से दुष्कर्म का प्रयास

करनैलगंज (गोंडा)। एक 3 वर्षीय अबोध नाबालिक बालिका के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया गया। मामले में आरोपी के परिजनों द्वारा पीड़िता के परिजनों से मारपीट भी की गई। मामले में पुलिस ने पीड़ित बालिका के पिता की तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध छेड़खानी मारपीट एवं पास्को एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है। घटना कोतवाली करनैलगंज क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव की है। जहां शनिवार की शाम एक 16 वर्षीय युवक ने 3 साल की एक मासूम बालिका को बहला-फुसलाकर उसके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। बालिका के चिल्लाने की आवाज सुनकर जब लोग दौड़े तो युवक मौके पर उसे छोड़कर भाग निकला। उसके बाद आरोपी युवक के परिजनों द्वारा पीड़ित बालिका के परिजनों से मारपीट एवं गाली-गलौज किया गया। मामला कोतवाली पहुंचा तो पुलिस ने बालिका के पिता की तहरीर पर आरोपी युवक सूरज एवं मारपीट करने वाले उसके बड़े भाई दीपनरायन के विरुद्ध धारा 354ख, 323, 504 व 9/10 पास्को एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है। प्रभारी कोतवाल राजनाथ सिंह बताते हैं कि मामले में तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। जांच के साथ-साथ आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

नोडल अधिकारी ने कोविड नियंत्रण की समीक्षा की, दिये निर्देश

● प्राइवेट अस्पतालों में उपलब्ध बेड्स की संख्या व रेट का हो डिस्प्ले: नोडल अधिकारी

संवाददाता। गोंडा

कोरोना संक्रमण से बचाव को लेकर जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्यों, अब तक की गई तैयारियों तथा जिले के कोविड संक्रमण की स्थिति व नियंत्रण आदि के लिए शासन से नामित नोडल अधिकारी/सचिव नगर विकास विभाग उ0प्र0 अनुराग यादव ने रविवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर कोविड कन्ट्रोल रूम का निरीक्षण किया तथा डीएम व सीडीओ सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर गहन समीक्षा की। नोडल अधिकारी द्वारा सबसे पहले तहसील करनैलगंज अन्तर्गत ग्राम रैंगांव, चकरौत तथा भैरवनाथपुरवा ग्राम में कोविड से हुई मौतों के बारे में जिला प्रशासन की ओर से किए गए प्रयासों की जानकारी ली गई। उन्होंने कहा कि यह समय बहुत कठिन है और हम लोगों की नैतिक जिम्मेदारी है कि हर पहलू पर समय से कार्यववाही सुनिश्चत की जाय जिससे संक्रमण को कम किया जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि समस्त प्राइवेट अस्पतालों में उपलब्ध बेड्स की संख्या, रेट की जानकारी अस्पतालों के बाहर जरूर डिस्प्ले कराया जाय तथा प्रत्येक दशा में सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी हास्पिटल ओवर रेटिंग न करने पावे। कन्ट्रोल रूम में कॉल रिकार्डर लगवाया जाय तथा हर कॉल रिकार्ड की जाय। कन्ट्रोल रूम में कॉल करने वाले हर व्यक्ति को समुचित रिस्पान्स दिया जाय और सही जानकारी दी जाय ताकि लोग परेशान न हों और उन्हें समय पर सही उपचार मिल सके। कोविड से मृत हुए लोगों के शवों के निस्तारण की व्यवस्था अनिवार्य रूप से प्रोटोकॉल के अनुसार कराई जाय। लोगों को कोविड से बचाव के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न माध्यमों का प्रयोग किया जाय तथा जनपद में पब्लिक एड्रेस सिस्टम को सक्रिय रखा जाए। बचाव के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को कोविड का टीका लगवाया जाए। मुख्य विकास अधिकारी शशांक त्रिपाठी द्वारा पॉवर प्वाइन्ट प्रजेन्टेशन के माध्यम से कोविड संक्रमण से बचाव के दृष्टिगत अब तक की गई कार्यवाही व तैयारियों के बारे में विस्तार से बताया गया। सीडीओ द्वारा बताया गया कि जिले में कोविड से बचाव के लिए जिला अस्पताल कें कोविड अस्पताल में 180 बेड तथा एससीपीएम हास्पिटल में 160 बेड्स की की व्यवस्था है। इसके अलावा जिले के चार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को भी कोविड हास्पिटल के रूप में व्यवस्थित किया गया है। संसाधनों की समीक्षा में सीडीओ द्वारा नोडल अधिकारी को बताया गया कि 700 नए बेड्स की व्यवस्था की गई है। 91 ऑक्सीजन कन्सेन्ट्रटर मंगाए गए हैं तथा 275 नए ऑक्सीजन सिलेन्डर की भी व्यवस्था की गई है। 02 लैबों में कोविड की जांच की सुविधा उपलब्ध है तथा वर्तमान में 630 रेमडेसिविर इंजेक्शन की उपलब्धता है। इसके अलावा एसडीआरएफ फण्ड से कोविड हास्पिटल में नया आक्सीजन प्लान्ट लगवाए जाने के लिए कार्यवाही शुरू कर दी गई है। कोविड जांच की समीक्षा में नोडल अधिकारी द्वारा और अधिक टेस्टिंग कराए जाने के निर्देश नोडल अधिकारी द्वारा दिए गए। बताया गया कि जिले में कोरोना में 18 गुना वृद्धि की गई है। गांवों में कोविड जांच, जागरूकता आदि के लिए 74 आरआरटी टीमें लगाई गई हैं। कोविड कन्ट्रोल एण्ड कमाण्ड सेन्टर में कुल 56 स्टाफ की ड्यूटी तीन शिफ्टों में लगाई गई है तथा गांव-गांव निगरानी समितियों के माध्यम से जांच व सर्वे का कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों को मेडिकल किट उपलब्ध कराई जाय। नोडल अधिकारी को बताया गया कि रोजाना होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों से आईजी देवीपाटन, एसपी गोण्डा तथा स्वयं डीएम के द्वारा फोन पर बात हाल-चाल लिया जाता है।

18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का कोविड वैक्सीनेशन आज से

● प्रभारी मंत्री करेंगे टीकाकरण का शुभारम्भ

गोंडा। जिले में 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों को सोमवार, 17 मई से कोविड का टीका लगना शुरू हो जाएगा। टीकाकरण का शुभारम्भ जनपद के प्रभारी मंत्री/मंत्री सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, निवेश व निर्यात, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा, वस्त्रोद्योग सिद्धार्थनाथ सिंह द्वारा दोपहर साढ़े बारह बजे जिला अस्पताल में किया जाएगा। इसके साथ ही महिला अस्पताल व जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर भी टीकाकरण कार्य का शुभारम्भ होगा। जिलाधिकारी मार्कण्डेय शाही ने बताया कि सोमवार को समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री द्वारा वजीरगंज सीएचसी, विधायक गौरा प्रभात वर्मा द्वारा सीएचसी छपिया, विधायक तरबगंज प्रेमनारायण पाण्डेय द्वारा सीएचसी बेलसर, विधायक करनैलगंज कुंवर अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भइया द्वारा सीएचसी करनैलगंज में तथा विधायक कटरा बाजार बावन सिंह द्वारा सीएचसी हलधरमऊ में टीकाकरण के शुभारम्भ का कार्य प्रस्तावित है। जिला अस्पताल में टीकाकरण कार्य का शुभारम्भ करने के उपरान्त प्रभारी मंत्री द्वारा सीएचसी हलधरमऊ में 30 बेड के कोविड हास्पिटल का शुभारम्भ तथा मंगलवार 18 मई को मा0 सांसद गोण्डा कीर्तिवर्धन सिंह तथा मा0 विधायक गौरा श्री प्रभात वर्मा द्वारा सीएचसी छपिया में 30 बेड के कोविड हास्पिटल को लोकार्पण किया जाएगा। वहीं सोमवार को जनपद स्तरीय कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री के साथ सांसद कैसरगंज बृजभूषण शरण सिंह, सांसद गोण्डा कीर्तिवर्धन सिंह तथा प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री जी एवं विधायकगण मौजूद रहेंगे। सीएमओ आर0एस0 केसरी ने बताया कि टीका लगवाने वाले लाभार्थियों को अपना आधार कार्ड लाना अनिवार्य होगा।

सौराष्ट्र के पूर्व क्रिकेटर, बीसीसीआई रैफरी राजेंद्र सिंह जडेजा का निधन

राजकोट। सौराष्ट्र के पूर्व तेज गेंदबाज और बीसीसीआई के रैफरी राजेंद्रसिंह जडेजा का कोविड-19 संक्रमण के कारण निधन हो गया। एससीए ने यह जानकारी दी। जडेजा 66 साल के थे। एससीए ने बयान में कहा, एससीए में सभी राजेंद्रसिंह जडेजा के असामयिक निधन से दुखी है जो सौराष्ट्र के अतीत के सबसे शानदार क्रिकेटरों में से एक थे। कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई लड़ते हुए आज तड़के उनका निधन हुआ। जडेजा दाएं हाथ के उम्दा तेज गेंदबाज होने के अलावा अच्छे आलराउंडर भी थे।

उत्तर कोरिया विश्व कप क्वालीफिकेशन से हटा

सोल। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने घोषणा की है कि उत्तर कोरिया 2022 विश्व कप क्वालीफिकेशन से हट गया है। एएफसी ने रविवार को बयान में कहा, एएफसी पुष्टि करता है कि डीपीआर कोरिया फुटबॉल संघ एशियाई क्वालीफायर से हट गया है। प्योंगयांग ने टूर्नामेंट के अगले महीने होने वाले क्वालीफायर से हटने का कोई आधिकारिक कारण नही बताया है।

ऊंची कूद के खिलाड़ी तेजस्विन शंकर को स्वर्ण

नई दिल्ली। भारत के ऊंची कूद के खिलाड़ी तेजस्विन शंकर ने अमेरिका के मैनहेटन में बिग 12 आउटडोर ट्रैक एवं फील्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। कंसास स्टेट यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व कर रहे तेजस्विन ने शनिवार को 2.28 मीटर के प्रयास के साथ प्रतियोगिता का यूनिवसिटी की ओर से रिकॉर्ड बनाया। यह भारतीय खिलाड़ी का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है लेकिन वह अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से कुछ सेंटीमीटर पीछे रहे।

मनु को स्नातक की परीक्षा भी देंगी

नई दिल्ली। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी भारतीय निशानेबाज मनु भाकर क्रोएशिया की राजधानी जगरेब में आयोजित होने वाली यूरोपीय चैम्पियनशिप में भाग लेने के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखेगी और वही से स्नातक की परीक्षाएं देंगी। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित लेडी श्रीराम महिला कॉलेज से राजनीति विज्ञान मे स्नातक कर रही भाकर की परीक्षाएं 18 मई से शुरू होंगी जबकि ओसिजेक में होने वाली यूरोपीय चैम्पिनशिप का आगाज 20 मई से होगा।

तोक्यो पैरालंपिक के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम का चयन 15-16 जून को

नई दिल्ली। तोक्यो मे अगस्त-सितंबर मे होने वाले पैरालंपिक खेलों के लिए भारतीय पैरा एथलेटिक्स टीम का चयन 15 और 16 जून को यहां होने वाले दो दिवसीय ट्रायल के दौरान किया जाएगा। ट्रायल्स का आयोजन सरकार के सुरक्षा दिशानिर्देशों और कोविड-19 की मानक संचालन प्रक्रिया के तहत किया जाएगा। पीसीआई ने बयान में कहा, ट्रायल्स मे भाग लेने वाले खिलाड़ियों को 72 घंटे पहले की कोविड-19 नेगेटिव रिपोर्ट साथ मे लानी है।

विरोधी को फंसाने का हुनर जानते हैं विराट : पेन

● कोहली दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज

भाषा। मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम के कप्तान टिम पेन ने कहा कि भारतीय कप्तान विराट कोहली दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं और वह विरोधी टीम पर उसी के अंदाज में प्रहार करते हैं। उन्होंने 2018-19 में भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि वह भारतीय कप्तान के प्रतिस्पर्धी रवैए को हमेशा याद रखेंगे। इस 36 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज ने पूर्व दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट के पोडकास्ट गिली एंड गोस में कहा, विराट कोहली के लिए मैंने कई बार कहा है कि वह उस प्रकार के खिलाड़ी है जिसे आप अपनी टीम में रखना पसंद करेंगे। वह प्रतिस्पर्धी है। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। उन्होंने कहा, उनके (कोहली) खिलाफ खेलना चुनौतीपूर्ण है और वह आपकी चाल में नहीं फंसते है क्योंकि वह खेल में बहुत अच्छे और प्रतिस्पर्धी है। कोहली की अगुवाई में भारत ने 2018-19 में पहली बार ऑस्ट्रेलिया को उसकी सरजमीं पर टेस्ट श्रृंखला में हराया था। भारत ने बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला को 2-। से जीता था और पूरी श्रृंखला के दौरान दोनों कप्तानों के बीच कई बार जुबानी जंग देखने को मिली थी। पेन ने कहा, हां, चार साल पहले उनसे मतभेद हुए थे। वह ऐसे खिलाड़ी है जिन्हें मैं हमेशा याद रखूंगा। रोचक बात यह है कि पेन ने ही पिछले साल कहा था कि कोहली भारतीय टीम में किसी अन्य खिलाड़ी की तरह से हैं जिनके बारे में वह ज्यादा नहीं सोचते है। पेन ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को कोहली को नापसंद करना पसंद है।

आस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुए हसी

चेन्नई। चेन्नई सुपरकिंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी कोविड-19 से उबरने के बाद रविवार को दोहा होते हुए आस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुए। इस इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। आस्ट्रेलिया के इस पूर्व बल्लेबाज का शुक्रवार को आरटी-पीसीआर परीक्षण का नतीजा नेगेटिव आया जिससे उनके रविवार तड़के रवाना होने का रास्ता साफ हुआ। सुपरकिंग्स के सीईओ केएस विश्वनाथन ने पीटीआई को बताया, हां, हसी व्यावसायिक उड़ान से दोहा होते हुए आस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गया है। वह रविवार तड़के रवाना हुआ। अब निलंबित हो चुकी इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हसी के सोमवार को स्वदेश पहुंचने की उम्मीद है।

आर्चर की कोहनी की चोट फिर उभरी

लंदन। इंग्लैड के स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का न्यूजीलैड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में खेलना संदिग्ध है क्योंकि केंट के खिलाफ ससेक्स की ओर से काउंटी चैंपियनशिप मुकाबले में खेलते हुए उनकी कोहनी की पुरानी चोट फिर उभर आई। छब्बीस साल का यह तेज गेंदबाज अतीत मे भी कोहनी की चोट से परेशान रहा है जिसके कारण वह भारत के खिलाफ दो टेस्ट और फिर फिलहाल निलंबित इंडियन प्रीमियर लीग मे नही खेल पाए। इसके अलावा वह 2020 की शुरुआत मे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी नही खेल पाए थे। चोट के बाद वापसी करते हुए ससेक्स की ओर से अपना पहला प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेल रहे आर्चर ने पहली पारी मे 29 रन देकर दो विकेट चटकाए। यह तेज गेंदबाज हालांकि दूसरी पारी मे सिर्फ पांच ओवर ही फेंक सका और उन्होंने कोहनी मे सूजन की शिकायत की। ससेक्स के मुख्य कोच इयान सालिस्बरी ने कहा, अगर आप आज के दिन को देखे तो वह कल गेंदबाजी नही कर पाएगा।

फाइनल में आमने-सामने नडाल व जोकोविच

भाषा। रोम

दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने शनिवार को यहां कड़े मुकाबले में स्थानीय दावेदार लोरेंजो सोनेगो को तीन सेट में हराकर इटैलियन ओपन के फाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना चिर प्रतिद्वंद्वी रफेल नडाल से होगा। जोकोविच ने कड़े मुकाबले में सोनेगो को 6-3, 6-7, 6-2 से हराया। जोकोविच की नजरें अब रविवार को रोम में छठा खिताब जीतने पर टिकी होंगी लेकिन उनके सामने नडाल की कड़ी चुनौती होगी। नडाल को एक अन्य सेमीफाइनल में अमेरिका के रेली ओपेलका के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज करने में अधिक मशक्कत नहीं करनी पड़ी। स्पेन के दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी और दूसरे वरीय नडाल ने ओपेलका को 6-4, 6-4 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

हॉकी प्रो लीगः बेल्जियम ने अमेरिका को हराया

एंटवर्प (बेल्जियम)। बेल्जियम की महिला हॉकी टीम ने दबदबा बनाते हुए शनिवार को यहां एफआईएच हॉकी प्रो लीग मुकाबले में अमेरिका को 3-0 से हराया। बेल्जियम की 2020-21 अभियान में यह दूसरी जीत है। टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर चल रही है। अमेरिकी टीम प्रो लीग तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। कोविड-19 महामारी के कारण फरवरी 2020 के बाद अपना पहला प्रो लीग मैच खेल रही अमेरिकी टीम की ओर से पांच खिलाड़ियों ने पदार्पण किया।

लीसेस्टर को पहली बार एफए कप खिताब

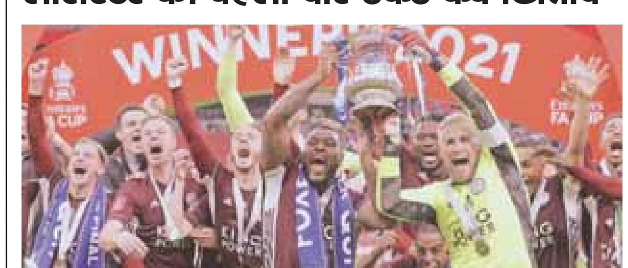

लंदन। योरी टिलेमेंस के गोल की बदौलत लीसेस्टर ने शनिवार को यहां फाइनल में चेल्सी को।-0 से हराकर पहली बार एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। टिलेमेंस ने मैच का एकमात्र गोल 63वें मिनट में किया। लीसेस्टर के 137 साल के इतिहास में यह पहला मौका है जब टीम एफए कप खिताब जीतने में सफल रही है। लीसेस्टर की यह खिताबी जीत उसके लिए इसलिए भी सुखद रही क्योंकि टीम ने यह खिताब अपने घरेलू दर्शकों के सामने वेम्बले स्टेडियम में जीता। वेम्बले स्टेडियम में इस दौरान 20 हजार से अधिक दर्शक मौजूद थे जो कोरोना वायरस के लिए नेगेटिव पाए गए थे। चेल्सी ने 89वें मिनट में बराबरी का गोल दाग दिया था लेकिन यह आफ साइड हो गया।

यूवेंटस ने इंटर मिलान को हराया, अटलांटा ने चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई किया

रोम। यूवेंटस ने सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट में चैंपियन इंटर मिलान को 3-2 से हराकर चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को जीवंत रखा है जबकि अटलांटा ने जिनोआ को हराकर यूरोप की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता में जगह सुनिश्चित की। अटलांटा ने जिनोआ को 4-3 से हराकर दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और टीम का शीर्ष चार में जगह बनाना भी तय हो गया है। इंटर के खिलाफ यूवेंटस की ओर से युआन कुआड्रेडो ने दो गोल दागे जबकि अन्य गोल क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने किया।

लेवानदोवस्की के बुंदेसलीगा में रिकॉर्ड गोल

बर्लिन। बायर्न म्यूनिख के स्टार रॉबर्ट लेवानदोवस्की ने बुंदेसलीगा फुटबॉल सत्र में 40 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी की जबकि आग्सबर्ग, मेंज और हेर्था बर्लिन की टीमें निचली लीग में खिसकने से बचने में सफल रही। लेवानदोवस्की ने पेनल्टी को गोल में बदला जिससे बायर्न ने एससी फ्रीबर्ग से 2-2 से ड्रॉ खेला। लेवानदोवस्की ने म्यूलर के 1972 के रिकॉर्ड की बराबरी की। बायर्न की ओर से एक अन्य गोल लेरॉय साने ने किया जबकि फ्रीबर्ग की ओर से मैनुअल गिल्डे और क्रिस्टियन गुंटर ने गोल किए।

करियर के दौरान 10-12 वर्षों तक तनाव से जूझता रहा था : सचिन

भाषा। नई दिल्ली

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने रविवार को कहा कि अपने 24 साल के करियर के एक बड़े हिस्से को उन्होंने तनाव में रहते हुए गुजारा है और वह बाद में इस बात को समझने में सफल रहे कि मैच से पहले तनाव खेल की उनकी तैयारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। कोविड-19 के दौरान बायो-बबल (जैव-सुरक्षित माहौल) में अधिक समय बिताने से खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहे असर के बारे में बात करते हुए मास्टर ब्लास्टर ने कहा कि इससे निपटने के लिए इसकी स्वीकार्यता जरूरी है। तेंदुलकर ने अनअकेडमी द्वारा आयोजित एक परिचर्चा में कहा, समय के साथ मैंने महसूस किया कि खेल के लिए शारीरिक रूप से तैयारी करने के साथ आपको खुद को मानसिक रूप से भी तैयार करना होगा। मेरे दिमाग में मैदान में प्रवेश करने से बहुत पहले मैच शुरू हो जाता था। तनाव का स्तर बहुत अधिक रहता था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतकों का शतक लगाने वाले इस इकलौते पूर्व खिलाड़ी ने कहा, मैंने 10-12 वर्षों तक तनाव महसूस किया था, मैच से पहले कई बार ऐसा हुआ था जब मैं रात में सो नहीं पता था। बाद में मैंने यह स्वीकार करना शुरू कर दिया कि यह मेरी तैयारी का हिस्सा है। मैंने समय के साथ इस स्वीकार कर लिया कि मुझे रात में सोने में परेशानी होती थी। मैं अपने दिमाग को सहज रखने के लिए कुछ और करने लगता था। इस कुछ और में बल्लेबाजी अभ्यास, टेलीविजन देखना और वीडियो गेम्स खेलने के अलावा सुबह चाय बनाना भी शामिल था। रिकार्ड 200 टेस्ट मैच खेल कर 2013 में संन्यास लेने वाले इस खिलाडी ने कहा, मुझे मैच से पहले चाय बनाने, कपड़े इस्त्री करने जैसे कार्यों से भी खुद को खेल के लिए तैयार करने में मदद मिलती थी। मेरे भाई ने मुझे यह सब सिखाया था, मैं मैच से एक दिन पहले ही अपना बैग तैयार कर लेता था और यह एक आदत सी बन गई थी। मैंने भारत के लिए खेले अपने आखिरी मैच में भी ऐसा ही किया था। खिलाड़ी को मुश्किल समय का सामना करना ही पड़ता है लेकिन यह जरूरी है कि वह बुरे समय को स्वीकार करें। उन्होंने कहा, जब आप चोटिल होते है तो चिकित्सक या फिजियो आपका इलाज करते है। मानसिक स्वास्थ्य के मामले में भी ऐसा ही है। किसी के लिए भी अच्छे-बुरे समय का सामना सामान्य बात है। इसके लिए आपकों चीजों को स्वीकार करना होगा।

सितंबर में आस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकती है भारतीय महिला क्रिकेट टीम

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट सितंबर में आस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकती है। कोविड-19 महामारी के बीच सिर्फ एक श्रृंखला खेलने वाली भारतीय टीम सात साल में पहला टेस्ट खेलने के लिए अगले महीने इंग्लैंड का दौरा करेगी। इंग्लैंड दौरे पर टीम को तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले भी खेलने हैं। आस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगान शुट ने संकेत दिए कि भारतीय टीम सितंबर में देश का दौरा कर सकती है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने हालांकि अब तक कार्यक्रम की पुष्टि नहीं की है। इस दौरे पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टी20 मुकाबले खेले जाने की उम्मीद है। शुट ने केट क्रॉस और एलेक्स हार्टले की मेजबानी में नो बॉल्सः द क्रिकेट पॉडकास्ट पर कहा, सितंबर के मध्य में हमें भारत के खिलाफ श्रृंखला खेलनी है। इसलिए कुछ शिविर आयोजित होंगे। मुझे लगता है कि एक डार्विन में होगा जहां काफी ठंड होगी और इसके बाद भारत के खिलाफ श्रृंखला होगी। इसके बाद बिग बैश, एशेज, विश्व कप और उम्मीद है कि राष्ट्रमंडल खेल होंगे। बीसीसीआई ने अपनी शीर्ष परिषद की पिछली बैठक में न्यूजीलैंड में अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले आस्ट्रेलिया दौरे को भी स्वीकृति दी थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला को भी स्वीकृति मिली थी। आस्ट्रेलिया का दौरा शुरुआत में इस साल जनवरी में होना था लेकिन कोविड-19 महामारी के बीच विश्व कप को 2022 तक टालने के बाद इसे भी स्थगित कर दिया गया।

ओलंपिक की तैयारी में जुटीं हैं सिंधू

भाषा। नई दिल्ली

● कोच मेरे लिए ट्रेनिंग में मैच जैसी स्थिति तैयार कर रहे हैं

ओलंपिक से पहले टूर्नामेंटों में हिस्सा नहीं ले पाना भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों की बड़ी चिंता है लेकिन पीवी सिंधू के साथ ऐसा नहीं है जिन्हें कोरिया के अपने कोच पार्क तेइ सेंग पर विश्वास है कि वह उनके लिए ट्रेनिंग में ही मैच जैसी स्थिति तैयार करेंगे। जुलाई-अगस्त में होने वाले ओलंपिक से पहले ए तीनों अंतिम क्वालीफाइंग प्रतियोगिताएं थी। यह पूछने पर कि क्या प्रतियोगिताओं के रद्द होने से तैयारियों पर असर पड़ेगा, सिंधू ने कहा, हम सोच रहे थे कि ओलंपिक से पहले सिंगापुर में आखिरी प्रतियोगिता होगी लेकिन अब हमारे पास और कोई विकल्प नहीं है इसलिए मैं अलग अलग खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबले खेल रही हूं और मेरे कोच पार्क ट्रेनिंग के दौरान मेरे लिए मैच जैसी स्थिति तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। अलग अलग खिलाडि़यों के खेलने की शैली अलग होती है जैसे ताइ जू यिंग या रतचानोक इंतानोन के खेलने की शैली अलग है लेकिन मेरे मार्गदर्शन के लिए पार्क मौजूद हैं जिससे कि मैं तैयारी कर सकूं। बेशक हम एक दूसरे के खिलाफ कुछ महीनों के बाद खेलेंगे और हमारे खेल में कुछ नया होगा इसलिए मुझे इसके लिए तैयारी करनी होगी। सिंधू ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके अन्य भारतीय खिलाड़ियों के साथ ट्रेनिंग नहीं कर रही हैं। वह तेलंगाना के गचीबाउली इंडोर स्टेडियम में ट्रेनिंग कर रही हैं और अपनी फिटनेस ट्रेनिंग सुचित्रा अकादमी में करती हैं। टूर्नामेंटों को रद्द करने के बीडब्ल्यूएफ के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि यह दुखद है कि प्रतियोगिताएं नहीं खेली जा सकीं लेकिन खेल से अधिक महत्वपूर्ण जीवन है। यह दुखद है कि पूरी दुनिया थम सी गई है लेकिन खिलाड़ियों से पहले हम इंसान है और जीवन सबसे महत्वपूर्ण है। अगर टूर्नामेंट होते हैं तो हमें नहीं पता कि हम सुरक्षित होंगे या नहीं, हम सोच सकते हैं कि हम सुरक्षित होंगे लेकिन हम सुनिश्चित नहीं हो सकते क्योंकि हमें नहीं पता कि वायरस कहां से आ जाएगा। ओलंपिक जैसी शीर्ष प्रतियोगिता में आयोजकों और खिलाड़ियों के लिए कोविड-19 से जुड़े नियमों का पालन करना मुश्किल काम होगा और सभी को इस चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए। सभी देशों के कोविड-19 से जुड़े अपने नियम हैं।

कैसे काम करता है और कितना सुरक्षित है मॉडर्ना का कोविड टीका?

कोविड टीका लगवाने में झिझक : लोगों को तैयार करने के लिए उन्हें व्यक्तिगत लाभ से रूबरू कराएं

ऑक्सफोर्ड। ब्रिटेन के करीब 10 प्रतिशत वयस्कों ने कहा है कि वे कभी भी कोविड-19 रोधी टीका नही लगवाएंगे या जब तक संभव होगा, इससे बचेंगे। वैज्ञानिकों ने इस समूह को टीका लगवाने से हिचकिचाने वाला समूह कहा है। उन्होने कहा है कि जो लोग टीका लगवाने मे

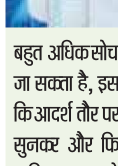

हिचकिचा रहे है, उन्होने कोविड-19 का टीका लगवाना है या नही, इस बारे मे लंबे वक्त तक एवं बहुत अधिक सोचा है। इन विचारों को कैसे बदला जा सकता है, इस बारे मे वैज्ञानिकों का कहना है कि आदर्श तौर पर तो लोगों के साथ बैठकर, उन्हे सुनकर और फिर चर्चा कर ऐसा किया जाना चाहिए। वास्तव मे जनस्वास्थ्य अभियानकर्ताओ के पास केवल सामूहिक संदेश उपलब्ध है, टीवी पर और सोशल मीडिया पर संदेश प्रसारित कर तथा होर्डिंग के माध्यम से जानकारियों को प्रचारित करना। ए व्यक्तिगत विश्वास की गहरी जड़ों को तोड़ने मे कई बार उतने प्रभावी साबित नही होते है। कुछ वर्षो मे, ऑक्सफोर्ड कोरोना वायरस एक्सप्लेनेशन्स, एटीट्यूड्स एंड नैरेटिव्स सर्वेज (ओशियन्स) की टीम ने इस दिशा मे जवाब ढूंढने का प्रयास किया है। इस टीम ने टीका के खिलाफ या निर्णय नही लेने वाले लोगों के विचार जानकर उनकी हिचकिचाहट की मनोवैज्ञानिक व्याख्या करने का प्रयास किया है। टीम ने पाया कि यह हिचकिचाहट कई मान्यताओ से जुड़ी हुई है जिसमें सबसे बड़ा कारण टीकाकरण के सामूहिक लाभ को लेकर संशय है।

क्वींसलैंड (ऑस्ट्रेलिया)। बोस्टन स्थित फार्मास्युटिकल कंपनी मॉडर्ना ने कोविड-19 के अपने टीके की 2.5 करोड़ खुराकों के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ नए आपूर्ति समझौते की रातों-रात घोषणा की है। इस समझौते में एक करोड़ खुराक कोरोना वायरस के मूल स्वरूप के खिलाफ हैं जिनकी आपूर्ति इस साल की जानी है। कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में इस टीके का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हो रहा है लेकिन यह टीका काम कैसे करता है, कितना सुरक्षित है और कोरोना वायरस के परिवर्तित स्वरूपों पर कारगर है या नहीं इसे लेकर कई सवाल हैं। कई देशों और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने आपातकालीन प्रयोग के तहत इसके इस्तेमाल को स्वीकृति दी है। ऑस्ट्रेलिया के साथ हुए मॉडर्ना के सौदे में इसके अद्यतन प्रकार समर्थक (वैरिएंट बूस्टर) संभावित टीके की 1.5 करोड़ खुराकें भी शामिल हैं जो 2022 तक उपलब्ध कराई जा सकती हैं। यह सौदा ऑस्ट्रेलिया के औषध नियामक, थेरेप्यूटिक गुड्स एडमिनिस्ट्रेशन (टीजीए) की स्वीकृति के अधीन है- मूल टीके और बूस्टर दोनों के लिए। मॉडर्ना द्वारा जल्द ही इस संबंध में टीजीए के समक्ष एक आवेदन जमा किए जाने की संभावना है। मॉडर्ना का टीका कैसे काम करता है? मूल प्रकार के खिलाफ मॉडर्ना का टीका दो खुराकों में दिया जाता है। दोनों टीकें और इसका अद्यतन बूस्टर टीका एमआरएनए टीके हैं (जैसे फाइजर का टीका है)। इस टीके में हमारी कोशिकाओं को कोरोना वायरस का स्पाइक प्रोटीन बनाने के लिए आनुवंशिक निर्देश होते हैं। एमआरएनए एक तैलीय खोल में लिपटा होता है जो शरीर में इसे तत्काल विकृत होने से रोकता है और सुनिश्चित करता है कि टीका लगने के बाद यह कोशिकाओं तक पहुंचे।

इजराइल के हमले में 33 लोगों की मौत

● गाजा सिटी में कई इमारतें जमींदोज

भाषा। गाजा सिट

इजराइल ने रविवार को गाजा सिटी में हवाई हमले में तीन इमारतों को गिरा दिया और हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए। इजराइल और हमास के बीच एक सप्ताह पहले शुरू हुए संघर्ष के दौरान एक दिन में यह सबसे भीषण हमला है। वहीं फलस्तीन के गाजा क्षेत्र के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि गाजा शहर में एक मुख्य आम रास्ते पर इजराइल द्वारा किए गए हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या 33 हो गई है, जिनमें 12 महिलाएं और आठ बच्चे शामिल हैं। इजराइल और गाजा के हमास शासन के बीच लगभग एक सप्ताह पहले शुरू हुई लड़ाई के बाद से यह अब तक सर्वाधिक भीषण हमला था। मंत्रालय ने कहा कि रविवार सुबह हुए हमलों में 50 अन्य लोग घायल भी हुए हैं जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। इससे पहले इजराइली सेना ने कहा कि उसने दक्षिणी शहर खान यूनिस में अलग हवाई हमले में गाजा के शीर्ष हमास नेता याहिया सिनवार के आवास को जमींदोज कर दिया। हमास के वरिष्ठ नेताओं के घरों पर पिछले दो दिनों में यह तीसरा हमला है। वहीं, हमले के मद्देनजर हमास के कई नेता भूमिगत हो गए हैं। इजराइल ने हमास को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाने के लिए हालिया दिनों में हमले तेज कर दिए हैं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय वार्ताकार भी दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन हमास के नेताओं को निशाना बनाए जाने से इन प्रयासों में मुश्किलें आ सकती हैं। तनाव कम करने के लिए क्षेत्र में एक अमेरिकी राजनयिक भी आए हुए है।

इस्लामी नेताओं ने आपातकालीन बैठक की

दुबई। गाजा की स्थिति को लेकर 57 सदस्यीय इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) की रविवार को आपातकालीन डिजिटल बैठक हुई ताकि गाजा पट्टी पर इजराइल की सेना के हमले को रोका जा सके। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद हनीफ आत्मार ने कहा, फलस्तीनी लोगों की दुर्दशा से इस्लामिक दुनिया आज लहूलुहान है। सऊदी अरब के विदेश मंत्री शहजादा फैसल बिन फरहान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि गाजा के खिलाफ इजराइल के सैन्य अभियान को खत्म करने की दिशा मे काम किया जाए और तटीय क्षेत्र मे सहायता पहुंचने दी जाए।पश्चिमी तट के रामल्ला से फलस्तीन के विदेश मंत्री रियाद मालकी ने इजराइल पर बरसते हुए उसे रंगभेदी देश करार दिया जो गाजा मे हमारे लोगो के खिलाफ अपराध और क्रूरता कर रहा है। उन्होने इसे कायराना हमले करार देते हुए कहा, हमे अल्लाह से कहने की जरूरत है कि हम अंतिम दिन तक विरोध करेंगे। हम पर लंबे समय से कब्जा है। यही समस्या की जड़ है। यरूशलम ही लक्ष्मण रेखा है। इजराइल की हत्या मशीन से हमारे लोग नही डरेंगे।

इजराइली सेना ने गाजा में हमास के शीर्ष नेता के घर को बनाया निशाना

यरुशलम। इजराइली सेना ने रविवार को कहा कि उसने गाजा में हमास के एक शीर्ष नेता के घर पर हमला किया है। गाजा से इजराइल में हवाई हमले और रॉकेट दागे जाने के करीब एक हफ्ते बाद यह हमला किया गया। सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल हिदाई जिल्बरमैन ने रविवार को इजराइली सेना के रेडियो को बताया कि सेना ने गाजा में हमास के सबसे वरिष्ठ नेता एहिएह सिनवार के घर को निशाना बनाया है जो समूह के बाकी शीर्ष नेताओं के साथ संभवतः वहां छिपा था। उसका मकान दक्षिण गाजा पट्टी में खान युनूस शहर में स्थित है। सेना ने बताया कि उसने सिनवार के भाई के घर पर भी हमला किया है।

भारतीय एनजीओ को भारत-आस्ट्रेलिया बिजनेस पुरस्कार

मेलबर्न। भारत के विभिन्न हिस्सों मे वंचित तबके के लोगो की आंखो की जांच करने के कार्य मे संलग्न एक भारतीय गैर सरकारी संस्था (एनजीओ) को आईएबीसीए कम्युनिटी सर्विसेस एक्सीलेंस अवार्ड (आर्गेनाइजेशन) से नवाजा गया है। इंडिया विजन इंस्टीट्यूट (आईवीआई) ने सिडनी मे भारत-ऑस्ट्रेलिया बिजनेस एंड कम्युनिटी अवार्ड्स (आईएबीसीए) गाला मे शनिवार को करीब।,000 आमंत्रित अतिथियों की उपस्थिति मे यह पुरस्कार जीता।

पाक में कबायली समूहों के बीच गोलीबारी में नौ मरे

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत मे दो कबायली समूहो के बीच गोलीबारी मे कम से कम नौ लोगो की मौत हो गई और पांच अन्य जख्मी हो गए। यह जानकारी रविवार को एक मीडिया रिपोर्ट मे दी गई। एआरवाई न्यूज ने खबर दी कि शनिवार को कांधकोट मे पुरानी दुश्मनी को लेकर जगीरानी और चाहर कबायलियों के बीच गोलीबारी हुई।

अमेरिका में झूले पर फंसे 22 लोग बचाए गए

फीनिक्स (अमेरिका)। अमेरिका के अरिजोना राज्य मे एम्यूजमेंट पार्क मे बड़े झूले मे गड़बड़ी आने से 22 लोग उस पर फंस गए। बचावकर्मियो ने सभी लोगो को सुरक्षित नीचे उतार लिया। फीनिक्स के दमकल विभाग ने कहा है कि शनिवार को फीनिक्स के कैस्टल एन कोस्टर मे झूला चलने के दौरान गड़बड़ी आने से उस पर सवार लोग छह मीटर की ऊंचाई पर फंस गए।

तख्तापलट का विरोध करने वाले पर हमला

बैंकॉक। म्यांमा मे अमेरिका और ब्रिटेन के दूतावासो ने पश्चिमी चिन राज्य मे सरकार की तरफ से किए गए भीषण हमलो की खबरो पर चिंता जाहिर की है जहां सत्तारूढ़ जुंटा ने सैन्य शासन के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह के कारण मार्शल लॉ घोषित कर दिया है।

भारत को लाल सूची में डालने में विलंब का ब्रिटेन ने बचाव किया

लंदन। ब्रिटेन की सरकार ने पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ अप्रैल की शुरुआत में ही भारत को लाल सूची में नहीं डालने की आलोचना का रविवार को बचाव किया। कोविड-19 के बी1.617.2 प्रकार के मामलों में बढ़ोतरी के लिए इसे बड़ा कारक माना जा रहा है। इस प्रकार की पहचान सबसे पहले भारत में हुई। डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि बी1.617 प्रकार की जांच शुरू होने से छह दिन पहले 23 अप्रैल को उसने भारत से यात्रा को लेकर एहतियाती कदम उठाए थे और यह कदम बी1.617.2 को वैरिएंट ऑफ कंसर्न (वीओसी) बताए जाने से दो हफ्ते पहले उठाया गया। पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड के नवीनतम आंकड़े के मुताबिक लाल सूची प्रतिबंध से पहले भारत और ब्रिटेन के बीच करीब 20 हजार लोगों ने यात्रा की और दिल्ली तथा मुंबई से मार्च के अंत और 28 अप्रैल के बीच आने वाले करीब 122 लोगों में वीओसी का पता चला। ब्रिटेन की सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा, अप्रैल में भारत को लाल सूची में डालने से पहले ब्रिटेन आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए निगेटिव होना और दस दिनों तक पृथक-वास में रहना आवश्यक था।

शांति वार्ता फिर से शुरू करने की अपील के बीच अफगानिस्तान में संघर्ष विराम समाप्त

काबुल। अफगानिस्तान सरकार और तालिबान के बीच शांति वार्ता फिर से शुरू किए जाने की अपीलों के बीच देश में तीन दिवसीय संघर्ष विराम रविवार को समाप्त हो गया। हालांकि इन तीन दिन में भी हिंसक हमले हुए, जिनमें से कुछ की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट समूह ने ली है। तालिबान के राजनीतिक प्रवक्ता सुहेल शाहीन ने बताया कि अफगानिस्तान और तालिबान के बीच कतर में शनिवार को संक्षिप्त बैठक हुई, जिसमें उन्होंने युद्ध को शांतिपूर्ण रूप से समाप्त करने का रास्ता खोजने की प्रतिबद्धता दोहराई।

बाइडन ने अब्बास व नेतन्याहू से की चर्चा

रामल्ला (वेस्ट बैंक)। फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से फोन पर बात कर इजराइल से जारी संघर्ष में हस्तक्षेप करने और इजराइली पक्ष द्वारा फलस्तीन पर हो रहे हमलों को बंद करवाने का आह्वान किया। फलस्तीन की सरकारी समाचार एजेंसी वाफा ने शनिवार को यह जानकारी दी। वहीं जो बाइडन और इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा की स्थिति को लेकर बातचीत की है। नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक इजराइली नेता ने बाइडन को घटनाओं और इजराइल द्वारा की जा रही कार्वाई या संभावित कदम की जानकारी दी। नेतन्याहू ने बाइडन को हमारे आत्मरक्षा के अधिकार का अमेरिका द्वारा बिनाशर्त दिए गए समर्थन के लिए भी धन्यवाद दिया।

अधिकार समूहों ने आईसीसी से जांच करने की मांग की

बेरूत। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूह ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) से इजराइल द्वारा मीडिया संस्थानो की इमारत पर और अन्य हमले की जांच करने की मांग की है

पोप ने हिंसा की निंदा की

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस ने इजराइल और फलस्तीनियो के बीच अस्वीकार्य हिंसा की कड़ी निंदा की और कहा कि खासतौर पर बच्चो की मौत संकेत है कि वे भविष्य का निर्माण नही करना चाहते है बल्कि विध्वंस करना चाहते है।

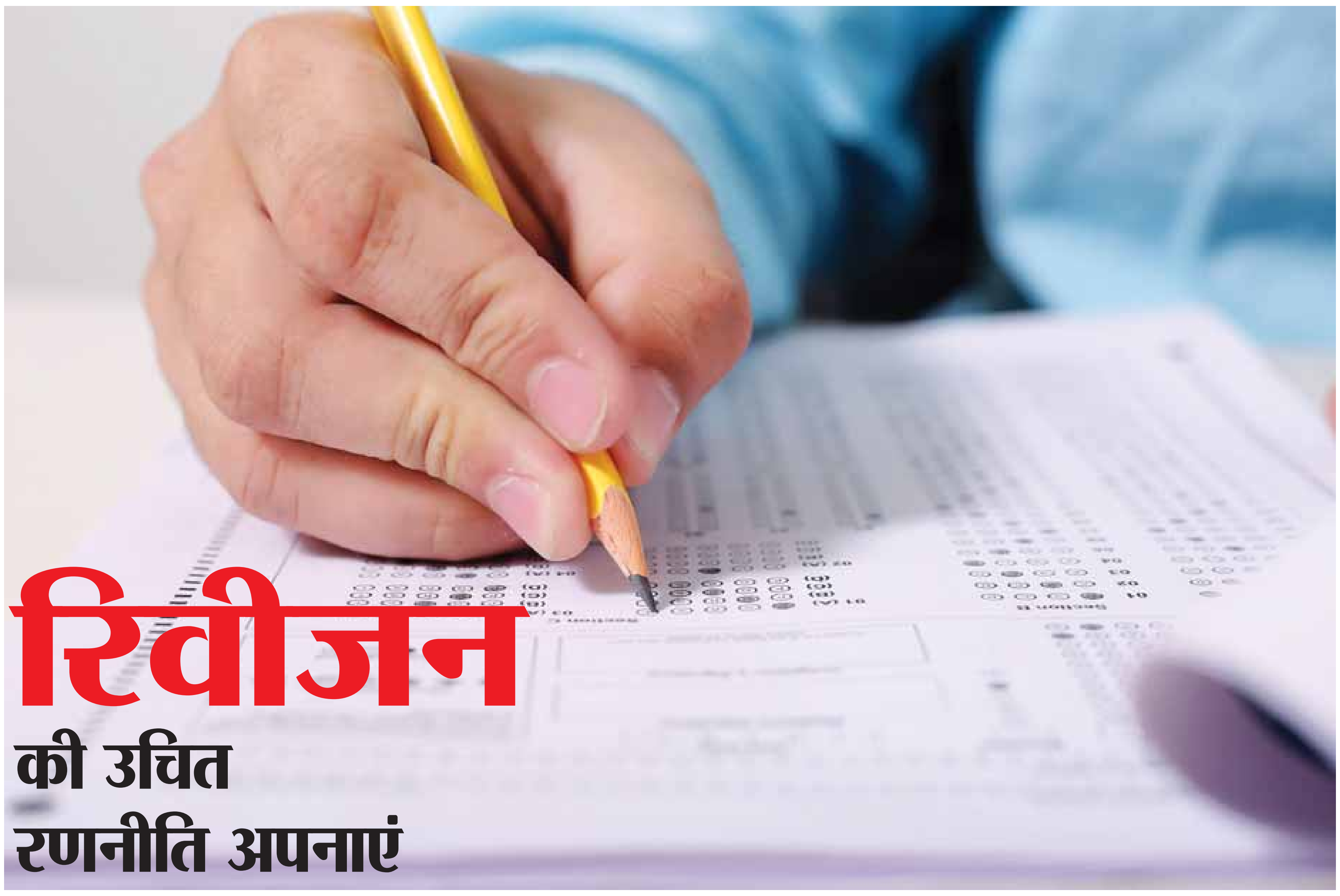

रिवीजन की उचित रणनीति अपनाएं

जेईई मेन मई सत्र स्थगित कर दिया गया है। मुश्बा हाशमी ने मोशन एजुकेशन के प्रबंध निदेशक नितिन विजय के साथ बात की, जिन्होंने इस बारे में बताया कि छात्र इस समय का सर्वोत्तम उपयोग कैसे कर सकते हैं और अच्छा स्कोर कर सकते हैं।

जेईई मेन एक बार फिर स्थगित कर दिया गया है। जबकि कई लोग लगातार देरी से खुश नहीं हैं, लेकिन यह बिना कहे मान लेने योग्य है कि यह निश्चित रूप से समय की जरूरत है। इससे भी ज्यादा, जब देश में प्रतिदिन 3.5 लाख से अधिक मामले सामने आ रहे हैं।

मोशन एजुकेशन के प्रबंध निदेशक नितिन विजय कहते हैं, ''कोई भी उसके बारे में कुछ नहीं कर सकता। एकमात्र सकारात्मक हिस्सा यह है कि छात्रों को अध्ययन के लिए अधिक समय मिल रहा है।''

कहा जा रहा है कि यह छात्रों के लिए आशा खोने और आत्मसंतुष्ट होने का समय नहीं है, इसके बजाय उन्हें इस अवधि का उपयोग अपने कमजोर विषयों पर अध्ययन और काम करने के लिए करना चाहिए।

विजय बताते हैं, ''यदि कोई छात्र मई सत्र का प्रयास करने की तैयारी कर रहा था, तो हम मानते हैं कि उसने अपना पाठ्यक्रम पूरा कर लिया होगा। इसलिए, छात्रों को अब उचित संशोधन रणनीतियों का पालन करना होगा। उन्हें कम से कम अगले दो महीनों में प्रत्येक अध्याय को दो बार संशोधित करना होगा। उनका ध्यान सही संशोधन रणनीतियों का पालन करने पर होना चाहिए, इससे उन्हें बड़ी मदद मिलेगी।'' छात्र अपनी कमजोर अवधारणाओं पर ध्यान केंद्रित करके और जितना हो सके अभ्यास करके शुरुआत कर सकते हैं।

हालांकि, यह उतना आसान नहीं हो सकता जितना लगता है। लगातार देरी के परिणामस्वरूप छात्रों की प्रेरणा खो सकती है। इसलिए, खुद को प्रेरित रखना महत्वपूर्ण है।

उनका कहना है, ''छात्रों को खुद को प्रेरित रखना होगा। तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिलने के सकारात्मक पक्ष के बारे में सोचने से मदद मिल सकती है। लेकिन, साथ ही उन्हें यह भी महसूस करना होगा कि प्रत्येक छात्र को समान समय मिल रहा है। इसलिए, उन्हें इसका सर्वोत्तम संभव तरीके से उपयोग करना होगा। यह समय उनके भविष्य की दिशा बदल देगा। छात्रों को सभी निराशा और नकारात्मकता को दूर करने और अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।''

> **अपनी गलतियों को पहचानो और उन्हें सुधारो। अधिकांश समय, छात्र अपनी गलतियों को पहचानने से चूक जाते हैं, इस तरह वे इसे करना जारी रखते हैं। इसके बाद, अपनी सटीकता और गति पर काम करें। इससे आपको पढ़ाई के लिए मोटिवेशन मिलेगा। प्रश्नों को एक बार में पढ़ना सीखें, यह एक ऐसा भाग है जिससे अधिकांश छात्र छूट जाते हैं। वे नहीं जानते कि एक प्रश्न को एक बार में कैसे पढ़ा जाए।**

गति में सुधार एक अन्य कारक है जिस पर छात्र इस दौरान काम कर सकते हैं।

विजय कहते हैं, ''अपनी गलतियों को पहचानो और उन्हें सुधारो। अधिकांश समय, छात्र अपनी गलतियों को पहचानने से चूक जाते हैं, इस तरह वे इसे करना जारी रखते हैं। इसके बाद, अपनी सटीकता और गति पर काम करें। इससे आपको पढ़ाई के लिए मोटिवेशन मिलेगा। प्रश्नों को एक बार में पढ़ना सीखें, यह एक ऐसा भाग है जिससे अधिकांश छात्र छूट जाते हैं। वे नहीं जानते कि एक प्रश्न को एक बार में कैसे पढ़ा जाए।''

वो बताते हैं, ''इसके पीछे कारण यह है कि छात्र किसी प्रश्न को पूर्ण कथन के रूप में नहीं पढ़ते हैं, वे इसे शब्द दर शब्द पढ़ते हैं। प्रश्न को एक कथन के रूप में पढ़ने का प्रयास करें, जो आपके मन में कहता है उसे चित्रित करें और फिर उसे समझें। अभ्यास करते रहें और आप एक बार में प्रश्नों को पढ़ना सीखेंगे। प्रेरणा के साथ अच्छी रणनीति आपको अच्छे अंक हासिल करने में मदद करेगी।''

वह इस तथ्य पर जोर देते हैं कि इन देरी का मतलब समय की बर्बादी नहीं है। यह स्पष्ट रूप से छात्रों के लिए एक बोनस का समय है।

वो आगे कहते हैं, ''अगर आप और आपका परिवार घर पर सुरक्षित हैं, तो भगवान का शुक्रिया अदा करें और समय को उपहार के रूप में देखें। अगर आप अपनी सोच बदल सकते हैं, तो आप अपना जीवन बदल सकते हैं। यह मानसिकता का खेल है।''

विजय कहते हैं कि उनके संस्थान के छात्र इसे पहले ही समझ चुके हैं और बाकी चीजों के बारे में सोचे बिना सवाल पूछने और समस्याओं को हल करने में व्यस्त हैं। ''जो लोग वास्तव में पढ़ाई में रुचि रखते हैं, वे कभी भी, कहीं भी पढ़ सकते हैं। उन्हें बस प्रेरणा की जरूरत है।''

हमारे सभी पाठ्यक्रम उद्योग आधारित हैं

अटरिया विश्वविद्यालय अक्टूबर में छात्रों के प्रवेश हेतु द्वारा खोलने जा रहा है। इस संबंध में शालिनी सक्सेना ने सीईओ सहीम राहीमान से बातचीत की। प्रस्तुत हैं उसी वार्तालाप के कुछ अंश :

Shaheem Rahiman
CEO, Atria University

ऑनलाइन पद्धति से बच्चे कितना सीख रहे हैं?

हम सभी इस बात से सहमत हैं कि सहकर्मी सीखने और एक-दूसरे की राय जानने के साथ बड़ी मात्रा में सीखने या प्रभावी सीखने की प्रक्रिया होती है और ये सभी चीजें वास्तव में ऑनलाइन शिक्षा मॉडल में सूख गई हैं। यहां तक ??कि अपने स्वयं के कार्य जीवन में भी मैंने देखा है कि जब लॉकडाउन शुरू हुआ तो हम सभी वस्तुत: काम कर रहे थे और शुरुआत में हमारी अद्भुत बैठकें होती थीं, जब आप किसी समस्या को हल करना चाहते हैं तो आप चाहते हैं कि हर कोई नए विचारों के साथ आए। जैसे-जैसे लॉकडाउन आगे बढ़ा, कोई भी कॉल पर विपरीत राय नहीं रखना चाहता, कोई भी कॉल पर विरोधी दृष्टिकोण नहीं रखना चाहता क्योंकि उन्हें लगता है कि वे उतना भाग नहीं ले रहे हैं।

हमें अटरिया विश्वविद्यालय के बारे में बताएं। यह एक साल पुराना है।

हमें उत्पाद को लॉन्च किए करीब दो साल हो चुके हैं लेकिन हम अभी तक पहले बैच के लिए लाइव नहीं हुए हैं। पहला बैच इस साल अक्टूबर में शुरू हो रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कर्नाटक राज्य उच्च शिक्षा ने घोषणा की है कि अगला शैक्षणिक वर्ष अक्टूबर में शुरू होगा। हम विश्वविद्यालय के लिए अनुमोदन प्राप्त करने के अंतिम चरण में हैं, इसलिए शैक्षणिक वर्ष शुरू होने से पहले यह सब हो जाएगा।

छात्रों को कौन से कोर्स ऑफर किए जा रहे हैं?

हमारे पास पांच मेजर हैं। उनमें से एक गतिशीलता है। फिर हमारे पास जीवन विज्ञान है। नंबर तीन डिजिटल परिवर्तन है। फिर हमारे पास इंटरेक्टिव तकनीक है। नंबर 5 पर एनर्जी साइंस है। डिग्री बीटेक फिर बैचलर ऑफ डिजाइन (बीडीएस) फिर बीएससी और बीबीए हैं।

एक छात्र कैसे आवेदन करता है?

बाहरी दुनिया की तरह, एक छात्र एक अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए विश्वविद्यालय में शामिल होता है। छात्र फाउंडेशन कोर्स से गुजरते हैं, भले ही वे स्कूल से विज्ञान या वाणिज्य पृष्ठभूमि से आए हों। ये फाउंडेशन कोर्स 12 महीने के लिए होते हैं। पोस्ट करें कि छह से नौ महीने की अवधि है जहां छात्र इन क्षेत्रों में से प्रत्येक में नमूना पाठ्यक्रम या परियोजनाओं को प्राप्त करता है, वहां पांच प्रमुख और चार डिग्री हैं। वे इनमें से प्रत्येक या उनमें से प्रत्येक का छह से महीने की अवधि में नमूना लेते हैं।

संकाय के बारे में कुछ बताएं?

यह एक बहुत ही उद्योग के नेतृत्व वाला कार्यक्रम है जहां परियोजनाएं उद्योग से भी होती हैं। अधिकांश पाठ्यक्रम वास्तव में उद्योग जगत के नेताओं द्वारा डिजाइन किए गए हैं और शिक्षाविद इसे सम्मानित करने में मदद कर रहे हैं। वे चार सप्ताह की अवधि के लिए परिसर में आएंगे, पढ़ाएंगे और चले जाएंगे।

शुल्क संरचना क्या है?

अकादमिक के लिए हमारी कीमत 7 लाख रुपए प्रति वर्ष है और फिर आवासीय 1.8 लाख है।

अगले पांच वर्षों के लिए आपका क्या दृष्टिकोण है?

टिकाऊ होने के लिए, मुझे 10 साल आगे सोचना चाहिए। मैं परिसर में 10 वर्षों में 5,000 से 7,000 छात्रों के बीच स्केलिंग कर रहा हूं। जब तक पहला बैच निकल जाता है, मेरा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हर कोई जो इस वर्ष हमारे साथ जुड़ता है, वास्तव में कर्मचारियों के रूप में बाहर जा रहा होगा और जरूरी नहीं कि नौकरी की तलाश में हो क्योंकि मॉडल खुद दूसरे से नौ महीने की इंटर्नशिप की अनुमति देता है। साल। विचार यह है कि छात्र इन परियोजनाओं पर उद्योग में बड़े संगठनों के साथ काम करेंगे और उन कंपनियों में व्यवस्थित रूप से लीन हो जाएंगे जिनके साथ उन्होंने काम किया है।

स्कॉलरशिप

वासा विश्वविद्यालय, फिनलैंड वैश्विक छात्र छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। प्रायोजन उन छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा जो किसी भी मास्टर डिग्री प्रोग्राम को करने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

पात्रता : छात्र केवल प्रथम वर्ष के आवेदक होने चाहिए। सहायक दस्तावेज़ (विदेशी) डिग्री प्रमाण पत्र या एक अनंतिम प्रमाण पत्र की एक प्रति; विश्वविद्यालय के अभिलेखों के टेप।

प्रवेश आवश्यकताएं : छात्रों को मास्टर डिग्री प्रोग्राम में स्वीकार किए जाने के लिए 120 ईसीटीएस पूरा करना होगा।

भाषा की आवश्यकता : छात्रों को निम्नलिखित अंग्रेजी भाषा प्रवीणता परीक्षा स्कोर जमा करना होगा: टीओईएफएल पीबीटी - 580; टीओईएफएल आईबीटी - 92; आरपीडीटी- 20 रीडिंग सेक्शन का न्यूनतम स्कोर, सुनने वाले सेक्शन में न्यूनतम स्कोर 20 और राइटिंग सेक्शन में न्यूनतम स्कोर 22। माईबेस्टस्कोर भी स्वीकार किया जाता है।

आवेदन कैसे करें : छात्रों को अपने पसंदीदा मास्टर प्रोग्राम में ऑनलाइन आवेदन करना होगा। स्वीकृत छात्रों पर स्वत: विचार किया जाएगा।

आवेदन की समय सीमा : तिथि 31 जुलाई, 2021 है।

बेलर विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए आवश्यकता-आधारित पुरस्कारों की घोषणा की है।

अनुदान शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 के लिए उपलब्ध है।

पुरस्कार: बायलर विश्वविद्यालय छात्रों को अमेरिका में उनके अध्ययन के लिए आवश्यकता-आधारित 1,000 डॉलर से 5,000 डॉलर तक प्रदान करेगा।

पात्रता : अंतर्राष्ट्रीय छात्र आवेदन कर सकते हैं। बायलर द्वारा पेश किए गए सभी ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम लागू होते हैं।

सहायक दस्तावेज : छात्रों को विश्वविद्यालय में निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है : निबंध; हाई स्कूल टेप; जांच के अंक। अन्य डिग्री-विशिष्ट आवश्यकताएं

प्रवेश आवश्यकताएं : छात्रों के पास 1200 और 1380 के बीच औसत एसएटी स्कोर होना चाहिए या बायलर में भर्ती होने के लिए 26 से 32 का औसत एसीटी स्कोर होना चाहिए।

भाषा की आवश्यकता : छात्रों के पास निम्नलिखित अंग्रेजी भाषा प्रवीणता परीक्षाओं के आवश्यक अंक होने चाहिए : आईईएलटीएस - 6.5। टीओईएफएल आईबीटी - कुल मिलाकर 80।

आवेदन कैसे करें : छात्रों को बायलर ऑनलाइन आवेदन या सामान्य आवेदन का उपयोग करके ऑनलाइन आवेदन करना होगा। सहायता प्राप्त करने के लिए आवेदन करने के लिए, छात्रों को आवश्यकता-आधारित सहायता के लिए एफएएफएसए आवेदन और सीएसएस प्रोफ़ाइल को पूरा करना होगा।

आवेदन की अंतिम तिथि : आवेदन करने की अंतिम तिथि 2 नवंबर, 2021 है।

सबसे अच्छी चिकित्सक है प्रकृति

विचार करें

वर्तमान महामारी के कारण, कई लोग चिंता, तनाव और अवसाद के बढ़ते स्तर के साथ मनोवैज्ञानिक संकट से पीड़ित हैं। इसने लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाला है जो एक परेशान भविष्य का भी संकेत देता है। लेकिन यह भी सच है कि मनुष्य की प्रतिकूलताओं को दूर करने की क्षमता को अक्सर कम करके आंका जाता है, विशेष रूप से भारी बहुमत के लिए जो प्रकृति के साथ रहना पसंद करते हैं।

इसका मतलब यह नहीं है कि मानसिक स्वास्थ्य पर कोविड-19 का प्रभाव वास्तविक नहीं है, और न ही यह कुछ मामलों में लंबे समय तक चलने वाला नहीं है। यह वास्तविक है, और यह कई लोगों के लिए रहेगा। फिर भी यह रेखांकित करना भी महत्वपूर्ण है कि यह उन लोगों के लिए स्वस्थ चिकित्सीय है जो प्रकृति के बीच समय बिताते हैं।

प्रकृति चिकित्सा की एक जापानी प्रथा है - वन स्नान या शिनरिन-योकू। यह बस बाहर पेड़ों की छांव के नीचे समय बिता रहा है। जापानी में, शिनरिन का अर्थ है जंगल और योक का अर्थ है स्नान, या जंगल में खुद को विसर्जित करना और इंद्रियों के माध्यम से वातावरण में भिगोना। एक अध्ययन में, प्रकृति-चिकित्सा विशेषज्ञ, योशिफुमी मियाज़ाकी ने पाया कि जिन लोगों ने जंगल में 40 मिनट पैदल चलने में बिताया, उनमें तनाव का स्तर कम था। उन्होंने कहा : ''जंगल में समय बिताने से शारीरिक विश्राम की स्थिति पैदा होती है।''

एक अन्य शोधकर्ता, डॉ. किंग ली ने पाया कि पेड़ और पौधे फाइटोनसाइड्स नामक सुगंधित यौगिकों का उत्सर्जन करते हैं, जो जब सास लेते हैं, तो अरोमाथेरेपी के समान स्वस्थ जैविक परिवर्तनों को प्रेरित कर सकते हैं, जिसका अध्ययन इसके

चिकित्सीय लाभों के लिए भी किया गया है। हाल के कई अध्ययन हैं जिन्होंने प्रकृति को हृदय रोग, अवसाद, कैंसर, चिंता और ध्यान विकारों जैसे स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के लिए लक्षणों से राहत से जोड़ा है।

प्रकृति के प्रति प्रेम एक ऐसी चीज है जो हम सभी में गहराई से निहित है। हम पारिस्थितिकी तंत्र और प्रकृति का उतना ही हिस्सा हैं जितना कि पौधे और जानवर। हम शहरों में चाहे कितने भी कंक्रीट के जंगल बना लें, हमें पौधों और पेड़ों के परिवेश में स्वाभाविक रूप से खुश होने की संभावना है।

प्रकृति के प्रति एक्सपोजर, या यहां तक कि केवल इसका अवलोकन करने से हमें क्रोध, चिंता और तनाव को कम करने में मदद मिलती है। प्रकृति के साथ हमारे ब्रश का प्रभाव न केवल भावनात्मक बल्कि शारीरिक और स्नायविक भी है। विशेषज्ञ पौधों से जुड़ने की हमारी सहज प्रवृत्ति को बायोफिलिया कहते हैं।

मनोदशा संबंधी विकारों के लिए भी प्रकृति में समय बिताना फायदेमंद होता है- ऐसी कई स्थितियाँ होती हैं जब हमें साग की गोद में आराम करने की तीव्र इच्छा होती है। उदाहरण के लिए, जब हम एक महत्वपूर्ण निर्णय लेने की दुविधा से जूझ रहे होते हैं, तो हमें अक्सर बंदूक चलाने से पहले बगीचे में टहलने की सलाह दी जाती है।

इसी तरह, भारी वर्षा के बाद, जब हम हवा में सुखद ओस वाले पेट्रीचोर का अनुभव करना चाहते हैं, और प्राचीन रंगों का आनंद लेना चाहते हैं, तो हमें प्रकृति के साथ अपनी कोशिश करने का एक कारण मिलता है। यहां तक ??कि जब हम तनावग्रस्त या चिंतित होते हैं, तब भी हमें अपने ईंट और मोर्टार के घरों से बाहर निकलने और एक शांत जगह की ओर चलने का आग्रह होता है जो हमेशा हरा-भरा होता है।

प्रकृति हमें एक दूसरे से जुड़ने में मदद करती है। जब हम सुंदर प्राकृतिक दृश्यों को देखते हैं, सहानुभूति और प्रेम की भावना हमारे मस्तिष्क में चमकती है, लेकिन जब हम केवल दीवारों या इमारतों को देखते हैं जैसा कि लॉकडाउन के दौरान होता है, तो हम भय और चिंता से परेशान हो जाते हैं।

इसलिए जब भी संभव हो प्रकृति के बीच रहें। पक्षियों को सुनें, हवा को महसूस करें, पेड़ों की पत्तियों, सुंदर फूलों को देखें, या ताजी हवा में सांस लेने के लिए कुछ समय निकालें। बादलों के साथ फिर से जुड़ें जैसे बच्चे करते हैं; उनमें आकृतियों की तलाश करें। यह तुरंत जीवन को परिप्रेक्ष्य में रख सकता है।

> **जब भी संभव हो प्रकृति के बीच रहें। पक्षियों को सुनें, हवा को महसूस करें, पेड़ों की पत्तियों, सुंदर फूलों को देखें, या ताजी हवा में सांस लेने के लिए कुछ समय निकालें। बादलों के साथ फिर से जुड़ें जैसे बच्चे करते हैं; उनमें आकृतियों की तलाश करें। यह तुरंत जीवन को परिप्रेक्ष्य में रख सकता है। अगर हम बाहर नहीं भी जा सकते हैं, तो बाहर को अंदर लाने की कोशिश करें। प्रकृति हमें एक दूसरे से जुड़ने में मदद करती है।**

अगर हम बाहर नहीं भी जा सकते हैं, तो बाहर को अंदर लाने की कोशिश करें। एक खिड़की से एक कुर्सी खींचो और प्रकृति का निरीक्षण करो, हवा को महसूस करो। अपनी आँखें बंद करें और कुछ सुकून देने वाली प्रकृति की आवाज़ें सुनने की कोशिश करें जैसे सुखदायक पक्षी गाते हैं, पानी की प्राकृतिक आवाज़। प्रकृति वास्तव में सबसे अच्छी चिकित्सक है।

लेखक हैं डॉ. मुकेश क्कात्रा, संस्थापक, स्माइलिंग ट्री